THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

पार्टी नहीं छोड़ रहे अधीर रंजन चौधरी

कोलकाता, 7 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी की हार के बाद से अटकलें लगाई जा रही थी कि वे पार्टी छोड़ रहे हैं। लेकिन इसी बीच उन्होंने पार्टी मीटिंग में शामिल होने की बात कर इन सब अफवाहों को खत्म कर दिया।

देश में सात चरणों में लोकसभा चुनाव हुए। इनका परिणाम मंगलवार 4 जून को घोषित किया गया। पश्चिम बंगाल में चुनाव काफी रोचक रहा। चुनाव के लिए भाजपा, टीएमसी, कांग्रेस और अन्य दलों ने जान लगा दी। पश्चिम बंगाल की बरहामपुर सीट से कांग्रेस ने अपने नेता अधीर रंजन चौधरी को मैदान में उतारा। वहीं भाजपा ने निर्मल कुमार साहा को मैदान में उतारा। वहीं टीएमसी ने पूर्व क्रिकेटर युसुफ पठान को प्रत्याशी घोषित किया।

वर्ष-29 अंक : 76 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **ज्येष्ठ.2 2081 शनिवार, 8 जून-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16** **मूल्य : 8 रुपये**

एनडीए के तीसरी बार नेता चुने गये पीएम मोदी

> *राष्ट्र प्रथम की मूल भावना से प्रतिबद्ध हैं*

> *गरीब कल्याण, गुड गर्वनेंस के 10 साल*

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। केंद्र में एनडीए लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। नरेंद्र मोदी एक बार फिर प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। शुक्रवार को संसद भवन में उन्हें एनडीए संसदीय दल का नेता चुन लिया गया। इस दौरान उन्होंने खुलकर अपनी बात को रखा। पीएम मोदी ने कहा कि साथियों प्री पोल्स एलायंस हिंदुस्तान के गठबंधन के इतिहास में इतना सफल कभी भी नहीं हुआ है जितना एनडीए हुआ है। ये गठबंधन की विजय है। हमने बहुमत हासिल किया है और मैं कई बार कह चुका हूं कि सरकार चलाने के लिए बहुमत आवश्यक है। लोकतंत्र का वही एक सिद्धांत है लेकिन देश चलाने के लिए सर्वमत होना बहुत जरूरी होता है। देशवासियों को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि आपने जो बहुमत देकर सरकार चलाने का मौका दिया है, हम विश्वास दिलाते हैं कि देश को आगे ले जाने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे।

एनडीए अलायंस पर क्या बोले पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए को करीब-करीब तीन दशक हो चुके हैं। ये सामान्य घटना नहीं है। ये तीन दशक का समय बहुत बड़ी मजबूती का संदेश देती है। मैं आज बड़े गर्व के साथ कहता हूं कि एक समय वो था कि संगठन के कार्यकर्ता के रूप में इस अलायंस का हिस्सा था और आज सदन में बैठकर आपके साथ काम करते-करते मेरा भी नाता इससे तीस सालों का रहा है। सबसे सफल अलायंस एनडीए है क्योंकि इस अलायंस ने 30 साल में से 5-5 साल के तीन टर्म सफलता पूर्वक पार किए हैं और अलायंस चौथे टर्म में प्रवेश कर रहा है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि जहां आदिवासियों की आबादी ज्यादा है, ऐसे 10 राज्यों में से सात राज्यों में एनडीए सेवा कर रहा है। जो जीतकर आए वो आभार के अधिकारी हैं। हम सर्व पंथ सद्भाव को लेकर हम संविधान को समर्पित हैं। चाहे गोवा हो या नॉर्थ ईस्ट हो जहां बड़ी संख्या में ईसाई भाई रहते हैं, उन राज्यों में भी एनडीए के रूप में हमें सेवा का अवसर मिला हुआ है। राजनीति के जो विशेषज्ञ हैं वो मुक्त मन से सोचेंगे तो पाएंगे तो ये एनडीए सत्ता प्राप्त करने या सरकार चलाने का कुछ दलों का जमावड़ा नहीं है। ये राष्ट्र प्रथम की मूल भावना से प्रतिबद्ध है। वैसा ये समूह है। तीस साल का लंबा कालखंड शुरू में शायद एकजुट हुआ होगा लेकिन आज भारत की राजनीतिक व्यवस्था में आर्गेनिक अलायंस है।

पीएम मोदी ने कहा कि ये मूल्य अटल जी, प्रकाश बादल, बाल ठाकरे, जॉर्ज फर्नांडीस, शरद यादव ने जो बीज बोया था वो आज भारत की जनता ने विश्वास का सींचन करके उस वृक्ष को वटवृक्ष बना दिया है। हम सबके पास ऐसे महान नेताओं की विरासत है। हम सबके केंद्र बिंदु में गरीब का कल्याण रहा है और देश ने एनडीए को गरीब कल्याण, गुड गर्वनेंस के 10 साल को देखा है। मैं कह सकता हूं कि देश ने इसे जिया है। >14

नतीजे सबके सामने ईवीएम को आराम करने दीजिए : सीईसी

* वह अगले चुनाव में उठेगी, उसकी बैटरी-पेपर बदलेंगे, फिर गाली खाएगी और अच्छे रिजल्ट लाएगी

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार और दोनों चुनाव आयुक्त (सीईएस)- ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू महात्मा गांधी के समाधि-स्थल राजघाट पहुंचे। यहां तीनों ने महात्मा गांधी को फूल अर्पित किए। यहां पर सीईसी ने कहा कि देश में 16 मार्च को चुनावों के ऐलान के साथ जो आचार संहिता लागू हुई थी, वह खत्म हो गई है। ईवीएम को लेकर राजीव कुमार ने कहा कि अब नतीजे सबके सामने हैं। अगले चुनाव तक ईवीएम को आराम करने दीजिए। अगले चुनाव में वह फिर उठेगी, फिर उसकी बैटरी बदली जाएगी, उसके पेपर्स बदले जाएंगे, फिर वह गाली खाएगी और वह अपने रिजल्ट अच्छे से दिखाएगी। उन्होंने कहा कि पिछले 20-22 साल से ऐसा ही हो रहा है। सरकार बदलती जाती है, केंद्र से लेकर राज्यों तक।

शायद जब ईवीएम का जन्म हुआ था, तब मुहूर्त ऐसा था कि उसको गाली खानी है, लेकिन यह एक भरोसेमंद चीज है, जो अपना काम करती रहती है। राजीव कुमार ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव होने बाकी हैं। जब हम वहां 12 मार्च को गए थे, तो हमने संकेत दिया था कि हम सही समय आने पर चुनाव कराएंगे। अभी हमारा उद्देश्य था कि लोकसभा चुनाव अच्छे से हो जाए, जम्मू-कश्मीर में लोग अपने घरों से बाहर निकलें और वोटिंग की लाइनें देखें। अब जब ये हो गया है तो हम जल्द से जल्द लोगों को सरकार बनाने और अपना नेता चुनने का मौका देंगे।

12 जून से अमरावती आंध्र की आधिकारिक राजधानी होगी

> कैपिटल बनाने में खर्च हुए 25,000 करोड़, 2014 में हुई थी घोषणा

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीते 2 जून से आंध्र प्रदेश बिना आधिकारिक पूर्ण राजधानी के ही काम रहा है, लेकिन 12 जून से राज्य को पहली आधिकारिक राजधानी मिल जाएगी। हैदराबाद से करीब 510 किमी दूर बसी अमरावती ही आंध्र की नई राजधानी होगी।

यहीं तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) चीफ चंद्रबाबू नायुडू चौथी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। इसे राजधानी बनाने में अब तक करीब 25 हजार करोड़ खर्च हो चुके हैं। 2034 तक कुल एक लाख करोड़ खर्च होने हैं। टीडीपी की राष्ट्रीय प्रवक्ता ज्योत्सना के मुताबिक इसी कार्यक्रम के साथ अमरावती राजधानी के रूप में काम करने लगेगी। ज्योत्सना के मुताबिक अमरावती में शपथ के पीछे यही मैसेज देना चाहते हैं कि अब से सरकार अमरावती से ही चलेगी। सबसे पहले सरकारी कर्मचारियों, विधायक, एमएलसी के घर बनाए जाएंगे। अमरावती को आधिकारिक राजधानी बनाने की घोषणा चंद्रबाबू नायुडू की सरकार के दौरान 2014 में ही हो गई थी, लेकिन 2019 में जगन के सीएम बनने के बाद यहां काम रोक दिया गया था। दरअसल, 2014 से अब तक हैदराबाद तेलंगाना और आंध्र की संयुक्त राजधानी थी, लेकिन 2 जून को समय सीमा खत्म होने के बाद हैदराबाद तेलंगाना की राजधानी हो गई। वैसे केंद्र सरकार 2014 में ही अमरावती को आंध्र की पूर्ण राजधानी का दर्जा दे चुकी है, लेकिन यहां सचिवालय, हाई कोर्ट, विधानसभा नहीं थी, इसलिए हैदराबाद से ही काम चल रहा था। नायुडू जब 2014 में सीएम बने तो उन्होंने आंध्र प्रदेश राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एपीसीआरडीए) का गठन किया। >14

मोदी को नीतीश की गारंटी, मैं आपके साथ रहूंगा

बोले-इधर-उधर जो थोड़ा जीत गया है न, अगली बार जब आइएगा न ऊ सब हार जाएगा

पटना/नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। दिल्ली में शुक्रवार को एनडीए की बैठक हुई। इसमें बिहार समेत एनडीए के सभी 293 सांसद, राज्यसभा सांसद और राज्यों के मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम शामिल हुए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पीएम नरेंद्र मोदी को नेता चुनने का प्रस्ताव पेश किया। जेडीयू नेता और बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने प्रस्ताव का समर्थन किया।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि हमारी पार्टी जेडीयू, भाजपा संसदीय दल के नेता नरेंद्र मोदी को भारत के प्रधानमंत्री पद के लिए समर्थन देती है। यह बहुत खुशी की बात है कि 10 साल से ये पीएम हैं और फिर पीएम होने जा रहे हैं। इन्होंने पूरे देश की सेवा की है और उम्मीद है कि अगली बार सब पूरा कर देंगे। सीएम नीतीश ने गारंटी देते हुए कहा कि हम लोग पूरे तौर पर सब दिन इनके साथ रहेंगे। हमें लगता है कि इधर-उधर जो थोड़ा जीत गया है न, अगली बार जब आइएगा न ऊ सब हार जाएगा। उन्होंने राजद पर भी हमला करते हुए कहा कि उन लोगों ने कोई काम नहीं किया है। नीतीश ने हंसते हुए कहा कि आप

आपके नेतृत्व में सभी लोग चलेंगे।

चिराग बोले- मैंने उस घर में दीया जलाया, जहां सदियों से अंधेरा था :

चिराग पासवान ने कहा कि मैं पीएम नरेंद्र मोदी को बधाई देता हूं। आपकी वजह से एनडीए की प्रचंड जीत हुई है। आप ही की इच्छा शक्ति की वजह से ये जीत हुई है। ये कोई सामान्य बात नहीं है। क्षेत्र में आपके नाम पर जो उत्साह दिखता है वो गर्व की बात है। आप ही की वजह से हम दुनिया के सामने कहते हैं देश दुनिया की 5वीं अर्थव्यवस्था बनी। चिराग ने कहा कि आप ही की इच्छा शक्ति है कि गांव और शहर की दूरी को पाट सकता है। अमीरी और गरीबी की दूरी को कम कर सकते हैं। भारत को विकसित बनाने की ओर आप ही हमलोगों को आगे ले जा सकते हैं। उन्होंने ये भी कहा कि मैं उस घर में दिया जलाने चला हूं जिस घर में सदियों से अंधेरा है। देश को आगे बढ़ाएंगे। खुशी की बात है। जल्दी से जल्दी से आपका शपथ ग्रहण हो जाए। हम तो आज ही चाहते हैं। पूरे देश को इससे फायदा होगा। इधर-उधर कोई करना चाहता है उसे कोई लाभ नहीं है।

राष्ट्रपति ने मोदी को दिया नई सरकार बनाने का न्योता

* *9 जून को शपथ ग्रहण, पीएम ने कहा-18वीं लोकसभा कुछ कर गुजरने वाली रहेगी*

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। नरेंद्र मोदी को शुक्रवार को नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) की संसदीय दल का लगातार तीसरी बार नेता चुना गया। पुराने संसद (संविधान सदन) के सेंट्रल हॉल में सुबह 11 बजे शुरू हुई मीटिंग में एनडीए के 13 दलों के नेता शामिल हुए।

बैठक में एनडीए के सभी 293 सांसद, राज्यसभा सांसद और सभी राज्यों के मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम मौजूद थे। इसके बाद एनडीए ने दोपहर 3 बजे सरकार बनाने का दावा पेश किया।

गठबंधन के नेताओं ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को समर्थन का पत्र सौंपा। बैठक के बाद

मोदी भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से उनके घर जाकर मिले। इसके बाद पीएम शाम को 6 बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने पहुंचे। राष्ट्रपति ने उन्हें सरकार बनाने का न्योता दिया। इसके बाद मोदी ने कहा कि 18वीं लोकसभा नई ऊर्जा और कुछ कर गुजरने वाली लोकसभा रहेगी।

राजनाथ ने प्रधानमंत्री पद के लिए मोदी के नाम का प्रस्ताव रखा

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने स्वागत भाषण दिया। राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी के नाम का प्रस्ताव रखा। अमित शाह ने इसका समर्थन किया और नितिन गडकरी ने अनुमोदन किया। जेडीएस अध्यक्ष कुमारस्वामी ने प्रस्ताव का समर्थन किया। इसके बाद टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायुडू, जेडीयू प्रमुख और बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने समर्थन का ऐलान किया। मोदी 9 जून को शाम 6 बजे राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री पद की तीसरी बार शपथ ले सकते हैं। खबर है कि मोदी के साथ पूरा मंत्रिमंडल शपथ ले सकता है।

नए चुने गए सांसदों में से 251 पर क्रिमिनल केस

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। 18वीं लोकसभा का रिजल्ट 4 जून को आ चुका है। नए चुने गए 543 सांसदों में से 46 प्रतिशत यानी 251 पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। इनमें से 27 सांसदों को अलग-अलग अदालतों से दोषी करार दिया जा चुका है। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट के मुताबिक दागी सांसदों का यह अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले 2019 में क्रिमिनल केस वाले 233 (43 प्रतिशत) सांसद लोकसभा पहुंचे थे। नए चुने गए 251 सांसदों में से 170 पर बलात्कार, हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे केस हैं। >14

दिल्ली की कोर्ट ने कहा-केजरीवाल ने जमकर प्रचार किया

> *डायबिटीज गंभीर-जानलेवा बीमारी नहीं*

> *दिल्ली सीएम ने मेडिकल ग्राउंड पर जमानत मांगी थी*

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने केजरीवाल की अंतरिम जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा कि केजरीवाल ने लोकसभा चुनाव के दौरान जमकर प्रचार किया है। इसका मतलब वे गंभीर बीमारी से पीड़ित नहीं हैं।

दरअसल, केजरीवाल ने मेडिकल ग्राउंड पर 7 दिन की अंतरिम जमानत की मांग की थी। सुनवाई करते हुए जज कावेरी बवेजा ने कहा, केजरीवाल को टाइप-2 डायबिटीज है। यह इतनी गंभीर बीमारी नहीं है कि उन्हें जमानत दे दी जाए। केजरीवाल ने प्रचार दौरान कई बैठकें की हैं। कई कार्यक्रमों में भाग लिया। कई जनसभाएं कीं। इससे संकेत मिलता है कि वे किसी भी जानलेवा बीमारी से पीड़ित नहीं हैं। याचिका में कहा गया है कि बीमारी के कारण उन्हें जमानत मिलनी चाहिए, लेकिन जमानत के लिए यह वैध आधार नहीं है। कोर्ट ने कहा कि मेडिकल ग्राउंड पर जमानत देने के मामलों को सावधानी से डील करना चाहिए। कोई भी जनरल बीमारी आरोपी के जमानत का आधार नहीं बन सकती। केजरीवाल के टेस्ट कस्टडी के दौरान भी कराए जा सकते हैं। कोर्ट में ईडी का पक्ष एएसजी एसवी राजू ने रखा। वहीं, केजरीवाल की ओर से वरिष्ठ वकील एन हरिहरन पेश हुए। केजरीवाल को 21 मार्च को अरेस्ट किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने 10 मई को उन्हें अंतरिम जमानत दी थी। जमानत पर 21 दिन बाहर रहने के बाद 2 जून की शाम 5 बजे केजरीवाल ने तिहाड़ में सरेंडर किया था। केजरीवाल ने 2 जून को सरेंडर के पहले आप कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था। उन्होंने कहा था कि मैं देश बचाने के लिए जेल जा रहा हूं। मुझे नहीं पता कब वापस आऊंगा। वहां मेरे साथ क्या-क्या होगा, मुझे नहीं पता।

'निर्दलीय उम्मीदवार के सिंबल की वजह से सतारा सीट जीती भाजपा'

> शरद पवार की एनसीपी का दावा, ईसी से करेगी शिकायत

मुंबई, 7 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद अब राजनीतिक दल सीट वार हार-जीत का आंकलन करने में जुटे हैं। इस कड़ी में महाराष्ट्र की सतारा लोकसभा सीट पर हुई हार को लेकर शरद पवार की एनसीपी भी मंथन कर रही है। यहां से बीजेपी उम्मीदवार के जीतने पर अब शरद पवार की पार्टी ने चुनाव आयोग जाने का फैसला किया है। पार्टी का दावा है कि उनके जैसा सिंबल निर्दलीय उम्मीदवार को भी आवंटित कर दिया गया, जिसके कारण मतदाता भ्रमित हो गए और वोटों का विभाजन हो गया, जिसके कारण इस सीट पर उनके उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ा।

इसके अलावा भी कई सीटों पर इस चुनाव चिह्न को लेकर पार्टी ने सवाल उठाए हैं। दरअसल, सतारा लोकसभा सीट से शिवाजी महाराज के 13वें वंशज उदयनराजे प्रतापसिंह भोसले ने बीजेपी के टिकट पर जीत दर्ज की है। उन्होंने एनसीपी (शरद पवार गुट) उम्मीदवार शशिकांत जयवंतराव शिंदे को 32 हजार 771 वोटों के अंतर से चुनाव हराया। उदयनराजे भोसले को 5,71,134 वोट मिले थे। वहीं, एनसीपी के शशिकांत को 5,38,363 मत हासिल हुए। वहीं जिस निर्दलीय उम्मीदवार के चुनाव सिंबल पर शरद पवार की पार्टी ने ऐतराज जताया है, उसे 37 हजार से अधिक वोट मिले। चुनाव आयोग ने इस निर्दलीय उम्मीदवार को 'पिपानी' (तुरही) चुनाव चिह्न आवंटित किया था। बता दें कि अजित पवार की बगावत के बाद दो फाड़ हुई एनसीपी में सिंबल और नाम की लड़ाई चुनाव आयोग पहुंची तो आयोग ने अजित पवार वाली पार्टी को ही असली एनसीपी करार दे दिया। इसके बाद लोकसभा चुनाव के मद्देनजर शरद पवार की पार्टी एनसीपी शरदचंद्र पवार को आयोग ने नया सिंबल 'तुरहा बजाता हुआ व्यक्ति' आवंटित कर दिया। शरद पवार की पार्टी के उम्मीदवारों का इस लोकसभा चुनाव में इसी सिंबल पर मैदान में थे। उधर, सतारा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़े। एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने दावा करते हुए कहा कि सतारा लोकसभा सीट पर एक जैसे दिखने वाले चुनाव चिह्नों के कारण उनके उम्मीदवार की हार हुई, क्योंकि मतदाताओं में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। सतारा निर्वाचन क्षेत्र में, पिपानी चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़े निर्दलीय उम्मीदवार संजय गाडे को 37,062 वोट मिले, जबकि एनसीपी (एसपी) के उम्मीदवार शशिकांत शिंदे भाजपा के उदयनराजे भोसले से 32,771 वोटों के अंतर से चुनाव हार गए।

गोपाल राय बोले-कांग्रेस-आप गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव तक था

> *विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेंगे, भाजपा बोली-यह मतलब की दोस्ती थी*

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिए इंडी गठबंधन के तहत कांग्रेस के साथ आई आम आदमी पार्टी अगले साल होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में अकेले लड़ेगी। पार्टी के दिल्ली संयोजक गोपाल राय ने गुरुवार को ऐलान किया कि कांग्रेस के साथ गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था। विधानसभा चुनाव में हम अकेले मैदान में उतरेंगे। दरअसल, सीएम हाउस पर पार्टी के दिल्ली के सभी विधायकों और नेताओं की बैठक बुलाई गई। इसमें लोकसभा चुनाव के नतीजों की समीक्षा की गई। इसके बाद राय ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा- यह पहले दिन से स्पष्ट है कि इंडी गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए था। दोनों पार्टियों ने पूरी ईमानदारी के साथ मिलकर चुनाव लड़ा, लेकिन विधानसभा के लिए देशभर में कोई गठबंधन अभी नहीं है।

उधर, भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा, ये सिर्फ मतलब की दोस्ती थी। अब ये लोग एक-दूसरे को गाली देंगे। वहीं, दिल्ली कांग्रेस के अंतरिम अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने माना था कि उनका गठबंधन कमजोर था। उन्होंने कहा- हमारे पास धन की कमी थी। लवली ने भी कांग्रेस कमेटी छोड़ दी। इससे हमारी इमेज खराब हुई। दिल्ली की सभी 7 सीटों पर 25 मई को वोटिंग हुई थी। 4 जून को आए नतीजों में सभी सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की। कांग्रेस-आप गठबंधन एक भी सीट नहीं जीत सका। दोनों पार्टियों ने कहा कि हार की समीक्षा की जाएगी।

गोपाल राय ने कहा कि हमारी बैठक में हमने दो अहम फैसले लिए हैं। आचार संहिता की वजह से पिछले 2 महीने से दिल्ली में विकास के काम ठप पड़े हैं।

10 साल बाद फिर गठबंधन सरकार का दौर

* *अबतक 31 साल रहीं गठबंधन सरकारें, आर्थिक सुधार हुआ, लेकिन सहयोगियों के रुठने-मनाने से जूझती रहीं*

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। पहले आम चुनाव (1952) के बाद से अब तक 72 सालों के चुनावी सफर में देश ने करीब 31 साल गठबंधन सरकारों का दौर देखा है। 2014 से 2024 तक नरेंद्र मोदी की अगुआई में एनडीए की सरकार जरूर थी, लेकिन इसके प्रमुख घटक भाजपा ने 2014 और 2019 में क्रमशः 282 और 303 सीटें जीती थीं।

सरकार चलाने के लिए मोदी एनडीए के घटक दलों पर निर्भर नहीं थे। लेकिन, 2024 चुनाव में भाजपा की सीटें घटकर 240 हो गई हैं, लिहाजा इस बार भाजपा को घटक दलों पर निर्भर रहना होगा। यानी देश में एक बार फिर गठबंधन सरकार का दौर शुरू हो रहा है। 1977 में बनी जनता पार्टी की सरकार पहली गठबंधन सरकार थी। इसके बाद 1989 में वीपी सिंह की अगुआई में राष्ट्रीय मोर्चा की सरकार बनी थी। उनकी सरकार के गिरने के बाद चंद्रशेखर ने कांग्रेस के बाहर से समर्थन से सरकार चलाई थी। 1991 में कांग्रेस को 232 सीटें मिलीं, जिससे पीवी नरसिंह राव को कई दलों के भरोसे रहना पड़ा। 1996 के चुनाव के बाद सबसे बड़े दल भाजपा के नेता अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री जरूर बने थे, लेकिन बहुमत नहीं जुटा सके। उनकी सरकार 13 दिनों में गिर गई। उसके बाद एच डी देवेगौड़ा की अगुआई में 13 दलों से मिलकर बने संयुक्त मोर्चा की सरकार बनी, जिसे बाहर से कांग्रेस का समर्थन हासिल था। 1996 से 2014 तक देश ने गठबंधन सरकारों को लंबा दौर देखा। गठबंधन सरकारों ने आर्थिक सुधार के मामले में दिशा दिखाई, लेकिन अपने सहयोगियों को रुठने-मनाने से जूझती रहीं।

बंगलूरु की अदालत से राहुल गांधी को मिली जमानत

कर्नाटक भाजपा ने लगाया था मानहानि का आरोप

बंगलूरू, 7 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी कर्नाटक भाजपा के मानहानि मामले में शुक्रवार को विशेष अदालत के समक्ष पेश हुए। यहां कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी। डीके सुरेश की सुरक्षा के आधार पर राहुल गांधी को जमानत दी गई है। मामले की अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी। दरअसल, राहुल पर समाचार पत्रों में मानहानिकारक विज्ञापन जारी करने का आरोप है। पिछले साल विस चुनावों से पहले दिए गए विज्ञापन में राज्य की तत्कालीन भाजपा सरकार पर 2019-2023 के दौरान बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया गया था। ताजा मामले के अनुसार, पिछले साल कर्नाटक में विधानसभा चुनाव हुए थे। इस दौरान कांग्रेस ने तत्कालीन भाजपा सरकार पर 2019-2023 के शासनकाल के दौरान बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया गया था। जिसके

बाद कर्नाटक भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के खिलाफ मानहानि मुकदमा दर्ज कराया। आरोप लगाया कि कांग्रेस के इन नेताओं ने तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई समेत भाजपा नेताओं के खिलाफ मुख्य समाचार पत्रों में झूठे विज्ञापन दिये। सभी लोक निर्माण कार्यों में 40 फीसदी कमीशन लेने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने 'भ्रष्टाचार रेट कार्ड' भी प्रकाशित कराया। वहीं, राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर भी अपमानजनक विज्ञापन पोस्ट किया। विशेष अदालत ने इस मामले में एक जून को सिद्धारमैया और शिवकुमार को जमानत दे दी थी।

मानहानि मामले में जा चुकी है सांसदी

इससे पहले, 23 मार्च 2023 को सूरत की सीजेएम कोर्ट ने राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई थी। उन्हें मोदी सरनेम को लेकर की गई टिप्पणी के कारण सजा सुनाई गई थी। अगले ही दिन 24 मार्च को लोकसभा सचिवालय ने उनकी सदस्यता जाने का आदेश जारी कर दिया। नियम के अनुसार, अगर किसी सांसद या विधायक को दो साल या इससे अधिक की सजा होती है तो उसकी सदस्यता चली जाती है। राहुल के साथ भी ऐसा ही हुआ। हालांकि, बाद में राहुल को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई। अदालत ने उनकी सजा पर रोक लगा दी।

सांसदी जाने के बाद खाली किया था बंगला

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 22 अप्रैल को अपना आधिकारिक बंगला खाली कर दिया। कहा कि यह सच बोलने के लिए चुकाई गई कीमत है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन तक 10 जनपथ पर अपनी मां के आवास पर रहेंगे। इससे पहले, 27 मार्च को लोकसभा सचिवालय ने पूर्व कांग्रेस प्रमुख राहुल गांधी को 22 अप्रैल तक अपना आधिकारिक आवास खाली करने को कहा था।

शराब और कर्ज ने अंदर से तोड़ दिया था पेट्रोल पंपकर्मी को, पत्नी के जावरा जाते ही फांसी लगाई

उज्जैन, 7 जून (एजेंसियां)। उज्जैन के वृंदावनपुरा में रहने वाले पेट्रोल पंप कर्मचारी ने गुरुवार शाम अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय वह घर पर अकेला था। उसकी पत्नी सुबह जावरा गई थी। रात में जब वापस आई तो उसे कमरे में पति की लाश झूलती मिली। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। जीवाजीगंज थाना पुलिस ने बताया कि वृंदावन पुरा में रहने वाला गणेश पिता गणपताल गहलोत, उम्र 40 साल, पेट्रोल पंप पर काम करता था। सुबह उसकी पत्नी सपना अन्य परिजनों के साथ जावरा गई थी। घर पर गणेश अकेला था। इस दौरान शाम को उसने घर में ही फांसी लगा ली। रात में जब उसकी पत्नी लौटी और कमरे में जाकर देखा तो उसे पति की लाश फंदे पर झूलती मिली।

जज का पद सिविल पोस्ट नहीं

नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका को एचसी ने किया खारिज

भोपाल, 7 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस शील नागू और जस्टिस अमरनाथ केसरवानी की डबल बेंच ने हाईकोर्ट में सात जजों की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि न्यायपालिका (उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय) में वर्ग विशेष जैसे एससी, एसटी, ओबीसी आदि को प्रतिनिधित्व देने का संविधान में कोई प्रावधान नहीं है। हाईकोर्ट जज का पद सिविल पोस्ट नहीं है, जिसके लिए भर्ती प्रक्रिया लागू की जाए। हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस शील नागू और जस्टिस अमरनाथ केसरवानी ने अपने फैसले में कहा कि न्यायाधीश की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम का अस्तित्व कानूनी रूप से पवित्र है। देश का कानून न केवल हर अदालत पर बल्कि सभी पर भी बाध्यकारी है, चाहे वह कार्यपालिका हो या विधायिका हो। ऐसा प्रतीत होता है कि याचिकाकर्ता ने गलत धारणा के तहत याचिका दायर की है। कोर्ट ने आगे का कि वह ऐसा समझता है कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीश का कार्यालय एक सिविल पद के समान है, जबकि यह वास्तविकता से बहुत दूर है। हाईकोर्ट का न्यायाधीश एक संवैधानिक कार्यालय है, जो केवल और केवल संविधानिक प्रक्रिया के तहत भरा जाता है। हाईकोर्ट जज की नियुक्ति के लिए संविधान में किसी भी विज्ञापन को जारी करने का प्रावधान नहीं है। इनके चयन के लिए लिखित या मौखिक परीक्षा का आयोजन नहीं किया जा सकता।

याचिका में क्या कहा गया?

बता दे कि ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्य अधिवक्ता मारुति सौंधिया ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सात जजों की नियुक्ति को चुनौती दी थी। उनकी ओर से अधिवक्ता उदय कुमार साहू ने दलील दी थी कि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट द्वारा संविधान में विहित सामाजिक न्याय और आनुपातिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत को नजरअंदाज किया। साथ ही एक ही जाति, वर्ग और परिवार विशेष के ही अधिवक्ताओं के नाम पीढ़ी दर पीढ़ी भेजे जाते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि भारत के संविधान में सामाजिक न्याय और आर्थिक न्याय की आधार शिला रखी गई है। उक्त सामाजिक न्याय को साकार करने के लिए न्यायपालिका में सभी वर्गों का आनुपातिक प्रतिनिधित्व होना आवश्यक है। उन्होंने अपनी दलीलों के संबंध में करिया मुंडा कमेटी की रिपोर्ट का हवाला भी दिया था। रिपोर्ट में कहा गया था कि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में एक जाति वर्ग विशेष के ही जजों की नियुक्ति होने से बहुसंख्यक समाज के लोगों को उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित होना पड़ रहा है।

भुवनेश्वर से दिल्ली आ रही तेजस राजधानी एक्सप्रेस हादसे का शिकार

पटरी से उतरा पहिया मचा हड़कंप

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जंक्शन पर शुक्रवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब ओडिशा के भुवनेश्वर से आ रही तेजस एक्सप्रेस के एक कोच का एक पहिया पटरी से उतर गया। इसकी सूचना मिलते ही ट्रेन को आनन-फानन में रोका गया और गाजियाबाद जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर इसकी मरम्मत की जा रही है। हादसे का शिकार हुई ट्रेन तेजस राजधानी एक्सप्रेस है। यह भुवनेश्वर से नई दिल्ली आ रही थी। डीरेल हुए डिब्बे को रोककर ट्रेन को नई दिल्ली रवाना कर दिया गया है। इस डिब्बे के यात्रियों को अन्य डिब्बों में बैठाया गया। मौके पर रेलवे के उच्चाधिकारी जांच कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि घटना से यात्रियों में हड़कंप मच गया था। यात्री काफी परेशान दिख रहे थे। जितने देर तक ट्रेन रुकी रही लोगों की जान सांसत में थी। हालांकि उन्हें पूरी स्थिति से अवगत कराकर स्थिति नियंत्रण में करने की कोशिश भी की गई।

महाराष्ट्र में आ गया मानसून, दिल्ली- मुंबई में कब तक होगी एंट्री; आईएमडी ने दी ताजा जानकारी

मुंबई, 7 जून (एजेंसियां)। देश के कई हिस्सों में गर्मी और लू से लोग परेशान हैं। हालांकि, पिछले कुछ दिनों से दिल्ली-एनसीआर के लोगों को प्रचंड गर्मी से थोड़ी राहत मिली है। इसी बीच भारतीय मौसम विभाग ने जानकारी दी कि महाराष्ट्र में मानसून का आगमन हो चुका है। 6 जून को मानसून महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र में प्रवेश कर चुका है। वहीं, मासून रत्नागिरी और सोलापुर की ओर बढ़ रहा है। मुंबई में 9-10 जून के आसपास मानसून आने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अधिकारी ने जानकारी दी कि अगले कुछ दिनों में मानसून पूरे भारत में आगे बढ़ेगा, लेकिन अगले सप्ताह से कमजोर पड़ सकता है। अधिकारी ने आगे बताया कि पश्चिमी तट को छोड़कर अधिकांश क्षेत्रों में कम बारिश होगी। वहीं, जून के अंत तक मासून के दिल्ली पहुंचने का अनुमान है। पिछले साल 25 जून को दिल्ली में मानसून ने दस्तक दी थी। हिमाचल प्रदेश में मानसून 20 जून को आने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, एक सप्ताह के दौरान कोई विशेष बदलाव नहीं है और दो दिनों के दौरान जो वर्षा हुई है उसमें कमी आएगी। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, आज पूर्वी और पश्चिमी यूपी, पूर्वी मध्य प्रदेश और झारखंड में हीटवेव चलेगी। यहां तापमान 40 डिग्री से अधकि रहने की संभावना है।

मध्य प्रदेश में हवा और बारिश के बीच भी गर्मी का सितम जारी, आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

भोपाल, 7 जून (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश में मौसम बदलने का अनुमान जताया है। राज्य के कई जिलों में धूल भरी आंधी साथ बारिश भी हो रही है। मौसम विभाग ने आज भी प्रदेश के 37 जिलों में हवा आंधी का अलर्ट जारी किया है, बावजूद गर्मी का सितम जारी है। गुरुवार को प्रदेश के 10 शहरों में तापमान 40 के पार रिकार्ड किया गया। मौसम विभाग ने शुक्रवार के प्रदेश के 37 जिलों में हवा आंधी का अलर्ट जारी किया है। इस अलर्ट के अनुसार भोपाल में सुबह बूंदाबांदी भी हुई। जबकि ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, रीवा, मऊगंज और सीधी में दोपहर तक गर्मी का असर रहेगा, जबकि शाम ढलते-ढलते हवा और आंधी के साथ बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ साइक्लोनिक सर्कुलेशन और टर्फ लाइन गुजरने की वजह से प्रदेश आंधी और बारिश का दौर जारी है, जबकि कुछ जिलों में गर्मी अभी भी अपना असर दिखा रही है। मौसम विभाग के अनुसार मौसम का मिजाज आगामी चार-पांच दिन तक ऐसा ही रहेगा। इधर, आंधी और आसमान में बादल छाए रहने के बाद भी गर्मी अपना असर दिखा रही है। गुरुवार को प्रदेश के 10 शहरों में तापमान 40 डिग्री के पार दर्ज किया गया। दमोह-शिवपुरी में पारा 44-44 डिग्री रहा, जबकि टीकमगढ़ में 43.5, पृथ्वीपुर, निवाड़ी में 43.5, गुना में 43.2, सागर में 43.2, नर्मदापुरम में 43.2, बिजावर छतरपुर में 43.1, राजगढ़ 43।0 और अशोकनगर में 42.7 डिग्री दर्ज किया गया।

अरविंद केजरीवाल की आप ने इस नेता पर फोड़ा हार का ठीकरा, किया निलंबित

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आने के बाद जहां जीतने वाली पार्टी सरकार बनाने की तैयारियों में लग गई है, वहीं हारने वाली पार्टियों ने हार का गम गलत करने के लिए एक्शन लेना शुरू कर दिया है। इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ने के बाद दिल्ली की सातों सीटों पर मुंह की खाने वाली आम आदमी पार्टी ने हार का ठीकरा अपने ही नेता पर फोड़ दिया है। आप ने अपनी पार्टी के पूर्व विधायक को पार्टी से निलंबित कर दिया है। आम आदमी पार्टी के राज्य संयोजक गोपाल राय की ओर से आम आदमी पार्टी के लेटर हेड पर जारी किए गए आदेश में लक्ष्मी नगर से छठी विधानसभा में आम आदमी पार्टी के विधायक रहे नितिन त्यागी की पार्टी की प्राथमिक सदस्यता सस्पेंड कर दी है। अब नितिन त्यागी आप के सदस्य नहीं रहेंगे। गोपाल राय की ओर से जारी किए गए सस्पेंशन लेटर में कहा गया है कि नितिन त्यागी को लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान एंटी पार्टी गतिविधियों में लिप्त पाया गया। जिसके बाद उनकी पार्टी ने उनके सदस्य के रूप में सदस्यता को भंग करने का फैसला लिया है।

सब्जी लेकर आगरा जा रहे ट्रक को दूसरे ट्रक ने मारी टक्कर, केबिन में फंसे ड्रायवर की मौत, क्लीनर घायल

इंदौर, 7 जून (एजेंसियां)। इंदौर के बायपास पर शुक्रवार को एक सड़क हादसा हो गया। खंडवा से सब्जी लेकर आगरा के लिए निकले ट्रक को इंदौर बायपास पर दूसरे ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि केबिन में ड्रायवर फंस गया। लहूलुहान हालत में हर दर्द से कहराता रहा। पुलिस उसे निकालती, उससे पहले उसकी मौत हो चुकी थी। हादसे में क्लीनर घायल हुआ है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह सड़क हादसा शुक्रवार सुबह बायपास पर ओमेक्स सिटी के पास हुआ। खंडवा से निकाला ट्रक आगरा की तरफ जा रहा था। ओवर टेक करने समय मिनी ट्रक से अचानक दूसरा ट्रक टकरा गया। इससे सब्जी से भरा ट्रक अनियंत्रित हो गया और पलटी खा गया। इस हादसे में आसिफ पिता इरशाद की मौत हो गई। टक्कर के बाद वह केबिन में बुरी तरह फंस गया था। टक्कर से उसके मुंह, सीने और पेट में चोट आ गई। मौके पर पुलिस पहुंची और क्रेन से केबिन के हिस्से को सीधा कर ड्रायवर आसिफ को निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

प्रियंका गांधी ने नीट के रिजल्ट में अनियमितता का लगाया आरोप

कई प्रकार की अनियमितताएं आई सामने, जांच की मांग

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को नीट 2024 के रिजल्ट में अनियमितता का आरोप लगाते हुए जायज शिकायतों के समाधान के लिए जांच की मांग की। एक्स पर एक पोस्ट में प्रियंका गांधी ने कहा, पहले, नीट परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक हो गया, और अब छात्र रिजल्ट में घोटाले का आरोप लगा रहे हैं। एक ही केंद्र के छह छात्रों के 720 में से पूरे 720 नंबर आने पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं, और कई प्रकार की अनियमितताएं सामने आई हैं। रिजल्ट आने के बाद बड़ी संख्या में छात्रों की आत्महत्या की बात सामने आने पर कांग्रेस नेता ने दुःख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, रिजल्ट की घोषणा के बाद देश भर से कई छात्रों के आत्महत्या करने की खबरें आ रही हैं। यह काफी दुःखद और झकझोर देने वाला है। प्रियंका गांधी ने प्रश्नपत्र लीक होने के मामले में समुचित कार्रवाई न करने पर प्रशासन की भी आलोचना की। उन्होंने सवाल किया, सरकार लाखों छात्रों की आवाज को अनसुना क्यों कर रही है? छात्र नीट परीक्षा के रिजल्ट में धांधली से जुड़े जायज सवालों के जवाब चाहते हैं। क्या इन जायज शिकायतों की जांच और उनका समाधान करना सरकार की जिम्मेदारी नहीं है? प्रवेश परीक्षा के परिणाम जारी होने के बाद कई परीक्षार्थियों और अभिभावकों ने अनियमितता के आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है। वे नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से स्पष्टीकरण मांग रहे हैं कि एक ही केंद्र के छह छात्रों समेत 67 छात्र कैसे टॉप कर गये। एनटीए ने आरोपों को खारिज करते हुए ज्यादा स्कोरिंग के लिए एनसीईआरटी के टेक्स्ट बुक में बदलाव और परीक्षा केंद्रों पर बर्बाद हुए समय के लिए ग्रेस मार्क्स के प्रावधान को जिम्मेदार ठहराया है।

हिमाचल प्रदेश के जंगलों में आग के 88 नए मामले, अब तक 17 हजार हेक्टेयर में वन संपदा राख

बिलासपुर, 7 जून (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के कई क्षेत्रों में बारिश होने के बावजूद जंगलों में आग की घटनाएं कम नहीं हो रही हैं। पिछले 24 घंटे में जंगलों में आग लगने के 88 नए मामले सामने आए हैं, जिनमें एक हजार हेक्टेयर क्षेत्र में वन संपदा राख हुई है। बुधवार शाम से गुरुवार शाम तक धर्मशाला वन सर्किल में जंगलों में आग लगने के 44 मामले सामने आए हैं। मंडी सर्किल में 23 मामले, नाहन में आठ, बिलासपुर में चार, चंबा में तीन, रामपुर में तीन और सोलन में दो मामले दर्ज हुए हैं।

अब एमिकस क्यूरी की नियुक्ति पर विवाद, मुस्लिम पक्ष की अर्जी पर हाईकोर्ट ने रिजर्व किया जजमेंट

मथुरा, 7 जून (एजेंसियां)। मथुरा की श्री कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में मुस्लिम पक्ष ने अब एमिकस क्यूरी यानी न्याय मित्र की नियुक्ति को लेकर सवाल उठाते हुए हटाए जाने की मांग की है। मुस्लिम पक्ष ने इस मामले में हाईकोर्ट में अर्जी भी दाखिल की है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की अर्जी पर सुनवाई करने के बाद अपना जजमेंट रिजर्व कर लिया है। उम्मीद जताई जा रही है कि अदालत का फैसला 10 जून तक आ सकता है। मुस्लिम पक्ष के वकील महमूद प्राचा की अर्जी में मथुरा के मंदिर मस्जिद विवाद में एमिकस क्यूरी नियुक्त किए गए यूपी के एडिशनल एडवोकेट जनरल मनीष गोयल को लेकर सवाल उठाए गए थे। कहा गया कि मनीष गोयल यूपी सरकार के एडिशनल एडवोकेट जनरल है। उनकी नियुक्ति यूपी सरकार ने की है। ऐसे में वह एमिकस क्यूरी की भूमिका के साथ न्याय नहीं कर पाएंगे। उन्हें हटा दिया जाना चाहिए। हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच में हुई। सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने अपना जजमेंट रिजर्व कर लिया है।

हिंदू पक्ष ने अर्जी को बताया गैर-जरूरी

हालांकि हिंदू पक्ष ने ईदगाह कमेटी की अर्जी को गैर जरूरी बताया है। हिंदू पक्षकार आशुतोष पांडेय का कहना है कि ईदगाह कमेटी ने मामले को लंबा खींचने के लिए बेवजह की अर्जी दाखिल की है। कोर्ट के फैसले पर किसी को अविश्वास नहीं होना चाहिए। सभी को इसका सम्मान करना चाहिए। हिंदू पक्ष के मुताबिक अदालत को इस बात का अधिकार है कि वह अपने विवेक के आधार पर किसी को भी एमिकस क्यूरी यानी न्याय मित्र नियुक्त कर सकती है। जस्टिस मयंक कुमार जानकी सिंगल बेंच में गुरुवार को हुई सुनवाई में मुस्लिम पक्ष ने मथुरा मामले में हाईकोर्ट में चल रहे डेढ़ दर्जन मुकदमो की पोषणीयता पर आगे कोई भी दलीलें पेश करने से इंकार कर दिया। मुस्लिम पक्ष की तरफ से कहा गया कि इस मामले में हाई कोर्ट ने 31 मई को जजमेंट रिजर्व कर लिया था। अदालत का जो भी फैसला आएगा, वह सभी को मंजूर होगा।

आदित्य ठाकरे ने जेडीयू और टीडीपी को दे दी बड़ी सलाह: स्पीकर का पद जरूर हासिल करें

मुंबई, 7 जून (एजेंसियां)। एनडीए की बैठक में आज बीजेपी के वरिष्ठ नेता नरेन्द्र मोदी को शुक्रवार को सर्वसम्मति से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) संसदीय दल का नेता चुन लिया गया है। इस दौरान टीडीपी और जेडीयू ने भी मोदी के नाम का समर्थन किया। इस बीच शिवसेना (यूबीटी) गुट के नेता आदित्य ठाकरे ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार और टीडीपी अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू को खास सलाह दी है। आदित्य ठाकरे ने 'एक्स' पर टीडीपी और जेडीयू को मेंशन करते हुए कहा कि, एनडीए में बीजेपी के संभावित सहयोगियों के लिए मेरा एक विनम्र सुझाव है। स्पीकर का पद हासिल कीजिए। बीजेपी की चालों को अनुभव करते हुए, मैं कह सकता हूं कि जैसे ही वे आपके साथ सरकार बनाएंगे, वे वादे तोड़ देंगे और आपकी पार्टियों को भी तोड़ने की कोशिश करेंगे। आपने पहले भी इसका अनुभव किया होगा। यहां बता दें, दिल्ली में आज एनडीए की एक बैठक चल रही है। इस बैठक ने एनडीए के तमाम घटक शामिल हुए हैं। वहीं, इस मीटिंग में महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम अजित पवारने भी शिरकत की है। आदित्य ठाकरे की टीडीपी और जेडीयू को यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) एनडीए गठबंधन में शामिल हो सकती है। कल, एक्स पर एक पोस्ट में, आदित्य ठाकरे ने कहा था, देश ने हमारे संविधान को बदलने और लोकतंत्र को खत्म करने के बीजेपी के प्रयासों को खारिज कर दिया। चुनावों ने साबित कर दिया है कि हमारे देश में अहंकार का कोई स्थान नहीं है। अहंकार, तानाशाही, लोकतंत्र विरोधी ताकतें और हमारे संविधान के बजाय अपनी खुद की पार्टी मैनुअल को लागू करने की चाह रखने वालों को देश खारिज कर देगा।

फरीदाबाद में पटरी से उतरे मालगाड़ी के डिब्बे दिल्ली की तरफ जा रही थी कोयले से भरी गाड़ी

फरीदाबाद, 7 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के फरीदाबाद रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। आगरा से दिल्ली की तरफ जा रही कोयले से भरी मालगाड़ी के दो डिब्बे सुबह करीब साढ़े नौ बजे फ़रीदाबाद रेलवे स्टेशन के पास पटरी से उतर गए। हालांकि इस दौरान किसी को चोट लगने की सूचना नहीं है। मालागाड़ी के डिब्बे पटरी से क्यों उतरे इसका अभी खुलासा नहीं हो पाया है। फिलहाल रेलवे कर्मचारी डिब्बों को पटरी पर लाने का प्रयास कर रहे हैं। रेलवे पुलिस के एसएचओ राजपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि लूप लाइन से होकर एक मालगाड़ी मथुरा से दिल्ली जा रही थी। इस दौरान जब मालगाड़ी फरीदाबाद के अंडर पास के पहुंची तो अचानक उसके दो डिब्बे पर पटरी से उतर गए।

सूचना मिलने के तुरन्त बाद आरपीएफ और जीआरपी के अलावा रेलवे के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहीं रेलवे कर्मचारियों ने ट्रेन को दोबारा पटरी पर लाने का प्रयास शुरू कर दिया। एसएचओ राजपाल ने बताया कि हादसे के दौरान मालगाड़ी में कोयला भरा था वो बिखर गया। लेकिन अगर मालगाड़ी की जगह कोई सवार गाड़ी होती तो बड़ा नुकसान हो सकता था। हादसे की वजह से कोई सवारी गाड़ी प्रभावित नहीं हुई। रेलगाड़ियों का संचालन सुचारू रूप से जारी रहा। फिलहाल रेलवे कर्मचारी रेस्कयू में जुट हुए है। वहीं घटना को लेकर जांच की जाएगी कि आखिर पटरी से डिब्बे उतरने की वजह क्या रही।

बिहार में 16 लोगों को आजीवन कारावास की सजा कोर्ट ने जुर्माना भी लगाया, हत्या का था मामला?

औरंगाबाद, 7 जून (एजेंसियां)। व्यवहार न्यायालय के एडीजे 2 संजय मिश्रा की अदालत ने शुक्रवार को कुटुंबा थाने में दर्ज कांड संख्या 133/2020 के मामले में सुनवाई करते 16 अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं देने पर सभी अभियुक्तों को छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। कुटुंबा थाना क्षेत्र के समदा इब्राहिमपुर में हत्या हुई थी। उसी से जुड़े मामले में यह सजा सुनाई गई है। 13 अगस्त 2020 को 65 वर्षीय वृद्ध जगदीश राम की हत्या ओझा गुनी के आरोप में की गई थी। गांव के लोगों ने भीड़ जुटाकर टांगी-गड़ासे से जघन्य हत्या कर दी थी। इस मामले में एपीपी राजाराम चौधरी ने बताया कि कुटुंबा थाना क्षेत्र के सोनू राम की पत्नी पुष्पा देवी ने 13 अगस्त 2020 को कुटुंबा थाना में एक प्राथमिकी दर्ज कर गांव के 16 लोगों पर आरोप लगाया था कि उन लोगों ने उनके ससुर जगदीश राम की हत्या टांगी और गड़ासे से हत्या कर दी है। पुष्पा देवी ने बताया था कि गांव के ही भुवनेश्वर राम के पुत्र जगल राम की 9 अगस्त 2020 को किसी बीमारी से मौत हो गई थी। सभी अभियुक्तों ने उनके ससुर पर ओझा गुनी का आरोप लगाकर 13 अगस्त की दोपहर उस वक्त हत्या कर दी थी जब वे अपने एक रिश्तेदार के घर से लौट कर आए थे। पुष्पा देवी ने अपनी शिकायत में कहा था कि उनके ससुर जान बचाकर भागे लेकिन सभी ने उन्हें खदेड़कर अमरपुर गांव के पक्की रोड के पास पकड़ लिया और टांगी-गड़ासे से गला काटकर हत्या कर दी थी। एपीपी ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद मामला अदालत में चला और आज शुक्रवार को सजा के बिंदु पर सुनवाई करते हुए सबों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।

सुविचार: कुछ पाना है तो स्वयं पर भरोशा कीजिये सहारे कितने भी सच्चे और अच्छे हो साथ छोड़ ही जाते है

बारिश में ट्रैफिक जाम से राहत दिलाने के लिए ठोस कदम उठाएं : शांति कुमारी

मुख्य सचिव ने अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने आज ग्रेटर हैदराबाद में अचानक हुई मूसलाधार बारिश के कारण होने वाले ट्रैफिक जाम की रोकथाम के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में जाम की समस्या को रोकने के लिए तत्काल उठाए जाने वाले कदमों और स्थायी निवारक उपायों पर भी चर्चा की गई। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार आयोजित बैठक में डीजीपी रवि गुप्ता, आपदा प्रबंधन और अग्निशमन सेवा के डीजी नागी रेड्डी, नगर प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव दाना किशोर, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रॉस, जल बोर्ड के एमडी सुदर्शन रेड्डी और हैदराबाद, साइबराबाद, राचकोंडा के पुलिस आयुक्त शामिल हुए। सीएस ने कहा कि भारी बारिश के कारण शहर के निवासियों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और उन्होंने अधिकारियों को उन्हें रोकने और पूरी तरह से कम करने के लिए तुरंत किए जाने वाले उपायों पर एक कार्य योजना तैयार करने का आदेश दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और नागरिक समाज के व्हाट्सएप ग्रुपों को तुरंत मौसम का पूर्वानुमान भेजने और उन्हें समय-समय पर बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में सूचित करने की सलाह दी। उन्होंने बारिश से संबंधित जानकारी प्रदान करने के लिए एक उपयुक्त प्रणाली की आवश्यकता पर जोर दिया। हैदराबाद शहर के लगभग 134 क्षेत्रों की पहचान संवेदनशील स्थानों के रूप में की गई है। उन्होंने अधिकारियों से इन क्षेत्रों में जल जमाव को रोकने के लिए उठाए जाने वाले कदमों का सुझाव देने को कहा।

जीएचएमसी, जल बोर्ड, पुलिस, एसपीडीसीएल और अन्य विभागों के अधिकारियों की एक समिति को इन जल जमाव बिंदुओं का निरीक्षण करना चाहिए और उनकी रोकथाम के लिए उचित सुझाव देना चाहिए। उन्होंने बताया कि हैदराबाद शहर में बारिश के पानी को संग्रहित करने के लिए कई इलाकों में बड़े मानक जल भंडारण टैंक बनाए जा रहे हैं, जिनमें से तीन टैंकों का निर्माण पहले से ही प्रगति पर है।

रोजगार क्षमता बढ़ाने नया बीएससी बायोमेडिकल साइंस प्रोग्राम

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से डिग्री कॉलेजों ने इस वर्ष एक नया बीएससी बायोमेडिकल साइंस कार्यक्रम शुरू किया है। यह नया ऑनर्स प्रोग्राम राज्य के 15 सरकारी और निजी डिग्री कॉलेजों द्वारा पेश किया जाएगा और प्रवेश डिग्री ऑनलाइन सेवा तेलंगाना (डीओएसटी) 2024 के माध्यम से होगा। रेड्डीज लैबोरेटरीज, एमएसएन लैबोरेटरीज, फार्मा डीईएम सॉल्यूशंस और टीजीसीएचई सहित कॉलेजों और फार्मा उद्योग ने शुक्रवार को कार्यक्रम की शुरूआत के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

उस्मानिया जनरल अस्पताल, निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) और महावीर अस्पताल के वरिष्ठ प्रोफेसरों, डॉक्टरों और फार्मा उद्योग के विशेषज्ञों द्वारा तैयार किए गए उद्योग-प्रासंगिक पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को मानव स्वास्थ्य देखभाल के जैविक, रासायनिक और कम्प्यूटेशनल पहलुओं की व्यापक समझ प्रदान करना है। उद्योग विशेषज्ञों द्वारा शिक्षण के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है। कुल 182 क्रेडिट वाले इस कार्यक्रम में चौथे वर्ष में दो सेमेस्टर औद्योगिक प्रशिक्षण अनिवार्य है। छात्रों को उद्योग में सशुल्क इंटर्नशिप भी प्रदान की जाएगी। टीजीसीएचई के उपाध्यक्ष-II प्रोफेसर एसके महमूद ने कहा कि कार्यक्रम पूरा होने के बाद छात्रों को डायग्नोस्टिक्स केंद्रों के अलावा कॉर्पोरेट अस्पतालों और बायो-फार्मा उद्योग में भी काम मिलेगा।

वर्तमान में, उस्मानिया विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज बायोमेडिकल इंजीनियरिंग कार्यक्रम चला रहा है जो प्रौद्योगिकी और चिकित्सा उपकरणों के निर्माण से संबंधित है।

वीएच ने पीएम मोदी से भारत में जाति जनगणना कराने की मांग की

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद वी हनुमंत राव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से देश में समानता और निष्पक्षता को बढ़ावा देने के लिए जाति जनगणना कराने की मांग की है। शुक्रवार को यहां गांधी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए हनुमंत राव ने कहा कि भले ही नरेंद्र मोदी ओबीसी समुदाय से हैं, लेकिन उन्होंने पिछले 10 वर्षों में बीसी के कल्याण और विकास के लिए कुछ नहीं किया। वीएच ने सलाह दी, चूंकि एनडीए गठबंधन ने लोकसभा चुनाव जीता है, इसलिए मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का एक और मौका मिला है। कम से कम अब उन्हें देश के हर वर्ग के लिए समान हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के लिए इस बार जाति जनगणना करवानी चाहिए। कांग्रेस नेता ने राज्य सरकार से यह भी अनुरोध किया कि तेलंगाना में जाति गणना पूरी होने के बाद ही स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाएं। वीएच ने कहा, अगर तेलंगाना में जाति जनगणना के बाद स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाते हैं, तो यह पिछड़े वर्गों के लिए अच्छा होगा। विधानसभा में विधेयक पारित होने के बाद राज्य सरकार को जाति जनगणना कराने की प्रक्रिया में तेजी लानी चाहिए।

भरोसा सोसायटी के बुनियादी ढांचे का होगा विस्तार

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के डीजीपी रवि गुप्ता, अन्य वरिष्ठ अधिकारी की मौजूदगी में और मिशेल डोमिनिका, भारत सीएसआर प्रमुख, वियाट्रिस व उनकी टीम ने भरोसा समाज के बुनियादी ढांचे के दायरे का विस्तार करने की दिशा में औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। एडीजी महिला सुरक्षा शिखा गोयल ने कहा कि यह महिलाओं और अन्य कमजोर समूहों के लिए सुरक्षित समाज को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। महिला सुरक्षा विंग, तेलंगाना राज्य पुलिस के तत्वावधान में संचालित महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए भरोसा सोसायटी के पास जल्द ही डब्लूएसडब्लू परिसर के निकट एक अत्याधुनिक सुविधा होगी। शुरूआत में हैदराबाद में केवल एक भरोसा केंद्र से शुरूआत करने के बाद, सोसायटी की पहल तेजी से बढ़ी है, जिसके लिए एक समर्पित, विशाल और भविष्य की प्रशासनिक सुविधा की आवश्यकता है। भरोसा श सोसायटी तेलंगाना में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा और उन्हें सशक्त बनाने के उद्देश्य से कई पहलों का प्रबंधन और सुविधा प्रदान करती है। महिला सुरक्षा विंग, तेलंगाना राज्य पुलिस के तत्वावधान में संचालित, भरोसा सोसाइटी राज्य भर में फैले 26 भरोसा केंद्रों और त्रि-क्षेत्र के भीतर स्थित 27 सीडीईडब्ल्यू (महिला विकास और सशक्तिकरण केंद्र) परिवार परामर्श केंद्रों सहित कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का समन्वय करती है। ये केंद्र पुलिस सहायता, चिकित्सा देखभाल, कानूनी सहायता और मनोवैज्ञानिक परामर्श जैसी व्यापक सहायता सेवाएं प्रदान करते हैं, जो हिंसा और दुर्व्यवहार के पीड़ितों की सुरक्षा और पुनर्वास के लिए समग्र दृष्टिकोण सुनिश्चित करते हैं। सोसायटी पूरे राज्य में पीड़ितों के लिए समर्थन और हस्तक्षेप सेवाओं के व्यापक नेटवर्क के लिए एक केंद्रीय केंद्र के रूप में काम कर रही है। भरोसा द्वारा प्रबंधित पहल बहुआयामी हैं, जो महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा और उनके कल्याण के विभिन्न पहलुओं को संबोधित करती हैं। इस प्रक्रिया में, भरोसा सोसाइटी महिला सुरक्षा विंग के विभिन्न मॉड्यूल के साथ मिलकर काम करती है। शी मॉड्यूल, जो सड़क पर उत्पीड़न और सार्वजनिक अपराधों को लक्षित करता है। मानव तस्करी विरोधी मॉड्यूल, जो तस्करी पीड़ितों की रोकथाम, बचाव और पुनर्वास पर केंद्रित है। घरेलू हिंसा मॉड्यूल, जो महिला सहायता डेस्क, परिवार परामर्श केंद्रों और एनआरआई से संबंधित मामलों के लिए विशेष सहायता के माध्यम से घरेलू दुर्व्यवहार के पीड़ितों को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करता है। यौन अपराध और भरोसा मॉड्यूल बलात्कार और बाल यौन शोषण के मामलों की निगरानी और समर्थन करता है।

अधिकारियों को राज्य में राजस्व बढ़ाने के तरीके खोजने के आदेश

डिप्टी सीएम ने विभिन्न विभागों की समीक्षा की

बैठक में मंत्री पोंगुलेटी, जूपल्ली, पोन्नम ने भाग लिया

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने अधिकारियों को राज्य में राजस्व बढ़ाने के तरीके खोजने का आदेश दिया। शुक्रवार को सचिवालय में विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक हुई। मुख्य रूप से वित्त, राजस्व, उत्पाद शुल्क, परिवहन एवं स्वास्थ्य विभाग के कामकाज की समीक्षा की। इस बैठक में राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, उत्पाद शुल्क मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर और अन्य ने भाग लिया। समीक्षा के क्रम में पिछले दो वित्तीय वर्षों की प्रगति की समीक्षा की गयी।

उसके बाद, बजट अनुमान के अनुसार, सभी विभागों के अधिकारियों को इस वित्तीय वर्ष के पहले दो महीनों के प्रदर्शन की समीक्षा करने और संबंधित विभागों में प्रदर्शन में सुधार के लिए तंत्र तैयार करने और बिना किसी कमी के उचित सावधानी बरतने का आदेश दिया गया। डिप्टी सीएम ने बजट अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रवर्तन विभाग को मजबूत किया जाना चाहिए। डिप्टी सीएम ने वाणिज्य कर विभाग में राजस्व बढ़ाने के लिए गठित कमेटी के कामकाज की जानकारी ली। सुझाव दिया गया है कि वाणिज्य कर विभागों में राजस्व बढ़ाने के लिए नियमित समीक्षा बैठकें की जाएं। डिप्टी सीएम ने आदेश दिया कि आरटीसी वर्तमान में विभिन्न बैंकों और संस्थानों को दिए जा रहे ऋणों की ब्याज दर की समीक्षा करे और कम ब्याज दर देने वाले संस्थानों में ऋण स्थानांतरित करके आय बढ़ाने के तरीके ढूंढे।

आरटीसी और परिवहन विभाग के अधिकारियों को बताया गया कि हाल ही में सिंगरेनी में किए गए इस प्रयोग से सैकड़ों करोड़ का फायदा हुआ है। एलआरएस के आवेदन काफी समय से लंबित हैं, चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पहले शुरू की जा रही प्रक्रिया में प्रगति नहीं होने के कारणों की डिप्टी सीएम ने समीक्षा की। उन्होंने इस प्रक्रिया में तेजी लाने और सरकारी खजाने को अतिरिक्त राजस्व उपलब्ध कराने को कहा है।

परीक्षा संचालन में गलती से बचें अधिकारी : प्रतिमा सिंह

परीक्षा आयोजन को लेकर अधिकारियों एवं परीक्षकों का प्रशिक्षण

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अपर समाहर्ता प्रतिमा सिंह ने कहा कि ग्रुप-I प्रारंभिक परीक्षा के संचालन में किसी भी गलती से बचने के लिए सभी अधिकारी मिलकर काम करें। शुक्रवार को एकीकृत जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में परीक्षा आयोजित करने वाले अधिकारियों एवं परीक्षकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमका आयोजन किया। इस अवसर पर अपर समाहर्ता ने कहा कि जिले में ग्रुप-वन सावधान रहें कि प्रारंभिक परीक्षा आयोजित करने में कोई गलती न हो। जिले में ग्रुप-1 प्रारंभिक परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के प्रबंधन हेतु केन्द्र स्थापित किये गये हैं। उन्होंने कहा कि रूट अधिकारी, क्षेत्रीय समन्वयक, मुख्य अधीक्षक, उड़न दस्ते, पहचान अधिकारी, संपर्क अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारी बेहतर तरीके से निभानी चाहिए। किसी भी समस्या पर कर्तव्य पालन करने वाले अधिकारी समन्वय बनाकर कार्य करें। परीक्षा केंद्र के लिए अभ्यर्थियों को सुबह 9 बजे से 10 बजे तक प्रवेश दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बाद में आने वालों को अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। परीक्षा लिखने वाले उम्मीदवारों के लिए बिजली, शौचालय और पीने का पानी उपलब्ध होने चाहिए। विभागीय अधिकारी पहले से ही स्थानों और परीक्षा केंद्रों की जांच कर लें। उन्होंने कहा कि मैदानी स्तर पर जाकर मॉनिटरिंग करें। अधिकारियों को उम्मीदवार के हॉल टिकट और फोटो की जांच करनी चाहिए। मुख्य अधीक्षक और पर्यवेक्षक अपने कर्तव्यों का ठीक से पालन करें। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपर समाहर्ता सहित टीजीपीएससी क्षेत्रीय समन्वयक गिरिधर, साइबराबाद एसीपी मुरली कृष्ण, संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया।

प्रजा भवन में दोबारा शुरू हुआ प्रजावाणी कार्यक्रम

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. चिन्ना रेड्डी ने महात्मा ज्योतिबा फुले प्रजा भवन में शुक्रवार को दोबारा शुरू हुए प्रजावाणी कार्यक्रम में हिस्सा लिया और आवेदन प्राप्त किये। चुनाव आचार संहिता लागू होने के कारण करीब 3 माह के लंबे अंतराल के बाद प्रजावाणी कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और अधिकारियों को अपनी समस्याएं बतायीं। सभी विभागों के लिए कुल 373 आवेदन पंजीकृत किये गये।

प्रजावाणी प्राधिकरण के सूत्रों ने बताया कि राजस्व संबंधी 120 आवेदन, शिक्षा विभाग से संबंधित 43, नगर निगम विभाग से संबंधित 43, गृह विभाग से संबंधित 29, नागरिक आपूर्ति विभाग से संबंधित 18 और अन्य विभागों से संबंधित 120 आवेदन प्राप्त हुए हैं। विशेष प्रचार अधिकारी, नगर निगम विभाग की निदेशक श्रीमती दिव्या और अन्य अधिकारियों ने लोगों से आवेदन प्राप्त किये और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, HAV(PTA) Badduri S Sankara Reddy, R/o:4-83C, Santhamaguluru, Prakasam, A.P., had changed my Daughter's name from B HARSHA SIVA SAIKA TO BADDURI HARSHA SIVA SAIKA vide affidavit dt.04-06-2024 Sd. By P Raveendranath, Adv.& Notary

I, HAV(PTA) Badduri S Sankara Reddy, R/o:4-83C, Santhamaguluru, Prakasam, A.P., had changed my Son's name from B SURYA NAGA SEKHARA REDDY TO BADDURI SURYA NAGA SEKHAR REDDY vide affidavit dt.04-06-2024 Sd. By P Raveendranath, Adv.& Notary

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

'इलाज के कारण हर साल 63 मिलियन भारतीय गरीबी में धकेले जाते हैं'

नैतिक व्यावसायिक व्यवहारों पर गोलमेज सम्मेलन आयोजित

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सामूहिक कार्रवाई के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा में नैतिक व्यावसायिक व्यवहार और अखंडता पर बहु-हितधारक गोलमेज सम्मेलन गुरुवार को शहर में एफटीसीसीआई के परिसर में आयोजित किया गया। इसका आयोजन यूएन ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया द्वारा किया गया था, जो एक स्वैच्छिक और रणनीतिक पहल है जो भारतीय कंपनियों, एसएमई, संस्थानों, मीडिया घरानों, कॉर्पोरेट फाउंडेशनों और उद्योग मंडलों का समर्थन करती है जो यूएन ग्लोबल कॉम्पैक्ट के दस सार्वभौमिक सिद्धांतों को संस्थागत बनाने के लिए जिम्मेदार व्यावसायिक व्यवहारों के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसका आयोजन एफटीसीसीआई एक आउटरीच पार्टनर और कपिटी ग्रुप, एक नॉलेज पार्टनर के सहयोग से किया गया था। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त नौकरशाह डॉ. जयप्रकाश नारायण ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि गोलमेज सम्मेलन समय की मांग है। उन्होंने इसके लिए आयोजकों की सराहना की। स्वास्थ्य व्यय के कारण हर साल 63 मिलियन भारतीय गरीबी रेखा के नीचे चले जाते हैं। वे स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच नहीं पाते। वहनीयता भी एक बड़ा मुद्दा है, उन्होंने कहा। जब लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा जैसी आवश्यक चीजें नहीं मिलती हैं, तो वे आर्थिक विकास के बारे में चिंतित नहीं होते हैं। और यह हाल ही में आए चुनाव नतीजों में भी परिलक्षित हुआ, जो निराशा का रोना था। भारत स्वास्थ्य सेवा पर अपने सकल घरेलू उत्पाद का केवल 1.2 प्रतिशत खर्च करता है। लंबे समय तक शासन करने के बावजूद, लगातार सरकारें इसे 2 प्रतिशत तक नहीं ले जा सकीं और हम निकट भविष्य में ऐसी किसी वृद्धि की उम्मीद नहीं कर सकते। अमेरिका अपने सकल घरेलू उत्पाद का 18 प्रतिशत खर्च करता है। विकसित देशों में सकल घरेलू उत्पाद के आधार पर संयुक्त राज्य अमेरिका सबसे अधिक स्वास्थ्य व्यय करता है। उन्होंने बताया कि ब्रिटेन 12 प्रतिशत के दायरे में खर्च करता है। डॉ. जयप्रकाश नारायण ने कहा कि यद्यपि देश शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा पर सबसे अधिक राशि खर्च करता है, फिर भी हम कोई सार्थक परिणाम प्राप्त करने में असमर्थ हैं। डॉ. जयप्रकाश नारायण फाउंडेशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के संस्थापक भी हैं, ने कहा कि भारत में व्यावसायिक विनियमन विफल हो गया है। इन पेशेवरों के संघ उनके हितों की रक्षा कर रहे हैं। साथ ही विनियमन भी एक समस्या है। भारत को एक सुविचारित व्यावसायिक विनियामक तंत्र की आवश्यकता है। यूएन ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया के कार्यकारी निदेशक डॉ. रत्नेश झा ने मुख्य भाषण दिया। उन्होंने कहा कि नेटवर्क, विभिन्न भारतीय कॉर्पोरेट निकायों/संस्थाओं/एनजीओ/एसएमई का प्रतिनिधित्व करने वाली शीर्ष-स्तरीय नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है, जो यूएन ग्लोबल कॉम्पैक्ट सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध हैं। ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया ग्लोबल कॉम्पैक्ट की अग्रणी स्थानीय पहलों में से एक रहा है।

सोम डिस्टिलरीज को दी गई अनुमति रद्द करे सरकार

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सोम डिस्टिलरीज को दी गई मंजूरी पर गंभीर चिंता जताते हुए भारत राष्ट्र समिति ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से आग्रह किया है कि वे अनुमति रद्द करें और राज्य में मिलावटी शराब की बिक्री को रोकें। पार्टी ने राज्य सरकार से लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की है। मुख्यमंत्री को लिखे खुले पत्र में बीआरएस नेता मन्ने कृषंक ने कहा कि सोम डिस्टिलरीज मिलावटी शराब बनाने, सरकारी संस्थाओं से लिए गए ऋण का भुगतान न करने और राज्य के खजाने को भारी नुकसान पहुंचाने के लिए कुख्यात है। उन्होंने मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में कंपनी द्वारा उत्पादित मिलावटी बीयर को नष्ट किए जाने की तस्वीरें और समाचार क्लिपिंग भी संलग्न कीं। कृषंक ने कहा कि केसीआर के प्रशासन के दौरान, मिलावटी शराब उपलब्ध न हो, यह सुनिश्चित करके लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा की गई। उन्होंने कांग्रेस सरकार से तेलंगाना में हानिकारक और मिलावटी शराब के वितरण को रोकने के लिए सोम डिस्टिलरीज को दी गई अनुमति रद्द करने का आग्रह किया।

प्रार्थना सभा

मातृश्री
भानुमती बेन दोशी
(धर्मपत्नी : स्व. श्री चन्द्रकान्तजी दोशी)
स्वर्गवास : सोमवार 3 जून 2024

प्रार्थना सभा आज शनिवार 8 जून 2024, प्रातः 10 से 10:30 बजे जैन भवन, इडन बाग, रामकोट, हैदराबाद में होगी।

शोकाकुल : जिग्नेश दोशी (पुत्र) सोनल दोशी (पुत्री) कुशलव दोशी (पौत्र)
तरुलबेन मेहता (धर्मपत्नी : स्व. श्री भरतभाई मेहता) (पुत्री) नीरज-मानसी मेहता (दोहिता-बहू)
ध्वनि-अशांक कुमार मेहता (दोहिती-दामाद) आरव, मायरा,
वंश, केशवी (पड़दोहिते, पड़दोहितियाँ) एवं समस्त दोशी व तुरखिया परिवार

निवास : 4-3-472, विजयशांता टावर्स, बैंक स्ट्रीट, कोठी, हैदराबाद.
फोन : 040-24753107, 9505551777, 9391022999, 9010007666

सेक्स रैकेट के वीडियो, पोर्नोग्राफी की जांच लैब से कराएं

इलाहाबाद हाईकोर्ट का आदेश; पत्नी पर बेटियों को सेक्स रैकेट में उतारने का शक

प्रयागराज, 7 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक अहम आदेश में कहा है कि यदि पति अपनी पत्नी पर आरोप लगा रहा है कि उसकी पत्नी उसकी पत्नी किसी सेक्स रैकेट और पोर्नोग्राफी में शामिल है और उसकी बेटियों को सेक्स रैकेट में शामिल होने के लिए मजबूर किया जा रहा है तो मामले की जांच जरूरी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पति द्वारा प्रस्तुत सीडी/डीवीडी की फोरेंसिक जांच का निर्देश दिया है, जिसमें आरोप है कि उसकी पत्नी से संबंधित यौन वीडियो हैं।

पति हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 13 के तहत दायर तलाक के अपने मुकदमें और अपनी दो नाबालिग बेटियों की कस्टडी के लिए गार्जियन एंड वार्ड्स एक्ट 1890 की धारा 25 के तहत दायर मुकदमे के समर्थन में यौन सीडी को साक्ष्य में प्रस्तुत करना चाहता है।

पति को आशंका बेटियों को भी सेक्ट रैकेट में शामिल कर देंगे

याची शिवराम का कहना है कि उसकी पत्नी किसी सेक्स रैकेट और पोर्नोग्राफी में शामिल है। जिसके कारण वे दोनों अलग-अलग रह रहे हैं। याचिकाकर्ता को आशंका है कि उसकी दो नाबालिग बेटियों को भी सेक्स रैकेट का हिस्सा बनने के लिए मजबूर किया जा सकता है। याची ने कहा कि वह एक चिंतित पिता है, जो अपनी दो नाबालिग बेटियों की जान बचाना चाहता है। उन्हें अच्छी शिक्षा देना चाहता है ताकि वे अच्छे नागरिक बन सकें। इस याचिका के समर्थन में दाखिल हलफनामे में लगाए गए आरोपों और उनकी पत्नी के खिलाफ की गई गंभीर शिकायतों व उन वेबसाइटों के विवरण जिन पर अश्लील दृश्य अपलोड किए गए थे, उसे देखते हुए जस्टिस अजीत कुमार ने कर्नाटक, बेंगलुरू स्थित फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला द्वारा डीवीडी और सीडी की तकनीकी जांच कराने का निर्देश देना आवश्यक समझा । पारिवारिक न्यायालय द्वारा वीडियो की फोरेंसिक जांच के लिए उसके आवेदन को खारिज कर दिया गया था।याची (पति) ने फेमिली कोर्ट के आदेश को हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर चुनौती दी थी। पति ने कुछ इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य प्रस्तुत किए तथा पारिवारिक न्यायाधीश के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया कि सीडी/डीवीडी, जिनमें कुछ ऑडियो और वीडियो थे, का विज्ञान प्रयोगशाला से सत्यापन कराया जाए तथा सीडी के साथ विपक्षी (पत्नी) की आवाज का नमूना भी भेजा जाए। पारिवारिक न्यायालय ने आवेदन को स्वीकार कर लिया और निर्देश दिया कि ऑडियो और वीडियो सीडी को 2018 में निदेशक, फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला, यूपी, लखनऊ को भेजा जाए।

पक्षों (पति और पत्नी) की आवाज के नमूने लेने के बाद, फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला ने जुलाई 2022 में एक रिपोर्ट भेजी, जिसमें बताया गया कि डिजिटल डेटा में महिला और पुरुष की आवाज पत्नी और याचिकाकर्ता/पति के साथ संभावित रूप से समान पाई गई। जहाँ तक वीडियो डिजिटल डेटा का सवाल है, चूंकि यह ट्रांसक्रिप्शन के अनुसार नहीं था, इसलिए ऑडियो और वीडियो सीडी और डीवीडी की जांच करते समय इसकी जांच नहीं की जा सकी। इसके बाद याचिकाकर्ता ने यह आवेदन दिया कि अगर फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी, यूपी, लखनऊ डीवीडी की जांच करके रिपोर्ट नहीं भेज सकती है, तो इसे किसी दूसरी एजेंसी को भेजा जाना चाहिए।

फैमिली कोर्ट ने जनवरी 2023 के आदेश के तहत इस आवेदन को खारिज कर दिया और इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। याची की दलीलें सुनने के बाद, न्यायालय ने अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश, पारिवारिक न्यायालय द्वारा पारित आदेश को रद्द कर दिया, तथा पारिवारिक न्यायाधीश को निर्देश दिया कि वे ऑडियो और वीडियो दोनों सीडी/डीवीडी की फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला, कर्नाटक, बेंगलुरू द्वारा नए सिरे से जांच कराएं। न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया है कि प्रयोगशाला को सीडी/डीवीडी प्राप्त होने की तारीख से एक महीने के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा जाए। अदालत ने याचिका का निपटारा करते हुए आगे आदेश दिया,

बीएचयू की सेवाओं से नर्सिंग अधिकारी को करें मुक्त

एम्स पटना में ज्वाइन करने के लिए याची स्वतंत्र

प्रयागराज, 7 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि बीएचयू की सेवाओं से नर्सिंग अधिकारी को तत्काल मुक्त किया जाए। साथ ही वह एम्स पटना की सेवाओं में शामिल होने के लिए स्वतंत्र हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर ने नर्सिंग अधिकारी नितिन कुमार की ओर से कार्यमुक्त किए जाने की मांग वाली याचिका पर दिया है। कोर्ट ने यह भी कहा कि बीएचयू की ओर से बकाया भुगतान की मांग पर 25 जून 2024 को या उससे पहले याची अपनी आपत्तियां प्रस्तुत करेगा।

याची को सुनने के बाद बीएचयू के अधिकारी बकाया का निर्धारण कर आदेश पारित करेंगे। इसके बाद बकाया भुगतान का अंतिम रूप से निर्धारण होने के बाद याची को भुगतान के लिए एक महीने का समय होगा। याची सर सुंदरलाल अस्पताल, बीएचयू में नर्सिंग अधिकारी हैं। उन्होंने इस्तीफा दिया, लेकिन उन्हें कार्यमुक्त नहीं किया गया। इस पर उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। इस पर कोर्ट ने याची के पक्ष में फैसला दिया। वहीं, बीएचयू ने आदेश का पालन करते हुए कहा कि बकाया भुगतान करने पर ही कार्यमुक्त का आदेश लागू होगा। याची ने पुनः इस आदेश के विरुद्ध अवमानना का आवेदन दाखिल किया। याची ने बताया कि प्रतिवादी-बीएचयू उसे कार्यमुक्त नहीं कर रहा है, जबकि कोर्ट ने 30 मई 2024 को आदेश दिया था। 15 जून 2024 तक एम्स पटना में उन्हें ज्वाइन करना है, लेकिन देरी होने पर नौकरी खोनी पड़ेगी। बीएचयू अंतिम क्षण में आश्चर्यजनक रूप से उन्हें 5,51,434 रुपये का बकाये का भुगतान करने के लिए कहा है। इतनी बड़ी रकम इकट्ठा करने में वक्त लग जाएगा। ऐसे में पटना एम्स ज्वाइन की तिथि बीत जाएगी। कोर्ट ने कहा कि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि 30 मई 2024 के आदेश का उल्लंघन करने के लिए बीएचयू छल-कपट और तीखे हथकंडों का सहारा ले रहा है। कोर्ट ने कहा कि बीएचयू का आचरण ठीक नहीं है। इससे पहले, बीएचयू याचिकाकर्ता का इस्तीफा स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं था। 30 मई 2024 के आदेश के अनुसार इसे स्वीकार किया, लेकिन एक चतुर चाल में बकाया भुगतान की मांग को लाकर याची को हराने का प्रयास किया। मामूली साधनों वाला व्यक्ति अचानक इस मांग को पूरा नहीं कर पाएगा। कोर्ट ने कहा कि हम आदेश देते हैं कि याचिकाकर्ता को बीएचयू की सेवाओं से तत्काल मुक्त कर दिया जाए। साथ ही कहा कि याची एम्स, पटना की सेवाओं में शामिल होने के लिए स्वतंत्र होगा।

बिना पासपोर्ट वीजा के नेपाल से भारत घुसा चीनी नागरिक, तलाशी में निकले पत्थर और नक्शा

मुजफ्फरपुर, 7 जून (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर पुलिस ने एक चीनी नागरिक को गिरफ्तार किया है। ब्रह्मपुरा थाने के लक्ष्मी चौक इलाके से पुलिस ने बगैर वीजा के भारत में प्रवेश करने वाले चीनी नागरिक ली जियाकी को गिरफ्तार किया है।

पूछताछ में उसकी पहचान चीन के दाजहोंग गांव, कैंगशान काउंटी शेडोंग प्रांत नंबर 75 के रूप में हुई है। उसके खिलाफ भारत में अनाधिकृत घुसपैठ की धारा में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने तलाशी में उसके पास से चीन का एक पासपोर्ट, मोबाइल, चार्जर, आइडी कार्ड, बस टिकट, एक विजिटिंग कार्ड, चाइनीज नोट, नेपाली व भारतीय रुपये, दाढ़ी बनाने वाली मशीन, चीन का मैप, तीन पत्थर की छोटी मूर्ति, तीन छोटे-छोटे पत्थर व दो फोटो जब्त किए गए हैं।

पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। चीनी नागरिक ली जियाकी को देखकर लक्ष्मी चौक पर स्थानीय लोगो को शक हुआ। उन्होंने इसकी पुलिस को सूचना दी। इसके बाद ब्रह्मपुरा थाने की पुलिस ने उससे पूछताछ शुरू की तो वह ठीक से अंग्रेजी और न ही हिंदी बोल पाया।

सैन्य स्टेशनों के बाहर 'देखते ही गोली मार दी जाएगी'

लिखना उचित नहीं, जानें हाईकोर्ट ने क्यों की ये टिप्पणी

प्रयागराज, 7 जून (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि सैन्य स्टेशनों के बाहर साइनबोर्ड पर 'देखते ही गोली मार दी जाएगी' 'अतिक्रमण करने वालों को गोली मार दी जाएगी' जैसे संदेश लिखने उचित नहीं हैं। इस तरह के संदेश बच्चों पर हानिकारक प्रभाव डालते हैं। इसलिए सरकार को सख्त चेतावनियों के लिए हल्के शब्दों का प्रयोग करना चहिए। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव की कोर्ट ने नेपाली नागरिक एतवीर लिम्बू की जमानत अर्जी स्वीकार करते हुए की। एतवीर लिम्बू 23 फरवरी, 2024 को सुबह 4:30 बजे प्रयागराज के वायु कमान मनौरी में लोहे की ग्रिल पार कर सेना क्षेत्र में घुसते वक्त पकड़ा गया था। उस पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। अधिवक्ता ने जमानत अर्जी पर कोर्ट के समक्ष दलील दी कि याची का स्थायी पता पचरुखी, जिला इटहरी, नेपाल है। वह गरीब परिवार से है और अनपढ़ है। वह अपने पड़ोसी सूरज मांझी के कहने पर नौकरी के उद्देश्य से भारत आया था। नैनी स्टेशन के पास रुका हुआ था। अनजाने में व बिना किसी दुर्भावना के मनौरी वायुसेना स्टेशन पहुंच गया। नशे की हालत में वह वायुसेना स्टेशन में घुस गया। याची का स्टेशन परिसर में प्रवेश करने का कोई गलत इरादा नहीं था। उसके पास से आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई है। उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। वह 24 फरवरी से जेल में है। उसे जमानत दी जाती है तो वह इसका दुरुपयोग नहीं करेगा।

बीए की छात्रा से तमंचे के बल पर छेड़खानी

पेपर देकर लौट रही थी छात्रा , रास्ते में रोका, विरोध पर मारी गोली

झांसी, 7 जून (एजेंसियां)। झांसी में तमंचे के बल पर बीए की छात्रा से छेड़खानी हुई है। छात्रा पेपर देकर घर लौट रही थी, तभी मोहल्ले के युवक ने तमंचे के बल पर उसे रोक लिया। हाथ पकड़कर जोर-जबरदस्ती करने लगा। कभी छात्रा को गोली मारने की धमकी देता तो कभी खुद को गोली मारने की कोशिश करता। छात्रा हाथ जोड़कर छोड़ने की गुहार लगाती रही। लेकिन, बेखौफ बदमाश ने छात्रा को गोली मार दी।

गनीमत रही कि गोली छात्रा को छूते हुए निकल गई और वह बाल-बाल बच गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना का सीसीटीवी सामने आया है। घटना झांसी के सदर बाजार थाना क्षेत्र के भट्टागांव की है। सदर थाना क्षेत्र में रहने वाली छात्रा की उम्र 20 साल है। वह बीए सेकेंड ईयर में पढ़ती है। उसके पिता ने बताया- बेटी गुरुवार शाम 6:15 बजे परीक्षा देकर घर लौट रही थी। वह ऑटो में सवार होकर भट्टागांव पहुंची और फिर ऑटो से उतरकर गली से होते हुए घर आने लगी।

भट्टागांव निवासी रोहित ने तमंचा दिखाते हुए बेटी को रोक लिया और हाथ पकड़कर पूछने लगा कि तुम क्या चाहती हो, बात क्यों नहीं करती। इस पर बेटी ने बात करने से मना कर दिया। ये सुनते ही आरोपी रोहित जोर-जबरदस्ती करने लगा। बेटी हाथ जोड़कर छोड़ने की गुहार लगाती रही, तभी आरोपी ने बेटी पर फायर झोंक दिया। गनीमत रही कि गोली उसके सीने को छूते हुए निकल गई। जिससे उसे ज्यादा चोट नहीं आई। बेखौफ रोहित तमंचा लहराते हुए भाग गया।

फिर चर्चा में डीएम आर्यका अखौरी

शख्स ने अफजाल संग फेसबुक पर फोटो शेयर कर की अभद्र टिप्पणी, केस दर्ज

गाजीपुर, 7 जून (एजेंसियां)। गाजीपुर की जिलाधिकारी आर्यका अखौरी फिर से चर्चा में हैं। उनके खिलाफ एक युवक ने अभद्र फेसबुक पोस्ट लिखकर वाय दी। पोस्ट वायरल हुई तो पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। इसके साथ ही पुलिस युवक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने में पुलिस जुट गई है। लोकसभा चुनाव के बाद गाजीपुर के सांसद अफजाल अंसारी को जीत का प्रमाण पत्र देने की फोटो मीडिया में आई थी। आरोपी युवक ने इसी फोटो के साथ अभद्र टिप्पणी लिखकर फेसबुक पर पोस्ट की थी। इस प्रकरण में मरदह पुलिस ने मरदह थाना के पण्डिता गांव रहने वाले विनय यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। विनय पर आरोप है कि इस पोस्ट को वायरल कर आरोपी ने वैमनस्यता और घृणा फैलाने का काम किया है। अफजाल अंसारी के भाई मुख्तार अंसारी की मौत 28 मार्च को बांदा जेल में हो गई थी। इसके बाद गाजीपुर में 30 मार्च को मुख्तार अंसारी का जनाजा निकाला गया। बड़ी संख्या में मुख्तार के समर्थक जनाजे में शामिल हुए।

वे सभी कब्र पर मिट्टी डालनी की रस्म में शामिल होना चाहते थे। मौके पर कानून व्यवस्था संभाल रही डीएम आर्यका अखौरी ने लोगों को रोकना चाहा। इस पर उनकी अफजाल अंसारी से बहस हो गई। इसके बाद दोबारा चर्चा में तब आईं जब वह अफजाल अंसारी को लोकसभा चुनाव में जीत का सर्टिफिकेट सौंप रही थीं। इस पूरे मामले में मरदह थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र पाण्डेय ने बताया कि जिलाधिकारी के बारे सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करने वाले विनय यादव के विरुद्ध सम्बन्धित धारा के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस विधिक कार्यवाही कर रही है।

एक बड़े अस्पताल ने इलाज के लिए आठ लाख रुपये मांगे, दूसरे अस्पताल ने 128 रुपये में ठीक कर दिया

लखनऊ, 7 जून (एजेंसियां)। जिस मरीज की जान को खतरा बताते हुए मेदांता अस्पताल ने इलाज के लिए आठ लाख रुपये मांगे, उसे दूसरे निजी अस्पताल ने मात्र 128 रुपये की दवा देकर ठीक कर दिया। मरीज को गैस की समस्या हुई थी। उधर, मेदांता के डॉक्टर मरीज के वॉल्व बदलने की बात कर रहे थे। तीमादारों का यह भी आरोप है कि जब उन्होंने मेदांता अस्पताल में इलाज करवाने में असमर्थता जताई तो उनसे अभद्रता की गई। बड़ी मुश्किल से मरीज को छोड़ा गया। तीमारदार ने मुख्यमंत्री से लिखित शिकायत करते हुए मेदांता अस्पताल के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की। इसके बाद मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं।

दरभंगा में 50 मिनट तक आसमान में चक्कर लगाती रही फ्लाइट

फिर एक-एक कर चार विमानों की हुई लैंडिंग

दरभंगा, 7 जून (एजेंसियां)। दरभंगा एयरपोर्ट से गुरुवार को 10 विमानों से 1387 यात्रियों ने आवागमन किया। मुंबई और दिल्ली की फ्लाइट विलंब से पहुंची। लेकिन मुंबई से दरभंगा पहुंचने पर फ्लाइट करीब 50 मिनट तक आसमान में चक्कर लगाती रही। इस बीच यात्रियों को फ्लाइट के डायवर्ट होने की चिंता सताने लगी, लेकिन दरभंगा एयरपोर्ट पर लैंडिंग होने पर यात्रियों ने राहत की सांस ली। जानकारी के अनुसार, कुछ देर के अंतराल पर चार विमानों ने लैंड किया। यात्रियों एवं स्वजन की भीड़ से मुख्य सड़क पर जाम लग गया। दिल्ली जाने के लिए पहुंचे सांसद गोपालजी ठाकुर एवं अशोक कुमार यादव का काफिला भी जाम में फंस गया। मुंबई से दरभंगा आनेवाली फ्लाइट निर्धारित समय 10.05 से चार घंटे 50 मिनट विलंब से पहुंची। कोलकाता से दरभंगा आनेवाली फ्लाइट निर्धारित समय 12.15 से 25 मिनट विलंब से पहुंची।

स्वजन का इंतजार कर रहे थे लोग

दरभंगा एयरपोर्ट पर कई जिले से पहुंचे लोग अपने स्वजन की राह देख रहे थे। कोई एक तो कोई चार घंटे से भूखे प्यासे इंतजार में डटे रहे। जैसे जैसे फ्लाइट पहुंचने का सिलसिला शुरू हुआ तो प्रतीक्षा कर रहे लोगों के चेहरे खिल उठे। स्वजन के मिलने पर एक दूसरे को गले लगकर, पैर छूकर अभिवादन करते दिखे।

यात्रियों ने साझा किया कड़वा अनुभव

दिल्ली से दरभंगा की पहली फ्लाइट से सफर करने वाले यात्री मधुबनी जिला के भाजपरौल निवासी ने कहा कि दिल्ली एयरपोर्ट पर मेडिकल इमरजेंसी को लेकर फ्लाइट विलंब से उड़ान भरी जिससे पहुंचने में देरी हुई। दिल्ली से उड़ान भरने का निर्धारित समय 11 बजे था। लेकिन, फ्लाइट करीब एक बजे दरभंगा के लिए उड़ान भरी। मुंबई से दरभंगा पहुंचे बाढ़ समैला मो। वसी आलम और मधुबनी जिला के रामपुर छछुआ निवासी मो। गुफरान ने बताया कि विमानन कंपनी की सेवा खराब हो गई है। दुबई से मुंबई आने वाली फ्लाइट ही दरभंगा के लिए उड़ान भरती है। मुंबई से दरभंगा के लिए 7. 45 बजे उड़ान भरना था। विलंब होने पर यात्री मुंबई एयरपोर्ट पर हंगामा शुरू किए तो फ्लाइट 12 बजे उड़ान भरी। इधर, मधुबनी व दरभंगा सांसद जाम में फंसने पर सुरक्षा कर्मियों एवं यातायात सिपाही ने मशक्कत कर जाम को खाली कराया।

ससुरालियों ने पेड़ से बांधकर महिला को पीटा ससुर-देवर पर छेड़खानी का आरोप; मामला दर्ज

अलीगढ़, 7 जून (एजेंसियां)। जिले के क्वार्सी थाना क्षेत्र में एक महिला को पेड़ में बांधने का मामला सामने आया है। यहां महिला को उसके ही ससुरालियों ने सार्वजनिक तौर पर पेड़ से बांध दिया। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में महिला पेड़ से बंधी हुई रोती-बिलखती दिखाई दे रही है। उसके आस-पास गांव की अन्य महिलाएं और बच्चे भी बैठे हुए हैं। हालांकि मायके से पहुंचे परिजनों ने महिला को मुक्त कराया। वहीं वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने आरोपी ससुरालियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि महिला को उसके ससुराल में दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाता था। इतना ही नहीं उसके देवर और ससुर उसके साथ छेड़खानी भी करते थे। दरअसल, क्वार्सी क्षेत्र की युवती की शादी 11 फरवरी 2023 को अतरौली के सूरतगढ़ निवासी युवक के साथ हुई थी।

विशेष राज्य के दर्जे की मांग पर चिराग पासवान की पार्टी ने क्लियर किया स्टैंड, क्या बोलीं वीणा देवी?

पटना, 7 जून (एजेंसियां)। केंद्र में पीएम मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनने से पहले एक बार फिर बिहार के विशेष राज्य के दर्जे की मांग शुरू हो गई है। इस पर अलग-अलग दल के नेताओं की प्रतिक्रिया लगातार सामने आ रही है। इस बीच चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी (आर) ने भी अपना रुख साफ कर दिया है। शुक्रवार (07 जून) को पत्रकारों से बातचीत में सांसद वीणा देवी ने कहा कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिले इसके समर्थन में सभी लोग रहेंगे। हम लोग बिहार की भलाई चाहेंगे क्योंकि बिहार के रहने वाले हैं।

चिराग पासवान ने की संसदीय दल की बैठक

वीणा देवी ने दिल्ली में यह बयान दिया है। हालांकि उन्होंने साफ कहा कि सरकार से कोई मांग नहीं है। जो हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं चिराग पासवान वो सब कर रहे हैं और देख रहे हैं। बता दें कि आज लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) संसदीय दल की बैठक पार्टी प्रमुख चिराग पासवान के नेतृत्व में दिल्ली में उनके आवास पर हुई। इस बैठक में पांचों सांसद मौजूद रहे। बैठक के बाद लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सभी नवनिर्वाचित सांसदों ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को संसदीय दल का नेता चुना। बिहार की पांच लोकसभा सीटों पर चिराग पासवान की पार्टी ने चुनाव लड़ा था। इन पांच सीटों में समस्तीपुर, खगड़िया, हाजीपुर, वैशाली और जमुई है।

बता दें कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिले इसके लिए वर्षों से मांग हो रही है। बीते गुरुवार को जेडीयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने भी इसका समर्थन किया था। तेजस्वी यादव ने भी कहा है कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिले। आरजेडी नेता और बक्सर से नवनिर्वाचित सांसद सुधाकर सिंह ने भी कहा है कि विशेष राज्य का दर्जे और विशेष पैकेज ये दो मुद्दें पूरे होंगे तभी जेडीयू को सरकार में शामिल होना चाहिए।

पुलिस अंकल हम दोनों का निकाह करवा दो

हाथों में हाथ डाल थाने पहुंचीं दो लड़कियां, लगाई गुहार

सहारनपुर, 7 जून (एजेंसियां)। पुलिस अंकल हम दोनों एक दूसरे से प्यार करती हैं। निकाह करेंगी और जिंदगी भर साथ रहेंगी। हमारा निकाह करवा दो। ऐसा कहना था उत्तर प्रदेश की दो लड़कियों का। दोनों ही लड़कियां नाबालिग हैं। हाथों में हाथ डाले वो थाने पहुंची और पुलिस से निकाह करवाने की गुहार लगाने लगीं। पुलिस वालों ने जैसे ही उनकी ये बात सुनी तो थाने में सभी के होश उड़ गए। मामला सहारनपुर का है। यहां बुधवार को 14 और 15 साल की दो लड़कियां हाथों में हाथ डाले थाने में दाखिल हुईं। पुलिसकर्मियों ने उनसे थाने आने का कारण पूछा तो उन्होंने कहा कि सर हम दोनों एक दूसरे से सच्ची मोहब्बत करती हैं। एक दूसरे के बिना नहीं रह सकतीं। हम चाहती हैं कि आप हमारा निकाह करवा दें ताकि हम ताउम्र साथ रह सकें। हमारे घर वाले तो हमें शादी करने नहीं देंगे। इसलिए हम आपसे मदद मांगने आई हैं। पुलिस वालों ने जैसे ही उनकी बात सुनी तो पहले उन्हें लगता कि लड़कियां मजाक कर रही हैं। लेकिन दोनों ही निकाह की जिद पर जब अड़ गईं तो पुलिस ने उन्हें समझाने की कोशिश की। लेकिन दोनों ही लड़कियां मानी नहीं। कहने लगीं कि हम जिएंगी साथ में। मरेंगी भी साथ में। पुलिस के लाख समझाने पर भी जब दोनों नहीं मानीं तो उन्होंने लड़कियों के माता-पिता तो थाने बुला लिया। बाद में दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को समझा बुझाकर शांत करवाया गया। फिर उन्हें परिजनों के साथ वापस भेज दिया गया।

आगरा बना काले कारोबार का सबसे बड़ा मार्केट

10 साल में 400 करोड़ की नकली दवाएं; बांग्लादेश तक सप्लाई

आगरा, 7 जून (एजेंसियां)। आगरा में 10 साल में 400 करोड़ की नकली दवाएं बरामद हो चुकी हैं। कैंसर की दवाओं के साथ किडनी, हृदय रोग, डायबिटीज, हड्डी रोग, खांसी और बुखार तक की नकली दवाएं यहां मिल चुकी हैं। आगरा से ही पूर्वांचल के बाजार को नकली दवाएं भेजने के रैकेट का पर्दाफाश हो चुका है। आगरा से पश्चिम बंगाल होते हुए बांग्लादेश तक नकली दवाओं की सप्लाई हो रही है। अवैध कारोबार पर कई बार पुलिस और औषधि विभाग ने छापेमारी की। करोड़ों की दवाओं को जब्त कर मुकदमे तक लिखे गए, लेकिन हर बार दवा माफिया लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। आगरा में कफ सिरप, एंटीबायोटिक दवाएं, कैंसर, हृदय, किडनी, लीवर जैसी गंभीर रोगों की नकली दवाई पकड़ी जा चुकी हैं। गई है। पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, बांग्लादेश, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश समेत 10 से अधिक राज्यों में यह रैकेट फैला हुआ है

अगली सरकार हमारी बनी तो

मंदिर की जगह भड़काऊ वीडियो पोस्ट करने वाला मुस्लिम नहीं हिंदू निकला, अरेस्ट

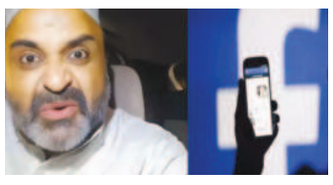

आगरा, 7 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 में बीजेपी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने से समर्थक हैरान परेशान हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ। इसमें एक मुस्लिम दिखने वाला शख्स हिंदुओं को कोस रहा है। इसके साथ ही अयोध्या में हुई हार को लेकर भड़काऊ बातें कर रहा है। पुलिस ने सर्तकता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में पता चला कि वह मुस्लिम नहीं बल्कि हिंदू है। थाना न्यू आगरा मऊ रोड खंदारी का रहने वाला धीरेंद्र राघव सोशल मीडिया एक्टिविस्ट है। 4 जून को सोशल मीडिया पर उसका वीडियो वायरल हुआ। इसमें वह मुस्लिम वेशभूषा में टोपी पहनकर भड़काऊ बातें कर रहा था। वह मोदी को कम वोट देने वाले हिंदुओं पर कटाक्ष कर रहा था। लगभग 1 मिनट के वीडियो में उसने मंदिर-मस्जिद को लेकर भड़काऊ बयानबाजी की।

इस वीडियो के वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर यूपी पुलिस को टैग करते हुए कई लोगों ने कार्रवाई की मांग उठाई। मामला जब डीजीपी से लेकर पुलिस कमिश्नर तक पहुंचा तो थाना पुलिस ने आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार किया है। वह अपने आपको आर्टिस्ट और सरकारी विभागों में ठेकेदार बता रहा है। धीरेंद्र राघव का इस्टाग्राम पर वैरीफाइड अकाउंट बना हुआ है। उसके 47 हजार से अधिक फॉलोअर्स हैं। धीरेंद्र राघव सोशल मीडिया पर मुस्लिम वेशभूषा पहनकर अयोध्या की हार पर हिंदुओं की आलोचना कर रहा था। वीडियो में वह हिंदुओं को काफिर कहते हुए बोल करा था कि मोदी ने तुम्हारे लिए मंदिर बनवा दिया फिर भी तुमने उसे अयोध्या में हरा दिया।

एकनाथ शिंदे ने पीएम मोदी के लिए पढ़ी शायरी, 'मैं पत्थर पर लिखी इबारत...'

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। एनडीए ने पीएम नरेंद्र मोदी को संसदीय दल का नेता चुन लिया। एनडीए की आज (7 जून) को हुई बैठक में महाराष्ट्र के सीएम और शिवसेना के नेता एकनाथ शिंदे ने कहा कि पीएम मोदी ने जो विकास का काम किया है उसे जनता ने महत्व दिया और विपक्ष को घर बिठा दिया। एकनाथ शिंदे ने इस दौरान पीएम मोदी के लिए एक शायरी भी पढ़ी। एकनाथ शिंदे ने कहा, "आज का ऐतिहासिक दिन है। आज हमारे पीएम मोदी को एनडीए के संसदीय दल के रूप में चुने जाने का प्रस्ताव राजनाथ सिंह ने रखा है। मैं बालासाहेब ठाकरे के विचार वाली पार्टी की तरफ से पूरा समर्थन देता हूं। पिछले दस सालों में पीएम मोदी ने इस देश का विकास किया, इस देश को आगे बढ़ाया। देश का नाम को रौशन किया और अर्थव्यवस्था को मजबूत किया। नई पहचान बनाने का काम किया।"

पीएम मोदी बना रहे हैट्रिक- शिंदे

शिंदे ने कहा, "विपक्ष ने झूठे नैरेटिव और अफवाह फैलाकर गुमराह करने की कोशिश की लेकिन देश की जनता ने विपक्ष को नकारा है और पीएम मोदी को स्वीकारा है। शिवसेना के बारे में इतना ही कहूंगा कि दोनों समान विचारधारा वाली पार्टी है। ये गठबंधन बालासाहेब के नेतृत्व में हुआ था जो एक फेविकोल का जोड़ है जो बिल्कुल टूटेगा नहीं। लोकसभा के चुनाव में जो पीएम मोदी ने मेहनत की और सभा की, वह जादू तीसरी बार भी देश ने देखी है। उनको तीसरी बार पीएम बनने के लिए शिवेसना पार्टी की शुभकामनाएं देता हूं। पीएम मोदी हैट्रिक बना रहे हैं।"

एकनाथ शिंदे की शायरी

इसके बाद महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने पीएम मोदी के शायरी पढ़ते हुए कहा, "मैं उस माटी का वृक्ष नहीं जिसको नदियों ने सींचा है। बंजर माटी में पलकर मैंने मृत्यु से जीवन खींचा है। मैं पत्थर पर लिखी इबारत हूं, शीशे से कब तक तोड़ोगे। मिटने वाला मैं नाम नहीं, तुम मुझको कब तक रोकोगे।

मोहन सरकार ने देर रात जारी कर दी लाड़ली बहना की किस्त, प्रचंड जीत के बाद बहनों को दिया तोहफा

भोपाल, 7 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा ने प्रदेश में क्लीन स्वीप किया है। इसके साथ ही सरकार ने लाड़ली बहनों को जीत का तोहफा दिया है। गुरुवार देररात सरकार ने लाड़ली बहना की 13वीं किसत जारी कर दी। इसके तहत 1250 रुपए लाभार्थी बहनों के खाते में ट्रांसफर कर दिए गए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि आज का दिन लाड़लीबहनों के लिए बहुत खास है। महिला सशक्तिकरण की पर्याय लाड़ली बहना योजना की 13वीं किस्त बहनों के बैंक खातों में ट्रांसफर हुई है। उन्होंने लिखा कि मैं लाड़ली बहनों को हार्थिक शुभकामनाएं देता हूं। बता दें मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पिछले साल मई-जून 2023 में लाड़ली बहना योजना की शुरुआत की थी। इसमें 21 से 60 वर्ष की विवाहित महिलाओं को एक हजार रुपए देने का निर्णय लिया गया।

इसकी पहली किस्त 10 जून को जारी की गई। इसके बाद विधानसभा चुनाव से पहले 2023 को रक्षाबंधन के त्यौहार पर राशि को बढ़ाकर 1250 रुपए कर दिया गया। पिछले कुछ महीनों से यह राशि 10 तारीख से पहले भेजी जा रही है। इस बार भी लोकसभा चुनाव की आचार संहिता हटते ही लाड़ली बहनों के खाते में 1250 रुपए ट्रांसफर कर दिए गए।

बीजेपी ही नहीं, इस बार एनडीए भी मुस्लिम,ईसाई, बौद्ध और सिख मुक्त है

सरकार गठन से पहले उमर अब्दुल्ला का नरेंद्र मोदी और एनडीए पर हमला

कश्मीर, 7 जून (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को केंद्र सरकार में अल्पसंख्यकों का लगभग कोई प्रतिनिधित्व नहीं मिलने को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन पर निशाना साधा है। उमर अब्दुल्ला ने सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर किये पोस्ट में लिखा, यह सिर्फ बीजेपी की बात नहीं है, एनडीए मुस्लिम मुक्त, ईसाई मुक्त, बौद्ध मुक्त, सिख मुक्त है और फिर भी सरकार 140 करोड़ भारतीयों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करेगी। उमर की प्रतिक्रिया एक रिपोर्ट पर थी, जिसमें बताया गया था कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एनडीए का हिस्सा रहे विभिन्न अन्य दलों से चुने गए सांसद हिंदू थे। मालूम हो कि 543 सीटों के लिए लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से शुरू होकर सात चरणों में संपन्न हुए थे। अंतिम चरण 1 जून को हुआ था। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 543 सीटों में 240 सीटें जीती हैं, जबकि उसके सहयोगियों ने टीडीपी ने 16, जेडीयू ने 12, शिवसेना ने 7, एलजेपी ने 5, जेडीएस ने 2, जेएनपी ने 2, आरएलडी ने 2, एडीएएल ने 1, एजीपी ने 1, एजेएसयूपी ने 1, हम ने 1, एनसीपी ने 1, एसकेएम ने 1 और यूपीपीएल ने 1 सीट जीती है। भाजपा ने केरल के मलप्पुरम निर्वाचन क्षेत्र से केवल एक मुस्लिम उम्मीदवार अब्दुल सलाम को मैदान में उतारा था, जिन्हें इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के नेता मोहम्मद बशीर ने 30,0,118 वोटों के अंतर से हराया है। एनडीए में टीडीपी ने अकेले आंध्र प्रदेश में 16 एमपी सीटें जीतीं, जबकि टीडीपी, बीजेपी और जनसेना ने मिलाकर सामूहिक रूप से 25 सीट में से 21 सीटें जीती हैं। रविवार 9 जून को आयोजित होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे।

दो नेताओं ने खाली किए सरकारी आवास, 6 प्रक्रिया में, विभाग ने उच्च न्यायालय में दी जानकारी

जम्मू, 7 जून (एजेंसियां)। सरकारी आवासों को लेकर एक महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। दो नेताओं ने आवास खाली कर दिए हैं, जबकि 6 के खाली करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जिन दो नेताओं ने आवास खाली किए हैं, इनमें वजीरा बेगम और सोनाउल्लाह लोन शामिल हैं। वीरवार को उच्च न्यायालय में इसकी जानकारी दी गई। संबंधित याचिका पर मुख्य न्यायाधीश एन कोटिश्वर सिंह एवं न्यायाधीश मोक्षा खजूरिया काजमी की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने सुनवाई की।

एडवोकेट जनरल डीसी रैना ने खंडपीठ को बताया कि अन्य आवास परिसरों के संबंध में मामला समिति के समक्ष विचाराधीन है। रैना ने मामले में आवश्यक कार्रवाई करने के लिए 2 महीने का समय मांगा। वहीं दूसरी तरफ एडवोकेट शेख शकील ने दलील देते हुए कहा कि 3 अप्रैल 2024 को खंडपीठ द्वारा पारित निर्देशों का उचित अनुपालन नहीं हुआ है, क्योंकि खंडपीठ ने इस्टेट विभाग के निदेशक को सभी 43 बंगले खाली कराने के लिए कहा था। तर्क दिया कि एक जैसी स्थिति में दो कानून नहीं हो सकते हैं, क्योंकि जम्मू-कश्मीर सरकार ने दो पूर्व मुख्यमंत्रियों उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती और कई पूर्व मंत्रियों सहित 200 से अधिक राजनेताओं को बेदखल कर दिया है, लेकिन शेष 41 राजनेताओं को अनुचित लाभ दिया जा रहा है जिनकी सत्ता के गलियारों में पहुंच है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि 3 अप्रैल, 2024 के आदेश के अनुसरण में इस्टेट विभाग द्वारा की गई कवायद को दो सीलबंद लिफाफों में रखा गया है। जो भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ द्वारा व्यक्त की गई टिप्पणियों के विपरीत है, जिन्होंने सीलबंद लिफाफों में दस्तावेज दाखिल करने की निंदा की थी।

संसद में विरोध प्रदर्शन नहीं चाहते प्रधानमंत्री, इसलिए हटाई गई महापुरुषों की प्रतिमाएं, कांग्रेस का बड़ा आरोप

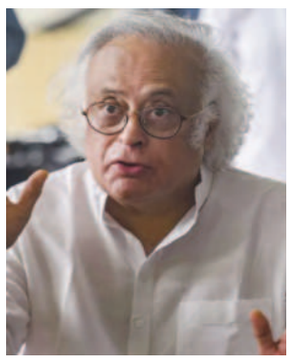

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि संसद परिसर में महात्मा गांधी, बाबासाहेब आंबेडकर और छत्रपति शिवाजी की प्रतिमाओं को उनके मूल स्थानों से इसलिए हटाया गया है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दोनों सदनों के निकट किसी भी तरह का संवैधानिक विरोध प्रदर्शन नहीं होने देना चाहते। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, अपराह्न 2:30 बजे मैंने इस बात को उजागर किया था कि कैसे मोदी सरकार शिवाजी महाराज, महात्मा गांधी और डॉ।आंबेडकर की प्रतिमाओं को संसद भवन के सामने स्थित विशिष्ट स्थानों से दूसरी जगह स्थानांतरित कर रही है।''

किसी भी राजनीतिक दल से कोई चर्चा नहीं

उन्होंने कहा, ''प्रतिमाओं को हटाए जाने की तस्वीरें सामने आने के बाद, घबराहट में कल देर रात 8 बजे के बाद लोकसभा सचिवालय को इस बदलाव के लिए पूरी तरह से फर्जी और स्पष्ट रूप से मनगढ़ंत स्पष्टीकरण जारी करने के लिए मजबूर होना पड़ा। रमेश ने दावा किया कि प्रतिमाओं के स्थान में बदलाव के लिए किसी भी राजनीतिक दल से कोई चर्चा नहीं हुई है। कांग्रेस नेता ने कहा, बदलाव का असली कारण अब बताया जा सकता है। दरअसल इन्हीं प्रतिमाओं के समक्ष पिछले 10 वर्षों से विपक्षी दल मोदी सरकार के ख़िलाफ़ शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक ढंग से विरोध प्रदर्शन करते आ रहे थे। इनमें तेदेपा और जदयू भी शामिल होते थे। उन्होंने आरोप लगाया, प्रधानमंत्री स्पष्ट रूप से संसद के सदनों के बगल में कोई जगह नहीं चाहते हैं जहां उनके और उनकी सरकार के खिलाफ संवैधानिक तरीके से भी विरोध प्रदर्शन हो सके। ऐसे 'स्टंट' अब उन्हें और उनकी अस्थिर सरकार को गिरने से नहीं बचा सकते।

प्रतिमाओं दूसरी जगह स्थापित किया गया

उल्लेखनीय है कि संसद परिसर में महात्मा गांधी, बाबासाहेब आंबेडकर और छत्रपति शिवाजी की प्रतिमाओं को उनके मूल स्थानों से हटाकर दूसरी जगह स्थापित किया गया है। आदिवासी नेता बिरसा मुंडा और महाराणा प्रताप की प्रतिमाएं भी पुराने संसद भवन और संसद पुस्तकालय के बीच लॉन में लगाई गई हैं। अब सभी प्रतिमाएं एक ही जगह पर हैं। लोक सभा सचिवालय ने एक बयान में कहा, संसद भवन परिसर लोकसभा अध्यक्ष के क्षेत्राधिकार में आता है तथा परिसर के अंदर पूर्व में भी माननीय लोकसभा अध्यक्ष की अनुमति से प्रतिमाओं का स्थानांतरण किया गया है। बयान में कहा गया है, यह स्पष्ट है कि संसद भवन परिसर से किसी भी महापुरुष की प्रतिमा को हटाया नहीं गया है, बल्कि उन्हें संसद भवन परिसर के अंदर ही व्यवस्थित एवं सम्मानजनक रूप से स्थापित किया जा रहा है।

फ्लाइट के अंदर शराब पी रहा था यात्री, एयरहोस्टेस ने टोका तो शुरू हुआ हाईवोल्टेज ड्रामा

चेन्नई, 7 जून (एजेंसियां)। फ्लाइट के अंदर यात्रियों की अजीबोगरीब हरकतों की कई खबरें अक्सर सामने आती रहती हैं। ऐसा ही एक मामला दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सामने आया है। यहां गुरुवार को दोपहर साढ़े बारह बजे इंडिगो एयरलाइन्स की फ्लाइट 6ई-434 ने उड़ान भरी। फ्लाइट को चेन्नई एयरपोर्ट जाना था। सब कुछ सही चल रहा था। लेकिन उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों में फ्लाइट के अंदर पैसेंजर ने ऐसी हरकत कर दी जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। यात्रा के दौरान एयरहोस्टेस ने देखा कि एक यात्री सरेआम फ्लाइट के अंदर शराब पी रहा है। यह देखते ही एयरहोस्टेस सन्न रह गई। उसने यात्री से कहा कि आप फ्लाइट के अंदर शराब नहीं पी सकते। ये नियमों के खिलाफ है। यात्री ने उसकी बात को अनसुना किया और शराब पीता रहा। एयरहोस्टेस ने फिर दूसरे क्रू मेंबर्स को इस बारे में बताया। बाकी स्टाफ ने भी यात्री को टोका तो वह बदसलूकी पर उतर आया। यात्री ने फ्लाइट क्रू मेंबर्स से लड़ाई झगड़ा शुरू कर दिया। स्टाफ ने पायलट को इस बारे में बताया।

पायलट ने तुरंत इसकी सूचना चेन्नई एयरपोर्ट के एयर ट्रैफिक कंट्रोल के जरिए सीआईएसएफ को दी। इस दौरान पूरी यात्रा में यात्री ने जमकर हंगामा किया। दोपहर करीब 3:20 बजे जब चेन्नई एयरपोर्ट पर फ्लाइट लैंड हुई तो सीआईएसएफ टीम ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी यात्री की पहचान एसाक्कीअप्पन के रूप में हुई है। एयरलाइंस की शिकायत पर एस-2 पुलिस स्टेशन में आरोपी यात्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पहले शादी के लिए पैरोल अब बच्चा पैदा करने के लिए हत्यारे को 30 दिन की जेल से 'छुट्टी': कोर्ट का फैसला

बेंगलूरू, 7 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने एक महिला की याचिका पर अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने हत्या के जुर्म में जेल में बंद कैदी को बच्चा पैदा करने के लिए 30 दिन की पैरोल दी है। महिला ने कोर्ट में बच्चा पैदा करने के लिए अपने हत्यारे पति को पैरोल पर छोड़ने की एक याचिका दायर की थी। पैरोल पर रहने के दौरान दोषी को हर सप्ताह स्थानीय थाने में जाकर हाजिरी दर्ज करानी होगी। याचिका दाखिल करने वाली महिला ने कोर्ट में कहा था कि उसके पति को उम्र कैद की सजा दी गई है। पति जेल में है और वह इस वजह से मां नहीं बन पा रही है। ऐसे में उसे बच्चे के अधिकार से वंचित रखा जा रहा है। जस्टिस एसआर कृष्ण कुमार ने महिला की याचिका को स्वीकार कर उस पर सुनवाई करते हुए हत्या के दोषी आरोपी को संतान प्राप्ति के लिए 30 दिन की पैरोल दी है। इससे पहले आरोपी को इसी साल अप्रैल महीने में शादी के लिए 15 दिन की पैरोल दी गई थी। उसे कोर्ट ने 5 अप्रैल से लेकर 20 अप्रैल तक पैरोल दिया गया था। इस 15 दिन की अवधि में हत्या के दोषी ने महिला से शादी की थी। शादी करने के बाद और पैरोल की अवधि पूरी होने पर आरोपी वापस जेल चला गया था। दोषी की पत्नी ने कोर्ट में बच्चे के लिए फिर से पति की पैरोल मांगी जिसे स्वीकार कर लिया गया।

पैरोल की अवधि में दोषी को हर सप्ताह के बाद स्थानीय थाने में जाकर हाजिरी लगानी होगी। वहीं, पैरोल पूरी होने पर अगर दोषी जेल नहीं जाता है तो स्थानीय पुलिस पकड़कर उसे जेल भेजेगी। साल 2016 में हत्या के आरोप में वह जेल गया था। आरोप सिद्ध होने पर उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। वह अब तक पांच साल और एक महीने की कैद की सजा काट चुका है।

एनडीए से सीएम नीतीश के करीबी आनंद मोहन की दो बड़ी मांगें, रेल मंत्रालय और विशेष राज्य का दर्जा

पटना, 7 जून (एजेंसियां)। जब से लोकसभा चुनाव परिणाम आया है, तब से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनकी पार्टी चर्चा में है। 16 में से 12 सीटें लाकर सीएम नीतीश कुमार की पार्टी टीडीपी के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सबसे बड़ी सहयोगी बनकर सामने आई है। सीएम नीतीश कुमार एनडीए के साथ ही रहेंगे, यह अब तक की सियासी गतिविधियों से साफ नजर आ रहा है। लेकिन, इस बार उनकी पार्टी के नेता और करीबी बड़े मंत्रालयों की मांग कर रहे हैं। सीएम नीतीश कुमार के करीबी और उनकी पार्टी की सांसद लवली आनंद के पति आनंद मोहन ने रेल मंत्रालय की मांग कर दी है।

कुछ लोग वोट से गुस्सा दिखाते हैं और कुछ थप्पड़ से कंगना रनौत के थप्पड़ कांड पर बोले संजय राउत

मुंबई, 7 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद संजय राउत और भी ज्यादा मुखर हो गए हैं। एक के बाद एक एनडीए दल के नेताओं पर वह तीखे हमले कर रहे हैं। शुक्रवार को शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने सीधे तौर पर नीतीश कुमार, प्रफुल्ल पटेल और कंगना रानौत पर हमला बोला है। मंडी से सांसद चुनी गईं फिल्म अभिनेत्री कंगना रानौत को चंडीगढ़ में एक सिक्योरिटी महिला ने गुरुवार शाम को थप्पड़ मार दिया। इस पर संजय राउत ने कहा कि कुछ लोग वोट से गुस्सा दिखाते हैं तो कुछ लोग थप्पड़ से अपनी गुस्सा दिखाते हैं। जब कोई किसी के मां के बारे में कुछ गलत कहता है तो गुस्सा आता ही है। संजय राउत ने कहा कि कंगना ने किसान आंदोलन को लेकर काफी गलत बोला था। अगर उस महिला कॉन्स्टेबल की मां किसान आंदोलन में बैठी थी तो गुस्सा आना जरूरी भी है। संजय राउत ने कहा कि जैसे उस महिला की मां है, वैसे ही भारत मां है। किसी ने भारत माता का अपमान किया है तो उसका रिएक्शन आएगा ही। कंगना को थप्पड़ पड़ा है, इसके बारे में उन्हें कंगना से सहानुभूति है। अब वो सांसद हैं, किसी सांसद के साथ ऐसा व्यवहार ठीक नहीं हैं। राउत ने कहा कि किसानों का सम्मान होना चाहिए। सुरक्षा में तैनात पुलिस अधिकारी ने इस तरह का कदम उठाया है तो एयरपोर्ट की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े होंगे।

नीतीश कुमार और चंद्रबाबू सबके हैं

दिल्ली में एनडीए के सरकार बनाने पर संजय राउत ने कहा कि नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू सबके हैं। आज आपके हैं, कल वो हमारे साथ होंगे। कल यह राम मंदिर का विरोध करेंगे। चंद्रबाबू तो मुसलमानों के आरक्षण का समर्थन करते हैं, फिर वह एनडीए में क्या करेंगे? साथ ही संजय राउत ने कहा कि जेडीयू ने अग्निवीर को लेकर सवाल उठाए हैं। एनडीए के दलों में यह सब अभी से शुरू हो गया है। आगे-आगे देखिए क्या होता है?

बीजेपी के इशारों पर जांच एजेंसियां

प्रफुल्ल पटेल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा क्लीन चिट दिए जाने पर संजय राउत ने कहा कि अब मुझे भी मोदी-मोदी करना पड़ेगा। यह सब करने से ही ईडी और सीबीआई से बचा जा सकता है। ईडी और सीबीआई जैसी एंजेंसियां बीजेपी की ही दूसरी विस्तारित ब्रांच है। प्रफुल्ल पटेल को ईडी से क्लीन चिट मिलने पर ये पूरी तरह स्पष्ट हो गया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमारे पास कोई अवैध प्रॉपर्टी नहीं थी, फिर इसे जब्त किया गया। बीजेपी के इशारों पर जांच एजेंसियों ने हमारी सभी प्रॉपर्टी को जब्त कर लिया। हम कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। सरकार और जांच एजेंसियों के सामने हम झुकेंगे नहीं, ये हमारी क्रेडिबिलिटी पर सवाल है।

कमलजीत सहरावत के आगे नहीं चला महाबल मिश्रा का बल, जानें- हार की वजह

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीट पर इस बार भी बीजेपी के प्रत्याशियों ने बाजी मारी और भारी मतों से जीत कर दिल्ली में तीसरी बार कमल खिलाया। लोकसभा चुनाव में सात सीटों पर छह नए चेहरे होने के बावजूद बीजेपी के प्रत्याशियों ने भारी मत प्राप्त किए। इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को सात सीटों पर मात दी। पश्चिमी दिल्ली सीट से बीजेपी की कमलजीत सहरावत सबसे बड़े मार्जिन से जीत हासिल करने के मामले में दूसरे पायदान पर रहीं और उन्होंने लगभग दो लाख मतों से अपने प्रतिद्वंदी महाबल मिश्रा को मात दी। ऐसा लग रहा था कि जिस तरह से बीजेपी के विजयी रथ को रोकने के लिए कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने इंडिया गठबंधन के तहत साथ मिल कर बीजेपी प्रत्याशियों को हराने के लिए पूरा जोर लगा दिया था, ऐसे में लग रहा था कि महाबल का बल इसमें एक्स फैक्टर का काम करेगा और इंडिया गठबंधन के खाते में ये सीट जा सकती है, लेकिन वैसा नहीं हुआ। पूर्वांचल के कद्दावर नेता माने जाने वाले आप और इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी महाबल मिश्रा के सामने पहली बार सांसद का चुनाव लड़ रही कमलजीत सहरावत बीजेपी की तरफ से इस बार नया चेहरा थीं। इसके बावजूद नतीजा अनुमान के उलट आया और कमलजीत ने एक लाख 99 हजार 13 वोटों के भारी अंतर से महाबल मिश्रा को चुनावी मैदान में पटखनी दे दी।

जीतू पटवारी से मांगा इस्तीफा

दिग्विजय-कमलनाथ पर लगाया आरोप एमपी में सूपड़ा साफ होने पर कांग्रेस में बगावत तेज

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी सभी सीटें हार गई। बीजेपी ने मध्य प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की है। इसके बाद कांग्रेस के अंदरखाने बगावत तेज हो गई है। कांग्रेस नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने हार के लिए पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह के साथ-साथ प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को जिम्मेदार ठहराया है।

जीतू पटवारी के कार्यकाल की हो समीक्षा

अजय सिंह ने कहा कि मैं प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के कार्यकाल की समीक्षा की मांग करता हूं क्योंकि उनके नेतृत्व में बड़ी संख्या में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पार्टी छोड़ दी। अजय सिंह ने कहा कि जब बड़े नेता हमारे पार्टी छोड़ रहे थे तो उन्हें रोकने के लिए क्या कदम उठाए थे, इस पर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हार के कारणों का पता लगाया जाना चाहिए। अजय सिंह ने कहा कि मध्य प्रदेश में बड़ी हार से पार्टी के कार्यकर्ता निराश हैं।

कमलनाथ और दिग्विजय सिंह पर भी साधा निशाना

इसके अलावा अजय सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह दोनों ही नेता अपने गृह क्षेत्र से बाहर क्यों नहीं निकले और चुनाव में इन्होंने किसके लिए प्रचार किया, इसका पता भी नेतृत्व को करना चाहिए।

अजय सिंह ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी और विधायक रामनिवास रावत जैसे नेताओं ने पार्टी छोड़ी। साथ ही उन्होंने कहा कि स्वार्थी नेताओं ने जब संकट के समय पार्टी छोड़ दी है, तो उन्हें कभी वापस नहीं लिया जाना चाहिए। बता दें कि अजय सिंह मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री रहे दिवंगत अर्जुन सिंह के बेटे हैं। अर्जुन सिंह कांग्रेस पार्टी के बड़े चेहरे हुए करते थे। अजय सिंह ने अपना उदाहरण देते हुए कहा कि जब 2013 में मैं नेता प्रतिपक्ष था और कांग्रेस पार्टी की करारी हार हुई थी तब मैंने इस्तीफा दिया था। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारी किसी न किसी को लेनी पड़ेगी क्योंकि आज तक इतनी बुरी हार कभी नहीं हुई।

मेरा पति समलैंगिक है

रात को लगाता है लिपस्टिक-नेल पॉलिश' युवती बोली- संस्कारी लड़का निकला ऐसा

देहरादून, 7 जून (एजेंसियां)। मेरा पति समलैंगिक है। वह रात में आईने के सामने खड़े होकर शृंगार करता है। लिपस्टिक और नेल पॉलिश लगाता है। एक दिन रात को नींद खुली तो उसे शृंगार करता देख हतप्रभ रह गई। ससुराल वालों ने शादी से पहले उसके समलैंगिक होने की बात छिपाई थी। ये कहना है शादी में धोखा खाई हरिद्वार निवासी युवती का। युवती ने महिला आयोग में शिकायत की है। हरिद्वार निवासी युवती का कहना है कि उसकी शादी फरवरी में यमुनानगर, हरियाणा निवासी लड़के से हुई थी। शादी में उसे बुरी तरह धोखा मिला है। लड़की के माता-पिता का कहना है कि लड़का समलैंगिक था तो हमारी बेटी से शादी कर उसकी जिंदगी क्यों बर्बाद की। उन्होंने बताया कि बेटी की अरेंज मैरिज एक परिचित के माध्यम से हुई थी। उन्होंने बताया कि दहेज में कार मांगी थी। उन्हें 21 लाख कैश और गाड़ी दी थी। बेटी को 18 तोला सोना भी दिया था। शादी में कुल मिलाकर 80 लाख रुपये खर्च किए थे। लड़की ने बताया कि शादी से पहले लड़के से मिलने के लिए कहते थे, लेकिन लड़का कभी नहीं आया। रात 10.00 बजे के बाद लड़की को फोन नहीं करता था और कहता था कि वह जल्दी सो जाता है। वह अपनी छवि एक संस्कारी लड़के की बनाए हुए था। वह कॉल पर नहीं सिर्फ मैसेज में बात करता था। शादी के बाद लड़के के माता-पिता ने कहा कि लड़का मानसिक रूप से कमजोर है, इसलिए वह संबंध नहीं बनाएगा।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 8 जून- 2024

ग्रामीण विकास पर ध्यान जरूरी

एनडीए के सहयोगी दलों के बाद शुक्रवार को चुने गए पार्टी सांसदों ने भी बैठक में बडी सहजता से नरेंद्र मोदी के नाम पर मुहर लगा दी। इस सर्वसम्मति को देखते हुए तय माना जा रहा है कि वह नौ जून को बडे ही सहज ढंग से तीसरे कार्यकाल का आरंभ करेंगे। इसके साथ ही यह कयास भी लगाया जाने लगा है कि पीएम मोदी का तीसरा टर्म उनके पिछले दोनों कार्यकालों से किन अर्थों में और कितना अलग होगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि देश के पहले पीएम जवाहर लाल नेहरू के बाद नरेंद्र मोदी ही है जो लगातार तीसरी बार पीएम चुने गए हैं। इससे उनकी मजबूत छवि पूरी दुनिया में निखरी है। इसके बाद भी कुछ लोगों का तर्क है कि चाहे गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में डेढ़ दशक तक सरकार चलाने का अनुभव हो या केंद्र में प्रधानमंत्री के रूप में एक दशक का, मोदी जी के साथ हमेशा सुविधाजनक बहुमत रहा है। उनकी छवि भी बड़े और कड़े फैसले लेने वाले मजबूत नेता की मानी जाती रही है। लेकिन इस बार उनकी अपनी पार्टी बीजेपी बहुमत के लिए जरूरी आंकड़े से 32 सीटें दूर रह गई है। ऐसे में तय है कि उनकी सरकार को समर्थन दे रहे जेडीयू और टीडीपी जैसे दल अपने राज्यों के लिए इसकी कीमत वसूलेंगे। ऐसे में सवाल लाजिम है कि इस कीमत का स्वरूप क्या होगा। क्या ये दल पदों और विभागों की बारगेनिंग से ही संतुष्ट हो जाएंगे या वे सरकार की नीतियों और फैसलों को भी खास दिशा देने की कोशिश करेंगे? संभावना यही है कि इन दोनों ही मोर्चों पर ये दल मोदी के रुतबे के सामने संतुलन साधने की सुविधाजनक रास्ता अपनाएंगे। बहरहाल, गुरुवार को जब जदयू प्रवक्ता ने कहा कि चुनावों के दौरान मतदाताओं के एक हिस्से की आशंकाओं को देखते हुए सरकार को अग्निवीर योजना की समीक्षा करनी चाहिए। यही नहीं, पार्टी ने कास्ट सेंसस को भी वक्त की जरूरत बता दिया। जाहिर है, इन दोनों मसलों पर कोई बीच की रास्ता निकालने की जरूरत अभी से दिखाई देने लगी है। लेकिन शुक्रवार को जिस तरह से पार्टी सुप्रीमो नीतीश कुमार ने नरेंद्र मोदी के सम्मान में भाषण दिया है उसे देखते हुए ऐसी आशंकाएं निर्मूल साबित हो सकती हैं। अब सवाल बड़ा हो जाता है कि मोदी सरकार 3.0 के दौरान क्या सरकार के कामकाज उसी तरह से चल पाएंगे, जैसे पिछले दो कार्यकालों में चले थे। आर्थिक सुधारों पर देश में एक तरह की राजनीतिक सर्वसम्मति रही है, इसलिए यह उम्मीद जरूर की जा सकती है कि सुधारों का एजेंडा ज्यादा प्रभावित नहीं होगा, लेकिन इसकी रफ्तार कम न पड़े, इसके लिए विशेष प्रयासों की जरूरत पड़ सकती है। चुनाव नतीजों में सीटों के पैटर्न पर नजर डालें तो पता चलता है कि 2019 के मुकाबले 2024 में एनडीए को ग्रामीण इलाकों में सीटें कम मिली हैं। जाहिर है सरकार के कामकाज से गांव के लोगों में निराशा रही होगी। इसे रेवेन्यू एक्सपेंडिचर में आई गिरावट से जोड़कर देखा जा सकता है। जाहिर है, मोदी सरकार इसे तीसरे कार्यकाल में दुरुस्त करना चाहेगी। लेकिन पहले उसे बिहार को विशेष दर्जा और आंध प्रदेश को विशेष मदद जैसी मांगों से निपटना पड सकता है। पीएम मोदी एक सक्षम नेता हैं इसमें कोई दो राय नहीं है। इसलिए यह कहना कि तीसरा कार्यकाल उनके लिए चुनौतीपूर्ण होगा, अभी जल्दबाजी होगी।

लोकतंत्र में जनता ही माई बाप है

मनोज कुमार

अठारहवीं लोकसभा के लिये सात चरणों के चुनाव के बाद तमाम भविष्यवाणियों को नकार कर जो परिणाम सामने आए, उन्होंने पूरे देश को न सिर्फ चौंकाया है वरन बता दिया है कि 140 करोड़ आबादी वाले देश में जनता ही माई बाप है वह अधिक महत्वाकांक्षी या स्वच्छंद हो रही राज व्यवस्था के परों को कतरना भी जानती है। पिछले दो बार के आम चुनाव में लगातार भारी बहुमत से सत्ता में आई भाजपा इस बार अपने बूते पूर्ण बहुमत से दूर रह गई। वहीं कांग्रेस ने पिछले चुनाव से बेहतर प्रदर्शन कर बता दिया है कि आज भी वह राष्ट्रीय फलक पर पुरानी पार्टी होने के कारण अपना वजूद रखती है यह अलग विषय है कि परिवारवाद और अकुशल व गलत नेतृत्व के कारण वह हाशिये पर चली गई थी। कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन ने इन चुनावों में उम्मीदों से कहीं ज्यादा सफलता हासिल की। यहां तक कि अब कांग्रेस को लोकसभा में विधिवत विपक्षी नेतृत्व का अधिकार मिलेगा। बहरहाल, वर्ष 2024 के जनादेश ने परिस्थितियों को बदल दिया है और ईशारे में संकेत दिया है कि जनता लोकतंत्र में किसी भी दल को स्वच्छंद व्यवहार की अनुमति नहीं देती। वह लोकप्रहरी की भूमिका में आ जाती है। अब चाहे सामने कितना भी कद्दावर नेता क्यों न हो। जनता देश में सशक्त विपक्ष की भूमिका की जरूरत भी महसूस करती है। देश में आपातकाल के बाद भी बदलाव का जनादेश आया था। सही मायनों में यह जनादेश किसी की जीत व हार का नहीं, बल्कि लोकतंत्र को मजबूत करने का प्रयास है। विपक्ष आरोप लगाता रहा है कि सत्तारूढ़ दल निरंकुश व्यवहार करते हुए सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग विपक्षी नेताओं को भयभीत करने को करता है। कुछ विपक्षी दलों के मुख्यमंत्रियों व मंत्रियों को राजनीतिक दुराग्रह के लिये जेल भेजने के आरोप भी लगे हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि गठबंधन सरकार के दौर में अब ऐसे व्यवहार पर लगाम लगेगी । निस्संदेह, इन चुनाव नतीजों के दूरगामी परिणाम होंगे। इसी साल हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड और जम्मू-कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनाव पर भी इन परिणामों का असर दिख सकता है। मौजूदा जनादेश ने भारतीय संवैधानिक संस्थाओं को मजबूती की जरूरत भी बतायी है। निश्चित रूप से इंडिया गठबंधन को इस सम्मानजनक स्थिति में लाने में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मुखर प्रतिरोध ने विपक्ष को ताकत दी। वहीं दूसरी ओर इन लोकसभा चुनावों के परिणामों ने बेरोजगारी, महंगाई और आम जीवन से जुड़े मुद्दों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है यह साफ कर दिया है । हरियाणा व राजस्थान में अग्नि वीर भर्ती प्रक्रिया का प्रतिकार युवाओं की अभिव्यक्ति के रूप में नजर आने की बात कही जा रही है। पेपर लीक ने युवाओं को ही नहीं, उनके परिजनों को भी सत्ता के विरोध में खड़े होने के लिए मजबूर कर दिया जो सरकार का पिछले एक दशक से समर्थन कर रहे थे।

इस आम चुनाव का परिणाम में भाजपा लोकसभा में पूर्ण बहुमत से दूर रह गई, जो कि अभियान के दौरान किए गए उसके दावों से दूर है। हालांकि, भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने 292 सीटें प्राप्त कर बहुमत हासिल कर लिया है। भाजपा की व्यक्तिगत संख्या 240 है, जो 2019 की उसकी ताकत 303 से 63 कम है। एनडीए के दो सहयोगी, बिहार में जेडी (यू) और आंध्र प्रदेश में टीडीपी, जिन्होंने क्रमशः 12 और 16 लोकसभा सीटें जीती हैं। आम तौर पर अन्य क्षेत्रीय दलों की तरह, इनका लोकसभा में महत्वपूर्ण प्रभाव होगा। साफ है कि मतदाता चाहते हैं कि भाजपा भारत के विभिन्न समुदायों और क्षेत्रों की राजनीतिक आकांक्षाओं के प्रति अधिक सौहार्दपूर्ण और कम टकराव वाली हो। यह फैसला लामबंदी की रणनीति के रूप में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की सीमाओं को भी दर्शाता है, जो भाजपा के अभियान का मुख्य आधार बन गया। परिणाम भाजपा को जवाबदेह बनाता है, और मांग करता है कि वह और अधिक रचनात्मक हो। भाजपा को लोकतांत्रिक भावना से उस संदेश पर ध्यान देना चाहिए।

दिल्ली व पंजाब में हार के अनेक कारण रहे आप की ?

अशोक भाटिया

आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में सातों सीटों पर हार के बाद कांग्रेस के साथ गठबंधन खत्म करने का ऐलान कर दिया है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता गोपाल राय ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर पर गुरुवार को बैठक के बाद इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के साथ गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए ही था, विधानसभा चुनाव पार्टी अकेले लड़ने जा रही है।उन्होंने स्पष्ट किया कि 2025 की शुरुआत में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। गौरतलब है कि राय का यह बयान गुरुवार को आप द्वारा अपने विधायकों के साथ बैठक के बाद आया है। दिल्ली के मंत्री गोपाल राय ने कहा कि यह शुरू से ही स्पष्ट है कि इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए बना था। हमने लोकसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ा लेकिन दिल्ली विधानसभा चुनाव में देश में कोई गठबंधन नहीं है। हम दिल्ली की जनता के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। लोकसभा चुनाव से पहले हमने आप और कांग्रेस को चुनाव पूर्व गठबंधन बनाते हुए देखा, जिसका उद्देश्य भाजपा विरोधी वोटों के विभाजन को रोकना था। वही आप जिसने कभी कांग्रेस के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर पर सवार होकर खुद को राजधानी में एक मजबूत ताकत के रूप में स्थापित किया था।

हालांकि, इससे दोनों दलों को कोई फायदा नहीं हुआ। भाजपा ने सभी सात सीटों पर जीत हासिल की, जबकि इंडिया ब्लॉक दूसरे स्थान पर ही रहा। दोनों पार्टियाँ इसका लाभ उठाने में विफल रहीं क्योंकि भाजपा ने राजधानी के मतदाताओं पर अपना प्रभुत्व कायम रखा। 2019 के आम चुनाव में, भाजपा को दिल्ली में 56.17% वोट मिले, जबकि आप पार्टी और कांग्रेस को क्रमशः 18.2% और 22.6% वोट मिले। हालाँकि, इस चुनाव में आप पार्टी और कांग्रेस के बीच एक रणनीतिक गठबंधन देखा गया, जिसमें कांग्रेस ने तीन निर्वाचन क्षेत्रों में और आप पार्टी ने चार निर्वाचन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारे।उधर मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी को अपने "मध्यावधि परीक्षण" में विफल रही, राज्य की 13 लोकसभा सीटों में से सिर्फ तीन पर उसने जीत हासिल की। मार्च 2022 में हुए विधानसभा चुनावों में इसका वोट शेयर 42 प्रतिशत से गिरकर 26.02 प्रतिशत हो गया।संगरूर, होशियारपुर और आनंदपुर साहिब ही वह सीटें हैं, जिन्हें आप ने जीता है। आप इंडिया में गठबंधन की सहयोगी है। हालांकि, उसने दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, गुजरात और असम में 22 सीटों पर चुनाव लड़ा था। मान के आग्रह पर ही आप ने पंजाब में कांग्रेस के साथ गठबंधन न करने का फैसला किया, जबकि कांग्रेस आलाकमान इसके लिए तैयार थे।

पंजाब के खेल मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर, जिन्होंने संगरूर से 1.72 लाख वोटों के अंतर से शानदार जीत दर्ज की, के अलावा आप द्वारा मैदान में उतारे गए चार अन्य कैबिनेट मंत्री और तीन विधायक अपनी सीटों पर हार गए, जिससे मतदाताओं ने स्पष्ट रूप से मान की शासन प्रणाली को नकार दिया।

मान ने सभी उम्मीदवारों के लिए पूरे राज्य में काफी प्रचार किया था और दावा किया था कि उनकी पार्टी 'मिशन 13-0' के तहत पंजाब की सभी 13 सीटें जीतेगी। पिछले 25 दिनों में सीएम ने पूरे राज्य में 122 रैलियां कीं। पार्टी नेता राघव चड्ढा और दिल्ली के सीएम और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी राज्य में प्रचार किया था। अपनी छवि खराब करने के अलावा, पंजाब में पार्टी के नेता के तौर पर मुख्यमंत्री की स्थिति भी कमज़ोर हुई है।

गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर के राजनीति विज्ञान के पूर्व प्रोफेसर डॉ जगरूप सिंह सेखों ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि ये चुनाव आप को राज्य में संरचनात्मक संकट में धकेलने के लिए बाध्य हैं। वे सत्ता में हो सकते हैं, लेकिन उन्होंने अपनी वैधता खो दी है। आम आदमी पार्टी ने पंजाब के लोगों को यह सोचकर हल्के में लिया कि वे 2022 का अपना प्रदर्शन दोहरा सकते हैं, लेकिन वे राज्य की प्रमुख चिंताओं जैसे ड्रग्स, अवैध खनन कानून और व्यवस्था और भ्रष्टाचार को दूर करने में विफल रहे। इतिहासकार परमजीत सिंह जज ने कहा कि यह मान का अहंकार ही था जिसकी वजह से राज्य में पार्टी का प्रदर्शन खराब रहा। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, ''अहंकार और अच्छी राजनीति एक साथ नहीं चल सकती। अगर मान कांग्रेस के साथ गठबंधन के लिए राज़ी हो जाते तो आज नतीजे बहुत अलग होते।''लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़कर आप में शामिल हुए डॉ. राजकुमार छाबेवाल ने होशियारपुर से 44,000 से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की, जबकि पार्टी के मुख्य प्रवक्ता मलविंदर सिंह कंग ने आनंदपुर साहिब से 10,000 से अधिक मतों से जीत हासिल की।कैबिनेट मंत्री डॉ। बलबीर सिंह पटियाला से, कुलदीप सिंह धालीवाल अमृतसर से, गुरमीत सिंह खुड्डियां बठिंडा से, लालजीत सिंह भुल्लर खडूर साहिब से हार गए, जबकि विधायक जगदीप सिंह काका बराड़ फिरोजपुर से, अशोक पराशर पप्पी लुधियाना से और अमंशेर शेरी कलसी गुरदासपुर से हार गए। दलबदलू सुशील कुमार रिंकू (जो आप से भाजपा में शामिल हुए) और गुरप्रीत सिंह जीपी (जो कांग्रेस से आप में आए) जालंधर और फतेहगढ़ साहिब की अपनी-अपनी सीटें हार गए। मान के दोस्त और कॉमेडियन से नेता बने करमजीत अनमोल फरीदकोट से हार गए।पंजाब के विशेषज्ञ कर्नल (सेवानिवृत्त) जे एस गिल ने कहा कि सीएम मान को यह समझना होगा कि हमेशा लोगों की वाहवाही बटोरने से ज़मीनी स्तर पर जनता संतुष्ट नहीं होती। उन्होंने कहा, ''जब लोग भविष्य के लिए आपका विजन और ज़मीनी स्तर पर उससे मेल खाता प्रदर्शन चाहते हैं, तो सार्वजनिक रूप से विरोधियों को नीचा दिखाने से चुनावी फायदा नहीं होता।''गिल ने भी मीडिया से कहा, ''राजनीति तीन तरह की होती है- चुनावी, शासन और विधायी। आप अपने भाषणों में तीनों के लिए एक ही टेम्पलेट का इस्तेमाल नहीं कर सकते। सीएम को एक समझदार व्यक्ति होना चाहिए जो रंगला पंजाब के अपने विजन के साथ आबादी के हर वर्ग को साथ लेकर चले क्योंकि सीएम के तौर पर उनके विरोधी भी उनकी देखभाल में हैं। वे आप के नहीं बल्कि पंजाब के सीएम हैं।''मान के लिए राहत की बात यह रही कि उनकी पार्टी के छह उम्मीदवार दूसरे स्थान पर रहे – अमृतसर, बठिंडा, फरीदकोट, फतेहगढ़ साहिब, फिरोजपुर, पटियाला – और चार उम्मीदवार तीसरे स्थान पर रहे, गुरदासपुर, जालंधर, खडूर साहिब और लुधियाना सीटों पर।

कांग्रेस को पंजाब में बड़ी बढ़त मिली, उसने सात सीटें जीतीं और 2022 के विधानसभा चुनावों में अपना वोट शेयर लगभग 23 प्रतिशत से बढ़ाकर 26.30 प्रतिशत कर लिया, जो इस चुनाव में राज्य में किसी भी पार्टी के लिए सबसे अधिक है।पार्टी के शीर्ष दावेदार चुनाव की कसौटी पर खरे उतरे। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने जालंधर सीट 1.75 लाख से अधिक मतों के अंतर से जीती, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने गुरदासपुर सीट जीती, उन्होंने इसे भाजपा से 83,000 से अधिक मतों के अंतर से छीना। राज्य कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने लुधियाना से जीत हासिल की, उन्होंने कांग्रेस सांसद से भाजपा उम्मीदवार बने रवनीत सिंह बिट्टू को लगभग 21,000 मतों के अंतर से हराया।

अमृतसर से कांग्रेस के मौजूदा सांसद गुरजीत सिंह औजला ने अपनी सीट बरकरार रखी और फतेहगढ़ साहिब से मौजूदा सांसद अमर सिंह ने भी अपनी सीट बरकरार रखी। डॉ। धर्मवीर गांधी ने पटियाला में मौजूदा सांसद और भाजपा उम्मीदवार परनीत कौर को हराया, जबकि पूर्व अकाली शेर सिंह घुबाया ने फिरोजपुर सीट जीती। घुबाया 2019 में इस सीट पर शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल से हार गए थे।हालांकि, पार्टी 2019 के लोकसभा चुनावों के अपने प्रदर्शन को दोहराने में सक्षम नहीं रही, जब उसने आठ सीटें जीती थीं और 40.12 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। यह चार सीटों (आनंदपुर साहिब, होशियारपुर, खडूर साहिब, संगरूर) पर दूसरे स्थान पर और दो सीटों (बठिंडा और फरीदकोट) पर तीसरे स्थान पर रही।

अधूरी जीत से मजबूर या मजबूत सरकार

राजेश कुमार पासी

अप्रत्याशित रूप में आए चुनाव परिणामों ने सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया को चौंकाया है । बेशक भाजपा के नेतृत्व में बने एनडीए गठबंधन को पूर्ण बहुमत प्राप्त हो गया है, इसके बावजूद इसे एक अधूरी जीत माना जाएगा क्योंकि भाजपा एनडीए की जीत के लिए चुनाव नहीं लड़ रही थी । भाजपा अपने लिए पूर्ण बहुमत लाने के लिए चुनाव लड़ रही थी जिसमें वो पूरी तरह से विफल रही है । मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस नहीं है जो तीसरी बार सत्ता से बहुत दूर रहने के बावजूद खुद को जीता हुआ बता रही है। भाजपा इसलिए दुखी है क्योंकि वो सरकार बनाने के लिए जरूरी 272 सीटों के आंकड़े से 32 सीटें दूर रह गई है । हैरानी की बात है कि 55 साल देश पर राज करने वाली और दस साल तक सत्ता से दूर रहने वाली कांग्रेस को बहुमत से 173 सीटें कम मिली हैं और वो ऐसे खुश हो रही है जैसे उसे संसद में पूर्ण बहुमत प्राप्त हो गया हो । उसकी खुशी का सीधा मतलब है कि वो अब ये उम्मीद खो चुकी है कि उसे अब कभी पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का मौका मिल सकता है । वो सिर्फ इसलिए खुश है कि उसने भाजपा को पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने से रोक दिया है । ये बात भारतीय राजनीति में आज की कांग्रेस की राजनीतिक हैसियत बता रही है । सबसे बड़ी बात यह है कि वो ये काम अकेले नहीं कर सकी है बल्कि इस काम को मुख्य रूप से यूपी में अखिलेश यादव, महाराष्ट्र में शरद पवार और उद्धव ठाकरे और बंगाल में ममता बनर्जी द्वारा किया गया है । क्षेत्रीय दलों की सफलता को कांग्रेस अपना मानकर क्यों खुश हो रही है, इसको समझना बहुत मुश्किल है ।

अधूरी ही सही जीत तो जीत है इसलिए भाजपा की जीत को कम करके नहीं आंका जा सकता । विपक्ष और उसके समर्थक इस बात से खुश है कि यह सरकार अब बहुत कमजोर हो गई है और इसे पांच साल तक चलाना भाजपा के लिए बहुत मुश्किल होगा । बेशक इंडिया गठबंधन ने सरकार बनाने से मना कर दिया है लेकिन उसे उम्मीद है कि एक दिन टीडीपी और जेडीयू एनडीए सरकार को छोड़कर उनके खेमे में आ सकते हैं । इंडिया गठबंधन को उम्मीद इसलिए भी है क्योंकि चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार भाजपा के साथ पहले भी गठबंधन तोड़कर उनके खेमे में शामिल हो चुके हैं । इस सरकार को मजबूर सरकार बताया जा रहा है क्योंकि यह सरकार गठबंधन के सहयोगियों की बैसाखियों के सहारे चलने वाली है । यह विमर्श चलाने की कोशिश हो रही है कि दोनों दल भाजपा से मंत्रिमंडल में महत्वपूर्ण विभागों की मांग कर सकते हैं और दोनों ही दल अपने राज्यों के लिए विशेष दर्जे की मांग कर सकते हैं । मीडिया में यह खबर चलने लगी है कि सरकार बनाने के लिए भाजपा के सामने इन दलों ने अपनी मांग रख दी हैं । इससे यह साबित करने की कोशिश हो रही है कि ये सरकार समझौतों के आधार पर चलने वाली है । दूसरी तरफ यह बात भी कही जा रही है कि प्रधानमंत्री मोदी को इस तरह की सरकार चलाने की आदत नहीं है, इसलिए यह सरकार ज्यादा दिन चलने वाली नहीं है । इस तरह से इंडिया गठबंधन उम्मीद कर रहा है कि सरकार गिरने पर उसे सरकार बनाने का मौका मिल सकता है । हो सकता है कि गठबंधन के नेताओं ने इसके लिए प्रयास भी किया हो लेकिन भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ने वाले नायडू और नीतीश कुमार के लिए गठबंधन छोड़ना बहुत मुश्किल है। कुछ समय बाद सरकार चलाने के दौरान खटपट होने पर इन लोगों के सरकार से बाहर आने की उम्मीद इंडिया गठबंधन कर सकता है । अब सवाल यह पैदा होता है कि क्या इंडिया गठबंधन की यह उम्मीद कभी पूरी हो सकती है कि सरकार गिरने पर उन्हें सरकार बनाने का मौका मिल जाए । मेरा मानना है कि इसकी बहुत कम संभावना है क्योंकि एनडीए के पास 293 सीटें हैं और उसमें कुछ और सांसदों के शामिल होने के बाद यह संख्या 303 तक पहुंच गई है। अब अगर ये दोनों दल सरकार से बाहर भी आ जाते हैं तो सरकार को गिराना संभव नहीं होगा । दूसरी बात यह है कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि इन दलों के बाहर जाने के बाद इंडिया गठबंधन का ही कोई बड़ा धड़ा एनडीए में शामिल नहीं होगा । हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि ये भाजपा अटल-आडवाणी वाली भाजपा नहीं है बल्कि ये भाजपा मोदी-शाह की भाजपा है, जो कभी भी इंडिया गठबंधन में तोड़फोड़ कर सकती है । वाजपेयी सरकार की तरह इसे एक वोट से गिराने की बात सोचना भी विपक्ष के लिए मूर्खता होगी । सिर्फ दो दिन बाद ही एनडीए 293 से 303 पहुंच गया है और आने वाले दिनों में इसकी संख्या बढ़ने वाली है । वास्तव में भाजपा अच्छी तरह से जानती है कि उसके पास सरकार चलाने के लिए ये संख्या पर्याप्त है लेकिन वो सहयोगी दलों की धमकियों से बचने के लिए पहले ही इंतजाम करके रखने की कोशिश करेगी । भाजपा ऐसी परिस्थितियां पैदा नहीं होने देगी कि किसी एक या दो घटकों के सरकार छोड़ने पर सरकार के गिरने की हालात पैदा हो जाये । दूसरी बात यह भी है कि घटक दलों की ब्लैकमेलिंग से बचने के लिए भी ऐसी कोशिश भाजपा करने वाली है । राजनीति में कुछ भी हो सकता है, इसलिए इस बात की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता कि इंडिया गठबंधन के कुछ घटक दल आने वाले समय में उसको छोड़कर एनडीए में शामिल हो सकते हैं । इसकी वजह यह है कि वो जानते हैं कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनने की संभावना न के बराबर है । दूसरी बात यह है कि अगर किसी वजह से वो सरकार बन भी जाती है तो वो ज्यादा दिन तक चल नहीं पाएगी । अब सवाल यह पैदा होता है कि अगर इंडिया गठबंधन में नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू को शामिल होने का न्योता दिया जाता है तो किसके पास इतना अधिकार है कि वो इन दोनों को उनकी मांगे पूरी होने की गारंटी दे सकता है । वास्तव में इंडिया गठबंधन का कोई भी नेता नहीं है, बेशक कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है । आप अपनी राजनीतिक समझ का इस्तेमाल करें और विचार करें कि अगर भाजपा को छोड़कर सभी दल एक जगह इकट्ठे हो जाते हैं तो क्या वो सरकार बनाने के में कामयाब हो जायेंगे और सरकार बनाने के बाद क्या उसे चला पाएंगे । दूसरी बात यह है कि नायडू को एनडीए में दूसरे नम्बर की हैसियत मिल चुकी है और नीतीश कुमार तीसरे नंबर की हैसियत पा चुके हैं लेकिन इंडिया गठबंधन की उनकी हैसियत क्या होगी, कोई नहीं जानता । नीतीश कुमार पहले ही गठबंधन में अपना अपमान करा चुके हैं और उसी अपमान के कारण वो एनडीए में शामिल हुए हैं ।

ऐसे हुआ चुनाव प्रचार का खेला

रामविलास जांगिड़

चुनाव का समय था और हर जगह राजनीतिक सरगर्मी थी। तेज तर्राट तिकड़ी को चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी सौंपी गई। स्टार प्रचारक प्यासा कौआ चतुरीलाल, लालची कुत्ता कुमार स्वार्थ और अंगूर खट्टे हैं कहने वाली लोमड़ी बदलीबाई ने अपनी कमर कस ली। चतुरीलाल ने कहा, ₹सुनो, हमें जनता को अपने पक्ष में करने के लिए कुछ नई चतुर तरकीबें लगानी होंगी।₹ कुमार स्वार्थ ने अपनी घुटी हुई आवाज में कहा, ₹हां, लेकिन ध्यान रखना होगा कि हम किसी भी कीमत पर अपनी जेबें ही भर सकें।₹ बदलीबाई ने हंसते हुए कहा, ₹सही कहा, हमें चालाकी से काम करना होगा ताकि लोग हमें ही वोट दें।

पानी की भारी कमी वाले क्षेत्र से चुनाव प्रचार शुरु हुआ। चतुरीलाल ने चतुराई का परिचय देते हुए लोगों से कहा, ₹एक समय की बात है, जब मैं बहुत प्यासा था, लेकिन अपनी चतुराई से मैंने अपनी प्यास बुझाई। आप हमें वोट देंगे तो हम आपकी भी उसी 'अंतरराष्ट्रीय कंकड़ योजना' से प्यास बुझा देंगे। हर घर, खेत, खलिहान में एसी लगवा देंगे।₹ तब कुमार स्वार्थ ने अपना दांव खेला, ₹हमारी सरकार आने पर हर घर के बाहर, हर 1 घंटे में एक-एक पानी का टैंकर होगा। हर घर में स्विमिंग पूल बना देंगे। साथ में मुफ्त का ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर भी मिलेगा।₹ बदलीबाई ने अपनी चालाकी दिखाते हुए कहा, ₹अगर आप हमें वोट देंगे तो हम यहां के अंगूरों के साथ-साथ नीम के सभी पेड़ों को मीठा कर देंगे। हर एक नीम और बबूल के पेड़ पर मनचाही मिठाइयां लटका देंगे। यह हमारी गारंटीड स्कीम है। धीरे-धीरे तीनों की प्रचार तकनीक काम करने लगी। वोटर उनके वादों से प्रभावित होने लगे। उनकी चतुराई, लालच और चालाकी ने मिलकर एक ऐसा माहौल बना दिया कि लोग उन्हें अपने नेता के रूप में देखने लगे। चुनाव के दिन नज़दीक आए। तीनों ने मिलकर कई बड़ी रैलियां व रोड शो किए। चतुरीलाल ने मंच से कहा, ₹हमारी जीत, आम जनता की जीत होगी।₹ कुमार स्वार्थ ने हंसते हुए कहा, ₹हम आपके हर सपने को सच करेंगे।₹ बदलीबाई ने मुस्कुराते हुए कहा, ₹आप हमें वोट दें और देखिए कैसे हम आपके जीवन को स्वर्ग से भी सुंदर बना देंगे।₹

चुनाव के नतीजे आने का दिन आ गया। तीनों की होशियारी रंग लाई। उन्होंने बहुमत से जीत हासिल की। चतुरीलाल ने खुशी से कहा, ₹देखो, हमारी चतुराई ने काम कर दिखाया।₹ जैसे ही सत्ता उनके हाथ में आई, तीनों ने अपने असली रूप दिखाने शुरू कर दिए। पानी के टैंकर की जगह रिक्शे पर दो लीटर मटमैले पानी की बोतल आई। उसमें भी पानी कम और भ्रष्टाचार ज्यादा था। रोजगार के नाम पर मदारी का खेल दिखाने के लिए तीन बंदर लाए गए। हर घर में एसी लगाने की बात केवल सपना ही रही। नीम पे करेले चढ़ने लगे। चतुरीलाल अपनी चतुराई से ठगने में लगा रहा। कुमार स्वार्थ लालच को पूरा करने में व्यस्त रहा और बदलीबाई चालाकी से मजे मारने लग गई।

पहले जनता सहमी हुई थी ! अब हुकूमत डरी हुई है !

श्रवण गर्ग

चार जून के ऐतिहासिक दिन मुंबई की 'दलाल स्ट्रीट' से जुड़े लाखों शेयर कारोबारी तबाह हो गए ! निवेशकों को अनुमानित तौर पर तीस लाख करोड़ से अधिक का नुक़सान हो गया ! सत्ता-प्रायोजित 'एग्ज़िट पोल्स' के चलते इतना सब हुआ पर मतगणना के नतीजों में मुल्क बच गया ! चुनावी नतीजों में जनता ने नरेंद्र मोदी के बजाय राहुल गांधी पर ज़्यादा भरोसा जताया। कांग्रेस के युवा नेता ने भी भरोसे को टूटने नहीं दिया। मुल्क अधिनायकवाद की देहरी पर पहुँचने के पहले ही अपनी ज़मीन पर लौट आया !

पंद्रह अगस्त 1947 के 77 साल बाद 4 जून 2024 का दिन देश के लिए दूसरी आज़ादी हासिल करने का अवसर बन गया। चुनावों के सात चरणों में छुपे देश के दूसरे विभाजन के 'जनमत संग्रह' को नागरिकों ने साहस के साथ नकार दिया। नया विभाजन अगर सफल हो जाता तो पहले वाले से ज़्यादा ख़तरनाक साबित होता। हरेक शहर में गोधरा रेलवे स्टेशन और अहमदाबाद की गुलबर्ग कॉलोनी की तलाश होने लगती। पूरा मुल्क हरिद्वार जैसी 'धर्म संसदों' से पट जाता। दावों के साथ कहा जा सकता है कि अब कोई अनंत हेगड़े, लालूसिंह और ज्योति मिर्धा संविधान को बदलने की ज़रूरत समझाने की जुर्रत नहीं कर सकेगा ! राहुल गांधी ने न सिर्फ़ एक नई कांग्रेस को जन्म देकर युवा नेताओं की एक नई टीम खड़ी कर दी, अगले साल स्थापना के सौ साल पूरे कर रहे राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और 45 साल पुरानी भारतीय जनता पार्टी को भी ख़त्म होने से बचा लिया। मोहन भागवत में अगर साहस हो तो वे राहुल के प्रति आभार व्यक्त कर सकते हैं। वे ऐसा करेंगे नहीं ! लोकसभा के चुनावों के साथ लोकतंत्र की बची हुई साँसें जुड़ गईं थीं। लड़ाई में केवल साधन-संसाधनहीन जनता ही राहुल के साथ थी। बाक़ी सब सत्ताएँ, सेनाएँ और साधन-संसाधन सरकार की क़ैद में नज़रबंद थे। सत्ता मानकर चल रही थी कि डरी-सहमी जनता इवीएम के ज़रिए सिर्फ़ कातरता और कायरता उगलने वाली है। उसे पक्का भरोसा था कि जिस अस्सी करोड़ जनता के हाथों में मुफ़्त अनाज के कटोरे थमा दिये गए हैं वह पूँजीपतियों की ग़ुलाम हुकूमत के हाथों में तीसरी बार भी बहुमत थमा देगी। जनता ने ऐसा नहीं होने दिया। पहले जनता डरी हुई थी। अब हुकूमत सहमी हुई है।

सात चरणों में मतदान के बाद नतीजों के ज़रिए प्रकट हुआ जन-विरोध इस बात के प्रति भी हो सकता है कि मतदाता ने जिस व्यक्ति को अपने जैसा ही हाड़-मांस का शरीर समझकर सत्तारूढ़ किया उसने देखते ही देखते अपने आप को परमात्मा के अविश्वसनीय अवतार में परिवर्तित कर लिया। अपनी छवि को मतदाताओं की आँखों में तलाश करने के बजाय सड़कों के किनारे लगे बैनरों,पोस्टरों,बड़े-बड़े होर्डिंग्स और कट-आउट्स में तलाशना शुरू कर दिया। हर तरह की क़ीमत चुकाकर सत्ता में बने रहना मोदी के लिए इसलिए ज़रूरी हो गया है कि निहित स्वार्थों के जिस साम्राज्य को उन्होंने पिछले दस वर्षों में अपने इर्द-गिर्द खड़ा कर लिया है वह उनकी अनुपस्थिति में सांस लेने की कल्पना भी नहीं कर सकेगा। लाखों-करोड़ों भक्तों-समर्थकों की एक ऐसी जमात उन्होंने अपने ऊपर आश्रित कर ली है जो उनके सत्ता से बाहर हो जाने पर अपने अस्तित्व की ही व्यर्थता का अनुभव कर सकती है। सत्ता प्रतिष्ठान से जुड़े रहे पूँजीपतियों के समूहों को इनमें प्रमुखता से शामिल किया जा सकता है। इनके बारे में राहुल गांधी का आरोप रहा है कि ये ही सत्ता के असली मालिक हैं। मोदी तो केवल मुखौटा हैं। चुनाव परिणामों के बाद प्राप्त हुई प्रतिक्रियाओं और शेयर बाज़ार की तबाही में इस सचाई की तलाश की जा सकती है।

विपक्षी गठबंधन ने सरकार बनाने का दावा पेश करने में जल्दबाज़ी न दिखाते हुए उचित वक्त पर उचित कदम उठाने का जो निर्णय अपनी पहली बैठक में लिया है वह इसलिए सही है कि एक लंबी गुमनामी के बाद आंध्र की सत्ता में लौटे चंद्रा बाबू नायडू और घोर अवसरवादी नीतीश कुमार के समर्थन की बैसाखियों पर अब ज़िंदा रहने वाली एनडीए सरकार को अपने अंतर्विरोधों के बोझ से ही ध्वस्त होने के लिए कुछ वक्त ज़रूर दिया जाना चाहिए। पिछले दस सालों में भाजपा के समर्पित कार्यकर्ताओं की रगों में जमा हुए असंतोष और नाराज़गी के मवाद को भी इस दौरान सार्वजनिक रूप से फूट पड़ने का अवसर मिल जाएगा। बंद कमरों में उसकी शुरुआत भी शायद हो चुकी हो !

चार जून के नतीजों ने इतना भर तो कर ही दिया कि पाँच जून के सूर्योदय के साथ ही मुल्क की ज़िंदगी में बदलाव दिखना शुरू भी हो गया। भारतको अब एक हिन्दू राष्ट्र घोषित नहीं किया जा सकेगा। संविधान नहीं बदला जा सकेगा। नए मंदिर बनेंगे पर स्थापित धार्मिक स्थलों के साथ छेड़छाड़ नहीं की जा सकेगी। संसद में विपक्ष के सवालों के जवाब भी मिलेंगे और प्रधानमंत्री को बोलना भी पड़ेगा।

उपसंहारः चार जून के सूर्योदय के समय कितने लोगों ने कल्पना की होगी कि सूर्यास्त होने तक उस स्वप्नदर्शी अधिनायकवादी सत्ता के अंधकार में डूबने का काल प्रारंभ हो जाएगा जो अगले सौ सालों तक राज करने का जनता से अधिकार प्राप्त करना चाहती थी ?

http://shravangarg1717.blogspot.com

डूबते करियर को सहारा देकर कामयाबी दिलाएंगे हनुमान जी

भगवान हनुमान का नाम लेने मात्र से सभी तरह की पीड़ाओं से मुक्ति मिलती है लेकिन जो हनुमान भक्त ज्येष्ठ माह में पड़ने वाले पहले मंगलवार को विधि-विधान के साथ हनुमान जी की पूजा करता है, उस व्यक्ति के जीवन की सारी बाधाएं तो दूर होती ही हैं, साथ ही सफलता में आ रहीं बाधाएं भी दूर होती हैं। ज्येष्ठ माह में पड़ने वाले पहले मंगलवार को बड़ा मंगल या बुढ़वा मंगल भी कहा जाता है। वास्तु शास्त्र में भी बड़ा मंगल बहुत महत्व है। माना जाता है कि अगर आप बड़ा मंगल को घर में कुछ बदलाव करते हैं, तो आपकी तरक्की में आने वाली सारी बाधाएं दूर हो जाती हैं। आइए, जानते हैं वास्तु शास्त्र के अनुसार बड़े मंगल को क्या उपाय करने चाहिए।

स्टडी टेबल के पास उगते हुए सूर्य की फोटो लगाएं

सूर्यदेव हनुमान जी के गुरु हैं, इसलिए आज के दिन सूर्यदेव की फोटो लगाने से हनुमान जी की विशेष कृपा मिलती है। सूर्यदेव को भाग्य, नेतृत्वक्षमता, आत्मा का ग्रह माना जाता है, इसलिए आप अगर करियर में तरक्की पाना चाहते हैं, तो आपको सूर्यदेव की फोटो घर में खासकर स्टडे टेबल के पास जरूर लगानी चाहिए।

उत्तर दिशा में हनुमान जी की प्रतिमा रखें

वास्तु शास्त्र के अनुसार आप अगर अपने घर में सही दिशा में हनुमान जी की तस्वीर या फिर प्रतिमा रखते हैं, तो इससे आपके जीवन की सारी बाधाएं दूर हो जाती हैं और आपके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा आती है, जिससे आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव आने लग जाते हैं।

सकारात्मक ऊर्जा के लिए घर में आंवले का पौधा लगाएं

आज मंगलवार के दिन आपको घर में आंवले का पौधा जरूर लगाना चाहिए। माना जाता है कि आंवले के पौधे पर भगवान विष्णु का वास होता है। भगवान राम, विष्णु जी के ही अवतार हैं, ऐस में आंवले का पौधा लगाने से भगवान हनुमान और राम जी का आशीर्वाद बना रहता है। इससे आपके जीवन की सारी बाधाएं भी दूर हो जाती हैं।

लाल सिंदूर लगाकर पर्स में चांदी का सिक्का रखें

आपके जीवन में अगर आर्थिक तरक्की रूकी हुई है, तो आज चांदी के सिक्के पर लाल रंग का सिंदूर लगाकर 11 बार हनुमान जी का नाम लेकर इसे अपने पर्स में रख लें, इससे भी जीवन में आर्थिक तरक्की होगी और आप करियर में कामयाबी पाते जाएंगे।

पूजा घर में लाल रंग की चीजें रखें

आपकी तरक्की में अगर किसी भी प्रकार की बाधाएं आ रही हैं, तो आपको आज बड़ा मंगलवार ही नहीं बल्कि हर मंगलवार को लाल रंग की चीजें घर के मंदिर या पूजा घर में रखनी चाहिए, इससे आपके जीवन से सभी तरह की पीड़ाएं दूर हो जाती है। जैसे आप मंदिर में लाल रंग का चोला या सिंदूर भी रख सकते हैं।

जब एक पापी को नर्क कुंड से बचाने आए भगवान बुद्ध !

एक बार गौतम बुद्ध स्वर्ग के चारों ओर घूम रहे थे. तब उन्हें अचानक किसी के जोर-जोर से चिल्लाने का आवाज सुनाई दी. वह कमल के एक तालाब के पास रुके तो उन्होंने एक आदमी को दलदल में फंसा हुआ देखा. इस आदमी का नाम कन्दता था. कन्दता एक खूंखार अपराधी था. लोगों को मारना, लूटपाट करना ही उसका पेशा था. लेकिन अपने पूरे जीवनकाल में उसने एक अच्छा काम था.

दरअसल, एक बार जंगल से गुजरते हुए उसका पैर एक मकड़ी पर पड़ने वाला था. लेकिन जैसे ही उसकी नजर मकड़ी पर पड़ी, उसने तुरंत अपना पैर पीछे खींच लिया और उसे जाने दिया. उसके इस अच्छे काम को ध्यान रखते हुए बुद्ध एक मकड़ी को बुलाते हैं और कन्दता को बचाने के लिए कहते हैं. बुद्ध की बात सुनते ही मकड़ी अपने धागे से एक बड़ा सा जाल बनाती है, जिसका एक धागा पकड़कर कन्दता बाहर निकलने लगता है.

नर्क से स्वर्ग तक की यह चढ़ाई काफी लंबी होती है. कन्दता थोड़ी देर रुक जाता है और नीचे की तरफ देखता है. उसे नजर आता है कि नर्क में फंसे लोग धागे का निचला हिस्सा पकड़कर उसके पीछे आ रहे हैं. वह डर जाता है कि कहीं लोगों के ज्यादा वजन से धागा टूट न जाए. वो पीछे आ रहे लोगों पर भड़क जाता है और उनसे कहता है कि मकड़ी का यह धागा सिर्फ उसके लिए भेजा गया है, इसलिए बाकी लोग उसे छोड़ दें. तभी अचानक धागा टूट जाता है और बाकी सभी पापियों के साथ कन्दता भी नर्क कुंड में गिर जाता है.

नर्क कुंड में गिरते समय कन्दता दोबारा मदद के लिए चिल्लाता है, लेकिन इस बार बुद्ध उस पर ध्यान नहीं देते हैं. बुद्ध केवल निस्वार्थ भाव से दूसरों की मदद करने वालों का ही उद्धार करते हैं. दूसरों को नर्क में झुलसने के लिए छोड़ देने वाले व्यक्ति को बचाने बुद्ध कभी नहीं आएंगे. इसलिए बुद्ध ने दूसरी बार कन्दता को नहीं बचाया.

जून में जन्मे लोग होते हैं काफी आकर्षक

हर व्यक्ति अपना भाग्य लेकर पैदा होता है। हर जन्म लिए व्यक्ति का स्वभाव, जीवन और उसका रंग-रूप अलग होता है क्योंकि सभी अलग-अलग स्थान, तारीख और महीने में पैदा होते हैं।

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, व्यक्ति का स्वभाव, स्वास्थ्य और करियर कुछ हद तक उसके जन्म माह पर भी आधारित होता है। जिनका जन्म जून के महीने में हुआ है। आइए जानते हैं कि कैसे होते हैं ये लोग और क्या चुनना चाहिए इन्हें करियर?

स्वभाव दयालु

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जून में जन्मे लोगों का स्वभाव दयालु और विनम्र होता है। ऐसे लोग सॉफ्ट हार्टेड होते हैं। जो कि हमेशा दूसरों की मदद के लिए आगे रहते हैं। इसके अलावा जून में जन्मे लोग अपनी मर्जी से जीना पसंद करते हैं और दूसरों के अधीन रहना बिल्कुल पसंद नहीं करते।

2। बुद्धिमान और मनोरंजक होते हैं

अगर इनके इंट्रेस्ट और स्किल्स की बात करें तो इन्हें काफी क्रिएटिव माना जा सकता है।

ये लोग कला, संगीत, लेखन और अन्य रचनात्मक क्षेत्रों में रुचि रखने वाले होते हैं। इनका व्यक्तित्व काफी आकर्षक होता है। दिखने में सरल और प्रसन्नचित्त वाले होते हैं। जून में जन्में लोग ना सिर्फ बुद्धिमान और मनोरंजक होते हैं बल्कि ईमानदार भी होते हैं। ये लोग विश्वास के पात्र होते हैं।

दोष ढूंढना भी ईश्वर की दृष्टि में सबसे बड़ा दोष है

प्रबंधन की दुनिया में टीम वर्क का महत्व भी है और इस पर बहुत बोला जाता है। अब इसी को अध्यात्म की दृष्टि से देखें। हमारे सभी अवतारों ने जब-जब अपना अवतार कार्य आरंभ किया, दूसरों की भी मदद ली और सामूहिक कर्म में भी उनका विश्वास था, इसे ही टीम वर्क कहते हैं।

शास्त्रों के अनुसार, टीम-दल अपने आप में जीवित व्यक्ति जैसा है। सफलता पर सदैव टीम को प्रथम मानें और टीम लीडर के रूप में खुद को दूसरे क्रम पर रखें। असफलता पर कारण खुद में खोजें पहले और बाद में टीम में खोजें। समझदार नेतृत्व ऐसा ही करता है। अब पांच साल के लिए अपने-अपने क्षेत्र में नए कर्णधार आ गए। कई क्षेत्रों का नेतृत्व इनके पास रहेगा। और इनमें से कुछ लोग वही गलती करेंगे।दल से अपने आपको ऊपर मानेंगे। और जो टीम को, दल को, राष्ट्र को प्रथम मानेंगे, स्वयं को द्वितीय मानकर सेवा करेंगे, वही सच्चे जननेता होंगे।

धर्म हमें यही सिखाता है कि प्रत्येक के भीतर जो आत्मा है, उसको महसूस करो। उसका सम्मान करो। और जो भी कुछ अच्छा दूसरे से मिल सकता है उसको स्वीकार करो। दोष ढूंढना भी ईश्वर की दृष्टि में सबसे बड़ा दोष है।

वास्तु अनुसार इस दिशा में रखें जल की व्यवस्था

अग्नि, पृथ्वी, वायु, जल, आकाश, इन पांच तत्वों से सृष्टि का निर्माण हुआ है। कहने को तो ये पांच प्राकृतिक तत्व निर्जीव हैं, लेकिन इन्हीं पांच तत्वों का सजीव समावेश मनुष्य है। वास्तु शास्त्र में भी इन्हीं पांच तत्वों का संतुलन मनुष्य को स्वास्थ्य सुख के साथ हर प्रकार का सुख प्रदान करता है।

जल ही जीवन है, जल का सही प्रयोग एवं वास्तुशास्त्र के अनुसार जल की निकासी किस दिशा में होनी चाहिए तथा किस दिशा में बोरिंग तथा जल का भण्डारण कहां होना चाहिए, इन सब बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए एवं भवन निर्माण आरम्भ करने से पूर्व जल की समुचित व्यवस्था करना अनिवार्य है।

प्राचीन काल में सार्वजनिक जल के स्त्रोत नदियां, तालाब, कूआं आदि हुआ करते थे, धीरे-धीरे हैंडपंप का जमाना आया, फिर बोरिंग, म्युनिसिपैलिटी के नल आदि से पानी एकत्र करने के लिए भूमिगत टैंक बनाए जाने लगे।

भूमिगत टैंक के साथ छत के उपर भी पानी संग्रह करने के लिए टंकी रखी जाने लगी। जल का स्त्रोत कोई भी वास्तु सम्मत होने से घर में सुख-शांति का वातावरण बना रहता है।

- नल कूप, बोरिंग, भूमिगत टैंक, हैंडपंप आदि का निर्माण सदैव ईशान कोण (उत्तर-पूर्व) में कराना चाहिए। ईशान के अतिरिक्त उत्तर दिशा, उत्तरी ईशान, पूर्व दिशा, पूर्वी ईशान में भी जल का स्त्रोत हो सकता है। जल स्त्रोत यदि सही दिशा अर्थात पूर्वी अथवा उत्तरी ईशान कोण में होता है, तो वंश वृद्धि, सुख-संपन्नता, यश-कीर्ति में वृद्धि करता है। अक्सर पाया गया है कि जिन भवनों में ईशान कोण के अतिरिक्त अन्य दिशाओं में जल के स्त्रोत बनाने पर उनके स्वामियों को अनेक प्रकार से हानि उठानी पड़ती है।
- यूं तो ईशान कोण में जल की व्यवस्था करना शुभ माना गया है, लेकिन छत पर जल का भंडारण करने के लिए पानी की टंकी की स्थापना नैऋत्य कोण, दक्षिण या पश्चिम में करनी चाहिए, ताकि ईशान कोण भारी न हो सके।

वास्तु शास्त्र में पश्चिम दिशा और दक्षिण दिशा में जल का स्त्रोत अच्छा नहीं माना जाता लेकिन पानी संग्रह करने के लिए छत के उपर टंकी आदि बनाई जा सकती है।

वास्तु शास्त्र में इस प्रयोजनार्थ नैऋत्य दिशा को 'उत्तम' फलदायक तथा पश्चिम व दक्षिण दिशा को 'मध्यम' फलदायक माना गया है।

सूर्य देव इन पांच राशियों पर बरसाएंगे अपनी कृपा

भगवान सूर्य जून के महीने में अपना नक्षत्र परिवर्तन करने वाले हैं और उनके इस नक्षत्र परिवर्तन के बाद कई राशि के जातकों को बंपर लाभ मिलने वाला है। इस दौरान पांच राशियां ऐसी होगी, जिनको बंपर फायदा मिलेगा तथा उनके जीवन में कई शुभ समाचार सुनने को मिलेंगे। भगवान सूर्य के नक्षत्र परिवर्तन से पांच राशि के जातकों को धन लाभ के साथ स्वास्थ्य लाभ पहुंचेगा तथा उनके लिए काफी हितकर माहौल बनेगा। दरअसल, भगवान सूर्य 8 जून को मृगसरा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे।

नौकरी पेशा लोगों की बढ़ सकती है सैलरी

सूर्य के नक्षत्र परिवर्तन का लाभ मेष राशि को व्यापक रूप से मिलेगा। उनके लिए यह अत्यंत शुभ रह सकता है। जिन लोगों का व्यापार है, उनको धन का लाभ हो सकता है। नौकरी पेशा लोगों के वेतन बढ़ने की संभावना है। तुला राशि के जातकों के लिए भी भगवान सूर्य का यह गोचर काफी शुभ फलदाई होगा। ज्योतिषाचार्य पंडित शत्रुघ्न आचार्य ने बताया कि इस राशि के जातकों के लिए यह गोचर काफी फायदेमंद रहने वाला है। उन्होंने बताया कि तुला राशि के जातकों को व्यापक आय हो सकता है तथा उनके आमदनी में काफी वृद्धि हो सकती है। उन्हें कोई बड़ा धन लाभ हो सकता है तथा उनके जीवन में काफी खुशियां आएगी।

इन राशि के जातकों को भी होने वाला है लाभ

ज्योतिषाचार्य शत्रुघ्न आचार्य ने बताया कि भगवान सूर्य के इस गोचर का लाभ सिंह राशि, मिथुन राशि और मकर राशि के जातकों को भी मिलेगा। उन्होंने बताया कि भगवान सूर्य के इस गोचर से सिंह राशि के जातकों के वैवाहिक जीवन में काफी खुशहाली आएगी। नव दांपत्य जीवन सुखमय हो जाएगा। इस राशि के जातकों के जीवन में भी आय के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। मिथुन राशि के जातकों के लिए यह गोचर सबसे अधिक लाभकारी रहने वाला है। अगर आप नौकरी की तलाश में है तो मिथुन राशि के जातकों के लिए यह नौकरी देने वाला गोचर हो सकता है। भगवान सूर्य की कृपा से उनके कारोबार में विस्तार हो सकता है तथा परिवार में सुख शांति बनी रह सकती है। मकर राशि के जातकों को भी इससे काफी फायदा पहुंचाने वाला है। नौकरी लोगों के प्रमोशन की संभावना है तथा उनके करियर में काफी प्रगति आ सकती है।

कैसे निर्धारित हुआ रविवार, सोमवार, मंगलवार आदि सात वारों का क्रम

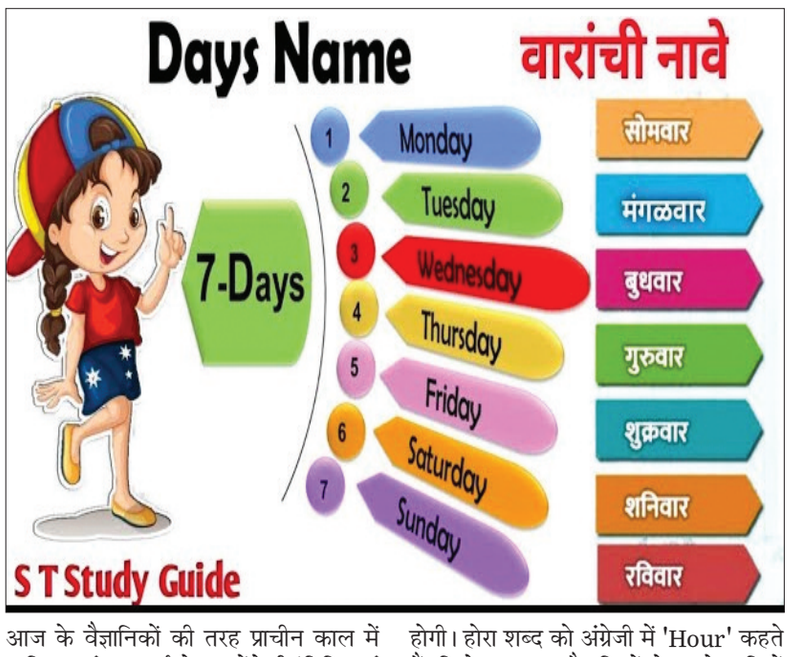

आज के वैज्ञानिकों की तरह प्राचीन काल में ऋषि अनुसंधानकर्ता थे। उन्होंने ही 'तिथि वारं नक्षत्रम् योगः करणमेव च' के संयोग से पंचांग की रचना की, जिससे वर्ष, मास, पक्ष, तिथि, दिन इत्यादि की गणना का विवेचन किया जाता है। उन्होंने अपनी गणना से यह सिद्ध कर दिया कि रविवार सप्ताह का प्रथम दिन होगा। उसके बाद सोमवार, मंगलवार इत्यादि दिन क्रमशः होंगे। उन्होंने अहोरात्र को होरा नाम दिया। दिन रात में यह भी बताया कि 24 घंटे की 24 होरा होगी। होरा शब्द को अंग्रेजी में 'Hour' कहते हैं, जिसे पाश्चात्य वैज्ञानिकों ने हमारे ऋषियों के होरा शब्द से प्राप्त किया।

वार क्रम का आधार – प्रलय के बाद सबसे पहले सूर्य दिखाई पड़ा जिसके प्रकाश से सारा जगत प्रकाशमान हुआ। अतः ऋषियों ने पहली होरा सूर्य की मानी और उससे जुड़े हुए दिन के नाम को रविवार कहा। इसके बाद दूसरी होरा शुक्र की, तीसरी बुध की, चौथी चन्द्रमा की, पांचवी शनि की, छठी बृहस्पति की तथा सातवीं होरा मंगल की हुई। इस क्रम से गिनने पर चौबीसवीं होरा बुध की हुई। चौबीस घण्टे के बाद दूसरे दिन सूर्योदय के समय 25वीं होरा चन्द्रमा की हुई। अतः ऋषियों ने दूसरे दिन को चन्द्रवार अर्थात सोमवार कहा। इसी क्रम में सातों वारों की गणना हुई, यह गणना केवल भारतीय ऋषियों की देन है। इस गणना का उल्लेख भारतीय संस्कृति के अन्यत्र कहीं नहीं मिलता।

माह के नामों का निर्धारिण – ऋषियों ने इसी प्रकार चैत्र, वैशाख आदि हिन्दी मासों के नाम की भी गणना भी नक्षत्रों को आधार बनाकर किया। जिस मास की पूर्णिमा को चित्रा नक्षत्र हुआ उसे चैत्र मास कहा, जिस मास की पूर्णिमा को विशाखा नक्षत्र पड़ा उसे वैशाख मास कहा, इसी प्रकार जिस मास की पूर्णिमा को ज्येष्ठा नक्षत्र पड़ा, उसे ज्येष्ठ मास कहा गया। इस प्रकार 12 महीनों के नाम भी ऋषियों ने एक विशिष्ट नक्षत्र के नाम पर रखा है।

नक्षत्रों के नाम का आधार – प्राचीन वैज्ञानिक अनुसंधानकर्ता ऋषियों ने नक्षत्रों की भी गणना तारा समूह से बनने वाली आकृति को देखकर उसके अनुरूप नाम रखा। उदाहरणार्थ अश्वमुख आकार वाले तीन ताराओं के समूह को अश्विनी नक्षत्र कहा। भग आकृति के तीन ताराओं के समूह को भरणी नक्षत्र कहा। इसी प्रकार मार्गशीर्ष के आकृति वाले तीन तारा समूह को मृगशिरा कहा गया। इस प्रकार 27 नक्षत्रों के नाम अलग-अलग तारा समूह के आकृतियों के आधार पर रखा गया है।

शोल्डर इंजरी के बाद डर गए थे कार्तिक आर्यन चोटिल होकर भी देते रहे बॉक्सिंग सीन्स

एक्टर कार्तिक आर्यन की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'चंदू चैंपियन' का ट्रेलर जब से रिलीज हुआ है। एक्टर की खूब तारीफ हो रही है। यह फिल्म स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर की बायोपिक हैं। जिन्होंने 1970 के राष्ट्रमंडल खेलों में और फिर 1972 में जर्मनी में हुए पैरालंपिक में देश का नाम रोशन किया था।

इस फिल्म में कार्तिक आर्यन ने मुरलीकांत पेटकर की भूमिका निभाई है। ये फिल्म 14 जून 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। हाल ही में इस फिल्म को लेकर कार्तिक आर्यन ने दैनिक भास्कर से खास बातचीत की। कार्तिक ने बताया कि शोल्डर इंजरी के बाद वो डर गए थे, लेकिन शूटिंग शेड्यूल तय होने की वजह से डेट्स आगे नहीं बढ़ा सकते थे।

स्वीमिंग और बॉक्सिंग की वजह से हालत बिगड़ गई थी

मैंने शोल्डर इंजरी के बारे में कभी मेंशन किया ही नहीं। मैं तो भूल ही गया था। मेरा दाहिना कंधा पहले से ही किसी वजह से टूटा हुआ था। स्वीमिंग और बॉक्सिंग करने की वजह से वो दोबारा उभर गया। स्वीमिंग मुझे थोड़ा जल्दी सीखना था तो उसकी स्पीड थोड़ी सी फास्ट कर दी। अचानक एक दिन मेरा दाहिना कंधा जवाब दे दिया। वो बहुत बड़ी इंजरी थी, जिससे मैं बहुत डर गया था कि फिल्म के लिए फिजिक कैसे बना पाऊंगा। उसी समय जिम भी जाना था। बॉक्सिंग भी सीखनी थी।

फिल्म की शूटिंग का शेड्यूल ऐसा बना था कि डेट्स आगे नहीं ले जा सकते थे। क्योंकि जिस लोकेशन पर हमें फिल्म शूट करनी थी वो लोकेशन हमें दो साल के बाद मिल रही थी। ऐसे में फिजियोथैरेपी और मसाज से मुझे बहुत मदद मिली। कई तरीके अपनाकर मेरी इंजरी को ठीक करने की कोशिश की जा रही थी। शोल्डर इंजरी के बाद भी एक्सरसाइज, स्वीमिंग और बॉक्सिंग सीखना बंद नहीं किया था।

जब उनसे पूछा गया कि क्या मोटिवेशन था, जिसके चलते वो अपनी चोट को नजरअंदाज करके इतनी मेहनत कर पा रहे थे? इस पर कार्तिक ने कहा- मुझे फिल्म की कहानी बहुत पसंद आई थी। मैं हर समय यही सोचता रहता था कि ये कहानी किसी भी तरह हर किसी तक पहुंचनी चाहिए। ताकि लोग जान पाएं कि मुरलीकांत पेटकर ने क्या-क्या किया है।

कार्तिक ने कहा- इस कहानी से मैं खुद को भी रिलेट कर पाया हूं। फिल्म की पूरी जर्नी मेरे लिए बहुत टफ थी। लेकिन मैं ये कह सकता हूं कि ये फिल्म मेरे अब तक के करियर की बेस्ट फिल्म है। अब जब फिल्म देखता हूं तो समझ में आता है कि इस फिल्म की शूटिंग के दौरान जो भी इंजरी हुई उसके कोई मायने नहीं हैं। फिल्म देखने के बाद वो सारी मेहनत सफल लगती है।

कंगना रनौत अब बॉलीवुड पर बिफरीं, थप्पड़ कांड पर चुप्पी को जमकर कोसा, कहा- मैं तुमलोग जैसी नहीं हूं

एक्ट्रेस और हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से बीजेपी सांसद कंगना रनौत के साथ हाल ही चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर बदसलूकी हुई। सिक्योरिटी चेक के बाद एक सीआईएसएफ महिला अधिकारी ने कगंना रनौत को थप्पड़ मार दिया। इस पर खूब हंगामा मचा और कई नामचीन लोगों ने इस घटना की निंदा की। कंगना रनौत ने फैंस और लोगों के सपोर्ट के लिए शुक्रिया अदा किया, पर इस बात पर नाराजगी दिखाई कि उन पर हुए हमले के बाद भी बॉलीवुड चुप्पी साधे बैठा रहा। किसी ने भी एक्ट्रेस के हक में बोलने की जहमत नहीं उठाई। हालांकि, बाद में कंगना रनौत की इंस्टाग्राम स्टोरी ये पोस्ट हट गया, पर इसके कुछ स्क्रीनशॉट वायरल हैं।

कंगना रनौत को 6 जून की शाम सीआईएसएफ की महिला जवान कुलविंदर कौर ने थप्पड़ मार दिया था क्योंकि एक्ट्रेस ने 4 साल पहले किसानों को लेकर दिया गया एक बयान था। महिला जवान का कहना था कि तब उनकी मां भी वहीं धरने पर बैठी थी। हालांकि बाद में उसे सस्पेंड कर दिया गया।

कंगना रनौत बॉलीवुड पर बरसीं- एक बात याद रखना...

जहां कई नेताओं और टीवी एक्ट्रेस देवोलीना भट्टाचार्जी ने रिएक्ट किया, वहीं बॉलीवुड से किसी ने कुछ नहीं कहा। अपने प्रति बॉलीवुड की ऐसी बेरुखी देख कंगना रनौत फूट पड़ीं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कुछ पोस्ट किए। इनमें से एक में लिखा था, 'डियर फिल्म इंडस्ट्री, आप सभी या तो अभी जश्न मना रहे हो या फिर मुझ पर एयरपोर्ट पर हुए अटैक के बाद एकदम चुप बैठे हो। लेकिन एक बात याद रखना...अगर कल तुम किसी हथियार के बिना अपने देश की सड़कों पर या इस दुनिया में कहीं भी घूम रहे होगे, और तब कोई इजराइली या फिलिस्तीनी सिर्फ इस वजह से आप पर और आपको बच्चों पर हमला करने की कोशिश करे क्योंकि आप इजरायली के बंधक बनाए गए लोगों के सपोर्ट में खड़े हुए थे, तो देखना मैं ही तुम्हारे हक के लिए लड़ती दिखूंगी। अगर कभी इस बात पर हैरानी हो कि मैं जहां हूं, वहां क्यों हूं, तो याद रखना तुममें से कोई भी मेरे जैसा नहीं।'

'इमरजेंसी दिखाएगी निहत्थी महिला को कैसे मारा गया'

कंगना ने एक और पोस्ट में लिखा, 'जल्द ही फिल्म 'इमरजेंसी' रिलीज होगी, जिसमें दिखाया जाएगा कि कैसे एक निहत्थी महिला को उसके ही घर में वर्दी पहने उन सिक्योरिटी गार्ड्स ने मौत के घाट उतार दिया, जिन पर वह विश्वास करती थी। उन्होंने एक बुजुर्ग महिला को मारने के लिए 35 गोलियां इस्तेमाल कीं। बहादुर खालिस्तानियों की यह कहानी जल्द रिलीज होगी।'

कंगना के किस बयान पर पड़ा थप्पड़?

मालूम हो कि 4 साल पहले कंगना रनौत ने किसान आंदोलन को लेकर एक ट्वीट किया था। इसमें उन्होंने पंजाब की 80 साल की एक बुजुर्ग महिला को बिलकिस बानो बता दिया। उस महिला का नाम मोहिंदर कौर था। कंगना ने ट्वीट में उस बुजुर्ग महिला के लिए लिखा था कि ये वही दादी है जो 100 रुपये में मिल जाती है। इसी कारण सीआईएसएफ की महिला जवान ने कंगना को थप्पड़ मारा था। कंगना रनौत अब जल्द ही फिल्म 'इमरजेंसी' में भी नजर आएंगी, जिसमें उन्होंने एक्टिंग ही नहीं की, बल्कि प्रोड्यूस और डायरेक्ट भी किया है।

'जब मेरा बुरा वक्त होगा, यही लोग मुझे गाली देंगे', सलमान खान ने क्यों कही थी यह बात?

सलमान खान पिछले 36 साल से बॉलीवुड पर राज कर रहे हैं। तीन दशक से भी लंबे करियर में सलमान ने ढेरों उतार-चढ़ाव देखे। कई हिट फिल्में दीं और फैंस का भी खूब प्यार बटोरा। पर ऐसा भी वक्त आया, जब सलमान की फिल्में फ्लॉप हो रही थीं। पर आज सलमान एक बार फिर देश के अमीर एक्टर्स में से एक हैं और फैंस तो उन्हें एकदम पूजते हैं। इतने स्टारडम और तगड़ी फैन फॉलोइंग को लेकर सलमान क्या सोचते हैं और कैसे हैंडल करते हैं, पता है? निकितन धीर ने यही बात जब सलमान से पूछी थी, तो जवाब सुनकर हैरान रह गए थे।

निकितन धीर ने सलमान के साथ फिल्म 'दबंग 2' में काम किया था। इसमें वह चुन्नी नाम के नेगेटिव रोल में नजर आए थे। निकितन धीर ने सिद्धार्थ कनन को दिए इंटरव्यू में बताया कि बेशक सलमान एक सुपरस्टार हैं, पर वह सच्चाई से वाकिफ हैं और एक रियलिटी चेक रखते हैं।

सलमान ने निकितन धीर से कहा था- समय खराब होने पर यही लोग गाली देंगे

निकितन धीर ने कहा, 'मैंने सलमान खान से पूछा था कि आपको यह जानकर कैसा लगता है कि एक पहाड़ के नीचे रहने वाला व्यक्ति भी आपको जानता है, तो उन्होंने कहा था- यह ठीक है। जब मेरा समय खराब होगा तो ये वही लोग हैं जो मुझे गाली देंगे। इसलिए, आपको जानना होगा कि आप कौन हैं।'

नहीं बनेगा 'बजरंगी भाईजान' का सीक्वल! कबीर खान ने बताया क्यों आगे नहीं बढ़ेगी पाकिस्तानी बच्ची की कहानी। 10 साल तक सलमान खान के नाना सलीम खान को नहीं कर सके स्वीकार, कहा था- धर्म ही स्वीकार करने लायक नहीं है

50 बॉडीगार्ड्स भी कंट्रोल नहीं कर सके थे भीड़

इसी इंटरव्यू में निकितन धीर ने बताया कि जब सलमान 'दबंग 2' की शूटिंग के लिए 50 बॉडीगार्ड्स के साथ गांव में पहुंचे थे, तो भारी भीड़ को कंट्रोल करना मुश्किल हो गया था। तब कुछ एक्टर्स को ही आगे बढ़कर बाकी बॉडीगार्ड्स के साथ मिलकर सलमान को बचाना पड़ा था।

इन फिल्मों में नजर आएंगे सलमान और निकितन धीर

प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें, तो निकितन धीर अब सलमान खान की 'टाइगर वर्सेस पठान' और 'सिकंदर' में नजर आएंगे। इसके अलावा उनके पास 'द बुल' और सूरज बड़जात्या की भी एक फिल्म है, जिसकी अभी अनाउंसमेंट नहीं की गई है।

अनिल कपूर करेंगे इस बार बिग बॉस ओटीटी 3 होस्ट, लोग कहेंगे 'झक्कास'

सलमान खान का हिट रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 प्रीमियर के लिए पूरी तरह तैयार है. इस बार जहां फैन्स इस बात से दुखी हैं कि उनके पसंदीदा सलमान खान शो को होस्ट नहीं करेंगे, वहीं वे यह भी जानने को उत्सुक हैं कि अनिल कपूर शो में कंटेस्टेंट के नखरों और झगड़ों को कैसे संभालेंगे.

बहुचर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस ओटीटी' जल्द ही अपना सीजन 3 लेकर आ रहा है, जो पिछले कई महीनों से चर्चा में है. हाल ही में शो का नया प्रोमो वीडियो मेकर्स ने शेयर किया था, जिसके बाद फैन्स के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट देखने को मिली. शो की लॉन्च डेट सामने आ गई है. इस बार सलमान खान की जगह जाने-माने एक्टर अनिल कपूर शो को होस्ट करते नजर आएंगे. बिग बॉस ओटीटी 3 प्रीमियर की डेट के साथ अनिल के लुक की झलक भी दिखाई गई है.

बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 21 जून से जियो सिनेमा पर स्ट्रीम किया जाएगा. ओटीटी प्लेटफॉर्म ने अनिल का परिचय दिया और लिखा- बिग बॉस ओटीटी 3 के नए होस्ट के रूप में अनिल कपूर. बड़े पर्दे पर राज करने से लेकर अब बिग बॉस के घर तक, अनिल कपूर खास हैं.

"बिग बॉस ओटीटी और मैं एक ड्रीम टीम हैं. हम दोनों दिल से युवा हैं. लोग अक्सर मजाक करते हैं कि मैं रिवर्स एजिंग हूं, लेकिन बिग बॉस में यह गुण है. ऐसा लगता है कि मैं स्कूल वापस जा रहा हूं, कुछ नया और रोमांचक करने की कोशिश कर रहा हूं. मैं बिग बॉस में उसी एनर्जी से 10 गुना ज्यादा एनर्जी लाने जा रहा हूं, मैं इसमें अपना फ्लेवर लाने के लिए इंतजार नहीं कर सकता,". अनिल कपूर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा.

कौन दिखेगा शो में?

मेकर्स ने अभी तक बिग बॉस ओटीटी 3 के कंटेस्टेंट की लिस्ट शेयर नहीं की है. लेकिन अनुमानित प्रतियोगियों की नाम इस लिस्ट में शामिल हैं.

अनुराग कश्यप को मिलती थी जान से मारने की धमकी

कहा- मुझे समझ दूसरे डायरेक्टर से की थी मारपीट, मेरी बेटी पर भी हमला हुआ था

अनुराग कश्यप ने हाल ही में एक पॉडकास्ट के दौरान बताया कि उन्हें कई बार जान से मारने की धमकी मिल चुकी है। ऐसा इसलिए है क्योंकि अनुराग अपनी बात को बहुत ही बेबाक अंदाज में रखते हैं। उनके अंदर किसी तरह का डर नहीं होता है। अनुराग का कहना है कि धमकी न केवल उन्हें बल्कि उनकी बेटी के लिए भी दी गई थी।

अनुराग ने अनफिल्टर्ड बाय समधीश को दिए इंटरव्यू में इंडस्ट्री को लेकर अपने एक्सपीरियंस पर बात की थी। उन्होंने बताया था कि ये सिर्फ सोशल मीडिया वाली धमकियां नहीं, बल्कि असली धमकियां थीं। इसी वजह से उन्हें सरकार से पुलिस सिक्योरिटी की मांग करनी पड़ी थी। बदमाशों ने एक बार गलतफहमी में अनुराग की जगह फिल्म 'भेड़िया' के डायरेक्टर अमर कौशिक को पकड़ लिया था। अनुराग बताते हैं कि उन्हें एक बार नहीं कई बार धमकियां मिल चुकी हैं।

अभी भी मिलती है धमकियां

अनुराग ने बताया कि उन्हें आज भी धमकियां मिलती हैं। केवल इंटरनेट पर ही नहीं उन्हें फिजिकल धमकी भी दी जाती थीं। इसके बाद मुझे पुलिस सिक्योरिटी मिली थी, जब मैं 'दैट गर्ल इन येलो बूट्स' शूट कर रहा था। क्योंकि मैंने राज ठाकरे के बारे में कुछ कह दिया था। MNS मुझे धमकी दे रहे थे। उन्होंने ट्रेन में एक आदमी को मारा, ये सोचकर कि वो मैं हूं। लेकिन वो अमर कौशिक थे, जिन्होंने फिल्म 'भेड़िया' डायरेक्ट की है।

अनुराग ने बताया कि कभी उन पर सामने से हमला नहीं हुआ। लेकिन धमकियां बहुत मिलती थी। उन्होंने कहा कि उन लोगों का तरीका बहुत अलग होता है। वो बहुत स्मार्ट होते हैं। आपके ऊपर डायरेक्ट अटैक नहीं करेंगे। वो लोग आपके साथ समय बिताते हैं। आपके बारे में सारी बातें जानते हैं। आपकी कमजोरी को जानकर उस पर वार करते हैं। उन लोगों ने मेरी बेटी पर अटैक किया था।

शाहरुख खान की प्रोडक्शन कंपनी के नाम पर धोखाधड़ी, रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने फर्जी जॉब वैकेंसी पर किया आगाह

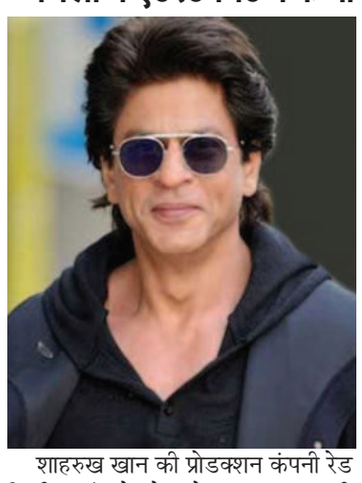

शाहरुख खान की प्रोडक्शन कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के नाम पर बड़ी धोखाधड़ी की जा रही है, जिसे लेकर कंपनी ने बयान जारी किया है। उन्होंने लोगों को रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के नाम पर फर्जी वेकेंसी वाले ऑफर से सतर्क रहने को कहा है। दरअसल सोशल मीडिया पर एक खबर वायरल हो रही है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि शाहरुख की रेड चिलीज एंटरटेनमेंट में जॉब वेकेंसी है।

लेकिन ऐसा नहीं है। बल्कि यह एक धोखाधड़ी वाला ऑफर है, जिसके प्रति शाहरुख की कंपनी ने नोटिस जारी कर लोगों को आगाह किया है। रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने लोगों से सावधान रहने की अपील की।

रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के नाम पर धोखाधड़ी, किया अलर्ट

अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर शाहरुख और गौरी खान की रेड चिलीज एंटरटेनमेंट की तरफ से लिखा गया, 'हमने ये नोटिस किया है कि व्हॉट्सएप जैसे कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लोगों के साथ रेड चिलीज के नाम पर धोखाधड़ी की जा रही है। लोग दावा कर रहे हैं कि वो रेड चिलीज से जुड़े हुए हैं। लेकिन हम यह साफ-साफ बताना चाहते हैं कि रेड चिलीज किसी भी तरह की रिक्रूटमेंट पॉलिसी या जॉब वेकेंसी किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए नहीं देता।'

'वेकेंसी की जानकारी सीधे ऑफिशियल चैनल से मिलेगी'

आगे लिखा गया है, 'अगर कोई वेकेंसी निकलती है, तो उसे ऑफिशियल चैनल के माध्यम से ही बताया जाता है। ऐसे किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नहीं बताया जाता।'

शाहरुख अभी कर रहे 'किंग' की शूटिंग

प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें, तो शाहरुख खान अभी फिल्म 'किंग' की शूटिंग कर रहे हैं, जिसमें उनका खास रोल है। इस फिल्म में बेटी सुहाना खान भी हैं। हालांकि अभी इस फिल्म की ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है, पर एक्टर की सेट से कुछ तस्वीरें जरूर वायरल हुई थीं।

रामायण या महाभारत नहीं, ये है भारत का पहला टीवी सीरियल, 40 साल पहले हुआ था आगाज

आज के दौर में टीवी पर कई सारे चैनल आते हैं और उसमें एक से बढ़कर एक शो आते हैं, लेकिन एक वो दौर भी था जब हर किसी के टीवी पर केवल दूरदर्शन आता था और 80 का दशक भारतीय टेलीविज़न इतिहास के लिए भी बेहद यादगार है. ये वही दशक था जब भारत में टेलीविज़न धारावाहिकों की शुरुआत हुई थी. आपने 80 के दशक में आए पौराणिक शोज 'रामायण' और 'महाभारत' जैसे सीरियल्स तो कई बार देखे होंगे, लेकिन क्या आपने भारत के पहले टीवी सीरियल को देखा है? आइए, आपको बताते हैं कि भारत का पहला सीरियल कौन-सा था और आप उसे कहां देख सकते हैं?

जानें कौन था पहला धारावाहिक

7 जुलाई, 1984 को भारतीय टेलीविजन इतिहास के पहले धारावाहिक 'हम लोग' की शुरुआत हुई थी. इस शो में मध्यमवर्गीय भारतीय परिवार की कठिनाइयों, परिश्रम, इच्छाओं और सपनों की कहानी दिखाई गई थी. ये धारावाहिक आज भी लोगों की यादों में जीवित है. आपको बता दें इसका निर्माण हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता अशोक कुमार ने किया था. वहीं इसका आखिरी एपिसोड 17 दिसंबर 1985 को टेलीकास्ट हुआ था.

विदेशों में भी मचाया तहलका

मेक्सिकन टीवी शो वेन कॉनमिगो से एडॉप्ट किया गया 'हम लोग' सीरियल ने भारत में तो तहलका मचाया ही था, ये शो मॉरीशस में भी सुपरहिट हुआ था. इस धारावाहिक ने 80 के दशक में एक ऐसे परिवार की रचना की थी, जिसे आने वाली पीढ़ियों को भी जरूर देखना चाहिए. अगर आप इस सीरियल का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो आप यूट्यूब पर इसे देख सकते हैं. ये शो यूट्यूब पर मौजूद है.

क्या थी 'हम लोग' सीरियल की कहानी?

कहानी से लेकर कास्टिंग, सब कुछ मजेदार थी. सीरियल में न केवल सोशल मैसेज था, बल्कि मनोरंजन कूट-कूटकर भरा था. इस सीरियल में जॉइन्ट मिडिल क्लास फैमिली की परेशानियों को बड़ी बखूबी से दिखाया गया था. पैसे की तंगी, परिवार में किच-किच और 'चार लोग क्या कहेंगे' जैसे मुद्दों को आप इस सीरियल के जरिए रिलेट कर सकते हैं.

बंद होने पर मचा बवाल

हम लोग की बात करें तो इस धारावाहिक में विनोद नागपाल, जयश्री अरोड़ा, सीमा पाहवा, राजेश पुरी, दिव्या सेठ, लवलीन मिश्रा, सुषमा सेठ जैसे अन्य कलाकार नजर आए थे. जब हम लोग प्रसारित हुआ तो यह भारतीय टेलीविजन पर छा गया. इसके संचालन के दौरान, अशोक कुमार और दूरदर्शन को पाठकों से करीब 40 लाख चिट्ठियां मिलीं. इतनी लोकप्रियता के बाद, 1985 में जब दूरदर्शन ने शो को बंद करने का फैसला किया, तो दर्शक नाराज हो गए. शो को जारी रखने की आस में लोगों ने खूब हंगामा भी किया, लेकिन आखिरकार 156 एपिसोड के बाद 'हम लोग' 17 दिसंबर 1985 को बंद हो गया.

काजोल की 'पसंदीदा फिल्म'

काजोल 1990 के दशक में कई सुपरहिट फिल्मों का हिस्सा रही है। अजय देवगन के साथ शादी और मां बनने के बाद उसने अभिनय से ब्रेक ले लिया था परंतु अब बच्चों के बड़े हो जाने के बाद वह फिर से फिल्मों और वैब सीरीज में काम करने लगी है। हाल ही में उसने अपनी 'ऑल टाइम फेवरेट' फिल्म के बारे में खुलासा किया। हालांकि, काजोल की पसंदीदा फिल्म का नाम जान कर उसके कुछ फैन्स को धक्का लग सकता है क्योंकि उसने अपनी ब्लॉकबस्टर रोमांटिक फिल्मों जैसे 'कुछ कुछ होता है' से लेकर 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' तक किसी को अपनी पसंदीदा फिल्म नहीं बताया और न ही अपने पति अजय देवगन की किसी फिल्म का नाम लिया।

काजोल ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उसको कहते हुए सुना जा सकता है, ₹मेरी अब तक की सबसे पसंदीदा फिल्म, जिसे मैं कहीं से भी और कभी भी देख सकती हूं, वह है' शोले'। मुझे यह मूवी काफी पसंद है और इसके किरदार भी पसंद हैं। यह मेरे लिए एक किताब की तरह है, जो लाइफ से जुड़ी हुई है, लेकिन भगवान का शुक्र है कि यह किताब नहीं थी।

हॉलीवुड की पसंदीदा फिल्म

वीडियो में वह आगे कहती है, ₹पसंदीदा अंग्रेजी फिल्में बहुत सारी हैं, जिनमें से चुनना मुश्किल है, लेकिन मैंने हाल ही में 'साऊंड ऑफ म्यूजिक' देखी। यह मूवी काफी अच्छी है, क्योंकि मुझे इसका म्यूजिक पसंद है, इसके किरदार अच्छे हैं। मैंने फिल्म को पूरे 3 घंटे देखा और बोर नहीं हुई।

काजोल की हालिया फिल्में

काजोल के हालिया फिल्मी करियर की बात करें, तो वह जल्द ही' महारागनी क्वीन ऑफ क्वीन्स' में प्रभु देवा के साथ दिखाई देने वाली है, जिसकी पहली झलक कुछ दिन पहले ही सामने आई थी। फिल्म निर्माता-अभिनेता प्रभु देवा के साथ उसकी जोड़ी 27 साल बाद एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आएगी। काजोल और प्रभु देवा ने राजीव मेनन की साल 1997 की तमिल भाषा की फिल्म 'मिनसारा कनवु' में एक साथ काम किया था।

यह फिल्म, जिसमें अरविंद स्वामी भी था, बहुत बड़ी हिट रही थी। बाद में इसका हिन्दी संस्करण' सपना' नाम से जारी किया गया था, जिसके गीत 'चंदा रे... 'को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। इसके अलावा वह कृति सेनन के साथ फिल्म 'दो पत्ती' में भी काम कर रही है।

हिना खान ने 8 साल बाद 'ये रिश्ता...' छोड़ने पर तोड़ी चुप्पी! डायरेक्टर राजन शाही पर इशारों में कसा तंज

टीवी की फेमस एक्ट्रेस हिना खान ने साल 2009 में राजन शाही के सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' से एक्टिंग में डेब्यू किया था। उन्होंने शो में अक्षरा का किरदार निभाया था और घर-घर में फेमस हो गई थीं। 2016 तक इस का हिस्सा रहने के बाद हिना ने सीरियल को अलविदा कह दिया था। अब 8 साल बाद उन्होंने माना है कि इसे अच्छो नोट पर नहीं छोड़ा था।

एक इंटरव्यू में 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' सीरियल को छोड़ने के पल और मेकर्स संग अनबन को याद किया। उन्होंने कहा, 'मेरे मन में उनके लिए सम्मान और आदर है। मुझे नहीं पता कि यह दूसरी तरफ से बार-बार क्यों हो रहा है। मुझे यह समझ में नहीं आता है। ऐसा नहीं है कि मैं इसके बारे में बात करना चाहूंगी और मैं करना नहीं चाहती। इन लोगों (ये रिश्ता क्या कहलाता है के निर्माताओं) ने मुझे मेरा पहला ब्रेक दिया है। मेरे मन में उनके लिए सम्मान और आदर है।'

'इसका अंत उतना अच्छा, सुखद नहीं था'

हिना खान ने आगे कहा, 'मुझे याद है कि जब मैंने अपना पहला शो छोड़ा था, मेरे पापा वास्तव में बहुत दुखी थे। मैंने सालों तक काम किया, लेकिन इसका अंत अच्छे नोट पर नहीं हुआ। ऐसा नहीं था कि हम एक-दूसरे को देखेंगे भी नहीं। लेकिन यह उतना अच्छा, सुखद नहीं था। कोई बात नहीं। ऐसा होता है। समय सब ठीक कर देता है। कम से कम, समय ने मुझे पूरी तरह से ठीक कर दिया है। मुझे अब कोई आपत्ति नहीं है।'

एक्ट्रेस ने आगे याद किया कि 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' छोड़ने के बाद उनके पिता बहुत दुखी थे और उन्होंने उनसे कहा था कि वे उस शो से जुड़े किसी भी व्यक्ति के बारे में कभी बुरा न बोलें। वो बोलीं, 'मुझे याद है कि मेरे पिता बेहद दुखी थे और मेरे शो छोड़ने के ठीक बाद, उन्होंने (उनके पिता) मुझसे एक वादा लिया। उन्होंने कहा, 'मुझसे वादा करो कि तुम उस शो से जुड़े किसी भी व्यक्ति के बारे में कभी बुरा नहीं बोलोगी'। उन्होंने ऐसा कहा। मैं उस पर कायम हूं। अब, वह यहां नहीं हैं। मैं वह वादा कैसे तोड़ सकती हूं? मैं कुछ नहीं कहने वाली।' हालांकि, हिना ने राजन शाही पर भी इशारों में तंज कसा और कहा कि जो हमेशा बोलता है, जरूरी नहीं है कि वो सही हो। उन्होंने कहा, 'मेरे मन में उनके लिए बहुत रिस्पेक्ट है और यह हमेशा मेरे दिल में रहेगा, कोई कड़वाहट नहीं है। लेकिन मैं कुछ और भी कहना चाहती हूं। कभी-कभी जो बहुत बोलता है ना, जरूरी नहीं वो सही हो। जो कम बोलता है, जरूरी नहीं वो गलत हो। बस इतना ही।'

हिना खान के बाद शिवांगी जोशी और मोहसिन खान ने 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' की कमान संभाली। यह शो अभी भी सफलतापूर्वक चल रहा है और स्टार प्लस पर टेलिकास्ट होता है।

इरफान पठान ने बाबर आजम की जमकर उड़ाई धज्जियां

पाकिस्तान क्रिकेट टीम की इस करारी हार पर भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने भी कप्तान बाबर आजम की जमकर आलोचना की। इरफान ने पाकिस्तानी टीम के लिए एक के बाद एक चार ट्वीट किए जिसमें उन्होंने धज्जियां उड़ा कर रख दी। इरफान पठान ने सबसे पहला ट्वीट अमेरिका की दमदार गेंदबाजी को लेकर किया।

इरफान ने सबसे पहले बाबर आजम को लपेटा

इरफान पठान पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में अमेरिका की गेंदबाजी से काफी प्रभावित हुए। पाकिस्तान जैसी टीम को 200 रन के भीतर रोकना गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन को दर्शाता है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, 'यूएसए की ओर से अनुशासनात्मक गेंदबाजी। उन्होंने पूरे पाकिस्तानी टीम को दबाव में ला दिया।'

इरफान ने ट्वीट कर लिखा, 'एक कप्तान के तौर पर अगर आप 100 स्ट्राइक रेट के साथ 40 से अधिक गेंद की पारी खेल रहे हैं तो यह काफी अच्छी बल्लेबाजी की स्थिति में है लेकिन इससे आप अपनी टीम की मदद नहीं कर रहे हैं।' अमेरिका के खिलाफ शुरुआती विकेट गिरने के बाद बाबर ने पारी को संभालने का काम जरूर किया था, लेकिन उनकी बैटिंग काफी धीमी रही थी। उन्होंने 43 गेंद में 44 रन बनाए जिसमें तीन चौके और 2 छक्के शामिल रहे।

अमेरिका के कप्तान मोनांक पटेल की इरफान ने की तारीफ

पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में अमेरिका के कप्तान मोनांक पटेल ने कमाल का खेल दिखाया। मोनांक ने बल्लेबाजी में 50 रनों की पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने सिर्फ 38 गेंद का सामना किया जिसमें उन्होंने 7 चौके और 1 छक्का भी लगाया। इसके अलावा उन्होंने कमाल की कप्तानी भी की। इरफान पठान ने मोनांक की तारीफ करते हुए लिखा, 'क्या कमाल का स्वैग है। मोनांक पटेल की बेहतरीन बैटिंग।' इसके बाद इरफान पठान का चौथा ट्वीट अमेरिका की जीत पर था। उन्होंने लिखा, 'अमेरिका ने इतिहास रच दिया। अमेरिका ने क्रिकेट में पाकिस्तान को हरा दिया।'

हार के बाद वापसी करना चाहेगी श्रीलंका की टीम, बांग्लादेश से रहना होगा सावधान

श्रीलंका की शुरुआत टी20 विश्व कप में अच्छी नहीं रही थी और उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ग्रुप-डी के अपने पहले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। अब शनिवार को टीम बांग्लादेश के खिलाफ खेलने उतरेगी तो उसकी कोशिश वापसी करने पर टिकी होगी। दूसरी ओर, बांग्लादेश का टूर्नामेंट में यह पहला मुकाबला होगा और टीम जीत के साथ शुरुआत करना चाहेगी।

काफी कठिन है ग्रुप-डी

श्रीलंका और बांग्लादेश टी20 विश्व कप के ग्रुप ऑफ डैथ के महत्वपूर्ण मुकाबले में जीत दर्ज करके सुपर आठ में प्रवेश का अपना दावा पुख्ता करना चाहेंगे। ग्रुप-डी में तीन पूर्णकालिक सदस्यों दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और बांग्लादेश के अलावा उलटफेर करने में माहिर नीदरलैंड और नेपाल की टीमें हैं। इसमें जीत और जीत का अंतर आखिर में काफी मायने रखेगा।

श्रीलंका को गलतियों से लेना होगा सबक

श्रीलंका को पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका ने हराया था और बल्लेबाज इस बार अपनी गलतियों से सबक लेकर उतरेंगे। पहले मैच में श्रीलंकाई टीम 77 रन पर आउट हो गई थी, जबकि गेंदबाजों ने फिर भी अच्छा प्रदर्शन किया। श्रीलंका के बल्लेबाजों के लिए बांग्लादेश के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करने की चुनौती रहेगी। बांग्लादेश की टीम इस साल टी20 क्रिकेट में लय हासिल करने के लिए जूझती नजर आई है।

'हमारे कोर ग्रुप में काफी अनुभव', पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले हार्दिक ने भारतीय गेंदबाजों की तारीफ की

भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने कहा कि जसप्रीत बुमराह की अगुवाई वाले गेंदबाजी आक्रमण में काफी अनुभव और ईमानदारी है तथा उन्हें विश्वास है कि टी20 विश्व कप में वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। भारत ने बुधवार को आयरलैंड को 8 विकेट से हराकर विश्व कप में अपने अभियान का शानदार आगाज किया।

हार्दिक ने कही यह बात

हार्दिक ने बीसीसीआई टीवी से कहा- हमें आज बताया गया कि हमारी टीम के पास कुल 892 टी20 मैच खेलने का अनुभव है जो बहुत अधिक है। हमारे गेंदबाजी कोर ग्रुप में काफी अनुभव और काफी ईमानदारी है। हमें आयरलैंड के खिलाफ मैच के दौरान विकेट से भी काफी मदद मिली।

सकारात्मक शुरुआत से खुश हैं हार्दिक

हार्दिक ने कहा कि टीम टूर्नामेंट की सकारात्मक शुरुआत करके काफी खुश है। उन्होंने कहा, 'हमने जिस तरह से शुरुआत की है उससे हम बहुत खुश हैं। लय हासिल करना बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि एक बार टूर्नामेंट शुरू होने के बाद यह आगे बनी रहती है। जब आप कड़ी मेहनत करते हैं और आपको उसके कारण सफलता मिलती है तो बहुत अच्छा लगता है। इसके अलावा यहां खेलना भी काफी रोमांचक है।'

हार्दिक ने मेहनत पर दिया यह बयान

मैच के बाद टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा की हार्दिक मैच में चार ओवर करने के लिए तैयार था तथा लगातार चोटों से परेशान रहे इस 30 वर्षीय ऑलराउंडर ने कहा कि वह अपने काम पर ध्यान दे रहे हैं। हार्दिक ने कहा, 'जो लोग कड़ी मेहनत करते हैं उनके लिए सब कुछ अनुकूल हो जाता है। खुद पर भरोसा रखना और अपनी क्षमता की पहचान करना महत्वपूर्ण है क्योंकि आप जानते हैं कि 30 वर्ष के हार्दिक का काम 60 वर्ष के हार्दिक से कहीं ज्यादा आसान है।'

पाकिस्तान के खिलाफ मैच पर हार्दिक का बयान

हार्दिक का ध्यान पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को होने वाले महत्वपूर्ण मैच पर टिका है। हार्दिक ने कहा, 'भारत और पाकिस्तान के बीच मैच बेहद रोमांचक होता है। इसमें बहुत सारा उत्साह और भावनाएं जुड़ी होती हैं। इसके साथ ही मुझे उम्मीद है कि हम अनुशासित होकर यह मैच खेलेंगे। उम्मीद है कि यह दिन हमारे लिए अच्छा होगा।

हारिस रऊफ ने कटवा दी पाकिस्तान की नाक? मैच के दौरान लगा बेईमानी का आरोप

टी20 विश्व कप 2024 के 11वें मुकाबले में यूएसए ने पाकिस्तान को सुपर ओवर में हरा दिया. पाकिस्तान के खिलाड़ी हारिस रऊफ पर इस मैच में गेंद से छेड़छाड़ का आरोप लगा है. अमेरिका के क्रिकेटर रस्टी थेरॉन ने आरोप लगाया है कि मैच के दौरान गेंद से छेड़छाड़ हुई है. उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर आईसीसी से जांच की मांग भी की है. इस मुकाबले में यूएसए ने पाकिस्तान के दिए लक्ष्य की बराबरी कर ली थी. यूएसए ने इसके बाद सुपर ओवर में जीत दर्ज कर ली। अमेरिकी खिलाड़ी थेरॉन का कहना है कि रऊफ ने गेंद को रिवर्स स्विंग कराने के लिए बॉल टेम्परिंग की. उन्होंने एक्स पर लिखा, क्या हम सिर्फ दिखावा कर रहे हैं कि पाकिस्तान ने गेंद को नहीं खरोचा? 2 ओवर पहले चेंज हुई बॉल को रिवर्स कर रहे हैं? स्पष्ट रूप से देख सकते हैं कि हारिस रऊफ नाखून को गेंद के ऊपर घुमा रहे हैं। पाकिस्तान के यूएसए के खिलाफ शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा. पाक ने पहले बैटिंग करते हुए 159 रन बनाए थे. इस दौरान बाबर आजम ने 44 रन बनाए. शादाब खान ने 40 रन बनाए. शाहीन अफरीदी ने 23 रनों की पारी खेली. इसके जवाब में यूएसए ने 20 ओवरों में 3 विकेट गंवाकर स्कोर बराबर कर लिया. कप्तान मोनांक पटेल ने दमदार अर्धशतक लगाया. इसके बाद यूएसए ने सुपर ओवर में जीत दर्ज कर ली।

अफगानिस्तान के खिलाफ न्यूजीलैंड को उलटफेर से बचना होगा, जीत से करना चाहेगी शुरुआत

केन विलियमसन की अगुआई वाली न्यूजीलैंड की टीम का शनिवार को अफगानिस्तान से सामना होगा। राशिद खान की कप्तानी वाली टीम ने पहले मैच में युगांडा पर एकतरफा जीत के साथ टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की थी। कई बार बड़ी टीमों को चौंका चुकी अफगानिस्तान की नजरें न्यूजीलैंड को हराकर उलटफेर करने पर होंगी, जबकि न्यूजीलैंड की टीम विरोधी टीम को हलके में लेने की गलती नहीं करेगी।

न्यूजीलैंड की तैयारियों पर पड़ा है असर

बारिश के कारण अभ्यास सत्र रद्द होने से न्यूजीलैंड की तैयारी पर असर पड़ा है। उसे पहले दो मैचों में अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज से खेलना है। अफगानिस्तान की टीम ने यहां पहला मैच जीता है और हालात

से अच्छी तरह वाकिफ हो गई है। न्यूजीलैंड की ताकत हालांकि आईसीसी टूर्नामेंटों में हालात के अनुरूप तुरंत ढलना रही है और टीम पिछले कुछ साल में लगातार अच्छा प्रदर्शन करती आई है।

कठिन ग्रुप में है न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड की टीम ग्रुप-सी में शामिल है जिसमें जिसमें दो बार की चैंपियन और सह मेजबान वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान जैसी टीमें हैं। यह ग्रुप कठिन है क्योंकि प्रत्येक ग्रुप में सिर्फ दो ही टीमें सुपर आठ चरण के लिए क्वालिफाई करेंगी। ऐसे में इस ग्रुप की कोई टीम अन्य टीमों के हलके में नहीं ले सकती है। न्यूजीलैंड के पास अनुभवी खिलाड़ियों के अलावा फिन एलेन और रचिन रवींद्र जैसे युवा खिलाड़ी भी है। कागजों पर कीवी टीम बेहद मजबूत लग रही है जिसके पास बल्लेबाजी में गहराई और गेंदबाजी में विविधता है। नई गेंद ट्रेंट बोल्ट संभालेंगे जिनका साथ देने के लिए लॉकी फर्ग्युसन और टिम साउथी हैं। बाएं हाथ के स्पिनर मिचेल सैंटनेर ने भी वेस्टइंडीज में अच्छा प्रदर्शन किया है और उनका इकॉनोमी रेट 5.5 रहा है।

इस मुकाबले के लिए दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11 इस प्रकार है...

न्यूजीलैंडः फिन एलेन, डेवोन कॉन्वे (विकेटकीपर), केन विलियमसन (कप्तान), डेरिल मिचेल, मार्क चापमैन, ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सैंटनर, टिम साउथी, ट्रेंट बोल्ट, ईश सोढ़ी, मैट हेनरी।

अफगानिस्तानः रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, गुलबदिन नईब, अजमातुल्लाह ओमरजई, मोहम्मद नबी, नजिबुल्लाह जादरान, करीम जनत, राशिद खान (कप्तान), मुजीब उर रहमान, नवीन उल हक, फजलहक फारूकी।

पाकिस्तान के खिलाफ भारत जीत का प्रबल दावेदार' पाकिस्तान के पूर्व कप्तान लतीफ

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ का मानना है कि टी20 विश्व कप में रविवार को होने वाले मैच में भारत जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा क्योंकि उसकी टीम अधिक संतुलित है। लतीफ ने इसके साथ ही कहा कि न्यूयॉर्क में होने वाले इस बहुप्रतीक्षित मैच में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम पर दबाव रहेगा।

पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से कहा, 'हम सभी का ध्यान भारत के खिलाफ 9 जून को होने वाले मैच पर है। बाबर पर विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन के बजाय भारत के खिलाफ होने वाले मैच के कारण दबाव में रहेगा।'

उन्होंने कहा, 'उन्हें दबाव झेलना सीखना होगा। उन्हें विराट और रोहित से सीखना चाहिए। वे जानते हैं कि खेल को कैसे आगे बढ़ाया जाता है। बल्लेबाज के रूप में बाबर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शामिल है लेकिन जहां तक कप्तानी का सवाल है तो उन्हें अभी काफी कुछ सीखने की जरूरत है।'

लतीफ ने कहा कि भारत के पास बहुत अच्छे स्पिनर हैं और वर्तमान फॉर्म को देखते हुए रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम रविवार को होने वाले मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। उन्होंने कहा, 'कुलदीप यादव एक ऐसा खिलाड़ी है अगर वह फिट रहता है तो पूरे विश्व कप में बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। वह भारत के लिए महत्वपूर्ण गेंदबाज है और उन्होंने अच्छी सफलताएं भी हासिल की हैं। वर्तमान फॉर्म को देखते हुए 9 जून को होने वाले मैच में भारत निश्चित तौर पर जीत के दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा।'

लतीफ में इसके साथ ही कहा कि पाकिस्तान की तैयारी इस समय 2021 या 2022 जैसी नहीं है जब वह टी20 विश्व कप के फाइनल में

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में फजीहत के बाद टूट गए पाक कप्तान बाबर आजम, सरेआम इन्हें बता दिया हार का जिम्मेदार

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि उनकी टीम अमेरिका के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप के मैच में बल्ले और गेंद दोनों से उन्नीस साबित हुई, क्योंकि हालात की आकलन करने में नाकाम रही थी. क्रिकेट का ककहरा सीख रहे संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) ने सुपर ओवर में पाकिस्तान को हराया।

बाबर आजम ने इन्हें बता दिया हार का जिम्मेदार

बाबर आजम ने मैच के बाद कहा,'हमने बल्लेबाजी के दौरान पहले छह ओवर का फायदा नहीं उठाया. विकेट लगातार गिरने से टीम दबाव में आ गई. हम अच्छी साझेदारियां नहीं बना सके. हमारे स्पिनर भी बीच के ओवरों में विकेट नहीं ले पाए जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा. अमेरिका को जीत का पूरा श्रेय जाता है, जिसने तीनों विभाग में हमसे बेहतर खेला. पिच में थोड़ी नमी थी जिसका हम सही आकलन नहीं कर सके.'

यूएसए के खिलाफ पाकिस्तान को ले डूबी ये कमजोरी

वहीं, संयुक्त राज्य अमेरिका के कप्तान मोनांक पटेल ने कहा कि उनकी टीम को यकीन था कि पाकिस्तान को कम स्कोर पर रोकने के बाद वे जीत लेंगे. मोनांक पटेल ने कहा,'टॉस जीतने के बाद हमने जिस तरह पहले छह ओवर में गेंदबाजी की और उनके बल्लों को

खामोश रखा, हमें यकीन था कि हम जीत सकते हैं. बस अच्छी साझेदारी की जरूरत थी. वर्ल्ड कप खेलने का मौका बार-बार नहीं मिलता. हम हर एक गेंद पर अच्छा खेलना चाहते थे.'

पाकिस्तान क्रिकेट की दुर्दशा

बता दें कि टी20 वर्ल्ड कप 2024 में गुरुवार को अमेरिका ने पाकिस्तान को सुपर ओवर में हराकर सबसे बड़ा उलटफेर कर दिया. इससे पाकिस्तान क्रिकेट की दुर्दशा की बानगी भी मिलती है, जिसे 2007 वनडे वर्ल्ड कप में आयरलैंड ने 3 विकेट से हराकर टूर्नामेंट से उसका बोरिया बिस्तर बांध दिया था. अमेरिका ग्रुप ए में अब शीर्ष पर है, जिसने पहले मैच में कनाडा को सात विकेट से हराया था. अब उसे भारत से खेलना है.

नोस्तुष केंजिगे ने तीन विकेट लिए

पहले गेंदबाजी चुनते हुए अमेरिका के बाएं हाथ के स्पिनर नोस्तुष केंजिगे ने 30 रन देकर तीन विकेट लिए. पाकिस्तान की टीम सात विकेट पर 159 रन ही बना सकी. जवाब में अमेरिका ने तीन विकेट पर 159 रन बनाए. कप्तान मोनांक पटेल ने 38 गेंद में 50, आरोन जोंस ने 26 गेंद में 36 और एंड्रिस गौस ने 26 गेंद में 35 रन की पारियां खेली.

मैदानी अंपायरों को दखल देना पड़ा

सुपर ओवर मोहम्मद आमिर ने फेंका जिसमें अमेरिका ने 18 रन बनाए जबकि आठ रन अतिरिक्त के इसमें शामिल थे. वहीं, अमेरिका के सौरभ नेत्रवलकर ने अनुशासित गेंदबाजी करके सिर्फ 13 रन दिए और पाकिस्तान को हरा दिया. पाकिस्तान ने सुपर ओवर में बल्लेबाजी के लिए उतरने में काफी समय लिया. अमेरिका के फील्डर इंतजार करते रहे और मैदानी अंपायरों को दखल देना पड़ा.

भारत-पाकिस्तान मैच के लिए बदला जाएगा मैदान? न्यूयॉर्क की पिचों को लेकर टीम इंडिया ने जताई नाराजगी

टी20 विश्व कप 2024 में अब तक एक भी हाई स्कोरिंग मुकाबला नहीं खेला गया है। वेस्टइंडीज और अमेरिका की सहमेजबानी में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में फैंस भी उस हिसाब से नहीं आ रहे हैं, जिस हिसाब का 2023 में वनडे विश्व कप रहा था था। खासतौर पर चिंता अमेरिका में हो रहे मैचों को लेकर है। न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की पिच अब तक डरावनी साबित हुई है। यहां दो मैच खेले गए हैं और दोनों में 100 रन भी नहीं बन पाए।

ऐसे में आईसीसी के लिए चिंताएं बढ़ गई हैं। इतना ही नहीं आयरलैंड के खिलाफ बुधवार को मैच के बाद भारतीय टीम ने न्यूयॉर्क की पिच को लेकर नाराजगी जताई है। इसी मैदान में भारत को नौ जून को पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलना है। अगर पिच ने इसी तरह बर्ताव किया तो उस मैच में कई खिलाड़ी चोटिल हो सकते हैं। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईसीसी ने अधिकारियों से पिच के बर्ताव पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं।

किसी और जगह स्थानांतरित नहीं होंगे मैच

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, न्यूयार्क में पिचों को लेकर बढ़ती परेशानियों के बावजूद आईसीसी

की बाकी मैचों को नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम से बाहर स्थानांतरित करने की कोई योजना नहीं है। न्यूयार्क में ड्रॉप-इन पिचों का इस्तेमाल किया गया है, लेकिन अहम टूर्नामेंट से पहले उनका परीक्षण नहीं हो पाया था। यह पिच गेंदबाजों को ज्यादा जंच रही है। श्रीलंका को दक्षिण अफ्रीका ने 77 रन पर समेट दिया था। तब से ही न्यूयॉर्क की पिच जांच के दायरे में आ गई थी। इसके बाद भारत ने आयरलैंड को 96 रन पर समेट दिया। पूर्व क्रिकेटरों समेत कई दिग्गजों ने इस मैदान की खूब आलोचना की है और आईसीसी को वहां मैच नहीं कराने को कहा है। बुधवार को भारत-आयरलैंड मैच के दौरान असीमित उछाल के कारण भारत के कप्तान रोहित शर्मा और ऋषभ पंत चोटिल भी हो गए थे। रोहित तो बैटिंग के दौरान रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए थे।

भारतीय टीम ने चिंता जाहिर की

बीबीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है, 'भारत ने अपने बल्लेबाजों की सुरक्षा को देखते हुए चिंता जाहिर की है। न्यूयॉर्क की पिच पर अप्रत्याशित उछाल और टप्पा खाने के बाद गेंद की गति में भी दोहरापन है। भारतीय टीम मैनेजमेंट ने निजी तौर पर अपनी नाखुशी व्यक्त की है।' माना जा रहा है कि आईसीसी पहले रद्द हुए मैचों के आंकड़ों का विश्लेषण कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि अगर उसे कार्रवाई करने की आवश्यकता होती है तो नतीजे क्या रहेंगे। हालांकि, आईसीसी अधिकारियों ने कहा है कि न्यूयॉर्क के किसी भी मैच को फ्लोरिडा या टेक्सास पर स्थांतरित करने का उनका कोई प्लान नहीं है। फ्लोरिडा या टेक्सास में नेचुरल टर्फ हैं। वहां ड्रॉप इन पिचों का इस्तेमाल नहीं किया गया है।

भारत-पाकिस्तान मैच में कैसी होगी पिच?

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 'भारत बनाम पाकिस्तान मैच के लिए एक ऐसी पिच को चुना गया है, जिसका अब तक इस्तेमाल नहीं हो सका है। हालांकि, उस फैसले को अंतिम समय तक बदलने की छूट है। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि उस मुकाबले से पहले अन्य पिचें कैसी खेलती हैं। खासतौर पर टी20 विश्व कप 2024 के लिए बनाए गए नासाउ काउंटी स्टेडियम में सभी घास की पिचें हैं। ये सभी ऑस्ट्रेलिया में बनाई गई थीं और फ्लोरिडा भेज दी गई थीं। इसके बाद इन्हें ट्रकों के जरिये न्यूयॉर्क लाया गया। टूर्नामेंट शुरू होने से कुछ दिन पहले इन ड्रॉप-इन पिचों को स्थापित किया गया था।

न्यूयॉर्क की पिचों पर असमान उछाल

ड्रॉप-इन पिचों की जानकारी रखने वाले ऑस्ट्रेलियाई क्यूरेटर डेमियन हफ को आईसीसी ने न्यूयॉर्क में पिचों की तैयारी के लिए अनुबंधित किया था। आउटफील्ड केंटकी ब्लूग्रास से बना है, जो रेत के ऊपर न्यू जर्सी के एक खेत में उगाया गया था। बुधवार को आयरलैंड के खिलाफ भारत के मैच में असमान उछाल था - जिसका मतलब था कि गेंदें या तो टखने की ऊंचाई पर उछली या विकेटकीपर के ऊपर से निकल गईं। हैरी टेक्टर, लोर्कन टकर, पॉल स्टर्लिंग, रोहित शर्मा और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों के शरीर पर कई गेंदें लगीं। रोहित अपनी कोहनी पर चोट लगने के बाद 52 रन पर रिटायर्ड हर्ट हो गए। इतना ही नहीं असमान उछाल के अलावा न्यूयॉर्क की पिच पर धीमी आउटफील्ड भी चिंता का विषय है। मैदान की रेत-आधारित प्रकृति के कारण किसी शॉट पर आउटफील्ड में गेंद टप्पा खाने के बाद वहीं रुक जा रही है। दोनों तरफ की बाउंड्री में भी करीब 10 मीटर का अंतर है।

अभ्यास करने में खिलाड़ियों को लग रहा डर

यह भी दावा किया जा रहा है कि अभ्यास के लिए बनाए गए कैंटियाग पार्क में रखी गई छह ड्रॉप-इन पिचों को लेकर भी चिंता जताई गई है। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों ने चोट लगने के डर से बल्लेबाजी अभ्यास नहीं किया, बल्कि थ्रो डाउन का विकल्प चुना।

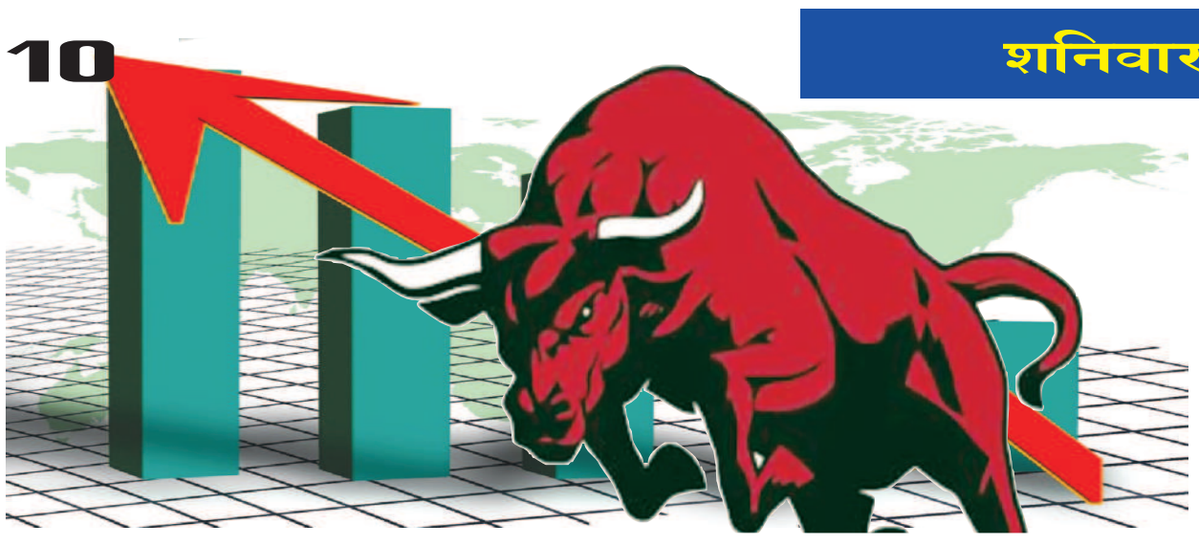

देश के दूसरे सबसे बड़े बैंक को सेबी की चेतावनी

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। शेयर मार्केट रेगुलेटर सेबी ने आईसीआईसी बैंक को चेतावनी दी है। यह चेतावनी बैंक को अपनी ब्रोकिंग यूनिट सिक्योरिटीज के शेयरों की डिलिस्टिंग मामले में जारी की गई है। सेबी ने कहा है कि डीलिस्टिंग को लेकर आईसीआईसीआई बैंक का आउटरीच प्रोग्राम सही नहीं था। निवेशकों की शिकायतों की जांच के आधार पर यह पाया गया कि आईसीआईसीआई बैंक के कुछ अधिकारी बार-बार फोन करके शेयरधारकों से वोटिंग के स्क्रीनशॉट आदि मांग रहे थे। शेयरधारकों का आरोप है कि उन्हें डीलिस्टिंग योजना के पक्ष में मतदान करने के लिए कई कॉल और मैसेज मिले। सेबी ने आईसीआईसीआई बैंक ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है। साथ ही नियामक ने बैंक से बोर्ड को एक्शन टेकन रिपोर्ट देने और बोर्ड में हुई चर्चाओं के बारे में रिपोर्ट देने को कहा है। सेबी ने आईसीआईसीआई बैंक के एमडी और सीईओ संदीप बख्शी को 6 जून के भेजे एक पत्र में यह चेतावनी जारी की है। यह चेतावनी I-Sec के इक्विटी शेयरों की डीलिस्टिंग से संबंधित बैंक के आउटरीच कार्यक्रम की जांच के बाद जारी की गई है। इसमें आईसीआईसीआई बैंक से अपने अनुपालन मानकों को बढ़ाने और भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति को रोकने की मांग की गई है। सेबी का पत्र ट्रेडिंग आवर्स के बाद स्टॉक एक्सचेंजों के साथ शेयर किया गया। गुरुवार को आईसीआईसीआई बैंक के शेयर मामूली बढ़त के साथ 1,110 रुपये पर बंद हुए थे। आई-सेक शेयरधारकों की कई शिकायतों के बाद जांच शुरू की गई। इन शिकायतों में आरोप लगाया गया था कि आईसीआईसीआई बैंक के अधिकारियों ने शेयरधारकों को डीलिस्टिंग योजना के पक्ष में वोट करने के लिए कई कॉल और संदेश भेजे थे।

छ शेयरधारकों से उनके वोट के स्क्रीनशॉट भी मांगे गए थे। सेबी ने जांच में पाया कि आईसीआईसीआई बैंक के अधिकारी वास्तव में केवल आउटरीच कार्यक्रम से आगे बढ़ गए थे। आउटरीच कार्यक्रम का उद्देश्य शेयरधारकों की भागीदारी को अधिकतम करना था लेकिन बैंक के अधिकारी अपनी हद से आगे निकल गए थे। इसमें शेयरधारकों से बार-बार कॉल और वोटिंग स्क्रीनशॉट के लिए अनुरोध करना शामिल था। इसके अतिरिक्त, अधिकारियों को शेयरधारकों को यह सूचित करते हुए रिकॉर्ड किया गया कि डीलिस्टिंग योजना का विकल्प चुनना फायदेमंद होगा। यह हितों के टकराव का भी मामला था क्योंकि आईसीआईसीआई बैंक के पास आई-सेक में 74% से अधिक शेयरहोल्डिंग है।

बाजार का हाल: मुर्गी हुई दाल बराबर आलू-प्याज-टमाटर ने उड़ाए होश!

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। एक कहावत है 'घर की मुर्गी दाल बराबर'। मतलब कि यदि घर की मुर्गी हो तो लोग उसकी महंगाई पर ध्यान नहीं देते और दाल की तरह उसका जम कर उपभोग करते हैं। लेकिन पिछले महीने बाजार में कुछ ऐसा ही नजारा दिखा। दालें जहां 21 फीसदी महंगी हो गईं वहीं ब्रॉयलर चिकन 16 फीसदी सस्ता हो गया। आलू, टमाटर और प्याज की तो बात ही मत पूछिए। टमाटर जहां 39 फीसदी महंगा हो गया वहीं प्याज 43 फीसदी और आलू 41 फीसदी चढ़ गया।

वेज थाली 9 फीसदी महंगी

क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस की मंथली 'रोटी-राइस रेट' रिपोर्ट के मुताबिक बीते मई में एक साल पहले के मुकाबले वेज थॉली 9 फीसदी महंगी हो गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि आलू, प्याज और टमाटर की महंगाई के चलते घरों में तैयार की जाने वाली वेज थॉली की कॉस्ट मई में सालभर पहले के मुकाबले 9% बढ़कर 27.80 रुपये रही। अप्रैल में यह सालभर पहले के मुकाबले 8% बढ़ी थी।

नॉन-वेज थाली 7 फीसदी सस्ती

आलोच्य महीने में ब्रॉयलर चिकन की कीमतों में नरमी के चलते मई में नॉन-वेज थाली की लागत 7% घटकर 55.90 रुपये रही। इससे पहले अप्रैल में भी नॉन-वेज थाली की कॉस्ट सालभर पहले के मुकाबले 4% घटी थी।

क्यों महंगी हुई प्याज

इस रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल मई के मुकाबले इस बार टमाटर के दाम 39% बढ़े हैं। प्याज की कीमत बढ़ने के कई कारण हैं। एक तो रबी सीजन में प्याज की आवक घटी है। दूसरी तरफ सरकार ने प्याज का निर्यात खोल दिया है। इस समय बंगलादेश में प्याज की कीमत 100 रुपये किलो के आसपास है। जाहिर है कि भारतीय निर्यातक वहां महंगे कीमत पर प्याज भेज रहे हैं। इससे घरेलू बाजार में भी प्याज के दाम चढ़ गए।

आलू के दाम क्यों चढ़े

देश में आलू उत्पादन के लिए कुछ इलाके फेमस हैं। जैसे उत्तर भारत में दिल्ली एनसीआर के पास आगरा-फरूखाबाद का क्षेत्र और पश्चिम बंगाल के कुछ इलाके। इस साल आगरा-फरूरखाबाद के क्षेत्र में तो सबकुछ नार्मल है, लेकिन पश्चिम बंगाल में आलू की फसल को नुकसान हुआ है। दरअसल वहां बेमौसम की बारिश से आलू की फसल पर असर पड़ा है। इस वजह से आलू के दाम में 41 फीसदी का इजाफा देखा गया। गर्मी बढ़ने से टमाटर की कीमत भी 40 फीसदी बढ़ गई।

चावल-दाल भी हुए महंगे

रिपोर्ट के मुताबिक, वेज थाली की लागत में 13% हिस्सेदारी चावल की और 9% हिस्सेदारी दालों की है। मई में चावल के दाम सालभर पहले के मुकाबले 13% और दालों के 21% बढ़ गए। अप्रैल में चावल के दाम में 14% और दालों में 20% की बढ़त दिखी थी। मई में जीरा के दाम 37%, मिर्च के 25% और वेजिटेबल ऑयल के दाम 8% घटे। अगर ऐसा नहीं होता तो वेज थाली की लागत और बढ़ जाती।

कमजोर बहुमत के बाद भी बनी रहेगी विकास की रफ्तार

ऊर्जा क्षेत्र पर जोर

नई दिल्ली , 7 जून (एजेंसियां)। भाजपा की अगुवाई में बनने वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की नई सरकार के लिए महत्वाकांक्षी सुधारों को आक्रामक तरीके से आगे बढ़ाना चुनौतीपूर्ण होगा। देश-दुनिया की विभिन्न रेटिंग एजेंसियों का दावा है कि कमजोर जनादेश की वजह से इन सुधारों पर कानून पारित करने में सहयोगी दल बाधा डाल सकते हैं। इन चुनौतियों के बावजूद भूमि और श्रम कानूनों में बड़े सुधार नई सरकार के एजेंडे में बने रहेंगे, क्योंकि वह भारत के विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ाना चाहती है।

हालांकि, कमजोर बहुमत के बावजूद भारत के विकास की रफ्तार कायम रहेगी। रेटिंग एजेंसी फिच का मानना है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को कमजोर बहुमत के बावजूद भारत का मध्यम अवधि का विकास प्रदर्शन 2027-28 तक हमारे अनुमान 6.2 फीसदी के आसपास रहेगा।

सेंसेक्स 2% से ज्यादा उछला, रिकॉर्ड 76,795 पर पहुंचा

निफ्टी 468 अंक बढ़कर 23,290 के स्तर पर बंद, आरबीआई के जेडीपी अनुमान बढ़ाने से चढ़ा बाजार

रिजर्व बैंक के GDP अनुमान बढ़ाने के बाद हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी, 7 जून को सेंसेक्स 76,795 के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया। हालांकि, बाद में ये थोड़ा नीचे आया और सेंसेक्स 1,618 अंक की बढ़त के साथ 76,693 पर बंद हुआ।

वहीं, निफ्टी में भी कारोबार के दौरान करीब 500 अंकों की बढ़त देखने को मिली और ये 23,320 के स्तर पर पहुंचा। निफ्टी 468 अंक की बढ़त के साथ 23,290 के स्तर पर बंद हुआ। ये निफ्टी का ऑलटाइम क्लोजिंग हाई है।

सेंसेक्स के सभी 30 शेयरों में तेजी रही। M&M का शेयर सबसे ज्यादा 5.83% चढ़ा है। वहीं आईटी कंपनी विप्रो और टेक महिंद्रा में करीब 5% की तेजी रही। टाटा स्टील, इंफोसिस और भारती एयरटेल के शेयर करीब 4% चढ़े हैं।

रिजर्व बैंक ने GDP अनुमान बढ़ाया, बाजार चढ़ा

RBI ने वित्त वर्ष 2024-2025 के लिए GDP ग्रोथ का अनुमान 7% से बढ़ाकर 7.2% कर दिया है। वहीं महंगाई अनुमान को 4.5% पर बरकरार रखा है। RBI गवर्नर शक्तिकांत दास की इस घोषणा के बाद बाजार में तेजी है।

तेलुगु देशम पार्टी से जुड़े शेयर 34% से ज्यादा चढ़े

तेलुगु देशम पार्टी से जुड़ी दो कंपनियों के शेयर हेरिटेज फूड्स और अमारा राजा पिछले तीन दिनों में 34% से ज्यादा बढ़ चुके हैं। आज हेरिटेज फूड्स का शेयर 4.47% की तेजी के साथ 628 रुपए पर पहुंच गया। वहीं अमारा राजा एनर्जी के शेयर में भी 4.98% की तेजी है।

अमारा राजा के MD जय देव गल्ला पार्टी के पूर्व सांसद हैं, जबकि हेरिटेज फूड्स के प्रमोटर पार्टी प्रमुख चंद्र बाबू नायडू के बेटे नारा लोकेश हैं। हेरिटेज ग्रुप की स्थापना 1992 में चंद्रबाबू नायडू ने की थी। ये कंपनी डेयरी, रिटेल और एग्री सेगमेंट में काम करती है।

तेलुगु देशम पार्टी ने विधानसभा चुनावों में जीत हासिल की है। वहीं ये पार्टी NDA का हिस्सा है। केंद्र की नई सरकार के गठन में इस पार्टी की महत्वपूर्ण भूमिका है। लोकसभा चुनाव में तेलुगु देशम पार्टी ने 16 सीटें हासिल की है।

सोने-चांदी के दामों में फिर लगी आग

भारतीय सर्राफा बाजार में आज, 07 जून, 2024 की प्रातः चांदी के दामों में उछाल देखने को मिला है तथा सोने का भाव भी बढ़ा है। सोना अब 73 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार है तो वहीं, चांदी की कीमत 92 हजार रुपये प्रति किलो से ज्यादा है। राष्ट्रीय स्तर पर 999 शुद्धता वाले 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का भाव 73033 रुपये है। जबकि 999 शुद्धता वाली चांदी का भाव 92375 रुपये है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार, बृहस्पतिवार की शाम को 24 कैरेट का शुद्ध सोना 72757 रुपये प्रति 10 ग्राम था, जो आज (शुक्रवार) प्रातः महंगा होकर 73033 रुपये पहुंच गया है। इसी प्रकार शुद्धता के आधार पर सोना और चांदी महंगी हुई है। ऑफिशियल वेबसाइट ibjarates ।com के अनुसार, आज 995 शुद्धता वाले सोने का भाव 72741 रुपये प्रति 10 ग्राम है।

एमपीसी ने लगातार आठवीं बार रेपो रेट में नहीं किया बदलाव

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास का एलान

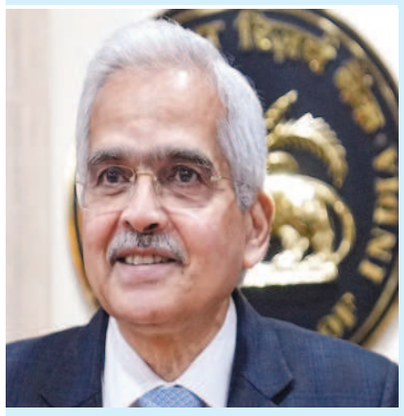

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने तीन दिनों तक चली बैठक के बाद रेपो रेट को वर्तमान दर पर बरकरार रखने का फैसला किया है। दर निर्धारण समिति ने लगातार आठवीं बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया। इससे पहले केंद्रीय बैंक ने पिछली बार फरवरी 2023 में रेपो दर बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत की थी। रेपो रेट से बैंकों की ईएमआई जुड़ी होती है। ऐसे में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं होने से यह तय हो गया है कि आपके बैंक लोन की ईएमआई में फिलहाल कोई बदलाव नहीं होने वाला है। इससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ब्याज दर निर्धारण समिति ने अगली मौद्रिक नीति तय करने के लिए बुधवार को तीन दिवसीय बैठक शुरू की। यह बैठक 5 जून से शुरू होकर 7 जून 2024 यानी आज तक चली। एमपीसी की बैठक में छह सदस्यों में से चार ब्याज दरों को स्थिर रखने के पक्ष में रहे।

आरबीआई गवर्नर ने एमपीसी के फैसले का एलान करते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष 25 में रियल जीडीपी ग्रोथ 7.2% रहने का अनुमान है। जो पिछले अनुमान 7% से अधिक है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में स्थिर खर्च के साथ निजी खपत में सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि निवेश गतिविधियों में तेजी जारी है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि महंगाई में कमी लाने में एमपीसी की भूमिका अहम है। दास ने कहा कि वर्तमान में गर्मी के कारण सब्जियों की कीमतें बढ़ रही हैं। शक्तिकांत दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति को स्थायी आधार पर 4% के लक्ष्य पर वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने ईंधन की कीमतों में गिरावट के रुख के लिए एलपीजी कीमतों में कटौती को जिम्मेदार ठहराया। इसके अलावा, उन्होंने खाद्य कीमतों में वृद्धि की वैश्विक प्रवृत्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे व्यापक बाजार में बदलाव दिख सकता है। उन्होंने कहा कि खाद्य कीमतों में अनिश्चितता पर नजर बनाए रखने की जरूरत है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि जरूरत के मुताबिक लिक्विडिटी पर फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोर महंगाई दर पर निगरानी रखने की जरूरत है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में रुपये में कम उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा।

फास्टैग और एनसीएमसी में खुद से जमा हो सकेंगे पैसे

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। देश में डिजिटल पेमेंट का चलन लगातार बढ़ रहा है। इस बीच भारतीय रिजर्व बैंक ऑटो पेमेंट का दायरा बढ़ाना चाहता है। केंद्रीय बैंक ने इसमें फास्टैग, नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड आदि को भी लाने का प्रस्ताव किया है। इसके तहत ये सुविधाएं प्राप्त करने के लिए राशि कम होने पर स्वयं उसके खाते से इन सेवाओं लिए भुगतान (रिचार्ज) कर दिया जाएगा। शेष राशि की सीमा ग्राहकों द्वारा स्वयं तय की जाएगी। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने मौद्रिक नीति समिति (MPC) के निर्णय की जानकारी देते हुए शुक्रवार को यह बात कही। साथ ही आरबीआई ने यूपीआई लाइट को 'ई-मैंडेट' ढांचे के दायरे में लाने का प्रस्ताव रखा है।

दास ने कहा, ''ई-मैंडेट' यानी भुगतान के लिए इलेक्ट्रॉनिक रूप से मंजूरी के तहत अभी दैनिक, साप्ताहिक, मासिक आदि जैसे निश्चित अवधि वाली सुविधाओं के लिए निश्चित समय पर ग्राहक के खाते से भुगतान स्वयं हो जाता है। अब इसमें ऐसी सुविधाओं व मंचों को जोड़ा जा रहा है जिनके लिए भुगतान का कोई समय तय नहीं है जबकि भुगतान जमा राशि कम होने पर किया जाता है।' ई-मैंडेट ग्राहकों के लिए आरबीआई द्वारा शुरू की गई एक डिजिटल भुगतान सेवा है। इसकी शुरुआत 10 जनवरी, 2020 को की गई थी। आरबीआई की ओर से जारी बयान के अनुसार, मौजूदा ई-मैंडेट ढांचे के तहत ग्राहक के खाते से पैसे निकालने से कम से कम 24 घंटे पहले इसकी सूचना देने की आवश्यकता होती है।

ई-मैंडेट ढांचे के तहत फास्टैग, एनसीएमसी आदि में स्वचालित भुगतान के लिए ग्राहक के खाते से किए गए भुगतान के लिए इस आवश्यकता से छूट देने का प्रस्ताव है। साथ ही आरबीआई ने यूपीआई लाइट को 'ई-मैंडेट' ढांचे के दायरे में लाने का प्रस्ताव रखा है। बयान में कहा गया कि यूपीआई लाइट सुविधा वर्तमान में ग्राहक को अपने यूपीआई लाइट वॉलेट में 2,000 रुपये तक रखने और वॉलेट से 500 रुपये तक का भुगतान करने की अनुमति देती है। दास ने कहा, 'ग्राहकों को यूपीआई लाइट का निर्बाध उपयोग करने में सक्षम बनाने के लिए, और विभिन्न हितधारकों से प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर ग्राहक द्वारा यूपीआई लाइट वॉलेट में पैसे डालने के लिए 'ऑटो-रिप्लेनिशमेंट' सुविधा शुरू करके यूपीआई लाइट को 'ई-मैंडेट' ढांचे के दायरे में लाने का प्रस्ताव है, यदि शेष राशि उसके द्वारा निर्धारित सीमा से कम हो जाती है। आरबीआई के अनुसार, चूंकि धनराशि ग्राहक के पास ही रहती है (धनराशि उसके खाते से वॉलेट में चली जाती है) इसलिए अतिरिक्त प्रमाणीकरण या खाते से पैसे निकालने से पहले जानकारी देने की आवश्यकता को समाप्त करने का प्रस्ताव है। उपरोक्त प्रस्ताव के संबंध में संबंधित दिशा-निर्देश शीघ्र ही जारी किए जाएंगे।

गर्मी क्या बढ़ी, साबुन की बट्टी की तरह एसी खरीद रहे हैं लोग

नई दिल्ली, 7 जून (एजेंसियां)। उत्तर भारत में इस बार कुछ दिनों के लिए पारा 50 डिग्री सेल्सियस के करीब क्या पहुंचा, एयर कंडीशनर या एसी बनाने वालों की मौज हो गई। हर शहर में एसी की इस तरह से बिक्री होने लगी जैसे साबुन की बट्टी बिक रही हो। कई शहरों से तो खबर आई कि डीलर और डिस्ट्रीब्यूटर्स के पास स्टॉक ही नहीं है। अब तो इस इंडस्ट्री की तरफ से आंकड़ों के रुझान भी आ गए हैं। इसमें कहा गया है कि इस साल एसी की रिकार्ड बिक्री हो रही है। साल के अंत तक यह आंकड़ा 14 मिलियन यानी कि एक करोड़ 40 लाख यूनिट एसी बिक जाएंगे।

देश में कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड अप्लायंसेज बनाने वालों का एक संगठन है कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड अप्लायंसेज मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन, इसी संगठन के अध्यक्ष सुनील वाचानी ने बताया कि इस साल प्रचंड गर्मी के कारण देश भर में रूम एयर कंडीशनर की मांग बढ़ गई है। इससे एसी के लगभग 14 मिलियन यूनिट की रिकॉर्ड वार्षिक बिक्री की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि बीते मई में एयर कंडीशनर की बिक्री के लिए ₹रिकॉर्ड तोड़ने वाले आंकड़े₹ मिले थे। स्थिति यह है कि इस साल सिर्फ गर्मी में ही पूरी इंडस्ट्री के वॉल्यूम में 30 से 40 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है। इस साल अप्रैल से मई के बीच एसी की बिक्री 103 फीसदी तो रेफ्रिजरेटर की बिक्री 30 फीसदी बढ़ी है। वाचानी का कहना है कि भारतीय एसी बाजार भी एनर्जी एफिशिएंट मॉडलों से पटा पड़ा है। इस वजह से एक ऐसा बाजार विकसित हो रहा है जो सभी आय वर्ग के लिए उपयुक्त हैं। यही नहीं एसी बनाने वाली कंपनियां यहीं मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट लगा रही हैं। अब एसी के कंपोनेंट भी यहीं बनने लगे हैं। इससे एसी के दाम भी घटाने में मदद मिला है। साथ ही बढ़ते तापमान और गर्मी की लहरों ने अब शहरी क्षेत्रों में घरों के लिए एसी को अनिवार्य आवश्यकता बना दिया है।

भारत में कुछ ही साल पहले के आंकड़े देखें तो घरों में लगने वाले मतलब कि रेसिडेंसियल एसी कम बिकते थे। ज्यादातर दफ्तरों में लगने वाले कामर्शियल एसी और उद्योग जगत में लगने वाले इंडस्ट्रियल एसी बिकते थे। लेकिन अब रेसिडेंसियल एसी की तेज बिक्री हो रही है। इसी साल का आंकड़ा देखिए तो साल भर में कुल 14 मिलियन एसी की बिक्री की उम्मीद है। इनमें से 10 से 11 मिलियन रेसिडेंसियल एसी होंगे। भारतीय एसी बाजार में काफी कंपनियां प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। इनमें वोल्टास, एलजी, हिताची जॉनसन, लॉयड, पैनासोनिक, डाइकिन और गोदरेज जैसे ब्रांड पर लोग ज्यादा भरोस कर रहे हैं। वाचानी का कहना है कि इस साल गर्मी ने सारा रिकार्ड तोड़ दिया। इससे बाजार में कूलिंग सॉल्यूशन देने वाले प्रोडक्ट्स की मांग बढ़ी है। मतलब कि सिर्फ एसी ही नहीं, कूलर और पंखों की बिक्री भी बढ़ी है। उनका कहना है कि अब तो ग्राहक एनर्जी एफिशिएंट एसी की ही मांग करते हैं। एक डीलर का कहना है कि जिस तरह से बिजली महंगी हो गई है, लोग चाहते हैं कि कम बिजली खाने वाला एसी खरीदा जाए। भले ही अभी कुछ पैसे ज्यादा खर्च करने हों।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष	में	वृष--	04-11 बजे
चंद्र-	मिथुन	में	मिथुन..	06-12 बजे
मंगल	मेष	में	कर्क...	08-25 बजे
बुध-	वृष	पें	सिंह...	10-36 बजे
गुरु-	वृष	में	कन्या..	12-43 बजे
शुक्र-	वृष	पें	तुला....	14-49 बजे
शनि-	कुंभ	में	वृश्चिक..	16-58 बजे
राहु-	मीन	में	धनु.....	19-12 बजे
केतु-	कन्या	में	मकर...	21-18 बजे
			कुंभ....	23-09 बजे
			मीन....	00-47 बजे
			मेष....	02-23 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत -2550, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-44 सूर्यास्त. -18-45
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -197294912 5
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल .. पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया 15-55 तक उपरान्त तृतीया
मास - ज्येष्ठ शुक्ल , शनिवार 08 June
नक्षत्र - आद्रा 19-42 तक उपरान्त पुनर्वसु
योग - गण्ड 18- 26 तक उप वृद्धि
करण- कौलव 15-55 तक उप बैतिल
विशेष:- रम्भा तृतीया
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 08:59 से 10:37 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05:44 - 07:21 अशुभ	लाभ	18:45 - 20:10 शुभ
शुभ .	07:21 - 08:59 शुभ	उत्पात	20:10 - 21:32 अशुभ
रोग.	08:59 - 10:37 अशुभ	शुभ	21:32 - 22:54 शुभ
उत्पात	10:37 - 12:15 अशुभ	अमृत	22:54 - 24:15 शुभ
चंचल	12:15 - 13:54 शुभ	चंचल	24:15 - 01:37 शुभ
लाभ	13:54 - 15:32 शुभ	रोग	01:37 - 02:59 अशुभ
अमृत	15:32 - 17:10 शुभ	काल	02:59 - 04:21 अशुभ
काल	17:10 - 18:45 अशुभ	लाभ	04:21 - 05:44 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज आप अपने आप पर संदेह कर सकते है और अपनी खुद की क्षमता को नजरअंदाज कर सकते हैं। यह सब आपके असुरक्षित व्यवहार की वजह से है जिसे आपको नियंत्रित करना होगा । एक गहरे स्तर पर दूसरों के साथ संदेशो का आदान प्रदान करने का प्रयास करें। इससे न केवल आप उन लोगों के साथ बेहतर सम्बन्ध बना सकोगे बल्कि आप कार्य प्रणाली को भी बेहतर तरीके से समझ पाओगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज आप बहुत आत्मविश्वास महसूस नहीं कर रहे हैं, लेकिन यह महत्वपूर्ण है की आप अपनी अनिश्चितता को छुपाके रखे । भ्रम की अपनी भावनाओं को छुपाके रखे अन्यथा लोग आपकी क्षमता पर शक करेंगे और आप एक महत्वपूर्ण समझौते से हाथ धो सकते है । आपको एक सकारात्मक दृष्टिकोण को बनाए रखने की जरूरत है , ताकि आपका भाग्य ठीक और गतिमान रहे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आप आगे बढ़ रहे हैं , वहीं लोग आपको नीचे खींचने की और कोशिश कर सकते हैं। मौखिक विवाद में न फंसे । आप प्रयास करे की आपका कार्य बोले । आप एक ऐसी स्थिति में पहुंच जायेंगे जहा से आपको नीचे धकेलना मुश्किल होगा । अच्छा काम करते रहे । अपने सहयोगियों और अधीनस्थों के साथ सौहार्द बनाए एवं मधुर वाक्यों का प्रयोग करे।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

हालाँकि की आज आप अपने सभी कार्यों को जल्द पूरा करने में बहुत ज्यादा सक्षम हैं लेकिन आप अपने में बेचैनी , असावधानी और सुस्ती महसूस करेंगे और नतीजतन अधिक समय होने के बावजूद आपका बकाया कार्य और जिम्मेदारियां बढ़ती हुई चली जाएंगी । एक दिन की छुट्टी लेना इस का उपाय है ताकि अगले दिन आप तरोताजा महसूस करे । यह बेचैनी वास्तव में तनाव के कारण है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

जब लोहा गर्म हो तो उस पर निशाना लगाये ! यह विशेष रूप से प्रेरक वक्ताओं की भूमिका या इसी तरह की भूमिका वालो के लिए एक महान दिन है। आज आप जनता के साथ बेहतर संवाद करने में सक्षम होंगे और आपको उस के लिए उच्च भुगतान भी किया जा सकता है। तो आप आगे बढे और इस तरह प्रदर्शन करे की लोग आप की बाते सुनने के लिए लालायित रहे ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आपको विदेशी भूमि में स्थापित प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ कार्य करने के लिए प्रस्ताव मिल सकता है , और आपके विदेश में बसने का आपका सपना सच हो सकता है, हालाँकि दस्तावेज से जुड़े कुछ मुद्दों का सामना करना पड़ सकता है लेकिन इन मुद्दों का समय रहते हल हो जाएगा, और जब आपको सब कुछ मिल जाएगा जिसे आप चाहते थे तो धन की वर्षा भी आप पर होने लगेगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज के दिन विधार्थियो , युवा बेरोजगारो और स्वनियोजित व्यवसायियों के लिए काफी करियर अवसर आयेंगे । आप एक ऐसी परियोजना के भागीदार बन सकते है जिससे आपके करियर की दिशा परिवर्तित हो सकती है और काफी समय से आपको इसकी तलाश भी थी । आपको इस अवसर का उपयोग काफी समझ के साथ करना है

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आज का दिन अपने व्यावसायिक और वित्तीय गतिविधियों में बदलाव लाने का दिन है , इसलिए अगर कुछ इस तरह की आपकी योजना है तो अपने आप को तनावमुक्त रखे । आप अपना दृष्टिकोण प्रभावी ढंग से शीर्ष प्रबंधकों के समक्ष रख पाने में समर्थ होंगे । यह अपने नियोक्ता से अपनी आय को बढ़ाने का उपयुक्त मौका है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज आप एक लापरवाह और असाधारण अवस्था में रहेंगे । आज के दिन आप किसी पार्टी के आयोजन में आनंद लेंगे और आस पास के व्यक्तियों को प्रभावित भी करेंगे । आज आप ये नहीं सोचेंगे की धन कहा से आ जा रहा है जिसकी वजह से आपके वित्त पर एक नकारात्मक असर पड़ने की संभावना है। हालांकि, आपकी लापरवाही के बावजूद , आपका वित्तीय स्वास्थ्य सही रहेगा ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज का दिन निवेश के लिए उपयुक्त है बशर्ते के आपने उस के लिए पहले से ही कुछ नीतिया बनाई हुई हो । किसी के आग्रह पर निवेश करना से आपको सही फल नहीं मिलेगा किन्तु अगर आप गहराई से अनुसंधान करे तो आप सही निष्कर्ष पर पहुंच सकते है । आपके निवेश आपको लम्बी दुरी के लक्ष्यों को पूरा करने में मददगार साबित होंगे इसलिए ध्यानपूर्वक स्थिति को समझकर निवेश करे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आपको काफी समय से अपने सहकर्मियों की मदद मिल रही थी परन्तु अब समय ये मदद लौटने का है । अब आप अपने किसी सहकर्मी की मदद कर सकते है जिससे आपकी स्थिति आपके कार्यालय में और दृढ़ता से मजबूत होगी और आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी । हो सकता है आज आपको देर तक कार्य करना पड़े पर ये आपके लिए सहायक ही सिद्ध होगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज आप मे अपनी जिम्मेदारियों से बचने के लिए एक स्वाभाविक प्रवृत्ति रहेगी , लेकिन ये स्थिति आपके वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपकी मुसीबत को बढ़ा सकती हैं। तथ्य यह है कि किसी भी वास्तविक इच्छा से प्रेरित न होकर आपके आलसी होने की आदत से आप अधिक कार्य से परहेज कर रहे है। ये समय अधिक जिम्मेदारी लेने व अपने काम में और अधिक रूचि दिखाने का है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

छत्तीसगढ़ में कैसे एक सीट पर सिमटी कांग्रेस

जिनके भरोसे टिकट बंटे, वो भूपेश भी नहीं जीत सके

भूपेश बघेल, राजनांदगांव | कवासी लखमा, बस्तर | ताम्रध्वज साहू, महासमुंद | शिव डहरिया, जांजगीर-चांपा

रायपुर, 7 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में लोकसभा की 11 में से सिर्फ 1 सीट कांग्रेस को मिली है। छह माह में प्रदेश में कांग्रेस की दूसरी बड़ी हार है। जिन भूपेश बघेल के भरोसे पर टिकट बांटे गए, वह खुद अपनी सीट नहीं बचा सके। चर्चा है कि इन दोनों बड़ी हार की वजह टिकट बंटवारा, हारे हुए चेहरों पर दांव और अंतर्कलह को शांत नहीं कर पाना मुख्य कारण हैं।

कांग्रेस ने इस बार बड़े चेहरों को तो चुनावी मैदान में उतारा, लेकिन उनमें से ज्यादातर हारे नेता थे या बाहरी। खुद भूपेश बघेल ने अपने क्षेत्र दुर्ग से बाहर जाकर राजनांदगांव से चुनाव लड़ा। ताम्रध्वज साहू को महासमुंद और देवेंद्र यादव को बिलासपुर से टिकट दिया गया। प्रदेश में सरकार में रहते हुए भी कांग्रेस पार्टी महादेव सट्टा ऐप, कोयला घोटाला, शराब घोटाला जैसे आरोपों से जूझती रही। बीजेपी की सरकार बनाने के बाद से गोबर खरीदी घोटाला, गौठान घोटाला जैसे कई आरोप कांग्रेस पर लगे, जो लगातार इस चुनाव में चर्चा में रहे।

विधानसभा चुनाव पहले से लेकर लोकसभा चुनाव तक कांग्रेस पार्टी के कई बड़े नेताओं ने पार्टी का साथ छोड़ दिया। सैकड़ों की संख्या में नेता बीजेपी में शामिल हुए। बीजेपी में जाने के बाद पूर्व कांग्रेसी नेताओं ने पार्टी और नेताओं पर कई गंभीर आरोप भी लगाए। ये भी पूरे चुनाव में चर्चा का विषय रहा।

गुटबाजी-अंतर्कलह

कांग्रेस की विधानसभा और लोकसभा दोनों ही चुनावों में हार की बड़ी वजह गुटबाजी और अंतर्कलह रही। भूपेश बघेल को राजनांदगांव का प्रत्याशी बनाए जाने पर कांग्रेस का एक धड़ा नाखुश रहा। उनके खिलाफ कई पत्र चर्चा में रहे, जो कांग्रेस नेताओं ने लिखे और आरोप भी लगाए। स्थानीय का मुद्दा भी हावी रहा। राजनांदगांव के सीनियर कांग्रेस नेता सुरेंद्र दाऊ ने भूपेश बघेल के सामने ही मंच से खुलकर अपनी भड़ास निकली थी, उन्होंने कहा था कि 5 साल तक एसी कमरों से सरकार चलती रही, कार्यकर्ताओं की पूछ परख भी नहीं हुई। दाऊ के इस वीडियो ने राष्ट्रीय स्तर तक बड़ी कंट्रोवर्सी क्रिएट की थी।

बिलासपुर से देवेंद्र यादव को टिकट देने को लेकर नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष जगदीश कौशिक ने लगभग 2 दिनों तक बिलासपुर में कांग्रेस भवन के सामने आमरण अनशन किया था। बाहरी को टिकट देने को लेकर कौशिक ने कहा था कि मेरी तपस्या में क्या कमी रह गई थी? हालांकि बाद में देवेंद्र उनसे मिलने पहुंचे थे और अनशन खत्म करवाया था।

स्टैन स्वामी जैसा व्यवहार हेमंत सोरेन के साथ हो रहा

पति के अकाउंट से कल्पना सोरेन ने किया पोस्ट

रांची, 7 जून (एजेंसियां)। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नेता ने दावा किया कि जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ वैसा ही व्यवहार किया जा रहा है, जैसा जेसुइट पादरी स्टैन स्वामी के साथ किया गया था। दरअसल, स्टैन स्वामी की पुलिस हिरासत में ही मौत हो गई थी। झामुमो नेता के अनुसार, पादरी स्टैन स्वामी ने आदिवासियों के अधिकार के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के फेसबुक से एक पोस्ट किया गया, जिसमें कहा गया कि यह लोकसभा चुनाव झारखंड के लिए स्वामी की हिरासत में मौत का बदला लेने की शुरुआत है। बता दें कि हेमंत सोरेन का फेसबुक अकाउंट फिलहाल उनकी पत्नी कल्पना सोरेन संचालित कर रही हैं।

हेमंत सोरेन की पत्नी ने किया पोस्ट

हेमंत सोरेन को भूमि घोटाला मामले के तहत मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा गया, जिस तरह से कमजोर वर्ग के लिए आवाज उठाने वाले फादर स्टैन की आवाज को अन्याय की संस्था ने खामोश कर दिया; आज ठीक उसी तरह का व्यवहार हेमंत सोरेन के साथ किया जा रहा है।

आज सभी झारखंड वासियों को हेमंत सोरेन के समर्थन में डटकर खड़े रहने की जरूरत है, वरना झारखंड को मणिपुर में बदलने में देर नहीं लगेगा।

मणिपुर में दो समुदाय मैतेई और कुकी के बीच पिछले एक साल से हिंसा जारी है, जिसमें अबतक 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। पोस्ट में आगे कहा गया, लोकसभा चुनाव 2024 फादर स्टैन की पुलिस हिरासत में हुई मौत का बदला लेने की शुरुआत है। पिछले तीन लोकसभा चुनाव में झारखंड में दबदबा बनाकर रखने वाली भाजपा को इस बार खूंटी, सिंहभूम, लोहरदगा, राजमहल और दुमका क्षेत्र में बड़ा झटका लगा। इनमें से तीन सीटों पर झामुमो ने और एक सीट पर कांग्रेस ने जीत हासिल की। जेल में बंद पूर्व सीएम की पत्नी कल्पना सोरेन ने गांडेय उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार दिलीप कुमार शर्मा के खिलाफ 27,149 वोटों के अंतर से जीत हासिल की।

भाजपा पर लगाए गए आरोप

पोस्ट में आगे कहा गया, बुढ़ापे और पर्किंसन की बीमारी से पीड़ित फादर स्टैन को जमानत नहीं दी गई थी। सरकार द्वारा लगाए गए झूठे आतंकवाद के आरोपों के कारण उनका ठीक से इलाज भी नहीं कराया गया। पानी पीने के लिए उन्हें 25 पैसे वाला स्ट्रॉ भी नहीं दिया गया था। बिगड़ती स्वास्थ्य स्थितियों के कारण फादर स्टैन की 2021 में मौत हो गई। उनकी मौत आतंकवाद के बहाने विपक्ष और आदिवासियों को दबाने की भाजपा की नीति का एक उदाहरण है।

बता दें कि स्वामी को 2020 में गिरफ्तार किया गया था। भीमा कोरेगांव मामले के सिलसिले में उन्हें मुंबई ले जाया गया, जहां उनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था।

भाजपा नेता को सड़क पर पटककर मारा, गालियां दीं

बोला-चड्डा पहनकर घूमते हो, मॉर्निंग वॉक पर निकले थे अर्जुन भोजवानी

बिलासपुर, 7 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में गुरुवार तड़के भाजपा नेता पर एक युवक ने हमला कर दिया। आरोपी ने उनसे चड्डा पहनकर घूमने की बात कही और गाली-गलौज करते हुए सड़क पर पटक दिया। फिर पत्थर से सिर पर वार किए। इसके चलते भाजपा नेता घायल हो गए। वह मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। मामला सिटी कोतवाली क्षेत्र का है। मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, गोंडपारा, सुभाष नगर निवासी अर्जुन भोजवानी व्यापारी हैं। वह भाजपा के मंडल अध्यक्ष भी रह चुके हैं। रोज की तरह अर्जुन गुरुवार तड़के करीब 4.15 बजे रिवर व्यू के पास टहल रहे थे। इसी दौरान स्थानीय युवक विकास दुबे उर्फ मुंडू भी पहुंच गया।

आरोप है कि विकास दुबे ने बॉक्सर पहनकर वॉक कर रहे भोजवानी से कहा कि चड्डा पहनकर घूम रहे हो। इसके बाद गालियां देने लगा। उसकी हरकतों को देखकर भोजवानी ने मना किया तो आरोपी उनके पास आ गया और झगड़ा करना शुरू कर दिया। बात इतनी ज्यादा बढ़ गई कि मारपीट होने लगी। आरोपी विकास ने भोजवानी को सड़क पर पटक दिया और फिर पत्थर उठाकर उनके सिर पर कई वार किए। इस हमले में भोजवानी के सिर और हाथ में चोटें आई हैं। झगड़ा देख आसपास के लोग पहुंचे और समझाकर मामला शांत कराया। फिलहाल भोजवानी ने मामले की शिकायत थाने में की है। शहर में पिछले कुछ समय से मारपीट, गुंडागर्दी और चाकूबाजी जैसी घटनाएं आम हो गई है। बदमाशों पर पुलिस का कोई डर नहीं रह गया है। रिवर व्यू में भी सुबह से लेकर शाम तक असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। पुलिस उनके खिलाफ कार्रवाई भी नहीं करती, जिसके चलते उनका हौसला बढ़ गया है।

अगले 5 दिनों तक तापमान में नहीं होगा बदलाव

रायपुर समेत कई जगहों पर बारिश के आसार

रायपुर, 7 जून (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर समेत प्रदेशभर में इन दिनों मौसम का मिजाज बदला हुआ है। बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी की वजह से आज भी एक दो जगहों पर बारिश के आसार हैं। इन दिनों सुबह और रात के समय हल्की नम हवाएं चल रही है, लेकिन दोपहर का गर्मी बरकरार है। अधिकतम तापमान 42 डिग्री से ऊपर ही है। आने वाले पांच दिनों तक तापमान में कोई बदलाव की संभावना नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में एक दो जगह पर पांच दिनों तक गरज चमक के साथ वज्रपात और अंधड़ चलने की गतिविधियां जारी रहेगी। इन पांच दिनों में अधिकतम तापमान में कोई विशेष बदलाव की भी संभावना नहीं है।

भगवान के सिवा मेरी किसी ने मदद नहीं की

नेता प्रतिपक्ष महंत बोले-हम पांचवी बार लोकसभा में चुने गए, दिल्ली में होगी हार की समीक्षा

रायपुर, 7 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महंत ने कोरबा लोकसभा में जीत के बाद कहा कि, आज तक मुझे भगवान के सिवा किसी ने मदद नहीं की है। लेकिन मुझे यह कहने में गर्व महसूस हो रहा है कि हम पांचवी बार लोकसभा में चुने गए हैं। 3 बार जनता ने मुझे चुना और 2 बार मेरी धर्म पत्नी को।

दरअसल, शुक्रवार को चरणदास महंत ने रायपुर में मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि, मैं ऐसा मानता हूं कि जब भी पूरे दिल और दिमाग से पूरी ईमानदारी से अपने लिए संघर्ष किया जाए। खुद को विजयी मानकर चुनाव लड़े, तभी आप चुनाव जीतते हैं। अगर आपके के मन में कोई कसक है या फिर किसी गलत चीज का एहसास है, तब ही चुनाव लड़ने में कठिनाई होती है।

महंत ने कहा कि, मैंने हमेशा अपने साथियों के साथ भाषण में कहा है जो ईश्वर को साक्षी मानकर, गरीबों के प्रति समर्पित रहते हैं। उनको भगवान, ईश्वर, खुदा या ईसा मसीह जो भी कह लीजिए वो जरूर मदद करते हैं।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की करारी हार को लेकर महंत ने कहा कि, हार के कारणों का अभी हम विश्लेषण करेंगे। कल हमारी सीडब्ल्यूसी की बैठक होगी, वहां से जो निर्देश मिलेंगे, उसके अनुसार काम करेंगे। इस बार चुनाव लड़ने को लेकर हमें यही निर्देश दिए गए थे कि पूरा चुनाव एआईसीसी के पैटर्न पर लड़ा जाएगा। हर बूथ पर पांच-पांच लोग तैनात थे। 10 सीट और भूपेश बघेल के हार की जिम्मेदारी को लेकर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि, इसके जिम्मेदार हम ही लोग है। हम जल्दी इसकी समीक्षा करेंगे कि हमारा कितना दोष है। किसका कितना दोष है। इस विषय पर समीक्षा होनी चाहिए कि हम क्यों हार गए ? इसके लिए हर व्यक्ति समीक्षा करेगा। दिल्ली स्तर पर भी समीक्षा होगी।

कांग्रेस के ज्यादातर प्रत्याशियों के बाहरी होने को लेकर महंत ने कहा कि, मेरे कोरबा में बाहरी का ही मुद्दा हावी था, क्योंकि वह स्थानीय नहीं थी, बाहर से आई थी। हम पर जरूर यह दोष लगाया जा रहा है कि हमारे प्रत्याशी बाहर के थे।

कांग्रेस ने यह तय किया था कि इस बार चुनाव में परिस्थितियों को देखते हुए अपने बड़े चेहरे यानी पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व गृह मंत्री को चुनाव लड़ाया। इसमें बाहरी भीतरी जैसा कोई फैक्टर नहीं था। हमने केवल अपने बड़े चेहरे को चुनाव लड़वाया था। केंद्रीय मंत्रिमंडल में छत्तीसगढ़ के नेताओं को स्थान मिलने को लेकर महंत ने कहा कि, मंत्रिमंडल में बिल्कुल ही छत्तीसगढ़ के किसी न किसी नेता को स्थान मिलना चाहिए। मैं यहां किसी एक या दो व्यक्ति का नाम ले लूंगा, वरना बाकी लोगों को नाराजगी हो सकती है। लेकिन यह जरूर है कि हमारे यहां पूर्ण रूप से सक्षम और मंत्री बनने लायक नेता मौजूद है।

नक्सली हमले का वीडियो आया सामने

नारायणपुर में सुरक्षाबल के कैंप पर हुआ था हमला

नारायणपुर, 7 जून (एजेंसियां)। नारायणपुर के पुलिस कैंप पर नक्सली हमले का वीडियो सामने आया है। कल शाम नारायणपुर के पुलिस कैंप पर हमला हुआ था। हमले के बाद कैंप में अफरा-तफरी मच गई। जवान मोर्चा संभालते हुए और खुद को सुरक्षित करते नजर आए। वीडियो में बम धमाका होता हुआ दिखाई दे रहा है। कैंप के दूसरी तरफ मौजूद लोगों ने यह वीडियो बनाया था। नक्सलियों के हमले का वीडियो वायरल हो रहा है। इरकभट्टी पुलिस कैंप पर नक्सलियों ने हमला किया था। जवानों की जवाबी कार्रवाई के बाद उल्टे पैर भाग गए थे।

मॉब-लिंचिंग, 2 युवकों की मौत

मवेशी ले जाने पर 10-12 लड़कों ने किया पीछा फिर जमकर पीटा, महानदी में मिली लाश

रायपुर, 7 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में दो युवकों की मॉब लिंचिंग में मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात को आरंग थाना इलाके में 3 लोग ट्रक में मवेशी भरकर ले जा रहे थे। इसी दौरान 10 से 12 लड़कों ने उनका पीछा किया और फिर ट्रक को महानदी पुल पर घेर लिया। इसके बाद कई लड़कों ने ट्रक में सवार 3 लोगों की जमकर पिटाई कर दी।

पुलिस को इनमें से दो युवकों की लाश महानदी में पड़ी हुई मिली। हालांकि इस मामले में बताया यह भी जा रहा है कि दोनों लड़के मारपीट होने से डर गए, फिर महानदी में कूदकर अपनी जान दे दी। फिलहाल दोनों शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट के बाद मौत की असल वजह सामने आ पाएगी।

हाईकोर्ट ने कहा-गैरमर्द से संबंध पति से क्रूरता

डाइवोर्स केस में तल्ख टिप्पणी, बेंच बोली-शादी में मानवीय भावनाएं, ये सूख जाएं तो वापसी की संभावना नहीं

बिलासपुर, 7 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने तलाक के एक केस की सुनवाई के दौरान कड़ी टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि पत्नी का किसी गैर मर्द से रिश्ता होना पति के लिए मानसिक क्रूरता से कम नहीं है। विवाह में मानवीय भावनाएं शामिल होती हैं। यह सूख जाएं तो उसके जीवन में वापस आने की संभावना नहीं होती। जस्टिस गौतम भादुड़ी और जस्टिस राधाकृष्ण अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने पति की तलाक की अपील को मंजूर कर लिया है।

दरअसल, रायगढ़ जिले के रहने वाले याचिकाकर्ता की शादी एक मई 2003 को हिंदू रीति रिवाज से हुई थी। इसके बाद उनके तीन बच्चे भी हो गए। इसी बीच पति एक दिन काम से बाहर गया था। जब घर लौटा, तो उसने अपनी पत्नी को किसी गैर मर्द के साथ आपत्तिजनक हालत में देख लिया। पति ने शोर मचाकर परिवार के बाकी लोगों को भी बुला लिया। इसके बाद पकड़े गए व्यक्ति को पुलिस के हवाले कर दिया गया। लेकिन, पुलिस ने मामले में कार्रवाई करने की बजाय उल्टा उसे ही भविष्य में शांति से रहने की समझाइश देकर समझौता करा दिया। पत्नी की हरकतों से परेशान होकर याचिकाकर्ता ने फैमिली कोर्ट में तलाक के लिए परिवाद पेश किया। इसमें बताया गया कि 2017 में उसकी पत्नी बच्चों को लेकर अपने पुरुष मित्र के साथ रहने चली गई। पति उसे लेने भी गया था, लेकिन उसने आने से इनकार कर दिया। परिवाद की सुनवाई के दौरान पत्नी ने तलाक पर आपत्ति जताई।

लिहाजा, फैमिली कोर्ट ने पति के आवेदन को खारिज कर दिया। इसके बाद उसने हाईकोर्ट में अपील पेश की। इसमें याचिकाकर्ता पति ने बताया कि उसकी पत्नी ने पुलिस के सामने यह माना है कि वह व्यक्ति उसका स्कूल-कॉलेज का बॉयफ्रेंड है। दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन जाति बाधक बनने से शादी नहीं हो पाई। पत्नी ने अपने प्रेमी से संबंध होने की बात भी स्वीकार की है। दोनों पति-पत्नी साल 2017 से अलग-अलग रह रहे हैं। शादी टूट चुकी है, इसे किसी भी हालात में पुनर्जीवित नहीं किया जा सकता है। मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस गौतम भादुड़ी क्यूजे जस्टिस राधाकिशन अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद कहा कि पत्नी ने चरित्रहीनती की है, जो पति के साथ क्रूरता के समान है। वैवाहिक बंधन में गंभीरता की जरूरत होती है। डिवीजन बेंच ने अपने फैसले में कहा है कि विवाह तलाक का आधार नहीं है। लेकिन, पत्नी का ये कृत्य पति के लिए मानसिक क्रूरता है। इसलिए वह तलाक की डिक्री पाने का हकदार है।

200 रुपए के लिए मर्डर

उधारी के पैसे वापस मांग रहा था, नहीं दिए तो लकड़ी के पट्टे से सिर पर किया वार

रायपुर, 7 जून (एजेंसियां)। रायपुर में उधारी के महज 2 सौ रुपए के लिए मर्डर हो गया। घटना 2 जून की है। टिकरापारा थाना क्षेत्र के संजय नगर में दो लोगों के बीच मारपीट हुई थी। इस दौरान एक युवक ने मोहल्ले के ही एक व्यक्ति पर लकड़ी के पट्टे से वार किया था। घायल को लहुलुहान हालत में डीकेएस अस्पताल लाया गया जहां इलाज के दौरान अब उसकी मौत हो गई है।

जानकारी के मुताबिक 2 जून की देर रात भजन लाल यादव पड़ोस में किराना दुकान के पास खड़ा था। तभी तुषार साहू आया और उसने भजन लाल से अपने उधारी के दो सौ रुपए लौटाने को कहा। भजन लाल ने रुपए देने से मना किया तो दोनों को बीच बहसबाजी और फिर मारपीट होने लगी। इसी दौरान तुषार ने उसके सिर पर लकड़ी के पट्टे से वार कर दिया।

चोरी का सोना रखकर बैंक से लिया 4 लाख गोल्डलोन

सरगुजा, 7 जून (एजेंसियां)। सरगुजा जिले में चोरों ने सूने मकान का ताला तोड़कर 10 तोले से अधिक सोने-चांदी के जेवर और 30 हजार रुपए कैश पार कर दिया। चोरी के जेवर को बिलासपुर के आईसीआईसीआई बैंक में गिरवी रखकर चार लाख रुपए का गोल्ड लोन ले लिया। अब पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बैंक से चोरी के जेवरात बरामद कर लिया है। वहीं, बैंक भी पुलिस जांच के दायरे में है।

जानकारी के मुताबिक, 23 अप्रैल को तकिया रोड निवासी समर प्रसाद जायसवाल बच्चों की छुट्टी होने पर अपने घर से गृहग्राम धंधापुर परिवार के साथ गए थे। 17 मई को लौटे तो उन्हें घर का ताला टूटा मिला। घर में रखा 30 हजार रुपए नगद और 10 तोला से अधिक सोने के जेवर, चांदी के जेवर गायब मिले।

जांच के लिए पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में कोतवाली, विशेष पुलिस टीम और साइबर सेल की संयुक्त टीम गठित की गई। घटना स्थल और आसपास के करीब 200 सीसीटीवी का निरीक्षण करने पर संदिग्धों की पहचान की गई। पुलिस ने घेराबंदी कर एमसीबी जिले के चिरमिरी निवासी दीपक देवास (22), रिजवान रहमान (21) और बादल कुशवाहा कान्छी (21) को हिरासत में लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि, वे कोरिया जिले के पटना निवासी रामकुमार साहू के कहने पर चोरी के लिए आए थे। पुलिस ने रामकुमार साहू उर्फ़ अनमोल (32) को हिरासत में लिया। पूछताछ में रामकुमार साहू ने बताया कि अमित जायसवाल से उसकी पहचान करीब 6 महीने पहले से थी। अमित के गांव जाने पर उसने चोरी की योजना बनाई थी। राजकुमार के साथ उन्होंने घर की रेकी की। आरोपियों ने बताया कि वे 15 मई को चोरी के लिए अंबिकापुर पहुंचे। घर का ताला तोड़कर जेवरात और नगदी की चोरी की। सभी आरोपी अलग-अलग फरार होकर रेलवे स्टेशन अंबिकापुर के पास भाग गए। आरोपी रामकुमार साहू बिलासपुर आईसीआईसीआई बैंक गया और सोने के गहनो को गिरवी रखकर 4 लाख रुपए का गोल्ड लोन के रूप में कैश लिया। चांदी के जेवरों को आरोपियों ने अज्ञात व्यक्ति को 17 हजार रुपए में बेच दिया। चोरी की रकम आरोपियों ने आपस में बांटकर खर्च कर दिया।

पुलिस ने आरोपियों के पास से चांदी के जेवर बेचकर रखे 17 हजार कैश और 30 हजार नगद जब्त किया है। पुलिस ने बैंक में गिरवी रखा एक सोने का हार, चार नग अंगूठी, एक लॉकेट, 2 नग कंगन, 4 नग दाना को बरामद किया है। पुलिस ने चोरी की रिपोर्ट 3.30 लाख रुपए की लिखी थी।

रेस्टोरेंट मालिक ने ग्राहकों को जमकर पीटा

कबीरधाम, 7 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में एक रेस्टोरेंट में खाने को लेकर विवाद हो गया। रेस्टोरेंट मालिक ने अपने कर्मचारियों के साथ मिलकर ग्राहकों की लात-घूंसों से जमकर पिटाई कर दी। इसका सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक पुराने बस स्टैंड में देवांगन भोजनालय है। यहां बुधवार दोपहर को राकेश साहू अपने दोस्त के साथ खाना खाने के लिए पहुंचा था। उसने खाना ऑर्डर किया, लेकिन होटल के कर्मचारियों ने ग्राहक के बताए ऑर्डर से अलग खाना परोस दिया। दरअसल, राकेश ने खाने में कुछ और ऑर्डर किया था, लेकिन जब खाना सर्व किया गया तो प्लेट में ऑर्डर के मुताबिक खाना नहीं था। इससे राकेश नाराज हो गया। इस बात को लेकर होटल संचालक के साथ उसकी तू-तू, मैं-मैं होने लगी। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि 10 से 15 कर्मचारियों ने मिलकर दोनों युवक की लात-घूंसों से जमकर पिटाई कर दी। वीडियो में साफ दिख रहा है कि जिस समय यह घटना हुई उस समय होटल में काफी लोग खाना खाने पहुंचे थे। कई लोग खा भी रहे थे। लेकिन मारपीट होती देख ज्यादातर लोगों ने बिना खाए या खाना अधूरा छोड़कर ही वहां से निकलने में अपनी भलाई समझी। पीड़ित युवकों ने सिटी कोतवाली में मामले की शिकायत दर्ज कराई है।

रायपुर जेल में सौम्या-सूर्यकांत को वीआईपी ट्रीटमेंट की जांच शुरू

जेल अधीक्षक ने बयान के लिए नोटिस जारी किया, रिहा बंदी बोला- जांचकर्ता ही आरोपी

रायपुर, 7 जून (एजेंसियां)। रायपुर सेंट्रल जेल में बंद कैदियों को वीआईपी ट्रीटमेंट मिलने के मामले की जांच शुरू हो गई है। सुविधाएं लेने वाले कैदियों में कोयला-शराब घोटाला, महादेव ऐप से सट्टा खिलाने वाले आरोपियों का नाम शामिल है। इन्हें शराब सिगरेट से लेकर फ्रिज, टीवी और माइक्रोवेव की सुविधा दी जा रही है। जेल से ही मोबाइल के जरिए सट्टा भी खेल रहे हैं।

करीब 2 माह पहले जेल से छूटे एक बंदी राकेश सिंह बैस ने मामले की शिकायत प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस, प्रदेश के गृहमंत्री, उपमुख्यमंत्री, जेल महानिदेशक और जेल अधीक्षक से की थी। अब जेल अधीक्षक ने पत्र लिखकर बैस को बयान देने के लिए बुलाया है। दरअसल, भ्रष्टाचार के अलग-अलग मामलों में सौम्या चौरसिया, सूर्यकांत तिवारी समेत अन्य आरोपी बंद हैं। इनके केस की सुनवाई अभी जारी है। तब इसे प्रमुखता से प्रकाशित भी किया गया था। राकेश सिंह बैस के अनुसार, जेल में बंद सौम्या चौरसिया, रानू साहू, सूर्यकांत तिवारी, लक्ष्मीकांत तिवारी, सुनील अग्रवाल, सतीश चंद्राकर, अरविंद सिंह, भीम सिंह यादव, निखिल चंद्राकर और खनिज विभाग के अधिकारी नाग को सुविधा दी जा रही है। इन लोगों के मुलाकातियों को अतिरिक्त समय देने का आरोप भी बैस ने लगाया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था, कि जेल की सेल में क्षमता से अधिक कैदी हैं। ऐसे में कैदियों को सेल में जगह लेने के लिए अलग से पैसा देना होता है। इसके लिए जमीन में लगी टाइल्स के आधार पर गोला बनाकर जगह मिलती है। दो टाइल्स की एवज में 2 से 3 हजार रुपए लिए जाते हैं। जो कैदी नहीं देते, उन्हें परेशान होना पड़ता है।

बैस खुद धोखाधड़ी के मामले में जेल गए थे। वे पूर्व कांग्रेस नेता भी हैं। उनके मुताबिक पूर्व सीएम और रायपुर के एक विधायक के इशारे पर उन पर पुलिस ने कार्रवाई की। जेल में भी उन्हें परेशान किया गया। 11 महीने बाद वे जेल से छूटे, तो मामले की लिखित शिकायत दी थी। रायपुर सेंट्रल जेल के जेलर अमित शांडिल्य ने मामले में जांच शुरू करने की पुष्टि की है। जेलर शांडिल्य ने कहा कि, शिकायतकर्ता को बयान देने के लिए नोटिस जारी किया गया। बयान लेने के बाद आगे की प्रक्रिया की जाएगी। जेल प्रबंधन पर आरोप लगाने वाले शिकायतकर्ता राकेश सिंह बैस ने अब इस जांच पर ही सवाल उठाया है। उसने कहा कि, जिसकी शिकायत की गई है, अगर वो खुद जांच करेगा? तो जांच कैसे निष्पक्ष होगी। शिकायतकर्ता ने सोशल मीडिया में अपने आरोपों को दोबारा दोहराया है।

बिलासपुर सबसे गर्म शहर रहा

गुरुवार दोपहर में लू चलने से परेशान रहे लोग, शाम को हल्की बूंदाबांदी से बढ़ी उमस

बिलासपुर, 7 जून (एजेंसियां)। बिलासपुर जिले में मौसम के उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। गुरुवार को एक बार फिर तापमान 42.4 डिग्री पहुंच गया। दोपहर में लू चलने से लोग हलाकान होते रहे, फिर शाम को कुछ जगहों पर हल्की बूंदाबांदी होने से उमस बढ़ गई। 6 जून को बिलासपुर छत्तीसगढ़ में सबसे गर्म जिला रहा। बुधवार को तापमान पांच डिग्री कम होकर 37 डिग्री सेल्सियस पर आ गया था।

दरअसल, इस बार बिलासपुर में भीषण गर्मी और उमस ने लोगों का हाल-बेहाल कर दिया है। मई के आखिरी सप्ताह तक हीटवेव से लोग बीमार पड़ रहे थे और घर से निकलना मुश्किल था। वहीं, अब जून के पहले हफ्ते में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा।

इस बीच प्रदेश के कई इलाकों में हुई बारिश की वजह से तापमान में कर्मी आई। लेकिन, एक बार फिर सूर्य का पारा चढ़ने लगा है। जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। गुरुवार की सुबह से चिलचिलाती धूप और फिर दोपहर में भीषण गर्मी से लू की लहर से लोग परेशान होते रहे। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून के आगमन में अभी कुछ दिनों की देरी है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम है। भीषण गर्मी के साथ ही उमस के चलते लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेषकर बुजुर्ग और बच्चों पर इसका बुरा प्रभाव दिख रहा है।

सोवियत सेना को हराने वाले तालिबान से क्यों दोस्ती बढ़ा रहे रूसी राष्ट्रपति पुतिन

संबंध बहाली के लिए बेचैनी की है खास वजह

पेरिस, 7 जून (एजेंसियां)। रूस और तालिबान के बीच रिश्ते पूर्व में काफी तनावपूर्ण रहे हैं। तालिबान लड़ाके 80 के दशक में करीब 10 साल तक सोवियत सेनाओं के खिलाफ लड़ाई भी लड़ चुके हैं लेकिन अब दोनों का एक दूसरे के लिए नजरिया बदलता दिख रहा है। 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद से काबुल के लिए रूस एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरा है, जिसने तालिबान शासन को गले लगाकर अपने दृष्टिकोण में गहरा बदलाव दिखाया है। यह रणनीतिक धुरी रूस की विदेश नीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ भी है, जो अफगानिस्तान के लिए उसके पारंपरिक रुख में बदलाव का प्रतीक है। अफगानिस्तान के लिए रूस के दृष्टिकोण में बदलाव 2021 में काबुल पर तालिबान के कब्जे के समय ही देखा गया था। उस वक्त कई देशों ने काबुल में दूतावासों को बंद कर दिया था लेकिन रूसी दूतावास चालू रहा। ये अफगानिस्तान में नए सत्ता धारकों के साथ जुड़ने की कोशिश को दिखाता है। तालिबान के साथ रूस का जुड़ाव रणनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा की वजह से है। तालिबान का पश्चिम विरोधी रुख भी रूस के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। ये रूस के लिए पश्चिमी प्रतिबंधों का मुकाबला करने और ग्लोबल साउथ के समर्थक के रूप में अपनी छवि को मजबूत करने के लिए नए व्यापार मार्गों तक पहुंच जैसे लाभ देता है। तालिबान के साथ रूस के अच्छे संबंधों की चाह के पीछे एक अहम वजह अफगानिस्तान से पैदा होने वाले सुरक्षा खतरों से निपटने की अनिवार्यता है। इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत (आईएसकेपी) जैसे आतंकवादी समूहों के निशाने पर रूस है। इसी साल मार्च में मॉस्को में एक कॉन्सर्ट हॉल पर बड़ा आतंकी हमला हुआ। ऐसे में तालिबान के साथ संबंध विकसित करके रूस की कोशिश अफगानिस्तान में सक्रिय आईएसकेपी और दूसरे आतंकवादी संगठनों को कमजोर करना भी है। पश्चिम से अपने आर्थिक अलगाव को देखते हुए रूस के पास व्यापार संबंध स्थापित करने के सीमित विकल्प हैं। इसलिए भी अफगानिस्तान के साथ साझेदारी क्रेमलिन के लिए महत्वपूर्ण महत्व है। सुरक्षा चिंताओं से परे अफगानिस्तान क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और आर्थिक एकीकरण के मामले में रूस के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पड़ोसी कजाकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के साथ हेरात प्रांत में एक लॉजिस्टिक हब बनाने की तालिबान की योजना, पूरे दक्षिण और मध्य एशिया में व्यापार और पारगमन मार्गों में सुधार के रूस के व्यापक उद्देश्यों के अनुरूप है। इस पहल ने प्राचीन सिल्क रोड व्यापार मार्ग को पुनर्जीवित किया और अफगानिस्तान को दक्षिण एशियाई बाजारों में रूसी तेल के परिवहन के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में स्थापित किया।

नेपाल सरकार ने 11 देशों से अपने राजदूत वापस बुलाए

इनमें भारत और अमेरिका भी शामिल

काठमांडू, 7 जून (एजेंसियां)। नेपाल सरकार ने 11 देशों से अपने राजदूत वापस बुला लिए हैं। इनमें भारत और अमेरिका में 'नेपाली कांग्रेस' कोटे के तहत तैनात राजदूत भी शामिल हैं। ये फैसला नेपाली प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' ने पार्टी से गठबंधन तोड़ने और केपी शर्मा ओली से हाथ मिलाने के तीन महीने बाद लिया है। द काठमांडू पोस्ट अखबार के मुताबिक उप प्रधानमंत्री और विदेश मामलों के मंत्री नारायण काजी श्रेष्ठ की आपत्तियों के बावजूद, नेपाल सरकार ने गुरुवार को राजदूतों को वापस बुला लिया। इनमें भारत में तैनात नेपाल के राजदूत शंकर शर्मा भी शामिल हैं। नेपाल सरकार ने यह कदम नेपाली प्रधानमंत्री प्रचंड की रविवार को भारत की संभावित यात्रा से पहले उठाया है। जो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने भारत आ सकते हैं। विदेश मंत्रालय के कई अधिकारियों ने अखबार को बताया कि सरकार का यह कदम बहुत से देशों को गैर-राजनयिक संदेश दे रहा है।

सुनीता विलियम्स ने स्पेस स्टेशन पहुंचकर किया डांस

बोइंग स्पेसक्राफ्ट से तीसरी बार अंतरिक्ष पहुंचीं कहा– आईएसएस मेरे लिए दूसरे घर जैसा

वाशिंगटन, 7 जून (एजेंसियां)। बोइंग के स्पेसक्राफ्ट से तीसरी बार अंतरिक्ष यात्रा पर गईं भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पहुंचते ही डांस करती नजर आईं। यहां उन्होंने दूसरे सभी एस्ट्रोनॉट्स को गले से लगा लिया। सुनीता के आईएसएस पहुंचने का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें उनके स्पेस स्टेशन पहुंचने पर एक घंटी बजती सुनाई देती है। दरअसल, ये आईएसएस की परंपरा है कि जब भी वहां कोई नया अंतरिक्ष यात्री पहुंचता है, तो बाकी एस्ट्रोनॉट्स घंटी बजाकर उसका स्वागत करते हैं। सुनीत विलियम्स ने आईएसएस के सदस्यों को अपना दूसरा परिवार बताया। उन्होंने कहा, "आईएसएस मेरे लिए दूसरे घर जैसा है।" साथ ही उन्होंने शानदार स्वागत के लिए सभी एस्ट्रोनॉट्स को धन्यवाद भी कहा। भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर का स्पेसक्राफ्ट लॉन्चिंग के 26 घंटे बाद गुरुवार रात 11:03 बजे स्पेस स्टेशन पहुंचा था। इसे गुरुवार रात 9:45 बजे पहुंचना था, लेकिन रिएक्शन कंट्रोल थ्रस्टर में आई परेशानी के कारण पहली कोशिश में यह डॉक नहीं कर पाया। हालांकि, दूसरे प्रयास में स्पेसक्राफ्ट को स्पेस स्टेशन से डॉक कराने में सफलता मिली। दोनों एस्ट्रोनॉट्स बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष में जाने वाले पहले एस्ट्रोनॉट बन गए हैं। बोइंग का स्टारलाइनर मिशन बुधवार 5 जून को भारतीय समयानुसार रात 8:22 बजे लॉन्च हुआ था। फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से यूएलए के एटलस वी रॉकेट से लॉन्च किया गया था। विल्मोर और विलियम्स स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट और उसके सभी सिस्टम का टेस्ट करने के लिए करीब एक हफ्ते तक स्पेस स्टेशन में रहेंगे।

वोल्खोव नदी में डूबे चार भारतीय छात्र

वीडियो कॉल में परिवार वालों ने देखा अपने बेटे के मौत का मंजर

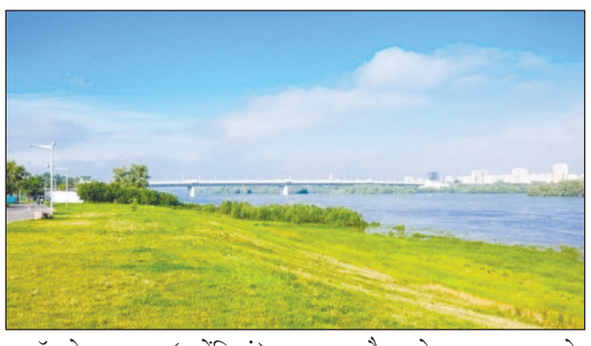

मॉस्को, 7 जून (एजेंसियां)। रूस की वोल्खोव नदी में चार भारतीय मेडिकल छात्रों के डूबने से मौत हो गई। ये सभी छात्र एरोस्लाव-द-वाइज नोवगोरोड स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करते थें। मृतकों में से एक की पहचान जिशान अशपाक पिंजरी के तौर पर की गई है, जो घटना के दौरान वीडियो कॉल पर अपने घरवालों से बात कर रहा था। मृतक के परिवार वालों ने इसकी जानकारी दी।

बाकी के तीन छात्रों की पहचान हर्षल अनंतराव देसाले, जिया फिरोज पिंजारी और मलिक गुलामगौस मोहम्मद याकूब के तौर पर की गई है। ये सभी नदी के पास घूम रहे थे और अचानक से पानी के अंदर चले गए। उनके अलावा एक अन्य छात्रा निशा भुपेश सोनावणे इस हादसे में बच गई। फिलहाल वह डॉक्टरों की निगरानी में है।

शवों को लाया जा रहा भारत

महाराष्ट्र में जलगांव के जिला कलेक्टर आयुश प्रसाद ने बताया कि शवों को भारत वापस लाने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा, एक छात्र का शव बरामद किया गया है। तीन अन्य छात्रों की तलाश जारी है। हमने विदेश मंत्रालय की मदद के लिए रूस में भारतीय दूतावास पीटर्सबर्ग में महावाणिज्य दूतावास के संपर्क में हैं। वे परिवार के लिए सहयोगी रहे हैं। जिस छात्र की जान बच गई है, उसके लिए बेस्ट मेडिकल सुविधा का इंतजाम किया गया है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि शवों को अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल के अनुसार भारत वापस भेजा जाएगा।

बता दें कि जिशान और जिया भाई-बहन हैं और वे जलगांव के अमलनेर के रहने वाले हैं। उनके परिवार वालों ने कहा, जिशान जब वोल्खोव नदी के पास पहुंचा, तब उसने परिवार को वीडियो कॉल किया। उनके पिता और परिवार के अन्य सदस्य सभी को नदी से दूर जाने के लिए कह रहे थे, तभी एक तेज लहर उठी और सभी उसमें बह गए।

एरोस्लाव-द-वाइज नोवगोरोड स्टेट यूनिवर्सिटी ने इस घटना पर दुख व्यक्त की। यूनिवर्सिटी के एक अधिकारी ने कहा, शाम के समय सभी छात्र नदी के पास टहल रहे थे।

चांद-मंगल मिशन के लिए बने स्टारशिप का टेस्ट कामयाब

टेक्सास, 7 जून (एजेंसियां)। चांद-मंगल मिशन के लिए बने दुनिया के सबसे ताकतवर व्हीकल स्टारशिप का चौथा टेस्ट सक्सेसफुल रहा। इसे आज यानी, 6 जून को टेक्सास के बोका चिका से शाम 6.20 बजे लॉन्च किया गया। इसमें स्टारशिप को स्पेस में ले जाने के बाद वापस पृथ्वी पर लाया गया और हिंद महासागर में कामयाब लैंडिंग कराई गई। इस बार के टेस्ट का मेन गोल यह देखना था कि स्टारशिप पृथ्वी के वातावरण में एंट्री के दौरान सर्वाइव कर पाता है या नहीं। स्टारशिप को बनाने वाली कंपनी स्पेसएक्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा- पानी में लैंडिंग सक्सेसफुल रही। स्टारशिप के रोमांचक चौथे उड़ान परीक्षण के लिए पूरी स्पेसएक्स टीम को बधाई! वहीं इस टेस्ट के बाद कंपनी के मालिक इलॉन मस्क ने अपनी एक्स पोस्ट में कहा, 'कई टाइलों के नुकसान और एक डैमेज्ड फ्लैप के बावजूद स्टारशिप ने समुद्र में सॉफ्ट लैंडिंग की पूरी राह तय कर ली।

पाक सरकार बोली- जेल में टीवी-कूलर इस्तेमाल करते हैं इमरान

सुप्रीम कोर्ट को सौंपी तस्वीरें, कहा– झूठ बोलते हैं पूर्व पीएम

इस्लामाबाद, 7 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान बीते 10 महीनों से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। उन्होंने कुछ समय पहले सुप्रीम कोर्ट से ये शिकायत की थी कि उन्हें जेल में बेहद खराब परिस्थितियों में रखा जा रहा है। उन्हें वहां पर बेसिक चीजें भी मुहैया नहीं कराई गई हैं। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट्स के मुताबिक इमरान खान के इन आरोपों को लेकर पाकिस्तान सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में एक रिपोर्ट सौंपी है। इसमें इमरान खान को दी जाने वाली सुविधाओं और व्यवस्थाओं की तस्वीरें और विवरण शामिल हैं। इमरान खान के आरोपों का जवाब देते हुए, पाकिस्तान के उप अटॉर्नी जनरल राजा मुहम्मद शफकत अब्बासी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इमरान खान के आरोप बेबुनियाद हैं। अदालत रिपोर्ट की पुष्टि करने के लिए एक न्यायिक अधिकारी की भी नियुक्ति कर सकती है।

डॉन ने अदालत को मुहैया कराई गई तस्वीरों को साझा किया है। पहली तस्वीर में इमरान खान के जेल के कमरे को दिखाया गया है। कमरे में एक एलईडी टीवी, रूम कूलर, स्टडी टेबल और कुर्सी देखी जा सकती है।

दूसरी तस्वीर में एक गैलरी को दिखाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस गैलरी में इमरान खान को दिन में दो बार टहलते हैं। तीसरी तस्वीर में खाना पकाने की चीजें और बर्तनों से भरी एक अलमारी दिखाई दे रही है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि खाने में क्या बनेगा ये तय करने का अधिकार इमरान खान को दिया गया है।

चौथी तस्वीर में कई किताबों की है। इसमें नेल्सन मंडेला की किताब लॉन्ग वाक टू फ्रीडम, इटालियन पत्रकार और लेखिका ओरियाना फलासी की किताब, व्हाई नेशन्स फेल, द ब्रिटिश इन इंडिया, द लाइफ ऑफ मोहम्मद, द विजन ऑफ इस्लाम आदि किताबें हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये किताबें इमरान खान को पढ़ने के लिए उपब्ध कराई गई हैं। पांचवी तस्वीर में एक्सरसाइज मशीनों को दिखाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इमरान खान शारीरिक व्यायाम के लिए एक्सरसाइज बाइक और स्ट्रेचिंग बेल्ट का इस्तेमाल करते हैं।

इसके अलावा, रिपोर्ट में उन तारीखों का जिक्र है जिसमें इमरान खान के रिश्तेदार, कानूनी टीम और पीटीआई के सदस्य उनसे मिले थे। इमरान खान की पार्टी ने इन तस्वीरों को लेकर सरकार की तीखी आलोचना की है। पीटीआई ने एक पोस्ट में लिखा है कि इमरान खान को एक छोटे से कमरे में रखा गया है, जहां पर कोई सुविधा नहीं है।

पार्टी ने लिखा है, "पूर्व प्रधानमंत्री के तौर पर इमरान खान को उन मौलिक मानवाधिकारों और बुनियादी सुविधाओं से वंचित किया जा रहा है, जिनके वे हकदार हैं। इतिहास पाकिस्तान में इस अभूतपूर्व फासीवाद को याद रखेगा।"

जियो न्यूज चैनल से बात करते हुए, पंजाब की सूचना मंत्री अजमा बुखारी ने कहा कि देश के लोगों को सच का पता चलना बहुत जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि इमरान खान ने देश में बदला लेने वाली राजनीति की नई परंपरा शुरू की थी और उस पर गर्व भी करते थे।

बुखारी ने कहा कि हमारी पार्टी और पंजाब की सीएम मरियम नवाज का कभी भी 'बदले की राजनीति'नहीं करते। ये हमारे एजेंडे में नहीं है। उन्होंने कहा, इमरान खान ने जो झूठ फैलाया और जो एकतरफा तस्वीर पेश की आज उसका पर्दाफाश हो गया है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने पीएम मोदी को फोन किया

स्विटजरलैंड के पीस समिट में शामिल होने की अपील की, यूक्रेन आने का न्योता दिया

कीव, 7 जून (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने गुरुवार को पीएम मोदी को फोन कर लोकसभा चुनाव में जीत की बधाई दी। इसके बाद उन्होंने 15-16 जून को स्विटजरलैंड में होने वाले शांति सम्मेलन में भारत की भागीदारी की अपील की।

जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, "मैंने पीएम मोदी को भारत में जल्द से जल्द सरकार बनाने के लिए शुभकामनाएं दीं, जिससे वे भारतीयों के विकास के लिए काम करते रहें। हमने ग्लोबल पीस समिट पर भी बात की। मुझे उम्मीद है कि भारत इसमें जरूर शामिल होगा।" इसके अलावा जेलेंस्की ने पीएम मोदी को यूक्रेन का न्योता भी दिया। जेलेंस्की के बधाई संदेश पर पीएम मोदी ने उनका शुक्रिया अदा किया। सोशल मीडिया पर पोस्ट में मोदी ने कहा, "राष्ट्रपति जेलेंस्की से बात करके खुशी हुई। मैंने आम चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत पर बधाई के लिए उन्हें धन्यवाद कहा। हम दोनों ने भारत और यूक्रेन की साझेदारी को मजबूत करने पर सहमति जताई।" इससे पहले जेलेंस्की ने 5 जून को भी पीएम मोदी को तीसरे कार्यकाल के लिए बधाई दी थी। स्विटजरलैंड में होने वाली यूक्रेन की पीस समिट का मकसद रूस-यूक्रेन के बीच ढाई साल से जारी जंग को खत्म करवाने से जुड़े विकल्पों पर चर्चा करना है। इसके लिए यूक्रेन ने 10 पॉइंट का प्लान भी तैयार किया है। इस प्लान में यूक्रेन से रूसी सेना की वापसी और युद्ध अपराध के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराने की बात कही गई है। हालांकि, इस सम्मेलन में रूस को न्योता नहीं दिया गया है। स्विटजरलैंड के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, अब तक 80 देश इस सम्मेलन में अपनी भागीदारी की पुष्टि कर चुके हैं। वहीं जेलेंस्की के प्रवक्ता के मुताबिक सम्मेलन में 107 देश और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने शामिल होने के लिए सहमति दी है। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडेन ने इस सम्मेलन में शामिल होने से इनकार कर दिया है। उनकी जगह अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस इस समिट में शामिल होंगी। इसके अलावा पिछले महीने के आखिर में चीन ने भी इस समिट में शामिल होने से इनकार कर दिया। 5वीं बार रूस के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद पिछले महीने चीन के दौरे पर गए पुतिन ने कहा था कि स्विस समिट के जरिए यूक्रेन दुसरे देशों को रूस के खिलाफ भड़काकर अपने पक्ष में करना चाहता है।

डी-डे पर फ्रांस में एकजुट हुए दुनिया के 5 बड़े नेता

क्यों अहम है यह दिन, जिस पर बाइडेन बोले- यूक्रेन जंग सेकेंड वर्ल्ड वॉर जैसी

पेरिस, 7 जून (एजेंसियां)। 5 जून 1944 की रात। फ्रांस के नॉरमंडी शहर में समंदर की लहरें शांत थीं और पूर्णिमा का चांद पूरे शबाब पर था। अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस के 1,60,000 से अधिक सैनिक नॉरमंडी में मौजूद नाजी सैनिकों पर हमला करने की तैयारी कर रहे थे।

लेकिन अचानक एक तूफान आ गया। सारी तैयारी धरी की धरी रह गई। मजबूरन अमेरिकी सेना के सुप्रीम कमांडर ड्वाइट आइजनहावर को अपनी रणनीति बदलनी पड़ी। अमेरिकी सैनिकों ने दिन भर का इंतजार किया। आधी रात के बाद हजारों सैनिक पैराशूट से नॉरमंडी के बीच पर लैंड पर करते हैं। सुबह होने तक नाजी सैनिकों को इस बात की भनक तक नहीं हुई कि दुश्मन सेना इतनी करीब पहुंच चुकी है।

जैसे ही उजाला हुआ अमेरिकी सैनिकों ने सुबह के साढ़े 6 बजे नाजियों पर हमला शुरू कर दिया। इसमें उनका साथ देने ब्रिटेन और फ्रांस के सैनिक आ गए। जमीन-आसमान और समंदर तीनों तरफ से एक साथ हमले की उम्मीद नाजी सैनिकों को नहीं थी। वे संभल नहीं पाए। इसमें जर्मनी के करीब 8,000 सैनिकों की जान गई। वहीं, मित्र देशों (अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन) के करीब 4,500 सैनिक मारे गए। ये सब अचानक नहीं हुआ था। इसकी तैयारी करीब एक सालों से चल रही थी। जर्मनी को भनक थी कि मित्र देश कुछ बड़ा करने वाले हैं मगर अमेरिका ने जानबूझकर उन्हें गलत इनपुट देकर उलझाए रखा। यूं तो नॉरमंडी की लड़ाई का कोडनेम ऑपरेशन ओवरलॉर्ड था, लेकिन यह जंग इतनी निर्णायक और ऐतिहासिक बन गई कि इसके लिए आमतौर पर डी-डे ही प्रचलित हो गया।

डी-डे को 'हिटलर के शासन के अंत की शुरुआत' के दिन के तौर पर याद रखा जाता है। डी-डे की शुरुआत के बाद ही यूरोप को मुक्त कराया जा सका और जर्मनी में नाजी शासन को खत्म किया जा सका। आज ठीक 80 साल बाद इसी नॉरमंडी बीच पर अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, यूक्रेन, कनाडा के नेता इकट्ठा हुए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन बाइडेन, ब्रिटेन के किंग चार्ल्स और पीएम ऋषि सुनक, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की पहुंचे हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, इस दौरान वे दुनिया को ये मैसेज देने की कोशिश करेंगे कि यूक्रेन के खिलाफ रूस की जंग दूसरे विश्वयुद्ध का ही विस्तार है। अमेरिका और उसके सहयोगी देश इसके खिलाफ एकजुट हैं। इस मौके पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एक भावुक भाषण दिया। उन्होंने दूसरे विश्वयुद्ध और अभी रूस के यूक्रेन पर हमले की घटना की कड़ी जोड़ने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि बुरी ताकतें जिनसे मित्र देशों की सेनाएं लड़ी थीं अभी खत्म नहीं हुई हैं। बाइडेन कहा कि तानाशाही और आजादी के बीच संघर्ष अभी थमा नहीं है। यूक्रेन अभी ताजा उदाहरण है कि कैसे एक तानाशाह (पुतिन) ने इस देश पर हमला किया है। मगर यूक्रेन पीछे नहीं हटेगा। हम उसका साथ नहीं छोड़ेंगे।

ऑपरेशन ब्लूस्टार की साजिश में शामिल थीं ब्रिटिश पीएम

लंदन, 7 जून (एजेंसियां)। ब्रिटेन में 4 जुलाई को आम चुनाव होंगे। कई सर्वे में ये अनुमान लगाया गया है कि इस बार ब्रिटेन में लेबर पार्टी सरकार बना सकती है। इस बीच लेबर पार्टी ने घोषणा की है कि अगर इस चुनाव में उनकी जीत होती है तो सरकार बनाने के बाद वे 1984 में भारत में हुए ऑपरेशन ब्लू स्टार में ब्रिटिश सरकार की भूमिका की जांच कराएंगे।

लेबर पार्टी की नेता एंजेला रेनॉर ने ब्रिटिश मीडिया से कहा कि ऑपरेशन ब्लूस्टार की 40 साल पूरे हो चुके हैं। हमारी पार्टी सिख समुदाय के साथ खड़ी है। हम उनकी मांग के मुताबिक लेबर पार्टी की सरकार बनने पर सच का पता लगाने की पूरी कोशिश करेंगे। कोवेंट्री साउथ से लेबर उम्मीदवार जारा सुल्ताना ने दावा किया कि ऑपरेशन ब्लू स्टार घटना में ब्रिटेन की तत्कालीन पीएम रहीं मार्गरेट थैचर की भूमिका को हम सबसे छुपाया गया है। स्लाव से लेबर उम्मीदवार तनमनजीत सिंह धेसी ने पोस्ट कर लिखा कि इंदिरा गांधी ने स्वर्ण मंदिर परिसर पर हमला करने की अनुमति दी थी। अब तक इस घटना के पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पाया है। न ही ब्रिटिश सरकार ने इस घटना में तत्कालीन पीएम रहीं मार्गरेट थैचर की भूमिका की कोई जांच की है। धतनमनजीत सिंह ब्रिटिश संसद में पगड़ी पहनने वाले पहले सांसद थे।

ऑपरेशन ब्लूस्टार में ब्रिटिश एयर सर्विस ने मदद की थी

ये पहली बार नहीं है जब लेबर पार्टी के नेताओं ने ऑपरेशन ब्लू स्टार में थैचर सरकार की भूमिका की जांच की मांग की है। वे पिछले 10 सालों से ये मांग कर रहे हैं। दरअसल, 2014 में ऑपरेशन ब्लूस्टार घटना के 30 साल पूरे होने पर एक रिपोर्ट आई थी। इस रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अमृतसर के स्वर्ण मंदिर पर हुई भारतीय सेना की कार्रवाई में ब्रिटिश स्पेशल एयर सर्विस ने मदद की थी।

कनाडा में इंदिरा गांधी की हत्या की झांकी निकली

2 सिख गनमैन उन्हें गोली मारते दिखे, भारत बोला- हम कनाडा से जवाब मांगेंगे

ओटावा, 7 जून (एजेंसियां)। कनाडा में ऑपरेशन ब्लू स्टार की गुरुवार को 40 वीं बरसी पर इंदिरा गांधी की हत्या की झांकी निकाली गई। यह झांकी वैंकूवर में निकाली गई। इसमें इंदिरा गांधी का पुतला दिखाया गया था, जिसमें गोलियों से छलनी किया गया था। साथ ही उनके हत्यारे बेअंत सिंह और सतवंत सिंह को इंदिरा गांधी पर बंदूक ताने दिखाया गया। इसके बाद आज भारतीय अधिकारियों ने कहा है कि वे इस मुद्दे पर कनाडाई अधिकारियों से जवाब मांगेंगे। भारतीय विदेश मंत्रालय ने मामले में एक लिखित शिकायत कनाडा को भेजने की बात कही है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि 6 जून को कनाडा के अलग-अलग शहरों में ऑपरेशन ब्लू स्टार के खिलाफ प्रदर्शन हुए। टोरंटो में प्रदर्शनकारियों ने भारतीय दूतावास के बाहर बड़े पैमाने पर खालिस्तान के झंडे लहराए और भारत विरोधी नारे लगाए गए।

खालिस्तान समर्थक जरनैल सिंह भिंडरांवाले को पकड़ने के लिए 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के आदेश पर ऑपरेशन ब्लू स्टार चलाया गया था। वह अमृतसर के गोल्डन टेंपल में छिपा था। उसे पकड़ने के लिए 6 जून 1984 को सेना गोल्डन टेंपल और अकाल तख्त साहिब में घुसी और जरनैल सिंह को मार डाला। ऑपरेशन में गोल्डन टेंपल और अकाल तख्त साहिब को नुकसान पहुंचा था। इसकी वजह से सिखों में काफी गुस्सा था। इसके 4 महीने बाद 31 अक्टूबर 1984 को तब की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सुरक्षा में तैनात दो सिख जवानों ने गोलियां मारकर उनकी हत्या कर दी थी। इसके बाद दिल्ली में सिख विरोधी दंगे भड़क गए थे।

पाकिस्तान की पंजाब विधानसभा में अहम बदलाव

इस्लामाबाद, 7 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान की पंजाब असेंबली में संशोधन किए जाने के बाद सांसद अब सदन में अंग्रेजी और उर्दू के अलावा पंजाबी समेत कम से कम चार स्वदेशी भाषाओं में अपनी बात रख सकेंगे।

स्पीकर मलिक मोहम्मद अहमद खान की अगुवाई वाली पंजाब विधानसभा की एक विशेष समिति ने सांसदों को अंग्रेजी और उर्दू के अलावा पंजाबी, सरायकी, पोटोहारी और मेवाती में सांसदों को संबोधित करने की अनुमति देने वाले संशोधनों को गुरुवार को मंजूरी दे दी।

बीजेपी की हिंदू-मुसलमान और मंदिर-मस्जिद की राजनीति रही फेल

सचिन पायलट बोले-इंडिया एलाइंस को देश में समर्थन मिला, हनुमान बेनीवाल आज भी गठबंधन में

अजमेर, 7 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस के महासचिव सचिन पायलट ने कहा- हिंदू-मुसलमान, मंदिर-मस्जिद और मंगलसूत्र की राजनीति को लोगों ने नापसंद किया है। देश का और प्रदेश का मूड कांग्रेस के पक्ष में है। 400 पार का दावा करने वाली एनडीए 200 कुछ पर आकर अटक गई। किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। यह परिणाम सरकार के विरोध में आए हैं। वैभव गहलोत की हार पर पायलट ने कहा- वैभव पिछली बार भी नहीं जीत पाए थे, इस बार भी नहीं जीत पाए। हम और मेहनत करेंगे और अगली बार किसी और सीट से वैभव गहलोत जीतेंगे। हनुमान बेनीवाल पर कहा कि आज भी वह गठबंधन में है। पायलट जयपुर से जालौर जाते समय अजमेर हाईवे पर रुके थे। इस दौरान कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया था।

बीजेपी की भाषण, प्रचार, प्रोपेगेंडा की राजनीति फेल

मीडिया से बातचीत करते हुए पायलट बोले- लोकसभा चुनाव परिणाम का शुद्ध रूप से आकलन करेंगे तो यह वोट सरकार के खिलाफ पड़े हैं। लोकसभा के चुनाव ऐसे थे, जिसे पूरी दुनिया देखना चाहती थी। देश के लोग किस प्रकार की राजनीति को पसंद करते हैं। पिछले 10 साल से भाजपा के शासन में लोगों ने देखा भाषण, प्रचार, प्रोपेगेंडा, बैनर, टेलीविजन और विज्ञापन की राजनीति थी। सरकार ने आर्थिक दृष्टि से सिर्फ चंद लोगों को फायदा पहुंचाने का काम किया है।

किसी को भी स्पष्ट बहुमत नहीं मिला

पायलट कहा कि भाजपा का संख्या बल 303 था। आज 60-70 उनके सांसद कम चुनकर आए हैं। एनडीए ने दावा 400 का किया था। 200 कुछ पर आकर वह अटक गए हैं। यह जो जनादेश है यह खंडित है। किसी भी दल को सरकार बनाने का स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। जो सत्ता में थे उनको अपने घिरेबान में झांकना चाहिए और उन्हें आंकलन करना चाहिए कि कहां कमी रह गई थी। कांग्रेस और इंडिया एलाइंस को आपात जनसमर्थन जनता का मिला है। कांग्रेस पार्टी का प्रदर्शन राजस्थान में बेहतर रहा है। पिछले लोकसभा चुनाव में एक भी सीट जीत नहीं पाए थे। इस बार 11 सीटों पर भाजपा को पराजित कर पाए हैं। यह सब की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। अच्छे प्रत्याशियों का चयन हुआ था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का मेनिफेस्टो, कैंपेन और राहुल गांधी के पदयात्रा, प्रियंका और खड़गे जी का व्यापक जो उन्होंने पूरे देश में प्रचार किया उनका लाभ उन्हें मिला है। हमारा संख्या बल जो था वह दोगुना हो गया है। इंडिया एलाइंस को बंगाल, उत्तर प्रदेश में हर जगह बहुत बहुमत मिला है। जो चुनाव हुए वह महत्वपूर्ण थे और सरकार का गठन राष्ट्रपति के निमंत्रण के बाद होगा। सरकार की जो नीति थी, विपक्ष को खत्म करने की उसे लोगों ने नापसंद किया है।

जयपुर समेत पूर्वी राजस्थान में देर रात चली तेज आंधी

अगले तीन दिन के लिए अलर्ट जारी

जयपुर, 7 जून (एजेंसियां)। नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से राजस्थान में अगले 3 तीन दिनों तक आंधी और तूफान का अलर्ट जारी किया गया है। गुरुवार देर रात राजधानी जयपुर सहित पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में जबरदस्त अंधड़ चला। मौसम विभाग ने राजस्थान में 9 जून तक आंधी और तूफान का अलर्ट जारी किया है, इससे अधिकतम तापमान में भी कमी आने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में 7-9 जून के दौरान बीकानेर और जोधपुर संभाग के कुछ हिस्सों में तेज आंधी, तूफान और हल्की मध्यम बारिश की प्रबल संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में अधिक तापमान मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल है।

पश्चिमी राजस्थान में ओलावृष्टि की चेतावनी

मौसम विभाग की तरफ से जारी किए गए बुलेटिन के अनुसार 7-9 जून को जयपुर, अजमेर, कोटा और भरतपुर संभाग के कुछ हिस्सों में आंधी, तूफान और हल्की बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा 7 जून को पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि होने की भी संभावना है।

गहलोत के बेटे वैभव को लेकर पायलट बोले

पिछली बार भी नहीं जीत पाए, अगली बार और मेहनत करेंगे

जयपुर, 7 जून (एजेंसियां)। वैभव गहलोत को लेकर पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट का बयान सोशल मीडिया पर काफी चर्चाओं में है। अपनी विधानसभा टोंक पहुंचे पायलट से जब मीडिया ने वैभव गहलोत को लेकर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा, वैसे तो हम कई सीटें नहीं जीत पाए। वैभव गहलोत पिछला चुनाव भी हार गए थे, इस बार भी वे नहीं जीत पाए। लेकिन अगली बार और मेहनत करेंगे कहीं और से जीत जाएंगे।

पायलट का यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उनके बयान को गहलोत पर तंज के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, वैभव गहलोत 2019 के लोकसभा चुनावों में अपने गृह जिले जोधपुर से चुनाव हार गए थे। इसके बाद 2024 के लोकसभा चुनावों में उनकी सीट बदली गई और उन्हें जालौर से टिकट दिया गया। वैभव की हार को लेकर पायलट के बयान के कई मायने निकाले जा रहे हैं। उनके बयान को इस मायने में तंज के रूप में देखा जा रहा है कि वैभव गहलोत अगली बार फिर से अपनी सीट बदलेंगे।

गौरतलब है कि सचिन पायलट इस बार लोकसभा चुनावों में वैभव गहलोत के लिए प्रचार करने नहीं पहुंचे। जब मीडिया में इसे लेकर उनसे सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा था कि मुझे बुलाया नहीं गया। इस पर पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था, यह अनावश्यक मुद्दा बनता है या कई बार बनाया जाता है। चुनाव के वक्त किसी को ऐसे कमेंट नहीं करने चाहिए।

ऐसी बेवकूफी भी नहीं करनी चाहिए कि मुझे बुलाया नहीं गया। मैं गया नहीं। इसका ऐसा कोई मतलब नहीं होता है। वो बयान भी नहीं देना चाहिए था। उस बयान की जरूरत नहीं थी। गहलोत ने कहा, प्रियंका गांधी वहां (जालोर-सिरोही) पर आई थीं। सचिन पायलट साथ आते तो कोई दिक्कत नहीं थी। सब उनका वेलकम करते। चुनाव में अब बहुत कम टाइम मिलता है।

मेहंदीपुर बालाजी के पास चार धाम यात्रा करके आ रहे यात्रियों की पलटी बस, 20 घायल

दौसा, 7 जून (एजेंसियां)। जिले में मेहंदीपुर बालाजी के निकट ब्रह्मवाद के पास एक निजी बस शुक्रवार सुबह पलट गई। इससे बस में सवार 20 लोग घायल हो गए। घायलों को पहले सिकराय अस्पताल, फिर दौसा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। गंभीर हालत की वजह से तीन यात्रियों को जयपुर रैफर किया गया है। जबकि बाकी घायल यात्रियों का दौसा जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ये सभी यात्री चार धाम की यात्रा करके लौट रहे थे। इनमें सभी भीलवाड़ा के कोटड़ी गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं। यात्रियों ने बताया कि यह हादसा बस चालक को नींद की झपकी आने से की वजह से हुआ है।

दिव्यांग बुजुर्ग का शव मिलने से सनसनी, अब तक नहीं हो पाई है शव की शिनाख्त

अलवर, 7 जून (एजेंसियां)। शहर के वैशाली नगर थाना क्षेत्र में हनुमान सर्कल पार्क बीचों-बीच बुजुर्ग का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। थाने के एसआई सीताराम ने बताया आज सुबह थाने पर सूचना मिली कि हनुमान सर्कल के बीचों-बीच एक बुजुर्ग व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़ा हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जानकारी ली तो पता चला कि बुजुर्ग करीब 10 दिन से यहीं घूम रहा था और दिव्यांग था। स्थानीय लोगों ने बुजुर्ग फिरोजपुर से होना बताया है। फिलहाल शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया दिया है, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

कन्हैयालाल जघन्य हत्याकांड में बेटा बोला-पाकिस्तान से जुड़े हैं तार

फिर भी 2 साल बाद केस की ट्रायल शुरू हुई, 166 में से सिर्फ 2 गवाहों के बयान हुए

जयपुर, 7 जून (एजेंसियां)। उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड मामले में एनआईए की विशेष अदालत में ट्रायल चल रही हैं। कन्हैयालाल के बेटे यश तेली के बयान दर्ज करवाए गए। यश ने कोर्ट में कहा-आरोपियों ने उसके पिता की जघन्य हत्या की है। वहीं, इन आरोपियों के तार पाकिस्तान से भी जुड़े हैं। लेकिन यहां सबसे बड़ा सवाल है कि घटना के करीब 2 साल बाद मामले की ट्रायल शुरू हुई है।

यश ने कहा- अभी तक कुल 166 गवाहों में से केवल दो गवाहों के ही बयान दर्ज हो पाए हैं। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि केस का फैसला होने में कितना समय लगेगा। जबकि घटना के बाद सरकार ने कहा था कि केस को हम फास्ट ट्रैक करेंगे। एनआईए की विशेष अदालत में अन्य मामले होने के चलते केस की डे टू डे हियरिंग नहीं हो पा रही है। वहीं, समय कम होने की वजह से कन्हैयालाल के बेटे यश से बचाव पक्ष जिरह नहीं कर पाया था। ऐसे में अब बचाव पक्ष को जिरह के लिए अदालत ने 20 जून की तारीख दी है।

करीब साढ़े तीन महीने पहले आरोपियों पर हुए थे चार्ज फ्रेम

उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड में शामिल 9 आरोपियों पर 13 फरवरी को एनआईए की स्पेशल कोर्ट ने चार्ज फ्रेम किए थे। सभी आरोपियों पर आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने, कन्हैयालाल की हत्या करने, अन्य धर्म-जाति को अपमानित व क्षति पहुंचाने सहित षड्यंत्र में शामिल होने के चार्ज तय किए गए थे। एनआईए कोर्ट ने पेश की गई चार्जशीट में लगाई गई सभी धाराओं में आरोपियों पर चार्ज फ्रेम किए हैं।

गौरतलब है कि 28 जून 2022 को कन्हैयालाल की मोहम्मद रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद ने निर्मम तरीके से गला काटकर हत्या कर दी थी। एनआईए की ओर से चार्ज बहस में कहा गया था कि आरोपियों ने वॉट्सऐप पर ग्रुप बनाकर आपराधिक षडयंत्र रचा। धर्म के नाम पर कन्हैयालाल टेलर की जघन्य हत्या की। आरोपियों के खिलाफ जांच से भी यह साबित है कि आपराधिक षड्यंत्र में वे सभी शामिल रहे हैं।

श्रमिक संघ ने उपार्जित अवकाश व भत्तों के भुगतान की मांग की

दौसा, 7 जून (एजेंसियां)। भारतीय मज़दूर संघ से संबद्ध जयपुर विद्युत वितरण श्रमिक संघ ने कर्मचारियों के उपार्जित अवकाश के भुगतान कराने को लेकर निगम के एसई बी.एल. मीना को ज्ञापन दिया। जयपुर विद्युत वितरण श्रमिक संघ के डिस्कॉम महामंत्री हेमन्त कुमार त्रिवेदी ने कहा कि दौसा वृत के विभिन्न खंडों व उपखंडों में कार्यरत कर्मचारियों द्वारा उपार्जित अवकाश का नगद भुगतान प्राप्त करने के लिए माह अप्रैल व मई 2024 में निगम नियमानुसार निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन किया गया।

जयपुर में ज्वेलर ने विदेशी महिला से 6 करोड़ ठगे

- चांदी के गहनों पर सोने की पॉलिश लगाकर बेच दिए
- 300 रुपए के पत्थरों को लाखों के हीरे बताया

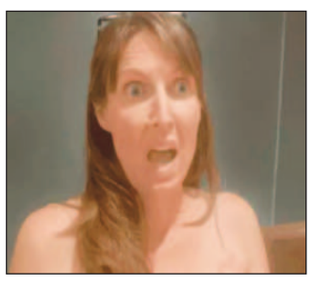

जयपुर, 7 जून (एजेंसियां)। जयपुर में विदेशी महिला को नकली ज्वेलरी देकर 6 करोड़ रुपए ठगने का मामला सामने आया है। ज्वेलर बाप-बेटे ने चांदी की चेन पर सोने की पॉलिश और 300 रुपए वाले मोजोनाइट स्टोन (पत्थर) को लाखों रुपए का हीरे बताकर फर्जी सर्टिफिकेट भी दिया। पुलिस ने फर्जी सर्टिफिकेट जारी करने वाले आरोपी को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है।

फरार ज्वेलर के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी करवाया गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि धोखाधड़ी के रुपए से ज्वेलर्स ने जयपुर में 3 करोड़ का फ्लैट खरीदा है। पुलिस फरार दोनों बाप-बेटे की तलाश में दबिश दे रही है। एडिशनल डीसीपी बजरंग सिंह ने बताया- यूएसए की रहने वाली चेरिस नौरते ने 18 मई को माणक चौक थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। जो पिछले दो साल से ज्वेलर राजेन्द्र सोनी और गौरव सोनी के कॉन्टैक्ट में थी। चेरिस ज्वेलर बाप-बेटे से रत्न जड़ित गहने खरीदकर अमेरिका में बिजनेस करती थी। इस दौरान उसने ज्वेलर बाप-बेटे से करीब 6 करोड़ रुपए के गहने खरीदे।

चलती ट्रेन के एसी कोच में लगी आग

70 लोग सवार थे, आग की लपटें उठी, धुआं फैला-कोच बदलकर किया रवाना

जयपुर, 7 जून (एजेंसियां)। जयपुर में शुक्रवार सुबह चलती ट्रेन के एसी कोच में आग लग गई। फायर अलार्म बजने पर ट्रेन रोककर यात्रियों को दूसरे कोच में शिफ्ट किया। रेलवे कर्मचारियों ने लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। करीब एक घंटे बाद कोच बदलकर ट्रेन को रवाना किया गया। सीपीआरओ शशि किरन ने बताया- साबरमती-दौलतपुर चौक एक्सप्रेस ट्रेन सुबह करीब 5 बजे ट्रेन खातीपुरा से जगतपुरा की ओर जा रही थी। सीबीआई फाटक के पास चलती ट्रेन के एसी कोच में आग लग गई। थोड़ी देर में आग की लपटें उठने लगीं और कोच में धुआं फैल गया। इससे यात्री घबरा गए। तुरंत फायर अलार्म बजाया गया तो पायलट ने तुरंत ट्रेन रोकी।

चित्तौड़गढ़ में वॉटर पार्क में जेसीबी लेकर घुसे 100 से ज्यादा युवक

मचाया उत्पात, जमकर की तोड़फोड़

चित्तौड़गढ़ , 7 जून (एजेंसियां)। उदयपुर संभाग के चित्तौड़गढ़ जिले से चौंकाने वाली घटना सामने आई है. यहां एक वॉटर पार्क में नहा रहे सैकड़ों विजिटर्स तब दहशत में आ गए जब एक साथ 100 से ज्यादा युवक लाठी डंडा हाथ में लेकर अंदर घुस आए। उदयपुर संभाग के चित्तौड़गढ़ जिले से चौंकाने वाली घटना सामने आई है. यहां एक वॉटर पार्क में नहा रहे सैकड़ों विजिटर्स तब दहशत में आ गए जब एक साथ 100 से ज्यादा युवक लाठी डंडा हाथ में लेकर अंदर घुस आए। इसके कुछ देर उत्पात मचा रहे युवक वॉटर पार्क में जेसीबी लेकर अंदर घुस गए और उत्पात मचाते हुए तोड़फोड़ की. इससे मौके पर अफरा तफरी मच गई. सूचना मिलते ही मौके पर क्षेत्रीय थाने की पुलिस पहुंच गई। इसके कुछ देर उत्पात मचा रहे युवक वॉटर पार्क में जेसीबी लेकर अंदर घुस गए और उत्पात मचाते हुए तोड़फोड़ की. उत्पातियों की संख्या ज्यादा होने के कारण मौके पर भारी पुलिस जाब्ता बुलाना पड़ा. साथ ही वाटर पार्क के कार्मिकों और वहां पहुंचे प्रधान और सरपंच के साथ विवाद बढ़ गया और मारपीट हो गई. इससे प्रधान का हाथ फ्रैक्चर हो गया, जबकि 5 अन्य घायल हो गए।

विधायक बोले-कांग्रेस को आरएसएस के कदमों में गिरवी रखा

हमने लोगों को कहते सुना-कांग्रेसी हमारे घर न आएं, यहां बहन-बेटियां हैं

बाड़मेर, 7 जून (एजेंसियां)। बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा सीट पर कांग्रेस की बड़ी जीत हुई। इसके बाद कांग्रेस खोई हुई इमेज लौटाने पर काम कर रही है। बायतु विधायक हरीश चौधरी ने कांग्रेस से निष्कासित नेता मेवाराम जैन का नाम लिए बिना कहा- कांग्रेस की इमेज ऐसी हो गई थी कि लोग कहने लगे थे, हमारे घर बहन-बेटियां हैं, कृपया कांग्रेसी न आएं।

नव निर्वाचित सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल के स्वागत में बाड़मेर जिला कांग्रेस कार्यालय में गुरुवार रात 11 बजे रखी गई मीटिंग में बायतु विधायक हरीश चौधरी ने यह बात कही। इस मीटिंग में हरीश चौधरी के अलावा नव निर्वाचित सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल, पूर्व मंत्री हेमाराम चौधरी, पूर्व जिलाध्यक्ष फतेह खान और वर्तमान जिलाध्यक्ष गफूर अहमद के साथ अन्य कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

निष्कासित नेता मेवाराम जैन का नाम लिए बिना कसे तंज

बता दें कि मेवाराम जैन बाड़मेर से 3 बार विधायक रहे। उन्हें सेक्स स्कैंडल के कारण पार्टी ने निकाल दिया था। मेवाराम जैन बाड़मेर नगर पा लि का चेयरमैन से वि धा य क बने थे। मेवाराम का नाम लिए बिना हरीश चौधरी ने कांग्रेस के लोगों को आगाह किया कि कांग्रेस के चरित्र को ऊंचा उठाना है और जनता का विश्वास जीतना है। हरीश चौधरी ने कहा- प्रचार के दौरान हमें यहां तक सुनना पड़ा कि कांग्रेसी हमारे घर न आएं, घर में बहन-बेटियां हैं। जिस सत्ता का उपयोग गरीब जनता के लिए करना था, उसका इस्तेमाल अपने घिनौने कामों को करने के लिए किया गया। बाड़मेर कांग्रेस को आरएसएस के कदमों में गिरवी रख दिया गया।

बायतु विधायक हरीश चौधरी ने पूर्व विधायक मेवाराम जैन पर इशारों में हमला किया। कहा- जिसे 15-20 साल बा ड़ मे र कांग्रेस की जि म्मे दा री सौंपी। उसका नाम लिया जाता है तो हमारी नजरें ऊपर नहीं उठतीं। जिस सत्ता का इस्तेमाल जनता के लिए करना था, उसका प्रयोग अपने निकृष्ट कामों के लिए किया गया। सत्ता के दलाल बनकर लोग कांग्रेस को कुचलते रहे, रौंदते रहे और इतने साल कांग्रेस के मठाधीश बने रहे।

बाड़मेर में घर-घर बात होने लगी, कृपया कांग्रेसी न आएं

बता दें कि इसी साल जनवरी में कांग्रेस के तत्कालीन विधायक मेवाराम जैन का अश्लील वीडियो सामने आया था। इसके बाद मेवाराम को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया। इस कारण कांग्रेस को हुए नुकसान का जिक्र करते हुए चौधरी ने कहा- बाड़मेर के घर-घर में बात होने लगी। कांग्रेस के नेता कहीं जाते तो कहा जाता कि यहां न आया करें, हमारे घर में बहन-बेटियां हैं। उन्होंने कहा- एक वक्त था जब बाड़मेर शहर के घरों की चाबियां कांग्रेस के नेताओं के पास हुआ करती थीं, लोग कांग्रेस और कांग्रेसियों पर इतना भरोसा करते थे, लेकिन इस पार्टी की यह हालत कर दी कि लोग बहन-बेटियों का हवाला देने लगे।

मेवाराम जैन के मामले में पुलिस ने एफआर लगा दी। महिला के बयान भी बदल गए। मेवाराम ने चरित्र सुधार की कोशिश भी की। इसी को लेकर हरीश चौधरी ने कहा- धन-बल की ताकत से सर्टिफिकेट पाया जा सकता है, लेकिन असली सर्टिफिकेज जनता देती है। उन्होंने कहा-कांग्रेस के नेता स्व. रिखबदास जैन ने कोई चुनाव नहीं जीता था। लेकिन आज भी वे हमारे दिल दिमाग पर राज करते हैं। जनता असली सर्टिफिकेट देती है। जनता ने उम्मेदाराम पर भरोसा जताया है। राजस्थान में जब कांग्रेस की सरकार आएगी, तो मैं यकीन दिलाता हूं कि दलाल लोग बाड़मेर कांग्रेस के मालिक नहीं होंगे।

जनरल कोच में ले जाई जा रही 24 किलो सूखी भांग के साथ आरोपी गिरफ्तार

आबूरोड, 7 जून (एजेंसियां)। दौलतपुर चौक-साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन में जांच के दौरान आबूरोड रेलवे सुरक्षा बल ने ट्रेन के जनरल कोच में एक व्यक्ति के पास से 24 किलो सूखी भांग जब्त की है। कार्रवाई की दौरान टास्क टीम में तैनात महिला कांस्टेबल ने संदिग्ध अवस्था में टायलेट के पास बैठे आरोपी से पूछताछ की, जिसके बाद उसके पास से एक कट्टे में सूखी भांग जब्त की गई। पुलिस के अनुसार ऑपरेशन सतर्क अभियान के तहत रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट आबूरोड पर रेलवे एक्ट रेड व अपराध रोकथाम टास्क टीम में तैनात महिला कांस्टेबल राधा सैनी ने सवारी गाड़ी सं.19412 दौलतपुर चौक एक्सप्रेस के जनरल कोच की तलाशी ली। इस दौरान कोच के टायलेट के पास सीतामढ़ी, बिहार निवासी मदनलाल पुत्र हीरालाल रविदास संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया। उसके पास पीले रंग का प्लास्टिक का कट्टा था, जिसकी तलाश करने पर उसमें से सूखी भांग निकली। सहायक उपनिरीक्षक कृष्ण कुमार द्वारा मौके पर पहुंचकर इसके बारे में पूछताछ करने आरोपी ने घबराकर कट्टे में भांग ले जाना स्वीकार किया। रेलवे सुरक्षा बल ने उसे आगे की कार्रवाई के लिए रेलवे पुलिस को सौंप दिया है।

तेलुगू अमेरिका में सबसे तेजी से बढ़ती भाषा : भट्टी विक्रमार्क

स्वतंत्रता दिवस समारोह में डिप्टी सीएम ने भाग लिया

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने कहा कि अमेरिका के साथ हैदराबाद के रिश्ते मजबूत हैं और आने वाले दिनों में और भी मजबूत होंगे। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने संयुक्त राज्य अमेरिका के महावाणिज्य दूत ने गच्चीबावली में एक निजी होटल में यूएस 248 स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लिया। डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने अमेरिकी पुलिस की सलामी ली। उन्होंने इस समारोह में आमंत्रित करने के लिए अमेरिकी महावाणिज्य दूत जेनिफर लॉरेंस को धन्यवाद दिया। अमेरिका का 248वां स्वतंत्रता दिवस मनाना एक ख़ुशी की बात है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐतिहासिक घटना है और अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस का जश्न पूरी दुनिया के लिए एक त्योहार है, जिसने लोकतंत्र को समृद्ध बनाया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका भी भारत का अच्छा सहयोगी है। अमेरिका सबसे पुराना और सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। अमेरिका की स्वतंत्रता के कारण ही हम लोकतंत्र, स्वतंत्रता और अधिकारों का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलुगू लोगों का अमेरिका से अटूट रिश्ता है। हमारी अधिकांश फिल्मों की शूटिंग अमेरिका में होती है, हमारे बच्चे ज्यादातर उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका जाते हैं, वे उच्च जीवन के लिए वहां जा रहे हैं, अगर कोई भाषा है जो इस समय अमेरिका में तेजी से विस्तार कर रही है तो वह केवल तेलुगु भाषा है, और आने वाले दिनों में वह ऐसे समारोहों में तेलुगु का उपयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत के लोगों के विकास के लिए उनके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी भारतीयों को गर्मजोशी से आमंत्रित करेंगे और उनके साथ नागरिक के रूप में सम्मानपूर्वक व्यवहार करेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत की दोस्ती के लिहाज से हैदराबाद का विशेष स्थान है। उन्होंने कहा कि व्यापार और संस्कृति जैसे मामलों में तेलंगाना और अमेरिका के बीच मजबूत संबंध हैं और ये दिन-ब-दिन मजबूत होते जा रहे हैं और आने वाले दिनों में हैदराबाद और अमेरिका के बीच और मजबूत संबंध होंगे। भारत और अमेरिका दोनों ही इस वक्त चुनावी साल से गुजर रहे हैं। फिलहाल भारत में चुनाव ख़त्म हो चुके हैं और अगले साल अमेरिका में चुनाव होने वाले हैं।

सीडब्ल्यूसी की बैठक में भाग लेने के लिए सीएम रेवंत रेड्डी दिल्ली रवाना

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में भाग लेने के लिए शुक्रवार को नई दिल्ली रवाना हुए, जो शनिवार को होने वाली है। राष्ट्रीय राजधानी की अपनी यात्रा के दौरान, मुख्यमंत्री तेलंगाना कांग्रेस के मामलों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के साथ बैठक कर सकते हैं। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार बनने के बाद से अब तक मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं हुआ है। हाल ही में लोकसभा चुनाव समाप्त होने के साथ, पार्टी नेतृत्व के साथ मंत्रिमंडल विस्तार पर चर्चा होने की संभावना है। इसके अलावा, यह भी बताया गया है कि रेवंत रेड्डी मनोनीत पदों को भरने और तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) के नए अध्यक्ष के चयन पर चर्चा कर सकते हैं। एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी दीपादास मुंशी, पार्टी नेता वामशी चंद रेड्डी और मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा भी सीडब्ल्यूसी की बैठक में भाग लेंगे।

अग्रवाल समाज द्वारा अग्रसेन शीतल पेय जल शाला स्थापित

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा एर्रागड्डा स्थित चेस्ट हॉस्पिटल में अग्रसेन शीतल पेय जल शाला की स्थापना की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ महबूब ख़ान थे। जल शाला का उद्घाटन अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर धीरज अग्रवाल, सत्वंती सरायवाला, अभिषेक अग्रवाल, शाम सुंदर अग्रवाल, महेश अग्रवाल, महेश कनोडिया उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने दान दाताओं का धन्यवाद किया। प्रोजेक्ट चेयरमैन महेश कनोडिया ने बताया कि, सत्वंती सरायवाल की इस जल शाला के स्थापन कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका रही। मनसाराम स्नेहलता अग्रवाल के आर्थिक एवं धीरज अग्रवाल द्वारा पानी की टंकी के सहयोग से यह जल शाला स्थापित की गई। इस अस्पताल में राम नगर शाखा के सहयोग से एक मशीन का नवीनीकरण भी किया गया।

इलेक्ट्रीशियन का प्रकृति प्रेम, खम्मम में हरियाली

बंदरों, जंगली जानवरों के लिए लगाते हैं फलदार वृक्ष पत्नी और बेटी करती हैं सहायता

एनकूर (खम्मम), 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पेशे से एक निजी इलेक्ट्रीशियन का प्रकृति प्रेम खम्मम में हरियाली फैलाने में सहायक हो गया है। जिले के एनकूर निवासी 44 वर्षीय कोंटू सम्बैया में असाधारण पर्यावरण चेतना है और वे पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने इंटरमीडिएट तक पढ़ाई की है। वह पिछले एक दशक से कोत्तागुडेम-खम्मम राजमार्ग पर स्थित मंडल मुख्यालय एनकूर और उसके आसपास विभिन्न किस्मों के पौधे, मुख्य रूप से फलदार वृक्षों का रोपण और बीज बो रहे हैं। किसानों की सिंचाई मोटरों की मरम्मत करने वाले इलेक्ट्रीशियन के रूप में व्यस्त होने के बावजूद, वह चीमलापडु गुट्टा, कल्लूर गुट्टा, इमाम नगर गुट्टा और अन्य जैसे आस-पास की पहाड़ियों पर जाने के लिए समय निकालते हैं, ताकि वे या तो पौधे लगा सकें या अपने द्वारा लगाए गए पौधों को पानी देने के अलावा उनमें बीज भी बो सकें। संबैया ने बताया कि हरियाली फैलाने के उनके प्रयासों में उनकी पत्नी सीता और बेटी साई त्रिवेणी भी अपना सहयोग देती हैं। वह फलदार वृक्षों के पौधे लगाते हैं ताकि जंगलों में रहने वाले बंदरों को भोजन मिल सके और वे गांवों और कस्बों में आना बंद कर दें। उन्होंने बताया कि वे इमली, मद्रास थॉर्न (सीमा चिटकाया), एशियाई पाल्मिरा (थाटी चेट्टू), जंगली बादाम और अन्य प्रकार के पेड़ों के बीज एकत्र करते हैं और बोते हैं। अपने घर पर नर्सरी बनाकर बादाम के छह महीने पुराने पौधे रोपते हैं।

संबैया ने बताया कि शुरू में वे एनकूर मंडल के गांवों में पौधे लगाते थे, लेकिन लोग उन्हें काटकर पहाड़ियों पर हरियाली उगाना पसंद करते थे। गर्मियों में वे पौधों को पानी देने के लिए पानी के डिब्बे लेकर पहाड़ियों पर जाते हैं और पक्षियों को पानी पिलाने के लिए छोटे-छोटे डिब्बे भरते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाली विकसित करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है, ताकि ग्लोबल वार्मिंग को रोका जा सके, अन्यथा आने वाली पीढ़ियों को बहुत नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अब तक लगभग 5000 पौधे लगाए हैं और 15 क्विंटल बीज बोए हैं।

सम्बैया ने हाल ही में एक अभिनव अभियान शुरू किया है, जिसके तहत वे पौधों से भरा एक प्लास्टिक का डिब्बा लेकर तथा ऑक्सीजन मास्क पहनकर सड़कों पर घूम रहे हैं, ताकि ग्लोबल वार्मिंग के खतरों को उजागर किया जा सके। पर्यावरण संरक्षण में उनके प्रयासों के लिए उन्हें प्रथम तेलंगाना स्थापना दिवस समारोह में डॉ. बीआर अंबेडकर फेलोशिप पुरस्कार-2019, नकद पुरस्कार के साथ प्रशंसा प्रमाण पत्र और कई अन्य पुरस्कार प्राप्त हुए।

सरकारी स्कूलों पर लघु वीडियो बनाकर विद्यार्थियों को आकर्षित करेगा प्रशासन

करीमनगर, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी स्कूलों को और अधिक मजबूत बनाने के लिए जिला प्रशासन ने सरकारी स्कूलों में दी जा रही सुविधाओं पर प्रकाश डालने वाले लघु वीडियो तैयार करने का अभिनव विचार पेश किया है।

छात्रों की प्रतिभा के अलावा सरकारी स्कूलों में दिए जा रहे शिक्षण, खेल, भ्रमण पर्यटन और अन्य विशेष कार्यक्रमों को लघु वीडियो में दिखाया जाएगा। वीडियो को विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुप में शेयर किया जाएगा। इस संबंध में जिला कलेक्टर पामेला सत्पथी ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट कॉन्फ्रेंस हॉल में बड़ी बात कार्यक्रम पर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए।

अधिकारियों को दो से तीन दिनों के भीतर लघु वीडियो तैयार करने का निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग के अधिकारी इस मुद्दे पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि इससे सरकारी स्कूलों की लोगों के बीच अच्छी प्रतिष्ठा बनेगी। बड़ी बात के बारे में बात करते हुए कलेक्टर ने कहा कि अधिकारी सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को निजी स्कूलों की तरह ही जोड़ें। प्रत्येक घर जाकर स्कूल जाने वाले बच्चों की पहचान करने के अलावा निजी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों (कक्षा एक से पांच तक) को उनके अभिभावकों को समझाकर सरकारी स्कूलों में पढ़ने के लिए प्रेरित करें।

साथ ही अधिकारी सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों के साथ भी बैठक करें। आंगनबाड़ी केन्द्रों (कक्षा पांच) से कक्षा छह में क्रमोन्नत होने वाले विद्यार्थियों को सरकारी स्कूलों में शामिल करने के लिए कदम उठाना जरूरी है। अगर इसे सफलतापूर्वक लागू किया गया तो सरकारी स्कूलों को मजबूती मिलेगी। शिक्षा विभाग के अधिकारी 10 जून तक विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराने के साथ ही यूनिफॉर्म भी तैयार रखें। कलेक्टर ने स्कूलों में किचन शेड और शौचालय निर्माण में तेजी लाने के निर्देश देते हुए नरेगा से राशि स्वीकृत कराने के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिया।

बोईनपल्ली में फाइनेंसर ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बोईनपल्ली में शुक्रवार को एक फाइनेंसर ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि आत्महत्या का कारण पता नहीं चल पाया है। बोईनपल्ली के हसमथपेट में अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ रहने वाले जगदीश पिछले कुछ दिनों से कुछ मुद्दों को लेकर परेशान थे। पुलिस ने बताया कि जगदीश ने अपनी पत्नी से चाय बनाने को कहा और बाथरूम में जाकर कहा कि वह फ्रेश होने जा रहा है और वेंटिलेटर से लटक गया। काफी देर तक जब वह बाहर नहीं आया तो उसके चिंतित परिवार के सदस्यों ने दरवाजा खटखटाना शुरू कर दिया। जब अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो उन्होंने पड़ोसियों की मदद से दरवाजा खोला और जगदीश को मृत पाया। सूचना मिलने पर बोवेनपल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

हैदराबाद का हवाई सर्वेक्षण कर मानचित्र बनाएगी जीएचएमसी

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में शहरी नियोजन और संसाधन प्रबंधन को बढ़ाने के लिए, जीएचएमसी जल्द ही भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) के आधार पर सर्वेक्षण करेगी, ताकि शहर की सीमाओं के भीतर सभी संपत्तियों और उपयोगिताओं का मानचित्रण किया जा सके। ड्रोन का उपयोग करके हवाई सर्वेक्षण के साथ-साथ अगले महीने से घर-घर जाकर मानचित्रण भी किया जाएगा।

भवन का नाम, संपत्ति कर संख्या (पीटीआईएन), जल कनेक्शन संख्या (सीएएन) और बिजली संख्या जैसी जानकारी ऑन-ग्राउंड सर्वेयर द्वारा एकत्र की जाएगी। एक सार्वजनिक वेब पोर्टल भी बनाया जाएगा, जहां नागरिक स्वेच्छा से अपने आकलन को जोड़ सकते हैं और शहरी विकास से संबंधित निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भाग ले सकते हैं।

जीएचएमसी ने एक प्रेस बयान में कहा, "नियो जियो एजेंसी को 18 महीने की अवधि के लिए परियोजना को क्रियान्वित करने के लिए चुना गया है, साथ ही अतिरिक्त 2 वर्षों के लिए आवेदन के लिए संचालन रखरखाव भी किया जाएगा।" उन्होंने कहा कि एकत्र किए गए डेटा को अत्यंत गोपनीयता के साथ रखा जाएगा। शहरी परिदृश्य का एकीकृत दृश्य प्रदान करने के लिए एकत्र किए गए डेटा को विभिन्न विभागों के विभिन्न डेटासेट के साथ एकीकृत किया जाएगा। इसका उपयोग निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में किया जाएगा।

इसके अलावा, प्रत्येक स्थान के लिए एक विशिष्ट पहचान संख्या तैयार की जाएगी जिसका उपयोग कचरा संग्रहण, आपातकालीन या आपदा प्रबंधन जैसी सेवाएँ प्रदान करने में किया जाएगा। इस नंबर को एचएमडब्यूएस ऍण्ड एसबी, टीएसएसपीडीसीएल और अन्य राज्य सेवाओं के साथ भी टैग किया जाएगा।

शहर में इंडिया आर्ट फेस्टिवल का उद्घाटन

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन मंत्री जुपली कृष्ण राव ने आज तीन दिवसीय इंडिया आर्ट फेस्टिवल का उद्घाटन किया, जिसमें कला संग्रहकर्ता और एनएआर इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक पार्वती रेड्डी, प्रख्यात कलाकार के. लक्ष्मा गौड़, कला पारखी और लेखिका अंजू पोद्दार और इंडिया आर्ट फेस्टिवल के संस्थापक निदेशक राजेंद्र पाटिल भी शामिल थे। मुंबई और दिल्ली में 20 संस्करणों के बाद, भारत का समकालीन कला महोत्सव अब हैदराबाद में आ रहा है। इंडिया आर्ट फेस्टिवल के संस्थापक निदेशक राजेंद्र पाटिल ने कहा कि यह हैदराबाद में एक वार्षिक आयोजन होगा। यह महोत्सव वर्तमान में किंग्स कोहिनूर कन्वेंशन, गुड़ी मलकापुर रोड में चल रहा है। मंत्री ने कहा कि कला सभी के लिए सस्ती होनी चाहिए। हर घर में कला का एक टुकड़ा होना चाहिए। हर घर में एक सुंदर लैंडस्केप पेंटिंग, पेंटिंग, अमूर्त कला का एक टुकड़ा या एक मूर्तिकला, एक कलाकृति या एक तस्वीर होनी चाहिए। जबकि यह एक अच्छा एहसास देता है, यह कारीगरों की मदद भी करता है। यह उन्हें पुनर्जीवित करने में भी मदद करता है। कुल मिलाकर, कलाकारों और कारीगरों को प्रोत्साहन की आवश्यकता है। मैं कल आराम से फिर से आऊंगा और कुछ कलाकृतियां खरीदूंगा। मैं सभी कॉरपोरेट घरानों, अपने मंत्री सहयोगियों और नौकरशाहों से भी अपील करता हूं कि वे इंडिया आर्ट फेस्टिवल में आएं और युवा और उभरते कलाकारों को प्रोत्साहित करें। तेलंगाना सरकार राज्य में कला और शिल्प को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सरकार सभी के लिए खाद्य सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध : तुम्मला

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने कहा है कि राज्य सरकार सभी के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। तुम्मला नागेश्वर राव ने नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी के साथ शुक्रवार को हैदराबाद के एक होटल में तेलंगाना सरकार के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय कमोडिटी संस्थान (आईसीआई) द्वारा आयोजित वैश्विक चावल शिखर सम्मेलन-2024 का उद्घाटन किया। भारत सहित 25 देशों के प्रतिनिधियों, आईसीएआर से संबद्ध आईआईआरआर वैज्ञानिकों और चावल मिलर्स संघों के प्रतिनिधियों ने शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

अधिकारियों ने पौधारोपण कर मनाया बेटी जन्मोत्सव

संगारेड्डी, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र (डीएचईडब्लू) ने शुक्रवार को गांव में एक लड़की के जन्म के उपलक्ष्य में एक पौधा लगाकर कंडी के आंगनवाड़ी केंद्र में बेटी जन्मोत्सव मनाया।

डीएचईडब्लू द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कंडी में लैंगिक समानता पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के दौरान, आईसीडीएस पर्यवेक्षक विश्वनीता ने कहा कि उन्होंने महिलाओं को लैंगिक समानता, लड़कियों की शादी, महिला शिक्षा और महिलाओं से संबंधित कानूनों के बारे में शिक्षित किया है। डीएचईडब्लू समन्वयक प्लावई, चिकित्सा अधिकारी डॉ. राममणि, लिंग विशेषज्ञ विशाला और अन्य मौजूद थे।

भविष्य में और अधिक पदक प्राप्त करने का लक्ष्य : अविनाश मोहंती

उत्कृष्ट पुलिस अधिकारियों को सेवा पदक प्रदान किए

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने आज मुख्य सम्मेलन हॉल में एक पुरस्कार समारोह आयोजित किया, जहां पुलिस आयुक्त, साइबराबाद सीपी अविनाश मोहंती द्वारा उत्कृष्ट पुलिस कर्मियों को सेवा पदक प्रदान किए गए। अपने संबोधन के दौरान, पुलिस आयुक्त ने सेवा पदक प्राप्तकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें सार्वजनिक सुरक्षा और कर्तव्य में असाधारण प्रदर्शन को मान्यता देने के लिए प्रतिवर्ष ये पदक प्रदान करती हैं। वर्ष 2023 के लिए, तेलंगाना सरकार ने साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के 75 पुलिस कर्मियों को सेवा पदक प्रदान किए हैं। पुरस्कारों में 3 महोन्नथा सेवा पथकम, 18 उत्तम सेवा पथकम और 54 सेवा पथकम शामिल हैं, जो कांस्टेबल से लेकर डीसीपी रैंक के अधिकारियों तक के रैंक को कवर करते हैं।

महिलाओं को परेशान करने पर सख्त कार्रवाई : डॉ. तरुण जोशी

राचकोंडा शी टीमों ने 15 दिनों में 76 गुंडों को पकड़ा

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा सीपी डॉ. तरुण जोशी ने कहा कि रचाकोंडा शी टीम्स की पुलिस लड़कियों और महिलाओं को परेशान करने वाले गुंडों को नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि वे मुफ्ती में बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, मेट्रो स्टेशनों, स्कूलों, कॉलेजों, सब्जी बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर जाते हैं और लड़कियों और महिलाओं को परेशान करने वाले गुंडों की हरकतों को अंजाम देते हैं और उन्हें सामने लाते हैं सबूतों के साथ अदालत, और उनके माता-पिता की उपस्थिति में उनकी काउंसलिंग करें। राचकोंडा महिला सुरक्षा विंग, शी टीम्स के तत्वावधान में, आज राचकोंडा कैंप कार्यालय में ईव टीज़र के लिए काउंसलिंग आयोजित की गई। उनकी टीमों ने रचाकोंडा आयुक्तालय में महिलाओं और युवा लड़कियों को परेशान करने वाले 76 लोगों (मेजर-56, नाबालिग-20) को पकड़ा। एलबी नगर सीपी कैंप कार्यालय (महिला सुरक्षा विंग कार्यालय) में उनके परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में सलाहकारों के साथ उनकी काउंसलिंग की गई।

फंड की कमी से जूझ रही ग्राम पंचायतें

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में ग्राम पंचायतें पिछले छह महीनों से राज्य सरकार द्वारा फंड जारी न किए जाने के कारण गंभीर वित्तीय कठिनाइयों से जूझ रही हैं। इस फंडिंग फ्रीज ने कई ग्राम प्रशासनों को बुनियादी सेवाओं और संचालन का प्रबंधन करने के लिए संघर्ष करने पर मजबूर कर दिया है। ग्राम पंचायतों को भुगतान के लिए लंबित लगभग 1,380 करोड़ रुपये में से, राज्य सरकार ने पिछले छह महीनों में दो बार में केवल 160 करोड़ रुपये जारी किए हैं।

पिछले बीआरएस शासन के दौरान, राज्य भर में 12,769 ग्राम पंचायतों को हर महीने लगभग 230 करोड़ रुपये जारी किए गए थे। राज्य सरकार ने केंद्रीय निधियों के साथ-साथ मिलान अनुदान भी जारी किया। इन निधियों ने कचरा संग्रहण, सड़क रखरखाव और डंपिंग यार्ड के संचालन सहित विभिन्न ग्रामीण विकास पहलों का समर्थन किया।

पिछली सरकार ने नए पंचायत राज अधिनियम के तहत प्रत्येक गांव के लिए एक पंचायत सचिव भी नियुक्त किया, जिसका उद्देश्य ग्राम पंचायतों को देश के लिए एक मॉडल बनाना था। इन पहलों के कारण, तेलंगाना के ग्रामीण स्थानीय निकायों ने पिछले तीन-चार वर्षों में विभिन्न श्रेणियों/योजनाओं के तहत केंद्र सरकार से कई पुरस्कार जीते हैं।

हालांकि, मौजूदा सरकार ने इन मासिक आवंटनों में काफी कटौती की है। पंचायत अधिकारियों पर आपातकालीन खर्चों को अपनी जेब से पूरा करने का दबाव है, जिससे उनका वित्तीय तनाव बढ़ रहा है। इस साल फरवरी में ग्रामीण स्थानीय निकायों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद स्थिति और खराब हो गई है, जिसके बाद प्रशासन राज्य सरकार द्वारा नियुक्त विशेष अधिकारियों द्वारा संभाला जा रहा है।

स्थिति विशेष रूप से छोटी ग्राम पंचायतों के लिए विकट है, जहां धन की कमी के कारण आवश्यक सेवाएं ठप हो गई हैं। कचरा संग्रहण के लिए महत्वपूर्ण ट्रैक्टर डीजल की कमी के कारण नहीं चल पा रहे हैं।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय का बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट के चेयरमेन तथा अग्रवाल सेवा दल के परामर्शदाता शरद ब पित्ती के निवास में आगमन पर स्वागत किया गया। इस अवसर पर अजित गुप्ता, प्रदीप अग्रवाल, दीपक गुप्ता, राधिका पित्ती एवं आरती अग्रवाल उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

एनडीए के तीसरी ...

जनता जर्नादन ने सरकार क्या होती है, सरकार क्यों होती है, सरकार किसके लिए होती है, सरकार कैसे काम करती है, इसको पहली बार अनुभव किया है। वरना जनता और सरकारों के बीच में एक खाई की व्यवस्था बनी हुई थी। हमने उसको पाट दिया है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार में हम अगले 10 साल में, मैं बहुत जिम्मेवारी के साथ कह रहा हूं... विकास, नागरिकों के जीवन को अच्छा करना, मेरा निजी रूप से बहुत बड़ा सपना है। मैं लोकतंत्र की समृद्धि को सोचता हूं तो चाहता हूं कि आम आदमी के जीवन में से खासकर मध्य वर्ग और उच्च मध्यम वर्ग के जीवन से सरकार का दखल जितना कम हो उतनी लोकतंत्र की मजबूती हो। आज के तकनीक के युग में बहुत आसानी से हम ऐसा कर सकते हैं। हम बदलाव चाहते हैं। हम विकास का नया अध्याय लिखेंगे, जनता जर्नादक की भागदारी का नया अध्याय लिखेंगे, सब मिलकर विकसित भारत के सपने को साकार करके रहेंगे।

12 जून से ...

तब से अमरावती में 217 किमी इलाके को सिंगापुर जैसी ब्लू ग्रीन सिटी के रूप में डेवलप करने की तैयारी चल रही है। तय हुआ था कि इस पर 20 साल में 1.09 लाख करोड़ रुपये खर्च होंगे।

इसमें विधानसभा, हाई कोर्ट, सचिवालय, विधायक, सांसदों, एमएलसी और सरकारी कर्मचारियों के आवास के साथ ही 144 सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों के दफ्तर बनने हैं। शुरूआत में आंध्र की बुरी आर्थिक स्थिति के बावजूद चंद्रबाबू नायुडू ने 50 हजार करोड़ रुपये की बात रखी।

2019 तक सचिवालय, विधानसभा और हाईकोर्ट बन चुके हैं। जबकि बाकी प्रोजेक्ट 50 प्रतिशत ही पूरे हुए हैं। 2019 में जगन मोहन के सत्ता में आने के बाद यहां एक ईंट भी नहीं रखी गई। बल्कि प्रज्ञा वेदिका दफ्तर पर बुलडोजर चलवा दिया गया। एपीसीआरडीए प्रोजेक्ट रोक दिया गया। लेकिन, पांच साल से प्रोजेक्ट रुका हुआ है। राजधानी का श्रेय नायुडू को न मिले, इसलिए जगन जिद में तीन राजधानी अमरावती, विशाखापट्टनम और कार्नूल बनाना चाहते थे, लेकिन पांच साल में वे तीनों में से किसी भी एक शहर का विकास नहीं कर सके। अब चंद्रबाबू फिर वापसी कर रहे हैं।

नए चुने गए ...

भाजपा के 63, कांग्रेस के 32 और सपा के 17 सांसदों पर गंभीर अपराध दर्ज हैं। लिस्ट में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 7, डीएमके के 6, तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के 5 और शिवसेना के 4 सांसदों के नाम हैं।

संसद पहुंचने वाले सबसे दागी सांसदों की बात करें तो केरल की इडुक्की सीट से कांग्रेस के डीन कुरियाकोस का नाम सबसे ऊपर है। डीन ने 1.33 लाख वोट से जीत हासिल की है। उन पर करीब 88 मामले दर्ज हैं। इस लिस्ट में दूसरा नाम कांग्रेस के शफी परम्बिल का और तीसरा नाम भाजपा के एतेला राजेन्द्र का है।

2024 का चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे सांसदों में से 15 ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों से जुड़े मामलों की घोषणा की है। इनमें से 2 पर आईपीसी की धारा 376 के तहत बलात्कार का आरोप है। इनके अलावा, 4 सांसदों ने अपहरण से जुड़े मामले डिक्लेयर किए हैं। 43 ने अभद्र भाषा से जुड़े मामले अपने चुनावी हलफनामे में लिखे थे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

टी-20 वर्ल्डकप में अमेरिका ने पूर्व चैंपियन पाकिस्तान को हराया

मेजबान ने सुपर ओवर में जीता मैच; भारतीय मूल के 2 खिलाड़ी हीरो बने

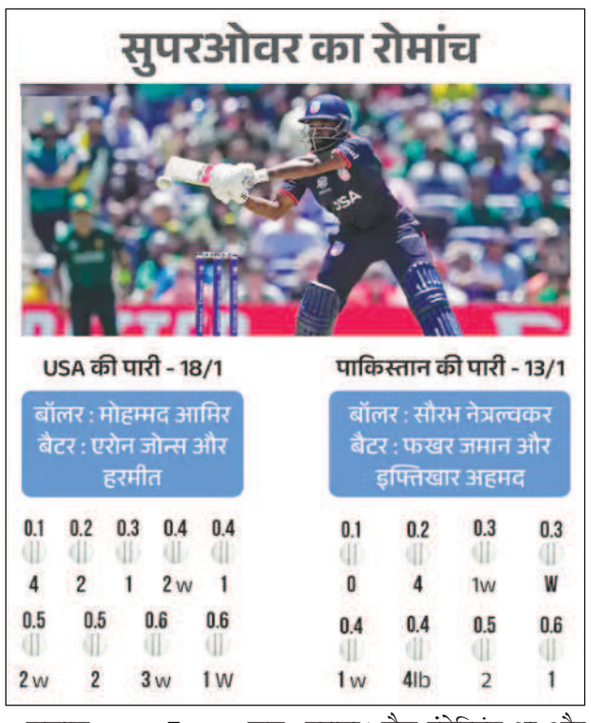

डलास, 7 जून (एजेंसियां)। पहली बार टी-20 वर्ल्डकप होस्ट कर रही और पहली बार वर्ल्ड कप खेल रही अमेरिका ने इतिहास रच दिया है। 2009 की चैंपियन पाकिस्तान को अमेरिका ने सुपर ओवर में हराया। मैच इंट्रेस्टिंग था और आखिरी ओवर तक मैच का विजेता तय नहीं हो पाया। फैसला सुपर ओवर में हुआ। ये इस वर्ल्ड कप का दूसरा सुपर ओवर मुकाबला था। इससे पहले नामीबिया ने ओमान को सुपर ओवर में हराया था। इस पूरी कहानी से पहले यह जान लीजिए कि अमेरिका की कप्तानी गुजरात में जन्मे मोनांक पटेल कर रहे हैं, वे भारत में गुजरात की अंडर-19 टीम से खेल चुके हैं। टीम में सौरभ नेत्रवल्कर हैं, जो 2010 में भारत की ओर से अंडर-19 वर्ल्ड कप खेल चुके हैं।

हरमीत सिंह 2010 और 2012 में अंडर-19 वर्ल्ड कप खेल चुके हैं। वहीं, जसदीप 2011 अंडर-19 वर्ल्ड कप के संभावितों में रहे हैं। इतिहास बनाने वाली अमेरिकी टीम में इन चारों का योगदान रहा है। खासतौर से मोनांक और नेत्रवल्कर का। पाकिस्तान ने अमेरिका को 159 रन का टारगेट दिया था। बाबर आजम ने सबसे ज्यादा 44 रन बनाए। उनके बाद ऑलराउंडर शादाब खान 40 रन का योगदान दिया। नोस्तुश केंजीगे ने 3 विकेट लिए और नेत्रवल्कर ने 2 विकेट। अमेरिका की ओर से मोनांक ने फिफ्टी लगाई। एंड्रीस गॉस ने 35 और एरोन जोंस ने 36 रन बनाकर स्कोर टाई करा दिया।

मुंबई में जन्मे नेत्रवलकर ने पाकिस्तान को धूल चटाई

डलास, 8 जून (एजेंसियां)। मुंबई में जन्मे तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर ने सह मेजबान अमेरिका को टी20 विश्व कप में सुपर ओवर में 2009 के चैंपियन और 2022 के उपविजेता पाकिस्तान के खिलाफ गुरूवार को शानदार जीत दिलाकर क्रिकेट इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया। इंजीनियर से क्रिकेटर बने सौरभ को सुपर ओवर में 18 रन बचाने की जिम्मेदारी दी गयी और उन्होंने अपने चमत्कारिक प्रदर्शन से लाखों पाकिस्तानी प्रशंसकों का दिल तोड़ दिया।

नेत्रवलकर और बाबर आजम के बीच प्रतिद्वंद्विता, 2010 अंडर19 विश्व कप से चली आ रही है, जहां बाबर की पाकिस्तान टीम ने क्वार्टर फाइनल में नेत्रवलकर के भारत को हराया था। 14 साल बाद, नेत्रवलकर, जो अब अमेरिकी टीम के प्रमुख सदस्य हैं, ने एक यादगार बदलाव की योजना बनाई, जिससे उनकी टीम को टी20 विश्व कप में बाबर की पाकिस्तानी टीम पर जीत मिली। नेत्रवलकर की यात्रा भारत के मुंबई में शुरू हुई, जहां क्रिकेट के प्रति उनका जुनून शहर की जीवंत रोशनी से भी आगे निकल गया। क्रिकेट के दीवाने देश में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करने के बावजूद, उन्होंने भारत की सीमाओं से परे अवसरों की तलाश करने का विकल्प चुना।

संयुक्त राज्य अमेरिका में अपनी जगह तलाशते हुए, नेत्रवलकर ने एक ऐसे देश का प्रतिनिधित्व करने की चुनौती को स्वीकार किया जहां क्रिकेट अभी भी अपनी जगह बना रहा था। उनके बाएं हाथ की अद्वितीय गति और विशाल कद ने उन्हें एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी बना दिया, जिससे अक्सर बल्लेबाज़ चकित रह जाते थे। हालाँकि, उनकी यात्रा चुनौतियों से भरी थी। ओरेकल में एक वरिष्ठ सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में अपने करियर के साथ अपनी क्रिकेट आकांक्षाओं को संतुलित करने के लिए अथक समर्पण की आवश्यकता थी। फिर भी, नेत्रवलकर की दोनों कार्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

अमेरिकी टीम में छाए नीतीश कुमार

आखिरी गेंद पर चौका जड़कर पलट दिया मैच, पाकिस्तान की कर दी दुर्गति

डलास, 8 जून (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में 6 जून अमेरिका और पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले में एक खलिाड़ी की खूब चर्चा रही. ये खलिाड़ी हैं अमेरिका की टीम के नीतीश कुमार...जन्होंने 14 गेंदों पर 14 रन बनाकर अमेरिका की जीत सुनश्चिति की. वहीं नीतीश ने ही आखरिी गेंद पर चौका जड़ा, जसि वजह से मैच सुपर ओवर में गया.

टी20 वर्ल्ड कप में 6 जून को अमेरिका (यूएसए) और पाकिस्तान के बीच हुआ मुकाबला फैन्स ताउम्र याद रखेंगे. वजह रही अमेरिका की जीत वो भी सुपर ओवर में...वहीं इस मैच में एक खलिाड़ी भी खूब सुर्खियों में रहा, नाम है नीतीश कुमार. नीतीश ने 14 गेंदों पर 14 रन बनाए और पाकिस्तान की हार सुनश्चिति की. वहीं मैच की आखरिी गेंद पर चौका जड़कर मैच को सुपर ओवर तक पहुंचा दयिा। भारत में लोकसभा चुनाव के बाद जेडीयू के नेता नीतीश कुमार चर्चा में हैं तो दूसरी ओर अमेरिका में भी नीतीश कुमार ने भी अपने प्रदर्शन से टी20 वर्ल्ड कप में डंका बजा दिया है.

सुनील छेत्री : भारतीय फुटबॉल का पोस्टर बॉय, जिसने गोल के मामले में 'मैजिकल मेसी' को दी टक्कर, रचे कई कीर्तिमान

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने गुरुवार को अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मुकाबला खेला। फीफा क्वालिफायर के लिए खेले गए इस मुकाबले में वह अपनी टीम को कुवैत के खिलाफ जीत नहीं दिला सके। यह मुकाबला 0-0 से ड्रॉ पर खत्म हुआ। साल्ट लेक स्टेडियम में खेले गए इस मैच के बाद फैंस ने छेत्री को खड़े होकर सम्मानित किया और उन्होंने लैप ऑफ ऑनर लिया। छेत्री ने अपने संन्यास की घोषणा पिछले महीने ही कर दी थी। उन्होंने इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो जारी कर दी थी।

तेंदुलकर ने दी बधाई

छेत्री के आखिरी मुकाबले के बाद क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा, कोई भी लक्ष्य (गोल) हासिल करना आसान नहीं है, 94 अंतरराष्ट्रीय की तो बात ही छोड़ दीजिए, सुनील छेत्री आपने भारत का झंडा ऊंचा रखा। शानदार करियर के लिए बधाई।

समर्थकों को दिया धन्यवाद

छेत्री ने संन्यास के बाद अपने फैंस को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, जिन्होंने मुझे वीडियो में देखा है, जिन्होंने मेरे ऑटोग्राफ लिए हैं और मेरे पुराने समर्थकों, मैं सभी का दिल से धन्यवाद देता हूं। ये 19 साल आप सभी के बिना संभव नहीं थे। सुनील ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत साल 2005 में पाकिस्तान के खिलाफ की थी। वह सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल (94) करने वाले चौथे खिलाड़ी है। वहीं, क्रिस्टियानो रोनाल्डो, अली डेई और लियोनेल मेसी के बाद सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। उन्हें साल 2011 में अर्जुन पुरस्कार और 2019 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। छेत्री ने अपने शानदार करियर में छह बार एआईएफएफ प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कार जीता। अंतर्राष्ट्रीय मंच पर छेत्री 2008 में एएफसी चैलेंज कप, 2011 और 2015 में एसएएफएफ चैंपियनशिप, 2007, 2009 और 2012 में नेहरू कप के साथ-साथ 2017 में इंटरकांटिनेंटल कप में खिताब जीतने वाली भारतीय टीमों का हिस्सा रहे हैं।

सुनील ने शौकिया तौर पर फुटबॉल खेलने की शुरुआत साल 2002 में की थी। 17 की उम्र में वह मोहन बागान क्लब से जुड़े। उन्होंने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल 20 की उम्र में भेजा। एफसी चैलेंज कप फाइनल 2008 में ताजिकिस्तान के खिलाफ सुनील ने तीन गोल किए थे। उनके इन्हीं गोल के दम पर भारतीय टीम ने 27 सालों बाद एएफसी एशियन कप के लिए क्वालिफाई किया था।

दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस का नेतृत्व करेंगे जैक्स कैलिस

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस ने इंग्लैंड के एजबस्टन और नॉर्थम्पटनशायर स्टेडियम में 3 से 13 जुलाई तक होने वाली वर्ल्ड चैंपियंसशिप ऑफ लीजेंड्स के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम का नेतृत्व महान आलराउंडर जैक्स कैलिस करेंगे जिसमें इमरान ताहिर, हर्शल गिब्स, डेल स्टेन और जेपी डुमिनी जैसे पूर्व दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। वर्ल्ड चैंपियंसशिप ऑफ लीजेंड्स में छह क्रिकेट ताकतों दक्षिण अफ्रीका, भारत, पाकिस्तान, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और वेस्ट इंडीज से छह टीमें उतरेंगी।

कारुआना ने दी प्रज्ञानंद को मात कार्लसन ने फिरोजा अलीरेजा को हराया

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद को नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के अंतिम दौर में संयुक्त राज्य अमेरिका के फैबियानो कारुआना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। वहीं, विश्व के नंबर एक मैग्नस कार्लसन ने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को आर्मगेडन में हराया। 16 अंकों के साथ कार्लसन ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी हिकारू नाकामुरा पर 1.5 अंकों की बढ़त बना ली है। आर्मगेडन में कारुआना के खिलाफ हार के बावजूद प्रज्ञानंद 13 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जो अलीरेजा से एक अंक आगे है। 10.5 अंकों के साथ कारुआना लीरेन (6) से आगे स्टैंडिंग में अगले स्थान पर हैं।

महिला वर्ग में, आर वैशाली को चीन की टिंगजी लेई के हाथों एक और हार का सामना करना पड़ा और वह चौथे स्थान पर खिसक गईं जबकि कोनेरू हम्पी चीन की टूर्नामेंट लीडर वेन्जू जू से हार गईं। चीन की वेन्जू जू ने 16 अंक हासिल करके खिताब के लिए अपना दावा मजबूत किया। टिंगजी लेई और यूक्रेन की अन्ना मुजीचुक उनके पीछे 1.5 अंक हैं, जबकि वैशाली 11.5 अंक के साथ चौथे स्थान पर हैं। हम्पी नौ अंक के साथ चौथे स्थान पर हैं। अनुभवी स्वीडिश खिलाड़ी पिया क्रैमलिंग 6.5 अंक के साथ अंतिम स्थान पर हैं।

'किसान मां की बेटी ने गाल लाल कर दिया'

कंगना रनौत को थप्पड़ मारने वाली सीआईएसएफ महिला के सपोर्ट में उतरे रेसलर बजरंग पूनिया

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। कंगना रनौत के थप्पड़ कांड वाला मुद्दा गहराता जा रहा है। इसमें कोई एक्ट्रेस के सपोर्ट में बात कह रहा है तो कोई सीआईएसएफ महिला जवान का समर्थन कर रहा है। इसी बीच अब रेसलर बजरंग पूनिया ने महिला जवान का समर्थन किया है। उन्होंने ट्वीट कर पोस्ट साझा की है। बीते दिन नवनिर्वाचित सांसद कंगना रनौत को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ महिला जवान ने थप्पड़ जड़ दिया था। इसके पीछे की वजह दी थी कि एक्ट्रेस ने किसान आंदोलन के दौरान महिलाओं पर गलत टिप्पणी की थी कि वो 100-100 रुपए के लिए बैठती हैं। अब ये मामला गर्मा गया है और हर जगह से इस पर रिएक्शन आ रहे हैं।

इसी बीच अब हरियाणा के ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया ने भी पूरे मामले पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ट्विटर पर पोस्ट साझा कर नैतिकता की बातें करने वालों से सवाल किया। वो लिखते हैं, 'जब महिला किसानों के लिए अनाप शनाप बोला जा रहा था तब कहां थे नैतिकताएं पढ़ाने वाले लोग! अब उस किसान मां की बेटी ने गाल लाल कर दिया तो शांति का पाठ पढ़ाने आ गए। सरकारी जुल्म से किसान मारे गए, उस समय यह शांति पाठ पढ़ाना था हुकूमत को।'

थप्पड़ कांड के बाद सस्पेंड हुई महिला जवान

इतना ही नहीं बजरंग पूनिया ने अंत में शायरी भी लिखी, 'घटाएं उठती हैं बरसात होने लगती है, जब आंख भर के फ़लक को किसान देखता है।' आपको बता दें कि बजरंग पूनिया ने महिला पहलवानों के धरना प्रदर्शन में भी हिस्सा लिया था। साथ ही किसान आंदोलन के दौरान नजर आए थे। वो लगातार किसानों का समर्थन कर रहे हैं। आपको बता दें कि चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर कंगना रनौत को थप्पड़ मारने वाली महिला जवान को सीआईएसएफ प्रशासन द्वारा सस्पेंड कर दिया गया। मामले की जांच की जा रही है।

बॉलीवुड पर बिफरीं कंगना

इसके साथ ही इस कांड को लेकर एक्ट्रेस ने बॉलीवुड पर भी निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा की और फिर उसे डिलीट कर दिया। कंगना ने लिखा कि फिल्म इंडस्ट्री के लोग इस समय जश्न मना रहे हैं या फिर एयरपोर्ट पर अटैक के बाद चुप हो गए हैं। उन्होंने सभी को हिदायत देते कहा कि याद रखना कि कल को किसी इजराइली या फिलिस्तीनी ने आप पर या आपके बच्चे पर हमला किया तो वो ही उनके हक के लिए लड़ेंगीं।

आईसीसी की नींद खुली, न्यूयॉर्क की पिच सुधारने की हो रही कोशिश

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने माना है कि टी20 वर्ल्ड कप 2024 में न्यूयॉर्क के नासाऊ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड में अब तक इस्तेमाल की गई दो पिचें घटिया स्तर की रही हैं। इस वेन्यू पर शेष टी20 विश्व कप मैचों से पहले इस समस्या को "समाधान" करने का प्रयास हो रहा है। 9 जून को भारत-पाकिस्तान के बीच हाई वोल्टेज मैच इसी मैदान पर होना है।

भारत और आयरलैंड के बीच बुधवार को नासाऊ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड में बल्लेबाजों के लिए बेहद कठिन विकेट के बाद आईसीसी ने कहा कि "नासाऊ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में अब तक इस्तेमाल की गई पिचें उतनी निरंतरता से नहीं खेली हैं, जितनी हम सभी चाहते थे। विश्व स्तरीय मैदान वाली टीम कल के खेल के समापन के बाद से स्थिति को सुधारने और शेष मैचों के लिए बेहतर प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है।" न्यूयॉर्क के नासाऊ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड को पार्क में बनाया गया है। इसे बनाने में 5 महीने का वक्त लगा। यहां फ्लोरिडा में बने ड्रॉप-इन पिचों का इस्तेमाल हो रहा है। इस स्टेडियम में पहला मैच साउथ अफ्रीका और श्रीलंका के बीच 3 जून को खेला गया था। पिच नंबर-1 पर खेले गए इस मैच में श्रीलंका की टीम 77 रन पर आउट हो गई थी। साउथ अफ्रीका को टारगेट हासिल करने में 16.2 ओवर लग गए थे।

पिच नंबर 2 और 3 का अभी तक उपयोग नहीं किया गया

5 जून को भारत ने आयरलैंड को पिच नंबर-4 पर 96 रन पर आउट कर दिया था। भारतीय टीम 8 विकेट से यह मैच जीती,लेकिन कप्तान रोहित शर्मा और ऋषभ पंत को खूब चोट लगी। रोहित शर्मा को हाथ पर चोट लगने के बाद रिटायर हर्ट होना पड़ा। जसप्रीत बुमराह के बाउंसर पर हैरी ट्रैक्टर को उंगली में चोट लगी थी।

नामीबिया के खिलाफ पहली बार टी-20 मुकाबला जीता स्कॉटलैंड

5 विकेट से हराया, बेरिंगटन ने 47 रन की पारी खेली, लीस्क का दोहरा प्रदर्शन

स्पोर्ट्स डेस्क, 7 जून (एजेंसियां)। वर्ल्ड कप में शुक्रवार देर रात नामीबिया और स्कॉटलैंड के बीच मैच खेला गया। स्कॉटलैंड ने यह मुकाबला 5 विकेट से जीत लिया। बारबाडोस के केंसिग्टन ओवल में नामीबिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 155 रन बनाए। जवाब में स्कॉटलैंड ने 18.3 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट चेज कर लिया।स्कॉटलैंड के कप्तान रिची बेरिंगटन ने नाबाद 47 रन की पारी खेली। वहीं, माइकल लीस्क ने 17 बॉल पर 35 रन बनाने के साथ ही 1 विकेट भी अपने नाम किया। यह स्कॉटलैंड की नामीबिया पर पहली टी-20 जीत थी। इससे पहले हुए तीनों टी-20 मुकाबले नामीबिया के नाम रहे थे।

नामीबिया की पारी : पावरप्ले में विकेट गिरे, मिडिल ओवर्स में हुई साझेदारी

पहले बल्लेबाजी करने उतरी नामीबिया ने पावरप्ले में 3 विकेट खो दिए। ओपनर जेपी कोट्ज 0 रन बनाकर पहले ही ओवर में विकेट दे बैठे। वहीं, चौथे ओवर में निकोलस डेविन और 5वें ओवर में जान फ्रिलिंक 12 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद चौथे विकेट पर कप्तान जेराड इरास्मस आए और पारी को संभाला, उन्होंने जेन ग्रीन के साथ 38 बॉल में 51 रन की साझेदारी की। इरास्मस 52 रन बनाकर आउट हुए।

आखिर में जेन ग्रीन और डेविड विसे ने साथ 22 बॉल में 31 रन जोड़े। ग्रीन 28 रन और विसे 14 रन बनाकर आउट हुए। रूबेन ट्रम्पेलमैन 1रन और जेजे स्मिट 11 रन बनाकर पवेलियन लौटे। बर्नार्ड स्कोल्ट्ज 6 रन आर टैंगेनी लुंगामेनी 0 रन बनाकर नाबाद रहे। नामीबिया 9 विकेट खोकर 155 रन ही बना सकी। स्कॉटलैंड की ओर से ब्रैड व्हील को 3 विकेट मिले। वहीं ब्रेड करी को 2 विकेट हासिल हुए। क्रिस सोल, क्रिस ग्रीव्स और माइकल लीस्क को 1-1 सफलता मिली।

रोहित शर्मा की टीम इंडिया को रहना होगा सतर्क उलटफेर करने में माहिर है यूएसए

डलास, 8 जून (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 11वें मैच में जो हुआ उसके बाद सभी बड़ी टीमों को सतर्क रहने की जरूरत है. दरअसल, पाकिस्तान बनाम अमेरिका मैच में अमेरिका ने पाकिस्तान को सुपर ओवर में हरा दिया। बता दें कि ग्रुप ए में कनाडा, आयरलैंड और पाकिस्तान के अलावा भारत के साथ अमेरिका भी है. जो अपने पहले मैच से ही फॉर्म में है. टी20 वर्ल्ड कप के 25वें मैच में भारत और अमेरिका आमने-सामने होंगे. इसके लिए भारत को अमेरिका के खिलाफ सतर्क रहने की जरूरत है।

अमेरिकी खिलाड़ी भारत के लिए क्यों हो सकते हैं खतरनाक?

इस टी20 वर्ल्ड कप में अमेरिका ने अब तक जो मैच जीते हैं, वे संयोग से मिलने वाली जीत नहीं है. उनकी टीम में भारतीय, वेस्टइंडीज, साउथ अफ्रीकी, न्यूजीलैंड और पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ी हैं. वे किसी भी बड़े देश को परेशान कर सकते हैं. सबसे पहले उन्होंने इसी महीने बांग्लादेश को द्विपक्षीय सीरीज में 2-1 से हराया. फिर टी20 वर्ल्ड कप में उन्होंने कनाडा और पाकिस्तान को अपने शुरुआती मैचों में हराया. इसके बाद शायद भारत की बारी भी आ सकती है।

अमेरिकी बल्लेबाज से लेकर गेंदबाज तक, हर कोई फॉर्म में

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अमेरिका का अगला मुकाबला भारत से है. जो 12 जून को खेला जाएगा. इससे पहले अमेरिका दो मैच खेल चुका है. पहला कनाडा और दूसरा पाकिस्तान के खिलाफ. दोनों ही मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच अमेरिकी खिलाड़ी रहा. कनाडा के खिलाफ मैच में एरॉन जोन्स प्लेयर ऑफ द मैच बने. जबकि पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मैच में अमेरिकी कप्तान मोनंक पटेल प्लेयर ऑफ द मैच बने। एरॉन जोन्स ने 2 मैचों में 130 रन बनाए हैं. एंड्रिस गूस ने 2 मैचों में 100 रन बनाए हैं.

तुम्मिडीहट्टी में बैराज का निर्माण होगा पूरा : सिंचाई मंत्री

पेड्डापल्ली, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार आदिलाबाद जिले के तुम्मिडिहट्टी में बैराज बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह कांग्रेस पार्टी के चुनावी घोषणापत्र में था इसलिए, यह परियोजना इसी कार्यकाल में पूरी होगी। मंत्री ने शुक्रवार को सुंडिला बैराज का निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह बातें कही। विपक्षी पार्टी के इस आरोप पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कि रेड्डी ने कहा कि उन्होंने केंद्र सरकार के उच्च योग्यता प्राप्त निकाय राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) को यह जिम्मेदारी सौंपी है कि वह अध्ययन करे कि कितना नुकसान हुआ है, किस तरह के परीक्षण किए जाने चाहिए और मरम्मत कैसे की जानी चाहिए? एनडीएसए ने अपनी अंतरिम रिपोर्ट में कुछ सिफारिशें की हैं तथा मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंडिला बैराजों में कुछ परीक्षण करने की सलाह दी है।

आचार संहिता लागू होने के कारण वे इन दिनों परियोजनाओं का दौरा नहीं कर सके। चुनाव आचार संहिता हटने के कारण वे सुंडिला, अन्नाराम और मेडिगड्डा बैराज में चल रहे कार्यों का निरीक्षण कर रहे थे और इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों तथा संबंधित एजेंसियों को एनडीएसए की सिफारिशों का पालन करते हुए काम करने के निर्देश दिए। जब उनसे पूछा गया कि क्या बरसात के मौसम की शुरूआत तक कार्य पूरा हो जाएगा, तो मंत्री ने बताया कि उन्होंने नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी को जल्द से जल्द कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

न्यायमूर्ति चंद्र घोष समिति के मेडिगड्डा परियोजना के दौरे के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने मेडिगड्डा क्षति से संबंधित सभी मुद्दों का अध्ययन करने के लिए न्यायमूर्ति चंद्र घोष जांच समिति गठित की है।

पुलिस को देखते ही इमारत से लगाई छलांग

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार रात लालागुडा के लालापेट में पुलिस से बचने के लिए एक व्यक्ति ने बहुमंजिला इमारत की पहली मंजिल से छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब विनय कुमार (36) और उसके दोस्त कथित तौर पर इमारत में ताश खेल रहे थे। उसी पड़ोस में रहने वाले टास्क फोर्स के एक अधिकारी को अवैध गतिविधि के बारे में सूचना मिली और उन्होंने अपनी टीम को परिसर पर छापा मारने के लिए सूचित किया। हालांकि, टीम के पहुंचने से पहले ही अधिकारी भवन में पहुंच गए और उसके प्रवेश द्वार पर खड़े होकर उसकी रखवाली करने लगे तथा उन्हें भागने से रोकने लगे। विनय का एक मित्र कमरे से बाहर आया और उसने प्रवेश द्वार पर अधिकारी को देखा तथा अपने मित्रों को इसकी सूचना दी। गिरफ्तारी के डर से उन्होंने भागने की कोशिश की और इस दौरान विनय पहली मंजिल से कूद गया और घायल हो गया। उन्हें निकटवर्ती निजी अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। लालागुडा पुलिस ने कहा कि विनय के परिवार ने कहा है कि वह दुर्घटनावश इमारत से फिसलकर गिर गया और उसकी मौत हो गई। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। विनय के परिवार में उनकी पत्नी और दो बच्चे हैं।

पक्षियों के लिए 1200 जागरूकता कार्यक्रम कर चुके हैं 'पक्षी राजन'

स्कूलों में बच्चों को करते हैं जागरूक * 5000 रुपये प्रतिमाह खर्च करते हैं पक्षियों के लिए

आदिलाबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पेयजल की कमी के कारण एक गौरैया की मौत से आहत और बढ़ते प्रदूषण से चिंतित, बोथ कस्बे के एक बी.कॉम स्नातक ने पक्षियों और प्रकृति के संरक्षण के बारे में छात्रों और आम जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए छह वर्षों से प्रयास किया है और पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले के स्कूलों और गांवों में कार्यक्रम आयोजित किए हैं। वेंकटेश ने बताया कि कुछ साल पहले, एक गौरैया मेरे सामने ही निर्जलीकरण के कारण मर गई थी। जब उसका दुखद अंत हुआ, तो मैं मूकदर्शक बनकर रह गया। इस घटना ने मुझ पर गहरा प्रभाव डाला। मैंने पक्षियों और प्रकृति की सुरक्षा के लिए अपना योगदान देने का निश्चय किया। मैं स्कूली बच्चों को लक्षित कर रहा हूं जो देश के भावी नागरिक हैं।

पक्षियों के लिए दाना आदि का उठाते हैं खर्च :

बोथ के एक छोटे व्यवसायी

वेंकटेश ने अब तक आदिलाबाद, निर्मल और मंचेरियल और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों के स्कूलों में प्रकृतिथो स्नेहम-पक्षुलाकु सहायम (प्रकृति से दोस्ती करना, पक्षियों की मदद करना) शीर्षक से लगभग 1,200 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए हैं। इसके अलावा, वह अपनी बचत लगभग 5,000 रुपये प्रति माह और परोपकारी लोगों से प्राप्त दान की सहायता से हर गर्मियों में स्कूलों में पक्षियों के लिए दाना, प्लास्टिक के टब और मिट्टी के बर्तन आदि का खर्च उठाते हैं, जिससे पक्षियों को पीने का पानी मिल सके।

मंदिर में चलाते हैं पूजा सामग्री की दुकान :

शहर के एक मंदिर में पूजा सामग्री की दुकान चलाने वाले पक्षी प्रेमी ने बताया कि वह अपने एक सहायक के साथ लगभग हर दिन अपनी मोटरसाइकिल से स्कूल जाते हैं और इस मिशन के लिए एक दिन बिताते हैं। उन्होंने बताया कि वह लगभग एक घंटे तक विद्यार्थियों को विभिन्न पक्षी प्रजातियों के विलुप्त होने के कारणों और रोकथाम के उपायों के बारे में आंकड़ों और अध्ययनों के निष्कर्षों का उपयोग करके समझाते हैं।

साल भर दो मुद्दों के प्रति लोगों को करते हैं जागरूक :

आदिलाबाद के पक्षी-पुरुष माने जाने वाले 47 वर्षीय इस पक्षी-पुरुष ने बताया कि वे साल भर महत्वपूर्ण अवसरों पर लोगों को इन दो मुद्दों के प्रति जागरूक करते हैं। वे तेलंगाना के कई हिस्सों में आयोजित पर्यावरण और पक्षी सैर पर कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। वे प्रकृति और मानव जीवन में पक्षी समुदाय की भूमिका के बारे में प्रतिभागियों की समझ बढ़ाने की कोशिश करते हैं। वह जनता से प्लास्टिक के उपभोग से बचने, तेज आवाज में संगीत बजाने तथा फसल उगाने के लिए खतरनाक उर्वरकों और कीटनाशकों का प्रयोग न करने का आग्रह करके पर्यावरण संरक्षण की वकालत करते हैं।

पेद्दा चेरुवु में महिला डूबने की आशंका

संगारेड्डी, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अमीनपुर के पेद्दा चेरुवु में शुक्रवार को एक महिला जयश्री (25) के डूबने की आशंका है। अमीनपुर नगर पालिका के सैधाम कॉलोनी में रहने वाली जयश्री और उनके पति रवि तेजा शाम को टहलने के लिए तालाब पर आए थे, तभी वह गलती से पानी में फिसल गई और कुछ ही मिनटों में गायब हो गई।

सूचना के बाद पुलिस और आपदा प्रबंधन के कर्मचारी मौके पर पहुंच गए हैं। उन्होंने महिला की तलाश के लिए कुछ गोताखोरों को लगाया है।

'मछली प्रसादम' के लिए 8-9 जून को यातायात में बदलाव

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली के प्रदर्शनी मैदान में मछली प्रसादम के वितरण के मद्देनजर 8 जून को रात 12 बजे से 9 जून को सुबह 6 बजे तक आयोजन स्थल के आसपास कुछ यातायात प्रतिबंध लगाए गए हैं। नामपल्ली की ओर से कार से आने वाले लोगों को गृह कल्प, गगन विहार और चंद्र विहार में वाहन पार्क करने होंगे और पैदल ही प्रदर्शनी ग्राउंड गेट नंबर 2 की ओर जाना होगा।

एमजे मार्केट की ओर से बसों और वैनों में आने वाले लोग अपने वाहनों को गांधी भवन स्टॉप या गृहकल्प बस स्टॉप पर खड़ा करेंगे और गेट नंबर 2 से परिसर में प्रवेश करेंगे।

एमजे मार्केट की तरफ से आने वाले सभी वीआईपी कार पास धारक अजंता गेट, गांधी भवन की ओर बढ़ेंगे और बाएं मुड़कर गेट नंबर 1 और सीडब्ल्यूसी गेट से वीआईपी प्रवेश द्वार की ओर जाएंगे और नामपल्ली से आने वाले वीआईपी कार पास धारक गांधी भवन पर यू टर्न लेंगे और बाएं मुड़कर गेट नंबर 1 और सीडब्ल्यूसी गेट से वीआईपी प्रवेश द्वार की ओर जाएंगे।

इसी तरह एमजे मार्केट से दोपहिया वाहन पर आने वाले लोग मनोरंजन कॉम्प्लेक्स पार्किंग क्षेत्र में अपने वाहन पार्क करेंगे। नामपल्ली से आने वाले लोग गृह कल्पा से भाजपा कार्यालय के बीच सड़क पर अपने वाहन पार्क करेंगे। सरकारी वाहन, बसें और वैन एमएएम गर्ल्स जूनियर कॉलेज, नामपल्ली में पार्क किए जाएंगे। एमजे मार्केट की तरफ से आने वाले वाहनों को आबिद रोड, जीपीओ नामपल्ली की तरफ मोड़ दिया जाएगा।

वैध पास के साथ खाद्य सामग्री ले जाने वाले स्वयंसेवी संगठनों के वाहनों को गेट नंबर 3 से अनुमति दी जाएगी। एमजे ब्रिज और बेगम बाजार छतरी से नामपल्ली की ओर आने वाले सामान्य यातायात को अलास्का में दारूस्सलाम, एक मीनार आदि की ओर मोड़ दिया जाएगा। किसी भी आपातकालीन स्थिति में यात्रा सहायता के लिए 9010203626 (ट्रैफिक हेल्पलाइन) पर कॉल करें।

दक्षिण मध्य रेलवे में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्यालय में आज अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे की अध्यक्षता में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में अपर महाप्रबंधक श्री आर. धनंजयुलु, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख मुख्य सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर श्री जी.के. द्विवेदी, सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष, विजयवाडा और गुंतकल मंडल के अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक, संबंधित अधिकारी उपस्थित थे तथा अन्य मंडलों व कारखानों के प्रतिनिधियों ने ऑन लाइन माध्यम से सहभागिता की।

महाप्रबंधक ने सबसे पहले रेल मंत्री राजभाषा शील्ड का प्रथम पुरस्कार प्राप्त होने पर इस रेलवे के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने अखिल रेल स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करनेवाले विजयवाडा मंडल के नाटक की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रथम स्थान प्राप्त करने से जिम्मेदारी और बढ जाती है।

प्रथम स्थान को बनाए रखने के लिए निरंतर मेहनत करते रहें। राजभाषा मदों का अनुपालन करना हम सबकी संवैधानिक जिम्मेदारी है। उन्होंने रेल संरक्षा से जुडे सभी प्रलेखों को अनिवार्य रूप से द्विभाषिक रूप में जारी करने के लिए कहा है। इससे पहले बैठक के आरंभ में मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख मुख्य सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर ने समिति के अध्यक्ष तथा सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली में किए गए संशोधनों पर विशेष ध्यान देते हुए इसे भरकर निरीक्षण की तैयारी की जाए। स्टेशन संचालन नियमों का अनुवाद प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। इस रेलवे पर राजभाषा के प्रयोग-प्रसार के लिए नियमित रूप से कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। डॉ. श्याम सुंदर साहू, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने पिछली तिमाही की राजभाषा प्रगति रिपोर्ट की मदों पर विस्तार से चर्चा की। एम.के. नागराजु, राजभाषा अधिकारी, प्रधान कार्यालय ने पिछली तिमाही के दौरान किए गए विशेष कार्यों की जानकारी दी। मंडलों और कारखानों के प्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की और अगली तिमाही की कार्ययोजना के बारे में जानकारी दी।

पलटे ईंधन टैंकर से डीजल चुराने लगे लोग

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को यदाद्री भुवनागिरी जिले के बोम्मालारामरम मंडल के पेड्डा पर्वतपुर गांव के बाहरी इलाके में एक तेज रफ्तार डीजल टैंकर के पलट जाने पर स्थानीय लोग पलटे हुए टैंकर से ईंधन चुराने के लिए घटनास्थल पर पहुंच गए।

रिपोर्ट के अनुसार घटना के बाद स्थानीय लोग पुलिस के पहुंचने से पहले ही मौके पर पहुंच गए और टैंकर से ईंधन निकालना शुरू कर दिया।

हालांकि, दुर्घटना की खबर स्थानीय पुलिस तक पहुंचने के बाद वह मौके पर पहुंची और भीड़ को तितर-बितर किया तथा इलाके की घेराबंदी कर दी। पलटे हुए डीजल टैंकर को क्रेन की मदद से सुरक्षित हटा दिया गया।

आज तेलंगाना राज्य कांग्रेस मामलों की प्रभारी दीपा दास मुंशी से कुंदुरु रघुवीर रेड्डी, नलगोंडा और भुवनागिरी के निर्वाचित सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी, मेदक संसदीय कांग्रेस के उम्मीदवार नीलम मधु ने हैदराबाद में उनके आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर खैरताबाद डीसीसी अध्यक्ष रोहिन रेड्डी, बाबा फसुरुद्दीन उपस्थित रहे।

भाजपा नेता के खिलाफ मानहानि के मुकदमे में दीपादास अदालत में उपस्थित

हैदराबाद, 7 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) तेलंगाना प्रभारी दीपादास मुंशी शुक्रवार को नामपल्ली की एक अदालत में पेश हुईं और पूर्व विधायक और भाजपा नेता एनवीएसएस प्रभाकर के खिलाफ मानहानि के मुकदमे में अपना बयान पेश किया। मानहानि के मुकदमे में दीपादास मुंशी का बयान अदालत में 40 मिनट तक दर्ज किया गया और आगे की सुनवाई दो सप्ताह के लिए स्थगित कर दी गई। उन्होंने भाजपा नेता एनवीएसएस प्रभाकर को एक तेलुगु समाचार चैनल पर यह आरोप लगाने के लिए मानहानि का नोटिस भेजा है कि उन्होंने अपनी पार्टी के कुछ नेताओं का पक्ष लेने के बदले में एक मर्सिडीज बेंज स्वीकार की। दीपादास मुंशी के साथ सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी, अनिल यादव और रघु वीर रेड्डी तथा अन्य कांग्रेस नेता भी थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.